INDEX

		पेज नं.
1	राजस्थान परिदृश्य	1 – 17
2	राष्ट्रीय परिदृश्य	18 – 24
3	आर्थिक परिदृश्य	25 – 30
4	अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य	31 – 38
5	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	39 – 45
6	खेल	46 –49
7	पुरस्कार एवं सम्मान	50 – 53
8	चर्चित व्यक्तित्व	54 – 58
9	चर्चित स्थल	59 – 61
10	महत्त्वपूर्ण तथ्य	62
11	रिपोर्ट्स एवं इंडेक्स	63 – 67
12	प्रमुख दिवस एवं सप्ताह	68 – 73
13	सार : योजना - कुरुक्षेत्र	74 – 84
14	आलेख	85 – 87
15	टर्म इन न्यूज	88 – 92
	मॉडल प्रश्न	93 – 101

मासिक करेंट अफेयर्स

जून : 2024

1 राजस्थान परिदृश्य

18वी लोकसभा मे राजस्थान

राजनीतिक दल	सीटें
भारतीय जनता पार्टी	14
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	8
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया मार्क्सीसिस्ट	1
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	1
भारत आदिवासी पार्टी	1
कुल	25

राजस्थान वर्तमान में 18वीं लोकसभा में 3 महिला सांसद है-

1. श्रीमती संजना जाटव (भरतपुर) (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस)
2. श्रीमती मंजू शर्मा (जयपुर) (भारतीय जनता पार्टी)
3. श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ (राजसमंद) (भारतीय जनता पार्टी)

- **सबसे बड़ी जीतः** श्रीमती महिमा कुमार मेवाड़, राजसमंद (भाजपा) 3,92,223 वोट
- **सबसे छोटी जीतः** श्री रावराजेंद्र सिंह, जयपुर ग्रामीण (भाजपा) 1615 वोट
- **राजस्थान से सबसे युवा सांसदः** श्रीमती संजना जाटव (भरतपुर) 26 वर्ष
- **राजस्थान से सबसे बुजुर्ग सांसदः** श्री बृजेंद्र सिंह ओला (झुंझुनू) 72 वर्ष

वोट प्रतिशत

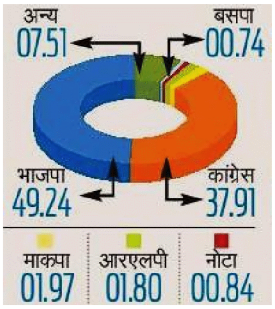

क्र.सं.	संसदीय क्षेत्र	सांसद	राजनीतिक दल
1.	अजमेर	श्री भागीरथ चौधरी	भारतीय जनता पार्टी
2.	अलवर	श्री भूपेन्द्र यादव	भारतीय जनता पार्टी
3.	बाँसवाड़ा (ST)	श्रीराजकुमार रोत	भारत आदिवासी पार्टी
4.	बाड़मेर	श्री उम्मेदाराम बेनिवाल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
5.	भरतपुर (SC)	श्रीमती संजना जाटव	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
6.	भीलवाड़ा	श्री दामोदर अग्रवाल	भारतीय जनता पार्टी
7.	बीकानेर (SC)	श्री अर्जुन राम मेघवाल	भारतीय जनता पार्टी
8.	चित्तौड़गढ़	श्री चन्द्र प्रकाश जोशी	भारतीय जनता पार्टी
9.	चूरू	श्री राहुल कस्वां	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
10.	दौसा ST	श्री मुरारी लाल मीणा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
11.	श्रीगंगानगर (SC)	श्री कुलदीप इन्दौरा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
12.	जयपुर	श्रीमती मंजू शर्मा	भारतीय जनता पार्टी
13.	जयपुर ग्रामीण	श्री राव राजेन्द्र सिंह	भारतीय जनता पार्टी
14.	जालोर	श्री लुम्बाराम	भारतीय जनता पार्टी
15.	झालावाड़-बारां	श्री दुष्यन्त सिंह	भारतीय जनता पार्टी
16.	झुन्झुनू	श्री बृजेन्द्र सिंह ओला	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
17.	जोधपुर	श्री गजेंद्र सिंह शेखावत	भारतीय जनता पार्टी
18.	करौली-धौलपुर (SC)	श्री भजन लाल जाटव	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
19.	कोटा	श्री ओम बिरला	भारतीय जनता पार्टी
20.	नागौर	श्री हनुमान बेनीवाल	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी
21.	पाली	श्री पी.पी .चौधरी	भारतीय जनता पार्टी
22.	राजसमंद	श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़	भारतीय जनता पार्टी

23.	सीकर	श्री अमराराम	कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया मार्क्सीसिस्ट
24.	टोंक - सवाई माधोपुर	श्रीहरीश चन्द्र मीणा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
25.	उदयपुर ST	श्री मन्ना लाल रावत	भारतीय जनता पार्टी

- राजस्थान में वर्तमान में लोकसभा सीटों की संख्या 25 है।
- राजस्थान में राज्यसभा सीटों की संख्या 10 है।
- राजस्थान से कुल 35 सांसद निर्वाचित होते है।
- राजस्थान में लोक सभा हेतु 4 सीटें अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित है, जो निम्नलिखित है-
  1 .भरतपुर 2 .बीकानेर
  3 .श्रीगंगानगर 4 .करौली-धौलपुर
- राजस्थान में लोकसभा हेतु 3 सीटें अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के लिए आरक्षित है, जो निम्नलिखित है-
  1 .बाँसवाड़ा 2 .दौसा
  3 .उदयपुर

राजस्थान से राज्यसभा सांसद

क्र.सं.	सांसद	पार्टी	अवधि
1.	श्री नीरज डांगी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	22.06.2020 - 21.06.2026
2.	श्री राजेंद्र गहलोत	भारतीय जनता पार्टी	22.06.2020 - 21.06.2026
3.	श्री घनश्याम तिवाड़ी	भारतीय जनता पार्टी	05.07.2022 - 04.07.2028
4.	श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	05.07.2022 - 04.07.2028
5.	श्री मुकुल बालकृष्ण वासनिक	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	05.07.2022 - 04.07.2028
6.	श्री प्रमोद कुमार	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	05.07.2022 - 04.07.2028
7.	श्री चुन्नीलाल गरासिया	भारतीय जनता पार्टी	04.04.2024 - 03.04.2030
8.	श्री मदन राठौर	भारतीय जनता पार्टी	04.04.2024 - 03.04.2030
9.	श्रीमती सोनिया गांधी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	04.04.2024 - 03.04.2030

- राजस्थान में वर्तमान में राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी के 4 सांसद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 5 सांसद है।
- वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा में केवल सोनिया गांधी महिला सांसद निर्वाचित है इस प्रकार राजस्थान से कुल 35 निर्वाचित सांसदों में से महिला सांसदों की संख्या 4 है।
- राजस्थान के झुंझुनू जिले के श्री जगदीप धनकड़ वर्तमान में भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पदेन सभापति है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व

- राजस्थान से वर्तमान में केंद्र सरकार में 4 मंत्री है जिसमें 2 केबिनेट मंत्री, 1 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 1 राज्य मंत्री है।
  1. श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सांसद, जोधपुर केंद्र में लगातार तीसरी बार मंत्री केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय केबिनेट मंत्री
  2. श्री भूपेन्द्र यादव सांसद, अलवर केंद्र में लगातार दूसरी बार मंत्री केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय केबिनेट मंत्री
  3. श्री अर्जुन राम मेघवाल सांसद, बीकानेर केंद्र में लगातार तीसरी बार मंत्री कानून और न्याय मंत्रालय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संसदीय कार्य मंत्रालय राज्य मंत्री
  4. श्री भागीरथ चौधरी सांसद, अजमेर केंद्र में पहली बार मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय राज्य मंत्री
- नोटः अश्विनी वैष्णव राजस्थान में मूलतः जीवंद कलां गाँव पाली से भी केंद्र में दूसरी बार मंत्रिमंडल कैबिनेट मंत्री है, लेकिन वह ओडिशा से राज्यसभा सांसद हैं।
- नोटः केंद्रीय मंत्रिपरिषद में राजस्थान से निर्वाचित सांसदों में से 4 मंत्री है, जबकि राजस्थान के मूल निवासी के आधार पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 5 मंत्री है।

केंद्र में राजस्थान का प्रतिनिधित्व

- पहले आम चुनाव 1952 में पहली लोकसभा में राजस्थान से राय बहादुर उपमंत्री और उसके बाद कैबिनेट मंत्री रहे।
- प्रदेश से जो नेता तीन या उससे अधिक बार केंद्र में मंत्री रहे उनमें रामनिवास मिर्धा, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, जगन्नाथ पहाड़िया, अशोक गहलोत, बूटा सिंह और शीशराम ओला हैं।
- रामनिवास मिर्धा सर्वाधिक चार बार मंत्री रहे जिनमें तीन बार राज्यमंत्री और एक बार कैबिनेट मंत्री रहे।
- जगन्नाथ पहाड़िया दो बार उपमंत्री और एक बार राज्यमंत्री रहे।
- गहलोत एक बार उपमंत्री और दो बार राज्यमंत्री रहे।
- बूटा सिंह 1984-1989, 1995-1996 और 1998 में कैबिनेट मंत्री रहे।
- शीशराम ओला एक बार राज्यमंत्री और यूपीए सरकार के दोनों कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे।

राजस्थान की 16 वीं विधानसभा में पहला पूर्ण बजट 10 जुलाई को 3 से सत्र शुरू हुआ

- राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 3 जुलाई से शुरू हुआ। 10 जुलाई को राजस्थान सरकार अपना पहला पूर्ण बजट पेश करेगी।
- 16वीं विधानसभा के चुनाव के बाद वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री ने दीया कुमारी ने 8 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश किया था।
- वर्तमान में राजस्थान विधान सभा में निर्वाचित 195 विधायक ही है क्योंकि 5 विधायक लोकसभा सांसद निर्वाचित हो चुके है।

संवैधानिक प्रावधान

- राज्य स्तर पर राज्य मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा सत्र बुलाया जाता है।
- अनुच्छेद 174 के तहत राज्यपाल राज्य विधानमंडल का सत्र आहूत करता है, सत्रावसान करता है और विधानसभा भंग भी कर सकता है।
- अनुच्छेद 175 में विधानमंडल में अभिभषण और संदेश भेजने के राज्यपाल का अधिकार का उल्लेख है।
- अनुच्छेद 176 में राज्यपाल का विशेष अभिभाषण का उल्लेख है।

राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण विधेयक 2023 ,को राष्ट्रपति ने पुनर्विचार हेतु भेजा

- राजस्थान विधान सभा द्वारा पारित राजस्थान एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल 2023 को राष्ट्रपति से मंजूरी नहीं मिली और और इसे पुनर्विचार हेतु लौटा दिया गया है।
- नोटः तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने 2023 में यह विधेयक पारित कर राज्यपाल को भेजा तथा राज्यपाल ने इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेज दिया गया।
- हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को विधानसभा में पुनर्विचार हेतु राज्यपाल को निर्देश दिया है।
- यह विधेयक 6 माह के भीतर पुनः राज्य विधानसभा से पारित होने के बाद अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन सकेगा।
- हाल ही में कर्नाटक राज्य ने वकीलों के खिलाफ हिंसा निषेध अधिनियम 2023 को अधिकारिक तौर पर लागू कर दिया।
- राजस्थान अधिवक्ताओं को संरक्षण की दिशा में विधेयक पारित करने वाला देश का पहला राज्य है, जबकि अधिवक्ताओं को संरक्षण हेतु अधिनियम लागू करने वाला कर्नाटक देश का पहला राज्य है।
- यह कानून वकीलों को हिंसा से उद्देश्य से बचाने के लिए बनाया है, ताकि वे बिना किसी डर या उत्पीड़न के विधिक कर्तव्यों का निर्वाह कर सकें।

राज्यपाल का विधेयक अनुमति देने संबंधी संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 200 में उल्लेख है कि किसी राज्य के विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक के संदर्भ में राज्यपाल तो सहमति दे सकता है या सहमति को रोक सकता है या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए विधेयक को आरक्षित कर सकता है।
- राज्यपाल किसी विधेयक को विधानमंडल में पुनर्विचार हेतु को भेज सकता है।
- अनुच्छेद 201 के तहत जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के विचार के लिये आरक्षित होता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर सहमति दे सकता है या उस पर रोक लगा सकता है।
- राष्ट्रपति विधेयक पर पुनर्विचार करने के लिये राज्यपाल को उसे सदन या राज्य के विधानमंडल के सदनों को वापस भेजने का निर्देश भी दे सकता है।
- वह राष्ट्रपति के विचार के लिये विधेयक को आरक्षित कर सकता है, लेकिन ऐसा केवल तभी किया जा सकता है जब राज्यपाल की यह राय है कि विधेयक उच्च न्यायालय की शक्ति में कमी कर सकता है या संविधान के अनुरूप नहीं हो।

राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण विधेयक 2023

- यह राजस्थान विधान सभा से 21 मार्च 2023 को पारित हुआ था।
- यह विधेयक कर्तव्य के निर्वहन के दौरान अधिवक्ता के विरुद्ध हमला, घोर उपहति और आपराधिक बल और आपराधिक अभित्रस रोकने के लिए है।
- किसी अधिवक्ता की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए तो उसकी क्षतिपूर्ति अपराधी से वसूली जाएगी।
- इस राशि की त्वरित वसूली भू-राजस्व के बकाया तर्ज पर होगी।
- हमले की जांच डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी करेंगे।
- हमले के आरोपी को 2 वर्ष की कैद और 25,000 का जुर्माना लगेगा।
- वकील को गंभीर चोट पहुंचाने पर 7 वर्ष की कैद और 50,000 का जुर्माना
- आत्मघाती हमले की स्थिति में 7 वर्ष की कैद होगी।
- वकीलों द्वारा कानून का दुरुपयोग करने पर 2 साल तक की सजा का प्रावधान है।

राजस्थान सरकार धर्म परिवर्तन संबंधी' राजस्थान धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-'2008 वापस लेगी

- 'राजस्थान धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2008'के तहत बिना कलेक्टर की मंजूरी के धर्म परिवर्तन नहीं करने और दोषी को 5 साल की सजा का प्रावधान था।
- इसे राजस्थान विधानसभा द्वारा वर्ष 2008 में पारित किया गया लेकिन राज्यपाल ने इस विधेयक को राष्ट्रपति के लिए आरक्षित कर दिया था, जिसे अभी तक मंजूरी नहीं मिली है।
- राजस्थान सरकार लव जिहाद एवं धर्म परिवर्तन जैसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए 16 साल पहले वसुंधरा सरकार के समय पारित बिल सरकार वापस लेगी।
- राजस्थान में में धर्मांतरण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस संदर्भ में नया विधेयक लाया जाएगा।
- वर्तमान में राज्य सरकार ने धर्म परिवर्तन पर अंकुश लगाने के लिए केवल गाइडलाइन है इस संदर्भ में कोई कानून नहीं है।

धर्म परिवर्तन संबंधी नए विधेयक का प्रारूप

- नए विधेयक में लालच, धोखे या जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों में 3 साल तक की सजा और 25 हजार रुपए जुर्माना लगेगा।
- 18 साल से कम उम्र के बच्चों, महिला या अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों के धर्म बदलवाने पर 5 साल सजा और 50 हजार तक जुर्माने का प्रावधान है।
- यदि कोई धर्म परिवर्तन करता है तो इस संदर्भ में 30 दिन पहले कलेक्टर को जानकारी देनी होगी तथा पुनः धर्म में वापसी की सूचना भी कलेक्टर को देना आवश्यक रहेगा।

राजस्थान में नए जिलों की जाँच व पुनर्गठन के लिए समिति गठित

- राजस्थान सरकार द्वारा 12 जून 2024 को नए जिलों के रिव्यू के लिए कैबिनेट स्तरीय समिति गठित की है जिसके संयोजक उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा है।इस समिति उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा व जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत को सदस्य बनाया गया है।
- इस समिति की सहायता हेतु रिटायर्ड आईएएस ललित के -पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित की है।
- यह समिति नवगठित जिलों की स्थिति की जाँच कर कैबिनेट स्तरीय उपसमिति को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।
- पूर्ववर्ती सरकार ने चुनाव से पहले नए जिले और संभाग तो बना दिए थे, लेकिन कलक्टर व पुलिस अधीक्षकों की नियुक्तिफ़ के अलावा जमीनी स्तर पर कुछ नहीं हुआ था।
- यह समिति मौजूदा परिस्थितियों में इन जिलों व संभागों के संचालन, प्रशासनिक आवश्यकताओं व वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता आदि को लेकर रिपोर्ट देगी।
- इस समिति का प्रशासनिक विभाग राजस्व विभाग होगा।
- यह समिति सांसद, विधायकों के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के साथ ही अन्य विभागों के अधिकारियों से फीडबैक लेगी।
- नोटःपूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय नए जिलों की सिफारिश के लिए रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था।
- इन नए जिलों का होगा रिव्यूः नए जिलों में अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर ग्रामीण, खैरथल, ब्यावर, नीमकाथाना, डीग, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा शामिल हैं ।
- कुचामन ,मालपुरा और सुजानगढ़ जिले नहीं बनेंगे ।
- राजस्थान में तत्कालीन सरकार द्वारा 19 नए जिलों के गठन के बाद विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले की गई। कुचामन, मालपुरा व सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाया जाएगा।
- हाल ही में राज्य सरकार द्वारा नवीन जिलों के पुनर्गठन/सृजन के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति को भंग कर दिया है।

राजस्थान में जिलों के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण तथ्य

- राजस्थान में वर्तमान में 50 जिले और 10 संभाग है।
- भारत में सर्वाधिक जिले उत्तर प्रदेश 75 जिले में हैं। इसके बाद दूसरा स्थान मध्य प्रदेश 53 जिले का आता है। राजस्थान का देश में जिलों की संख्या के आधार पर तीसरा स्थान 50 जिले है।
- जयपुर ग्रामीण राजस्थान की सर्वाधिक तहसीलों वाला जिला है। यहाँ 18 तहसीलें हैं, जबकि दूदू राजस्थान की न्यूनतम तहसीलों वाला जिला हैं यहाँ सिर्फ 3 तहसीलें है।
- विधानसभा क्षेत्रें की संख्या के अनुसार देश का सबसे छोटा जिला दूदू है। केवल 1 विधानसभा क्षेत्र
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा जिला जैसलमेर है।
- राजस्थान के सर्वाधिक जिलों वाले संभाग जयपुर और अजमेर हैं, जबकि सबसे कम जिलों वाला संभाग बाँसवाड़ा है।

राजस्थान में नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू

- राजस्थान में नागरिकता संशोधन अधिनियम CAA के तहत 7 जून 2024 को पहली बार 17 लोगों को नागरिकता दी गई।
- ये लोग 15-20 साल पहले पाकिस्तान से आकर अवैध रूप से अनूपगढ़, सिरोही व जोधपुर जिलों में रह रहे थे।

नागरिकता संशोधन अधिनियम CAA

- नागरिकता संशोधन अधिनियम Citizenship Amendment Act 11 मार्च 2024 को देश में लागू हो गया।
- इस अधिनियम के तहत नागरिकता अधिनियम ,1955 में संशोधन किया गया था।
- इस अधिनियम में 31 दिसंबर 2014 से पहले अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी तथा ईसाई समुदाय के प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है।
- यह भारत के तीन पड़ोसी देशों से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने का कानून है।
- CAA 2019 से पहले किसी भी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता लेने के लिए कम से कम 11 साल भारत में रहना अनिवार्य थाए लेकिन अब पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों के लिए यह समय अवधि 5 साल कर दी गई है।

पालिकाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित

- हाल ही में पीलीबंगा (हनुमानगढ़) पीलीबंगा पालिकाध्यक्ष सुखचैन सिंह रमाणा के विरुद्ध पालिका में कांग्रेस का बहुमत होने के बावजूद अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया।
- कुल 35 पार्षदों के बोर्ड में कांग्रेस व भाजपा के कुल 28 पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में गुप्त मतदान प्रणाली से मतदान किया।

नगरपालिकाध्यक्ष को हटाने की विधि

- अविश्वास प्रस्ताव : नगरपालिकाध्यक्ष और उपाध्यक्ष को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है।
- नगरपालिका के गठन के पहले 2 वर्षों तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता।

- अविश्वास प्रस्ताव लाने हेतु न्यूनतम 1/3 समर्थन की आवश्यकता होती है।
- प्रस्ताव पारित करने हेतु 3/4 सदस्यों की समर्थन की आवश्यकता होती है।
- अगर प्रस्ताव पारित नहीं हो पाता है तो अगले 1 वर्ष तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जाएगा।

राजस्थान के पहले रीजनल एवं अरबन प्लानिंग बिल ड्राफ्ट को मंजूरी

- प्रदेश के पहले रीजनल एवं अरबन प्लानिंग बिल के ड्राफ्ट को नगरीय विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृति दे दी गई है।
- इसके तहत शहरों और ग्रामीण क्षेत्र के लिए इंटीग्रेटेड डवलपमेंट प्लान सुनिश्चित हो सकेगा।
- वर्तमान में राजस्थान में विकास प्राधिकरण और नगर विकास न्यास अपने एक्ट के अनुसार मास्टर प्लान बनाते हैं।
- इस कारण शहरों में समान जरूरत के बावजूद अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं।
- इस बिल के तहत राजस्थान में एक ही एक्ट के तहत मास्टर प्लान बन सकेगा।
- इसमें एक ही एक्ट के तहत रीजनल प्लान, मास्टर प्लान, नए शहरों का डवलपमेंट प्लान, स्पेशल एरिया प्लान तैयार किए जा सकेंगे।

राजस्थानी भाषा के विकास हेतु राजस्थानी विकास बोर्ड गठित होगा

- राज्य सरकार राजस्थानी भाषा के विकास के लिए 'राजस्थानी भाषा विकास बोर्ड' का गठन करेगी।
- जिसमें अध्यक्ष, सदस्य, भाषा विशेषज्ञों के अलावा सचिव पद होगा।
- इस बोर्ड को राज्य सरकार द्वारा अलग से बजट आवंटित किया जाएगा।
- नोटःराजस्थान के कई विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के परास्नातक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं।
- यह बोर्ड राजस्थानी भाषा और बोलियों के महत्त्व को रेखांकित करेगा।
- इसमें भाषा के पौराणिक जुड़ाव और विभिन्न बोलियों विकास से संबंधित शोध किया जाएगा।

राजस्थान में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण

- राजस्थान सरकार ने 14 जून को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में महिला आरक्षण 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है।
- इसका उद्देश्य राज्य में महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहन देना है।
- इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।
- इससे प्रदेश में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर व सशक्त होंगी।

जस्टिस गंगाराम मूलचंदानी

- हाल ही में सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी को राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- इसके अलावा सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अशोक गुप्ता को राज्य मानवाधिकार आयोग का सदस्य नियुक्त किया है।
- इसके अलावा वर्तमान में रामचंद्र सिंह झाला राज्य मानवाधिकार आयोग का सदस्य है।

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग

- राजस्थान सरकार द्वारा 18 जनवरी, 1999 को जारी अधिसूचना जारी की गई।
- स्थापनाः 20 मार्च 2000 को।
- गठनः मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 21 के तहत।
- वर्तमान में 1 अध्यक्ष व 2 सदस्यों का प्रावधान है।
- नियुक्तिःराज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिश पर।
- समिति के सदस्य-:मुख्यमंत्री अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, विपक्ष के नेता
- अध्यक्ष पद हेतु योग्यताः राज्य उच्च न्यायालय का सेवानिवृत न्यायाधीश या मुख्य न्यायाधीश
- कार्यकालः 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु जो भी पहले हो
- इस्तीफाः राज्यपाल को।
- प्रथम अध्यक्षः कान्ता भट्नागर

नवीन महाजन

- नवीन महाजन को राजस्थान का मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।
- इनकी नियुक्ति भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की जाती है। भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय द्वारा इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की गई।
- नवीन महाजन ने प्रवीण गुप्ता का स्थान लिया।
- इससे पहले 1997 बैच के आईएएस अधिकारी नवीन महाजन राजस्थान राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रहे है।
- राज्य में मुख्य निर्वाचन अधिकारी Chief Electoral Officer की नियुक्ति भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य सरकार की सिफारिश पर की जाती है।
- यह राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।
- इसका मुख्य कार्य लोकसभा, राज्यसभा, विधायक, राष्ट्रपति इत्यादि के चुनाव करवाना है।
- राज्य निर्वाचन आयोग का कार्य राज्य में पंचायती राज संस्थानों और नगरपालिकाओं का चुनाव करवाना है।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- राजस्थान की एकमात्र महिला मुख्य निर्वाचन अधिकारी CEO संगीता गैरोला थी।
- अभी तक राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त पद पर कोई महिला नहीं रही है।
- राज्य निर्वाचन आयोग एक सदस्यीय संवैधानिक आयोग उल्लेखः अनुच्छेद 243K व अनुच्छेद 243ZA में है।
- इसकी स्थापना 73वें और 74वें संविधान संशोधान के तहत स्थापना की गई।

- वर्तमान में राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता है।
- वर्तमान में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार है।
- वी-एस -रमादेवी देश में एकमात्र महिला मुख्य निर्वाचन आयुक्त CEC रही है।

जसवंत सिंह राठी

- राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य व पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष जसवंत सिंह राठी का 2 जून को निधन हो गया।
- जसवंत सिंह राठी 14 अक्टूबर 2020 से आयोग सदस्य थे। उनका कार्यकाल 13 अक्टूबर 2026 तक था।

राजस्थान लोक सेवा आयोग

- संजय कुमार श्रोत्रिय वर्तमान में राजस्थान लोक सेवा आयोग के चेयरमैन है।
- वर्तमान में RPSC में 7 में से 5 ही सदस्य पद पर कार्यरत है।
- पेपरलीक प्रकरण में RPSC सदस्य बाबूलाल कटारा निलंबित किए जा चुके हैं।

RPSC के सदस्य

1 .डॉ -संगीता आर्य
2 .डॉ -मंजू शर्मा
3 .ले -कर्नल केसरी सिंह
4 .कैलाशचंद मीणा
5 .प्रो -अयूब खान

राजस्थान सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में 8 नए अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त

- विधि व विधिक कार्य विभाग ने हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पैरवी के लिए आठ अतिरिक्त महाधिवक्ता AAG नियुक्त किए हैं।
- जयपुर पीठ में अधिवक्ता मनोज शर्मा, कपिल प्रकाश माथुर व माही यादव को एएजी बनाया है। जबकि जोधपुर मुख्यपीठ में सज्जन सिंह राठौड़, नरेन्द्र राजपुरोहित, श्याम सुंदर लदरेचा, इन्द्र राज चौधरी व नाथू सिंह राठौड़ को एएजी के पद पर नियुक्त किया है।

जयकृष्ण पटेल

- जयकृष्ण पटेल बाँसवाड़ा के बागीदौरा से विधान सभा उपचुनाव में जीत हासिल की
- यह सीट पूर्व कांग्रेस विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय के इस्तीफा देने से रिक्त हुई थी।
- जयकृष्ण पटेल भारत आदिवासी पार्टी से है। 51434 वोटों से जीते।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

- यह योजना 30 जून, 2024 को टोंक से शुरू की गई।
- इसका ध्येय 'समृद्ध किसान -खुशहाल राजस्थान' है।
- इसके तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 6000 रुपये राशि साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2000 रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।
- इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा किसानों को 1000 रुपये दो किस्तों मे प्रदान की जाएगी।
- इसका उद्देश्य किसानों को सशक्त, समृद्ध एवं उन्नतशील बनाना है।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान

- यह महाभियान 5 जून 2024 को जयपुर से शुरू किया गया।
- इसका उद्देश्य राज्य में पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देना है।
- इस अभियान में 7 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। जिसमें से 3 करोड़ आमजन को रियायती दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे।
- इसके अलावा 3 करोड़ राजकीय भूमि और 1 करोड़ ओरण एवं चारागाह भूमि पर लगाए जाएंगे।
- यह राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल तथा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किया गया है।

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना

- इस योजना का पूर्ववर्ती नाम 'इंदिरा रसोई योजना' है।
- यह योजना राजस्थान के स्वायत्त शासन विभाग के द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।
- हाल ही में जून 2024 में इस योजना में संशोधन करके अब एक लाभार्थी को एक समय में एक ही भोजन कूपन का प्रावधान किया गया है।
- इसका कारण यह है कि वर्तमान में थाली में भोजन की मात्रा 450 ग्राम से बढ़ाकर 600 ग्राम कर दी गई है।
- जनवरी 2024 में 'इंदिरा रसोई योजना' का नाम बदलकर 'श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना' कर दिया गया था।
- वर्तमान में इस योजना के तहत 8 रुपये में भोजन थाली दी जा रही है।
- इसके मेन्यू में 300 ग्राम चपाती, 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी, 100 ग्राम चावल व मोटे अनाज की खिचड़ी व अचार शामिल है।

मुख्यमंत्री फैलोशिप प्रोग्राम

- यह योजना राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप प्रोग्राम के स्थान पर शुरू की जाएगी।
- इसके तहत राज्य में महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर बैठे ब्यूरोक्रेट्स के साथ युवाओं को जोड़ा जाएगा।
- इसमें जिला कलेक्टर, अतिरिक्त मुख्य सचिव ACS व प्रमुख सचिवों से 200 युवाओं को जोड़ा जाएगा।
- इनमें से 50 युवाओं को जिला कलक्टर्स के साथ और अन्य 150 को अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव रैंक के अधिकारियों के साथ जोड़ेंगे।
- इसमें ऐसे 200 युवाओं का चयन किया जाएगा, जिसने दसवीं कक्षा से स्नातक-स्नातकोत्तर तक प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हो और काम में क्रिएटिविटी हो।
- इसके तहत सरकार के काम, योजनाओं को किस तरह बेहतर बनाया जा सकता है, उसमें युवा वर्ग की क्रिएटिविटी और विचारों को शामिल किया जाएगा।
- इस योजना हेतु युवाओं की पात्रता आयु उम्र 21 से 30 के बीच

होगी।
- इस प्रोग्राम के तहत युवा शुरुआत में 2 साल तक काम करेंगे और फिर एक साल तक आगे बढ़ाया जा सकेगा।

नौनेरा बांध प्रोजेक्ट

- यह हाड़ौती क्षेत्र की सबसे बड़ी जल योजना है। इससे नौनेरा बांध से जल आपूर्ति की जाएगी।
- इस प्रोजेक्ट के तहत कोटा व बूँदी जिले के ऐसे 749 गांवों में नदी का पानी पहुंचाया जाएगा।
- इसमें पार्वती-कालीसिंध-चंबल PKC-ERCP के तहत नौनेरा बांध पर इंटेकवैल बनाकर इटावा, सुल्तानपुर, लाडपुरा, केशवरायपाटन, कापरेन, खातौली सहित अन्य जगह पाइप लाइन से घरों तक पानी पहुंचाया जाना है।
- यह प्रोजेक्ट 2 वर्षों में पूरा होगा। इसमें तीन जगह इटावा, सुल्तानपुर और कापरेन में फिल्टर प्लांट बनाए जाएंगे।

राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि

- राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 27 जून 2024 को झुंझुनूं में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई राशि का वितरण किया गया।
- राजस्थान के अंतरिम बजट 2024-25 में पेंशन राशि 1000 से बढ़ाकर 1150 रुपये करने का प्रावधान किया गया था।
- इसका उद्देश्य बुजुर्गों व जरूरतमंदों को पेंशन देकर उन्हें आर्थिक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्ग को मुख्य धारा से जोड़ना है।
- यह वृद्धि राजस्थान में 1 अप्रैल 2024 से लागू हुई।
- राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा निम्नलिखित योजनाओं का संचालन किया जा रहा है-
  - ✓ मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना
  - ✓ मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना
  - ✓ मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना
  - ✓ लघु एवं सीमान्त वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना
  - ✓ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना
  - ✓ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना
  - ✓ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना

राजस्थान के 15 जिलों में मनरेगा लोकपाल नियुक्त किए गए

- राजस्थान के 15 जिलों अलवर, बीकानेर, जयपुर झुंझुनूं, सीकर, बीकानेर, भरतपुर, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जालौर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, जैसलमेर और राजसमंद में मनरेगा लोकपाल नियुक्त किए गए है।
- आगामी वर्ष में राज्य सरकार सभी जिलों में मनरेगा लोकपाल की तैनाती करेगी।
- मनरेगा के तहत इन जिलों में लगने वाले लोकपाल मनरेगा से जुड़ी शिकायतें, अभाव और अभियोग के समाधान हेतु काम करेंगे।
- मनरेगा लोकपाल की नियुक्ति 2 वर्ष तक रहेगी।
- गौरतलब है कि जिलावार लोकपाल प्रति सिटिंग के 2250 रूपए या अधिकतम 45 हजार रूपये दिए जाएंगे।
- इन्हें 15 दिन में शिकायत का निपटारा करना अनिवार्य है।

मनरेगा लोकपाल हेतु योग्यताएँ

- लोक, प्रशासन, विधि, शैक्षणिक, सामाजिक कार्य, एवं प्रबंधन, में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव। प्रतिष्ठित निष्ठावान, विवाद रहित अखंड सत्यानिष्ठा का होना चाहिए।
- आवेदक की आयु 66 वर्ष से अधिक ना हो।
- शैक्षणिक योग्यता कम से कम स्नातक हो।

डॉ -सौम्या गुर्जर

- यह जयपुर के नगर निगम ग्रेटर की मेयर है।

- इन्होंने 2-4 जून 2024 को सिंगापुर में वर्ल्ड सिटीज समिट WCS 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- डॉ- सौम्या ने तीन दिवसीय समिट में वैश्विक मंच पर शहरी विकास, स्मार्ट सिटी मिशन, नवाचारों, विरासत व संस्कृति विषयों पर होने वाली विभिन्न कार्यशालाओं को संबोधित किया।
- वर्ल्ड सिटीज समिट का यह 9वां संस्करण है।
- इसमें विश्व के 250 से भी अधिक शहरों के महापौर, उद्योगपति, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भाग लिया।
- इसमें भविष्य में शहरी क्षेत्रें में जीवन को बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

हर्बल पार्क धनवंतरि उपवन

- इसे राजस्थान के जयपुर में स्थापित किया जा रहा है। जिसमें कई प्रजातियों के औषधीय पौधे विकसित होंगे।
- यह पार्क राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा गलता की पहाड़ियों के बीच जग्गा की बावड़ी के पास 21 एकड़ में विकसित किया जा रहा है।
- इसमें 250 प्रजाति के 2000 औषधीय पौधे लगाए गए है। तथा अगले 1 वर्ष में 400 प्रजाति के 8000 और लगाए जाएंगे।
- धनवंतरि उपवन रोगों के उपचार में काम आने वाली कई औषधियों के लिए 21 वाटिकाओं का निर्माण किया गया है।
- इन वाटिकाओं में आयुर्वेद के साथ ज्योतिष विज्ञान का भी ध्यान रखा गया है।
- इस पार्क में ग्रह राशि एवं नक्षत्र पर प्रभाव के अनुसार भी ज्योतिष वाटिकाएँ बनाई गई हैं।
- इसमें राजस्थान में पाए जाने वाले विशेष प्रजाति के पौधों की नर्सरी तैयारी की जा रही है।
- यह पौधे औषधि के साथ पर्यावरण के लिए भी उपयोगी है। इनका धनवंतरि उपवन में संरक्षण किया जाएगा।
- धनवंतरि उपवन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पादपों का संरक्षण करना है।

राज्य के अस्पतालों में लागू होगा क्यू मैनेजमेंट सिस्टम

- राजस्थान में एम्स नई दिल्ली की तर्ज पर भीड़ को प्रबंधित करने हेतु क्यू मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जाएगा।
- राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को नवाचारों एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित तकनीकों से और सुदृढ़ एवं पेशेंट फ्रेंडली बनाया जाएगा।
- इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों का एक दल चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे आधुनिकतम कार्यों, नवाचारों एवं तकनीकों का अध्ययन करेगा।

राजस्थान का पहला वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट

- यह मानसरोवर स्टोन पार्क जयपुर में स्थापित किया गया है।
- इसके तहत सीवरेज के पानी को साफ कर पौधों तक पहुंचाया जाएगा।
- राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना RUIDP ने मानसरोवर के स्टोन पार्क में नई तकनीकी से स्मॉल एसटीपी लगाया है।
- यह तकनीक RUIDP द्वारा पार्कों के हालात सुधारने हेतु निःशुल्क दी जाएगी।
- इसको वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट WWTP नाम दिया गया है। 50 किलोलीटर क्षमता
- WWTP प्रोजेक्ट से पार्क में बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति से हर हिस्से और पेड़ पौधे तक पानी पहुंचाया जा सकेगा।
- RUIDP ने इस तकनीक का भारत सरकार से 20 साल के लिए पेटेंट भी करवा लिया है।
- राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना RUIDP राजस्थान का पहला ऐसा इंजीनियरिंग विभाग बना है, जिसने किसी आविष्कार को खुद के नाम पेटेंट करवाया है।

राजस्थान सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बीच एमओयू

- हाल ही में राजस्थान के उद्योग व वाणिज्य विभाग ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज NSE के साथ इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग IPO लाने व फंड रेसिंग की प्रक्रिया समझाने के लिए एमओयू किया है।
- इसके तहत राजस्थान की माइक्रो, स्मॉल व मीडियम एंटरप्राइजेज MSME फंड जुटाने के लिए अपने आईपीओ ला सकेगी।
- देश में महाराष्ट्र व गुजरात में एमएसएमई के लिए आईपीओ प्लेटफॉर्म होने से वहाँ के MSME व्यापारियों को इसका लाभ मिल रहा है।
- इसमें NSE इमर्ज प्लेटफॉर्म का उपयोग कर MSME को पूँजी बाजार तक पहुंचाने व आईपीओ के माध्यम से धन जुटाया जाएगा।
- इस समझौते के तहत उद्योग विभाग व एनएसई राज्य में एमएसएमई शिविर, नॉलेज सत्र, रोड शो, वर्कशॉप, सेमीनार, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा,जिससे एमएसएमई को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट करने में सहयोग मिल सकेगा।

ग्रीन क्रेडिट हेतु पॉकेट उपलब्ध कराने वाला राजस्थान का पहला वन मंडल

- अजमेर वन मंडल ग्रीन क्रेडिट के लिए पॉकेट उपलब्ध कराने वाला राजस्थान का पहला वन मंडल बना है।
- वन मंडल के अजमेर और भीलवाड़ा क्षेत्र में 265 हेक्टेयर वन भूमि पर ग्रीन क्रेडिट के तहत काम किया जाएगा।
- राज्य के वन विभाग से इंडस्ट्री ग्रीन क्रेडिट के लिए अजमेर की 165 हेक्टेयर जमीन के लिए मंजूरी मिली है।
- भीलवाड़ा में इंडस्ट्री ने पॉकेट रिजर्व करा लिया है लेकिन इसकी मंजूरी मिलना शेष है।
- अजमेर में इसके लिए 7 पॉकेट बनाए गए हैं।
- देशभर की इंडस्ट्रीज को अपने नेट प्रॉफिट में से दो प्रतिशत की राशि सामाजिक उत्तरदायित्वों और पर्यावरण क्षेत्र में खर्च करना होती है।

ग्रीन क्रेडिट

- ग्रीन क्रेडिट के तहत व्यक्तियों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रें में स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित किया जाता है।
- इससे पहले उद्योग एनजीओ के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में काम करा कर ग्रीन क्रेडिट हासिल कर लेते थे।
- पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में काम करने के लिए केंद्र सरकार ने 2019 में नियमों में बदलाव करके राशि सीधे केंद्र सरकार को देने का निर्देश दिया है।
- नोटःहर इंडस्ट्री के पास CSR (कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) फंड होता है। इस फंड से कंपनी को पर्यावरण सुधार और मानव कल्याण के लिए नेट प्रॉफिट से 2% राशि खर्च करनी होती है।
- इसके एवज में सरकार की ओर से इंडस्ट्री को ग्रीन क्रेडिट दिया जाता है।
- इसके तहत ही अजमेर वन विभाग ने ग्रीन क्रेडिट पॉकेट का प्रस्ताव भेजा था।
- यह राशि इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च, देहरादून के जरिए संबंधित राज्य या जिले के वन विभाग को पॉकेट बुक होने के बाद दी जाती है।

देश में भूगर्भ जल के सर्वाधिक डार्क जोन राजस्थान में है

- भूगर्भ जल सर्वेक्षण, 2023 की जारी रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से अति-शोषित क्षेत्र हैं।
- देश के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश और रिचार्ज के पहल से भूजल की स्थिति में सुधार हुआ है। देश में भूगर्भ जल की सबसे खराब हालत राजस्थान में है। यहां 203 डार्क जोन हैं।
- देश के 6,533 ब्लाकों में से 27% में भूगर्भ जल काफी नीचे खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। इसमें से 11% डार्क जोन की श्रेणी में हैं।
- इसमें राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्से देश के अत्यधिक जल शोषण क्षेत्र में हैं।
- इस सर्वेक्षण के अनुसार कर्नाटक, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों सहित प्रायद्वीपीय भारत का दक्षिणी भाग तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कठोर सतह के कारण भूजल उपलब्धता कम है।

IIT जोधपुर ने ई-व्हीकल के लिए स्मार्ट चार्जिंग अडेप्टर विकसित किया

- इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल EV को आपातकालीन स्थिति में चार्ज करने हेतु IIT जोधपुर ने एक चार्जिंग एडॉप्टर विकसित किया है।
- इससे रास्ते में कहीं भी गाड़ी के बंद होने पर सोलर से आसानी से गाड़ी को चार्ज कर सकेंगे।
- वर्तमान में ईवी की बैटरी ग्रिड से चार्ज होती है। सोलर पैनल भी इनवर्टर-कनर्वटर के जरिए ग्रिड से जुड़े होते हैं, लेकिन सीधा सोलर पैनल से बिजली नहीं ले सकते।
- IIT जोधपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ -निशांत कुमार ने इस एडॉप्टर को विकसित किया है।
- यह एडॉप्टर सोलर पैनल से सीधे बिजली ले सकेगा।
- इस एडॉप्टर में विशेष एल्गोरिदम है, जो अधिकतम पावर पॉइंट ट्रैकिंग पर काम करता है।
- यह किसी भी वॉल्टेज में सोलर पैनल की बिजली से ईवी की बैटरी इमरजेंसी में चार्ज कर देगा।
- इसके तहत गांवों, जंगलों व एक्सप्रेस-वे पर सिंगल सोलर पैनल लगाए जा सकेंगे, जिसके केवल सॉकेट होंगे।
- इस एडॉप्टर को सोलर पैनल के सॉकेट से जोड़ना होगा। जो सोलर पैनल से बिजली लेकर एकबार में कार को जरूरत के अनुसार 5 से 10 मिनट के लिए चार्ज कर देगा।

DRDO जोधपुर ने माइक्रोवेव ऑब्स्क्योरेंट चैफ रॉकेट विकसित किया

- जोधपुर DRDO ने दुश्मन के रडार से रॉकेट को बचाने के लिए नई तकनीक का माइक्रोवेव ऑब्स्क्योरेंट चौफ रॉकेट बनाया है।
- इसे 26 जून 2024 को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय नौसेना को सौंपा गया।
- यह तकनीक रडार संकेतों को अस्पष्ट करती है और प्लेटफार्मों और परिसंपत्तियों के चारों ओर माइक्रोवेव शील्ड बनाती है। जिससे रॉकेट का रडार की पकड़ में आने की संभावना कम होती है।
- इस रॉकेट को दागे जाने पर यह निर्धारित समय के लिए पर्याप्त क्षेत्र में फैले अंतरिक्ष में माइक्रोवेव बादल बनाता है।
- यह रेडियो फ्रीक्वेंसी पकड़ने वाले खतरों के विरुद्ध एक प्रभावी कवच का निर्माण करता है।
- मध्यम दूरी के चैफ रॉकेट में कुछ माइक्रोन के व्यास और माइक्रोवेव आरोपण गुणों के साथ एक विशेष प्रकार के फाइबर का इस्तेमाल किया गया है।

जयपुर मेट्रो का फेज-1C

- इसके तहत जयपुर में बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर के बीच चलने वाली मेट्रो लाइन स्थापित की जाएगी।
- इस प्रोजेक्ट में 2.85 किमी के दायरे में दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे।
- इसमें पहला स्टेशन रामगंज तो दूसरा ट्रांसपोर्ट नगर पर होगा।
- इसमें मेट्रो लाइन 0.59 किमी तक एलिवेटेड होगी,जबकि 2.26 किमी-लाइन अंडरग्राउंड स्थापित होगी।
- इस प्रोजेक्ट पर 980 करोड़ रुपए खर्च होंगे तथा इसे 2027 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

देश का पहला ट्रांस LGBT इंडियाज गॉट टैलेंट शो एंड ब्यूटी कॉन्टेस्ट

- इसका आयोजन 28 जून को जयपुर में किया गया।
- इसका आयोजन श्री हरी वैश्विक वैष्णव संस्थान की ओर से किया गया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रांसजेंडर्स में छिपी कला एवं संस्कृति को मंच प्रदान करना है।
- इस कार्यक्रम में देशभर से LGBT कम्युनिटी से 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

तेजस्वी चंदेला को' ग्रैन गाला डे ला पास्टिसेरिया कैटालाना 'अवॉर्ड

- जयपुर की शेफ तेजस्वी चंदेला को स्पेन के बार्सिलोना में 'ग्रैन गाला डे ला पास्टिसेरिया कैटालाना' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।
- उन्होंने बार्सिलोना के EPGB एस्क्लूएला डे पेस्टेलेरिया डेल ग्रेमियो डे बार्सिलोना से चॉकलेट और पेस्ट्री में मास्टर डिग्री हासिल की है।
- तेजस्वी विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाती हैं।
- नोटःतेजस्वी 2023 में 'पेस्ट्री टैलेंट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड जीत चुकी हैं।
- यह मुंबई में 'यंग पेस्ट्री शेफ ऑफ द ईयर' एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित हो चुकी हैं।

कोटा-झालावाड़-बारां में थर्मल प्लांट लगेंगे

- राजस्थान ने दूसरे राज्यों पर बिजली निर्भरता कम करने हेतु राज्य में 18000 मेगावाट उत्पादन बढ़ाने के लिए एमओयू किए गए हैं।
- इसके तहत 3 थर्मल प्लांट कोटा, झालावाड़, बारां में स्थापित किए जाएंगे।
- शहरों में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु विश्व बैंक से ऋण मिलेगा
- राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना RUIDP के तहत राजस्थान के शहरों में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु विश्व बैंक से 3674 करोड़ रुपये का ऋण मिलेगा।
- इसमें RUIDP 5वें चरण में विकास कार्य होंगे।
- विश्व बैंक की सहायता से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, अरबन मोबिलिटी, हरित ऊर्जा, आजीविका व बाजारों को उन्नत करना, नगरीय निकायों की संस्थागत क्षमता बढ़ाया जाएगा।

राजस्थान विश्वविद्यालय का ईसीएच इन्क्यूबेशन सेंटर' सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 'बनेगा

- राजस्थान विश्वविद्यालय के ईसीएच इन्क्यूबेशन सेंटर को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जाएगा।
- इस सेंटर में स्टार्टअप को प्रमोट करने के लिए एडवांस मशीनें हैं।
- इनमें अत्याधुनिक मशीनों के साथ-साथ रिसर्च की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- इन सुविधाओं की मदद से स्टार्टअप अपने नए उत्पादों की जाँच और रिसर्च कर एक नए प्रोडक्ट के रूप में विकसित कर सकते हैं।

'नजर सिटीजन 'एप

- जयपुर पुलिस प्रशासन द्वारा सूने घरों की निगरानी और नौकर-किराएदारों के वेरिफिकेशन के लिए 'नजर सिटीजन' एप लॉन्च किया गया है।
- इस एप के इसके जरिए सूने घर, किराएदारों और नौकरों की निगरानी रखी जाएगी।
- इससे पुलिस के पास भी प्रवासियों का रिकॉर्ड रहेगा ।
- इस एप पर नौकर, किराएदार, कर्मचारी की डिटेल अपलोड कर सकते हैं।
- इसमें नाम, मोबाइल नंबर, वैध आईडी व फोटो अपलोड करनी होगी।

इंस्पायर अवॉर्ड प्रदर्शनी में 23 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ

- शिक्षा विभाग द्वारा 12 जून 2024 को राज्यस्तरीय इंस्पायर अवॉर्ड मानक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- इस प्रदर्शनी में अब राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के 23 बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया।
- इसमें समाज में सुविधाजनक जीवन जीने के लिए बहुत से वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किए गए।

राजस्थानको प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी

- इस योजना के तहत जयपुर के लिए 150 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी।
- इसके अलावा कोटा, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, अलवर, भीलवाड़ा, बीकानेर शहर के लिए भी 50-50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी।
- इस योजना की गाइडलाइन के अनुसार नए डिपो के लिए 60% एवं मीटर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 100% केंद्रीय सहायता प्राप्त होगी।
- पीएम-ई-बस सेवा
- इस योजना को केंद्र सरकार द्वारा 16 अगस्त 2023 को मंजूरी दी गई।
- इसके तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी PPP मॉडल पर आधारित सिटी बस संचालन के विस्तार किया जाएगा।
- इसके माध्यम से 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी।
- इस योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपये का समर्थन केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा।
- यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी।
- ई-बसों की प्रणोदन और सहायक प्रणालियाँ विशेष रूप से शून्य-उत्सर्जन बिजली स्रोत द्वारा संचालित होती हैं।
- यह योजना 2011 की जनगणना के अनुसार तीन लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों को कवर करेगी, जिसमें केंद्रशासित प्रदेशों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पर्वतीय राज्यों की सभी राजधानी शामिल हैं।
- इस योजना के तहत उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां कोई सुव्यवस्थित बस सेवा उपलब्ध नहीं है।

योजना के भाग-

इस योजना के दो खंड हैं-

-1खंड A

- इसमें 169 शहरों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी।
- इसके माध्यम से सार्वजनिक-निजी भागीदारी PPP मॉडल पर 10,000 ई-बसों के साथ सिटी बस संचालन का विस्तार किया जाएगा।

-2खंड B-

- इसमें ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल के तहत 181 शहरों में बुनियादी सुविधाओं को उन्नत किया जाएगा।
- इस योजना में बस की प्राथमिकता, बुनियादी सुविधा, मल्टीमॉडल इंटरचेंज सुविधाएँ, NCMC-आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली, चार्जिंग हेतु बुनियादी सुविधाएँ आदि जैसी हरित पहल की परिकल्पना की गई है।

कर्नल किरोड़ी बैंसला की प्रतिमा

- कर्नल किरोड़ी बैंसला की प्रतिमा का अनावरणमूंडिया गाँव करौली में किया गया।
- यह प्रतिमा 7-5 फीट ऊंची है।
- कर्नल बैंसला अत्यंत पिछड़े वर्ग MBC को 5% का आरक्षण दिलाने वाले गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक रहे थे।
- इसके अलावा कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के नाम पर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट खोला जाएगा।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला

- इनका जन्म 12 सितंबर 1940 को राजस्थान के करौली जिले के मुंडिया गाँव में हुआ।
- किरोड़ी सिंह बैंसला सेना में कर्नल थे।
- कर्नल बैंसला ने 1962 के भारत-चीन और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी भाग लिया था।
- वे राजपूताना राइफल्स में थे और पाकिस्तान के युद्धबंदी भी रहे।
- उन्हें जिब्राल्टर का चट्टान, इंडियन रेम्बो भी कहा जाता है।
- सार्वजनिक जीवन में आने के बाद उन्होंने गुर्जर आरक्षण समिति की अगुवाई की।
- कर्नल बैंसला ने 2004 से गुर्जर समाज को अलग से आरक्षण देने की मांग करते हुए आरक्षण आन्दोन की कमान अपने हाथ में ली थी।
- गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष बैंसला के नेतृत्व में 2007 में राजस्थान में गुर्जरों ने बड़ा आंदोलन किया था।
- राजस्थान के गुर्जरों के लिए अलग से अन्य पिछड़ा वर्ग MBC के तहत गुर्जरों को सरकारी नौकरियों में 5 %आरक्षण दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान से दो छात्रएँ टोक्यो में साइंस सकूरा प्रोग्राम में शामिल होंगी

- जापान के टोक्यो में 16 जून से 22 जून तक आयोजित हुए सकूरा साइंस प्रोग्राम में भाग लेने के लिए राजस्थान से छात्र प्रीति स्वामी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, करणपुरा, हनुमानगढ़ और आयुषी पालीवाल विवेकानन्द मॉडल स्कूल, पोकरण,

जैसलमेर का चयन हुआ है।

- यह चयन राजस्थान के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय व भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी द्वारा किया गया है।

इंडिया स्टोन मार्ट के लिए एमओयू

- इंडिया स्टोनमार्ट के 13वें संस्करण के लिए 14 जून 2024 को एमओयू किया गया।
- इस पर रीको, लघु उद्योग भारती राजस्थान एवं सीडोस ने हस्ताक्षर किए।
- इंडिया स्टोनमार्ट वर्ष 2026 में 5 से 8 फरवरी तक जेईसीसी, सीतापुरा जयपुर में आयोजित होगा।
- इसका उद्देश्य भारतीय पत्थर उद्योग के लिए बाजारों का विकास करना और उद्योग के सभी हितधारकों को मंच प्रदान करना है।

यूएन मिशन के लिए राजस्थान पुलिस के 4 अफसरों का चयन

- संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के लिए विदेश में पुलिस सेवा के लिए राजस्थान पुलिस से 2 महिला अफसरों सहित 4 अधिकारियों का चयन हुआ है।
- राजस्थान पुलिस एकेडमी में तैनात एडिशनल एसपी सुशीला यादव, सब इंस्पेक्टर आरती सिंह तंवर, डिप्टी एसपी दीपक जोशी व एएसआई रत्नदीप का चयन हुआ है।
- इस हेतु आयोजित परीक्षा में भारतवर्ष के विभिन्न पुलिस संगठनों, अर्धसैनिक बलों व राज्य पुलिस के अधिकारी हिस्सा शामिल होते है।
- इनका चयन अगले 2 साल तक के लिए हुआ है।

पूगल , छत्तरगढ़ व भड़ला में 4 सोलर प्रोजेक्ट स्थापित होंगे

- पश्चिमी राजस्थान में बीकानेर के पूगल, छत्तरगढ़ व फलौदी के भड़ला में 4 सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे।
- इन सोलर प्रोजेक्ट से 2,950 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।
- हाल ही में राजस्थान में सरकार में 4 सोलर प्रोजेक्ट के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।
- इसमें बीकानेर के पूगल एवं छत्तरगढ़ तहसील में 2450 मेगावाट के 3 सोलर पार्क स्थापित होंगे। फलौदी के भड़ला में 500 मेगावाट का एक सोलर प्रोजेक्ट बनेगा।
- इससे राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस एनर्जी स्टेट बनाने का संकल्प पूरा होगा।
- इन परियोजनाओं से प्रदेश में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।
- इन सोलर प्रोजेक्ट्स से राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।
- इसके साथ ही क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।
- ये सोलर प्रोजेक्ट्स पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगे और सालाना लगभग 2 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।
- इन सोलर पार्क में अत्याधुनिक सौर पैनल्स और ग्रिड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा, जिससे ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में वृद्धि होगी ।
- नोटःराजस्थान ने 10 मार्च 2024 को राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड एवं एनएलसी इंडिया लिमिटेड के मध्य 3325 मेगावाट की थर्मल परियोजनाएँ एवं 28500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएँ संयुक्त उपक्रम के तहत स्थापित करने के लिए एमओयू किए थे।

बीकानेर में 3 सोलर प्रोजेक्ट

- बीकानेर जिले में 2450 मेगावाट के 3 सोलर पार्क की स्थापना के लिए राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी को 4780 हैक्टेयर आवंटित की गई है।
- बीकानेर जिले में एक-एक हजार मेगावाट के दो तथा 450 मेगावाट का एक सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा।
- पहले सोलर पार्क के लिए पूगल तहसील के ग्राम सूरासर में लगभग 1881 हैक्टेयर भूमि आवंटन होगा।
- एक हजार मेगावाट के दूसरे सोलर पार्क के लिए दो हजार हैक्टेयर भूमि आवंटित की जाएंगी, जिसमें से 1194 हैक्टेयर भूमि ग्राम सूरासर तथा लगभग 807 हैक्टेयर भूमि ग्राम भणावतावाला में स्थित है।
- 450 मेगावाट के तीसरे सोलर पार्क के लिए छत्तरगढ़ तहसील के ग्राम सरदारपुरा में 900 हैक्टेयर भूमि आवंटन दी जाएगी।

फलौदी में 1 सोलर प्रोजेक्ट

- फलौदी में 500 मेगावाट के एक सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए एनटीपीसी रिन्युएबल एनर्जी लिमिटेड करेगा। बाप तहसील में ग्राम भड़ला में 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन होगा।

राजस्थान का पहला वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो

- राजस्थान का पहला वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो खातीपुरा जयपुर में स्थापित किया जाएगा।
- इससे अन्य रेलवे और मंडलों से भी ट्रेनें मेंटेनेंस के लिए खातीपुरा जयपुर में आ सकेंगी।
- खातीपुरा के सेकंड फेज में विकसित हो रहे इस प्रोजेक्ट की लागत 180 करोड़ रुपये है।
- राजस्थान व रेलवे का यह पहला डिपो है, जिसे रेलवे खुद बनाएगा।
- इससे पहले इस तरह के मेंटेनेंस डिपो रेलवे के पीएसयू WPO पटना द्वारा बनाए जाते थे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में' संविधान पार्क 'का लोकार्पण

- राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर में 19 जून 2024 को राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'संविधान पार्क' का लोकार्पण किया।
- इस नवनिर्मित संविधान पार्क में स्तंभ की ऊंचाई 75 फुट है।
- संविधान स्तंभ तीन खंभों पर स्थित है, जिसमें पहले मूल अधिकार, दूसरा कर्तव्य और तीसरा मूल सिद्धांत पर आधारित है।
- इससे आने वाले विद्यार्थी कलाकृतियों के माध्यम से संविधान के बारे में जागरूक होंगे।
- इसे आर्किटेक्ट अनूप बरतरिया द्वारा डिजाइन किया गया है।
- मुख्य विशेषताएँ
- आजादी के प्रणेता महात्मा गांधी के बलिदान और संघर्ष को दांडी यात्रा से प्रदर्शित है।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और

पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर लगी है।

- संविधान स्तंभ पर कलाकृतियों के माध्यम से 1946 से 1950 तक के संविधान बनने की पूरी गाथा देख सकेंगे।

आईपीडी टॉवर का नाम आयुष्मान टॉवर किया गया

- सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर में बन रहे आईपीडी टावर का नाम अब आयुष्मान टॉवर कर दिया गया है।

आयुष्मान टॉवर

- यह देश का सबसे ऊंचा हॉस्पिटल है। इस हॉस्पिटल की ऊंचाई 116 मीटर होगी।
- यह राजस्थान में अब तक की सबसे ऊँची इमारत है। इसकी छत पर दो मंजिला बेसमेंट और हेलीपैड बनेगा।
- इसमें लगभग 24 मंजिला होगा। इस हॉस्पिटल में हैलीपेड से लेकर अत्याधुनिक ओटी, सुपर लग्जरी कॉटेज सभी सुविधाएँ होगी।
- इस टॉवर में 1200 बैड 792 जनरल, 150 कॉटेज, 166 आईसीयू और 92 प्रीमियम रूम होंगे।
- इसके अलावा डबल बेसमेंट पार्किंग, मरीज परिजन के लिए दो बड़े वेटिंग हॉल, मेडिकल साइंस गैलेरी, 20 ऑपरेशन थिएटर, फूडकोर्ट के अलावा रेडिया और माइक्रोबायोलॉजी जांच संबंधित एडवांस लैब होगी।

राजस्थान सरकार टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड से एमओयू करेगी

- राजस्थान के उद्योगों में कुशल कर्मचारी तैयार करने के लिए राज्य सरकार टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड से एमओयू करेगी।
- इसके तहत 150 आईटीआई और 48 पॉलिटेक्निक कॉलेजों का संचालन और रखरखाव टाटा टेक्नोलॉजीज करेगी।
- इसमें विद्यार्थियों को टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- टाटा इन संस्थाओं के लिए हाई स्किल्ड 6 सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र CEFC खोलेगी।
- इससे पॉलिटेक्निक कॉलेज - आईटीआई हैवी और अपग्रेडेड मशीनरी से युक्त होंगे। इन मशीनों के लिए टाटा उच्च प्रशिक्षित ट्रेनर भी उपलब्ध कराएगा।

एमएल गर्ग

- एमएल गर्ग बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के नए आईजी बने है।

"जीमण" 2024

- यह लंदन में आयोजित होने वाला प्रवासी राजस्थानियों का सबसे बड़ा पर्व है
- इसका आयोजन 30 जून 2024 को राजस्थान एसोसिएशन यूके द्वारा किया गया।
- यह एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है जो लोगों को यूके में राजस्थानी संस्कृति से जुड़ाव और विदेश में लोगों को एक-दूसरे से जोड़े रखता है।

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2024

- साहित्य अकादमी ने 15 जून 2024 को वर्ष 2024 के लिए युवा पुरस्कार बाल साहित्य पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की।
- इसमें साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार हेतु 23 लेखकों के नामों की घोषणा की गई।

राजस्थानी भाषा हेतु युवा पुरस्कार

वर्ष	कृति	विजेता
2024	सुध सोढूं जग अंगणे कविता	सोनाली सुथार
2023	अंतास रो ओल्मो कविता	देवीलाल महिया
2011 पहला पुरस्कार	पीड़ कहानी-संग्रह	दुलाराम सहारण

- साहित्य अकादमी ने वर्ष 2011 से अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भारतीय भाषाओं में युवा लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु युवा पुरस्कार प्रारंभ किया।
- युवा पुरस्कार के लिए पुस्तकों का चयन संबंधित भाषा चयन समितियों की अनुशंसा के आधार पर किया जाता है।
- यह पुरस्कार 35 वर्ष तक की आयु अथवा पुरस्कार वर्ष में 1 जनवरी को उससे कम आयु के युवा लेखकों की प्रकाशित पुस्तकों को दिया जाता है।
- पुरस्कार में एक ताम्रफलक और 50,000/- रुपए की राशि प्रदान की जाती है।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार 2024

- साहित्य अकादमी ने 15 जून 2024 को वर्ष 2024 के लिए युवा पुरस्कार बाल साहित्य पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की।
- साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार हेतु 24 विजेताओं के नामों की घोषणा की गई।

राजस्थानी भाषा हेतु बाल साहित्य पुरस्कार

वर्ष	कृति	विजेता
2024	म्हारी ढाणी कविता-संग्रह	प्रहलाद सिंह 'झोरड़ा'
2023	टाबरां री दुनियां संस्मरण	किरण बादल
2011 पहला पुरस्कार	बुलबुल रा बोल कहानी-संग्रह	दमयंती जाडावत 'चंचल'

- साहित्य अकादमी ने सन् 2010 से अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य को प्रोत्साहित करने हेतु बाल साहित्य पुरस्कार प्रारंभ किया।
- बाल साहित्य के लिए पुस्तकों का चयन संबंधित भाषा चयन समितियों की अनुशंसाओं के आधार पर किया जाता है।
- पुरस्कार में एक ताम्रफलक और 50,000/- रुपए की राशि प्रदान की जाती है।

दीया कुमारी 'वुमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवार्ड' से सम्मानित होंगी

- राजस्थान की उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को 'वुमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर इंडिया' के सम्मान से आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सम्मानित किया जाएगा।
- इसके अलावा राजस्थान को 'डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर' के लिए 'पटवा इंटरनेशनल ट्रैवल अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया जाएगा। ये अवार्ड पटवा के द्वारा 2025 में दिए जाएंगे।

राजस्थान में 8 नई अकादमियों का गठन होगा

- राजस्थान सरकार द्वारा में राज्य में विभिन्न क्षेत्रें में 8 नई अकादमियों का गठन किया जाएगा।
- नई अकादमियाँ-
  1. जयपुरः सवाई जयसिंह, ढूंढाड़ अकादमी
  2. भरतपुरः महा -सूरजमल ब्रज अकादमी
  3. कोटाः सरदार बूँदा मीणा हाड़ौत अकादमी
  4. उदयपुरः राणा सांगा मेवाड़ अकादमी
  5. जोधपुरः राव जोधा राठौड़ अकादमी
  6. अजमेरः पृथ्वीराज चौहान अकादमी
  7. बीकानेरः जिलाई बाई मांड अकादमी
  8. सीकरः महाराव शेखाजी शेखावट अकादमी
- इस प्रकार राजस्थान में प्रमुख अकादमियों और केंद्रों की संख्या 18 से बढ़कर 26 होगी।
- इससे पूर्व पूववर्ती गहलोत सरकार द्वारा राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी की स्थापना को मंजूरी दी थी।
- यह अकादमी जैन धर्म के लोक साहित्य के प्रकाशन एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए है।
- राजस्थान की पहली अकादमी जयपुर में राजस्थान स्कूल ऑफ आर्टस क्राफ्टस 1866 में गठित की गई थी। बाद में इसका नाम बदलकर स्कूल ऑफ आर्ट कर दिया था।

झाखरड़ा अभयारण्य

- यह बाड़मेर में स्थित है।
- यह ग्रेटर फ्लेमिंगो के कारण चर्चा में रहा है। इसे 'रेगिस्तान का आइलैंड' भी कहा जाता है।
- राजहंस की यह प्रजाति यूरोपीय देश के साथ ही दक्षिण एशिया में है, लेकिन सर्दियों में यह भारत में कई स्थानों पर प्रवास करती है।
- ग्रेटर फ्लेमिंगो छह प्रजातियों में सबसे लंबा है, जो 3-9 से 4-7 फीट 1-2 से 1-4 मीटर तक ऊंचाई का होता है।इसका वजन 3-5 किलोग्राम तक होता है।

राजस्थान के 4 सबसे खराब मीथेन हॉट स्पॉट

- राजस्थान के 4 सबसे खराब मीथेन हॉट स्पॉट बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा है। इन हॉट स्पॉट कचरे के ढेर से मीथेन का उत्सर्जन अत्यधिक हो रहा है।
- मीथेन उत्सर्जन से जलवायु परिवर्तन और तापमान में वृद्धि हो रही है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ISRO द्वारा एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है।
- इसके तहत बाड़मेर, जैसलमेर, तारानगर और चिड़ावा के लैंडफिल स्थल देश के शीर्ष 22 मीथेन हॉटस्पॉट में पाए गए।
- इनमें बाड़मेर चौथे, जैसलमेर छठे, तारानगर आठवें और चिड़ावा ग्यारहवें स्थान पर है।
- शोधकर्ताओं ने ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइटों, डंपिंग यार्ड, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वेटलैंड्स, तेल और गैस क्षेत्रें, तेल रिफाइनरियों और कपड़ा उद्योगों से निकलने वाले अलग-अलग मीथेन प्लम की पहचान की।
- इसमें मीथेन बढ़ने का मुख्य कारण कचरे का सहीं से निस्तारण नहीं होना माना गया।
- दरअसल मीथेन गैस वातावरण को गर्म करती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग होती है और तापमान बढ़ता है।

संतोष खेदड़ को जैविक खेती में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला

- सीकर के गाँव बेरी की किसान संतोष खेदड़ को 8 जून 2024 को जैविक खेती में किए गए नवाचारों को लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- यह सम्मान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में दिया गया।
- संतोष खेदड़ पिछले 16 वर्षों से जैविक खेती कर रही हैं।
- वह स्वयं अपने बगीचे की नर्सरी में जैविक विधि से दर्जनों किस्म की पौध तैयार करती हैं।
- जयपुरः देश का पहला सर्वाधिक वन्यजीव सफारी वाला शहर
- राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर देश में सबसे अधिक वन्यजीव सफारी कराने वाला शहर बन गया।
- जयपुर में वर्तमान में 3 पैंथर सफारी है-
  1. झालाना पैंथर सफारी
  2. आमागढ पैंथर सफारी
  3. नाहरगढ पैंथर सफारी
- इसके अलावा नाहरगढ में लॉयन सफारी, आमेर में एलिफेंट

सफारी की सुविधा उपलब्ध है।
- नोटः सबसे अधिक वन्यजीवों के प्रजनन का केंद्र भी जयपुर है।
- नाहरगढ़ जैविक उद्यान में अगस्त 2024 तक टाइगर सफारी शुरू हो जाएगी।
- नाहरगढ़ जैविक उद्यान राजस्थान का पहला ऐसा जैविक उद्यान होगा, जहां सैलानियों को लॉयन व टाइगर सफारी दोनों सुविधा मिलेगी।
- नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 30 वर्ग किलोमीटर भूमि पर टाइगर सफारी विकसित की गई है।

राजस्थान में 40 शहरों में निवेश हेतु आधारभूत संरचना का विकास होगा

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के 40 शहरों को विकसित किया जाएगा, जिस पर करीब 18500 करोड़ रुपये व्यय होंगे।
- इस राशि का 70 अर्थात् 13,000 करोड़ रुपये विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से लोन के रूप में लिया जाएगा और शेष 5,500 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- इसके तहत राज्य के शहरों के विकास को निवेश के साथ जोड़ा जाएगा।
- इन शहरों में विकास कार्य राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना RUIDP के पांचवें चरण में होगा।
- इसे राज्य सरकार द्वारा मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ इकॉनोमिक अफेयर्स के पास भेजा जाएगा।

इनमें निम्नलिखित शहर शामिल है-

- जयपुर के 12 सैटेलाइट टाउन -दूदू, चौमूं, बस्सी, बगरू, चाकसू, जोबनेर, फुलेरा, शाहपुरा, रींगस, श्रीमाधोपुर, खाटूश्यामजी, दौसा प्रस्ताव में सीकर के शहरों और दौसा को जयपुर जोन में ही शामिल किया है।
- जोधपुर के 4 सैटेलाइट टाउन -पीपाड़ शहर, बिलाड़ा, सोजत, बालेसर साटन
- अजमेर के 3 सैटेलाइट टाउन -पुष्कर, किशनगढ़, ब्यावर
- कोटा के 3 सैटेलाइट टाउन -बूँदी, कैथून, केशोरायपाटन
- भरतपुर के 4 सैटेलाइट टाउन -कुम्हेर, नगर, नदबई, डीग
- 10 संभागीय मुख्यालय -जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, पाली, सीकर और बाँसवाड़ा।
- 4 मध्यम जनसंख्या वाले शहर -चूरू, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं और टोंक।

शहरों में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु प्रावधान

- पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर 24 घंटे पेयजल आपूर्ति।
- सीवरेज सुविधा उपलब्ध कराने, इंडस्ट्रीयल और कृषि के लिए परिशोधित जल की उपलब्धता।
- ठोस कचरा प्रबंधन को प्रभावी तरीके से लागू करते हुए जीरो वेस्ट मॉडल पर काम होगा।
- बायो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और हानिकारक अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार किया जाएगा।
- विरासत को सहेजने, मनोरंजन सुविधाएं विकसित करने, सौन्दर्यन, चिकित्सा सुविधाएँ बढ़ाई जाएगी।
- रोड लाइट के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशन स्थापित करना।
- ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी करना।
- ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने, सड़कों की री-मॉडलिंग, पार्किंग स्थलों का निर्माण।
- बस स्टैंड डवलपमेंट, सिटी ट्रांसपोर्ट सिस्टम और इंटर सिटी ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार।

जोधपुरः रिमोट पायलट ट्रेनिंग सेंटर खुलेगा

- जोधपुर के कृषि विश्वविद्यालय में पश्चिमी राजस्थान का पहला रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन सेंटर खोला जाएगा।
- इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना है, ताकि बेहतर उपज के साथ किसानों की आय में वृद्धि हो।

महाराव शेखाजी सैन्य अकादमी

- यह सीकर के मोहनपुरा गाँव में स्थित है।
- यह राजस्थान की पहली सैन्य अकादमी है।
- यह अकादमी बनकर तैयार हो चुकी है, लेकिन इसका लोकार्पण किया जाना शेष है।
- इसमें पहले साल अकादमी में 100 युवाओं को दाखिला दिया जाएगा।
- इस एकेडमी परिसर में ही विद्यार्थियों को पढ़ाई से खेल और आवास की सुविधा मिलेगी।

प्रमुख बिंदु

- प्रोजेक्ट की घोषणाः 2017
- सैन्य अकादमी का काम शुरूः 2019
- प्रोजेक्ट की लागतः 31 करोड़ रुपये
- क्षेत्रफलः 10 हेक्टेयर

राजस्थान की मिलिट्री स्टेशन की पहली प्लास्टिक वेस्ट से बनी सड़क

- भारतीय सेना ने जयपुर के मिलिट्री स्टेशन में प्लास्टिक वेस्ट से सड़क बनाई है।ऐसा करने वाला यह देश का दूसरा मिलिट्री स्टेशन बन गया है।
- भारतीय सेना ने मिलिट्री स्टेशन में सगत सिंह रोड अंडर ब्रिज से कब्स कॉर्नर कॉलेप्क्स तक 100 मीटर लंबी प्लास्टिक वेस्ट रोड बनाई है।
- यह राजस्थान स्थित मिलिट्री स्टेशन की पहली और देश के मिलिट्री स्टेशन की दूसरी प्लास्टिक वेस्ट सड़क है।
- इससे पहले वर्ष 2019 में असम के नारंगी मिलिट्री स्टेशन में एक प्लास्टिक वेस्ट रोड बनाई जा चुकी है।
- इस प्लास्टिक वेस्ट सड़क का निर्माण गैरीसन इंजीनियर दक्षिण, चीफ इंजीनियर जयपुर जोन के तत्वावधान में भारतीय सेना की हरित सैन्य स्टेशन बनाने की नीति के अनुरूप किया गया है।

बहज गाँव डीगः विलुप्त नदी के साथ श्रीकृष्ण के समय के बर्तन व औजार मिले

- हाल ही में डीग जिले के बहज गाँव में गोवर्धन गिरिराजजी से महज 6 किलोमीटर दूर विलुप्त हो चुकी नदी के साथ महाभारत काल की मृदभांड संस्कृति हस्तिनापुर के प्रमाण मिले हैं।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ASI को जमीन से 24 मीटर नीचे नदी का 2 मीटर मोटाई का कंकड़-रेत का जमाव मिला है।

इसके अलावा भगवान श्रीकृष्ण के समय के बर्तन और औजार भी मिले हैं।

- इसमें मृदभांड संस्कृति का करीब 9 मीटर मोटा जमाव भी मिला है।
- इस उत्खनन में जो प्रमाण मिले है, वे ब्रज क्षेत्र और भगवान श्रीकृष्ण के समय की प्राचीनता को सिद्ध करने में सहायक होंगे।
- यहाँ भगवान शिव व माँ पार्वती की मिट्टी की अलग-अलग मूर्तियाँ मिली हैं, जो 3 हजार साल से अधिक पुरानी है।
- अब तक खोज में भगवान श्रीकृष्ण के समय के 2 ही प्रमाण उपलब्ध है, इसमें यमुना नदी और गोवर्धन पर्वत शामिल हैं।
- बहज उत्खनन में मध्य पाषाण कालीन संस्कृति के भी प्रमाण मिले है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ASI ने बहज गाँव में 10 जनवरी 2024 से उत्खनन कार्य शुरू किया।
- यहाँ हड्डियों से निर्मित औजार भी मिल चुके हैं, जिसमें सूई के आकार के ऐसे अनूठे औजार शामिल हैं, जो पहले देश में पहली बार मिले हैं।
- इसके उत्खनन में कुषाण कालीन अवशेष, उसके बाद शुंग कालीन, मौर्य कालीन, महाजनपद कालीन संस्कृति के भी अवशेष मिले हैं।
- वर्ष 1973 से 1977 तक हुए उत्खनन के अनुसार मथुरा की प्राचीनता पुरातात्विक तिथि के अनुसार 2600 से 2700 साल वर्ष पूर्व की आंकी गई थी।
- बहज गाँव में उत्खनन के बाद मथुरा की प्राचीनता 5100 साल पुरानी होने के प्रमाण मिले हैं।

राजस्थान के नवगठित जिलों रेडक्रॉस सोसायटी गठित होगी

- राज्यपाल मिश्र ने 24 जून 2024 को 17 नए जिलों में भी रेडक्रॉस सोसायटी गठन के निर्देश दिए।
- इसके अलावा में विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा को लेकर एक दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण की पहल की जाएगी।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वय से यह कार्य किया जाएगा।
- इसके लिए हर जिले से स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 10 मास्टर ट्रेनर्स की व्यवस्था की जाएगी।

राजस्थान में 9 औद्योगिक पार्कों का विकास होगा

- राजस्थान में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन हेतु 9 औद्योगिक पार्कों को विकसित किया जाएगा।
- हाल ही में भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क के लिए जमीन आवंटन को राज्य सरकार द्वारा मंजूरी दे दी है।
- इससे राज्य में निवेश के साथ-साथ रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे।
- राजस्थान में निम्नलिखित क्षेत्रें मे 9 औद्योगिक पार्कों का विकास किया जाएगा-

1 .टेक्सटाइल
2 .टॉयज मेन्यूफेक्चरिंग क्लस्टर
3 .फार्मास्यूटिकल
4 .जेम्स-ज्वैलरी
5 .डिफेंस मेन्यूफेक्चरिंग
6 .स्टोर कार्विंग पत्थर पर नक्काशी से संबंधित
7 .सॉफ्रटवेयर टेक्नोलॉजी
8 .इलेक्ट्रोनिक्स
9 .आईटीक्षेत्र

राजस्थान में नल कनेक्शन की स्थिति

- राजस्थान में सर्वाधिक नल से कनेक्शन वाले घर वाला जिलाः दूदू 93.51%
- राजस्थान में न्यूनतम नल से कनेक्शन वाले घर वाला जिलाः बाड़मेर 13.55%
- राजस्थान में कुल 1,07,06,941 घरों में से अब तक 54,22,489 50.64 %घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके है।
  - ☆ हर घर जल सूचित किए गए जिले
- ⭐ हर घर जल प्रमाणित किए गए जिले

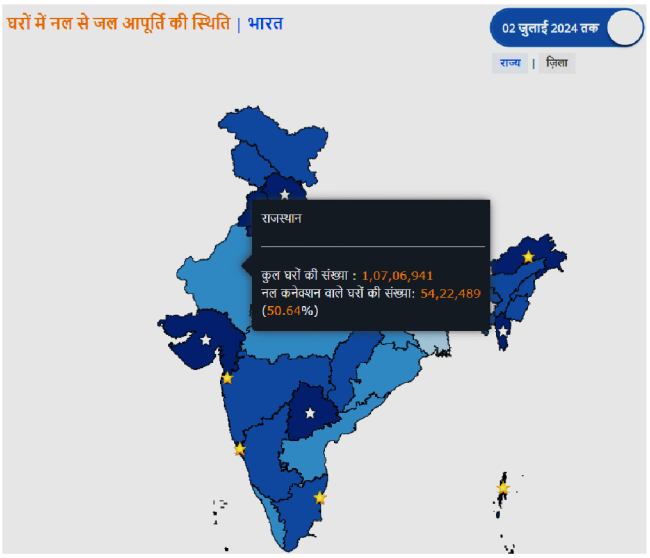

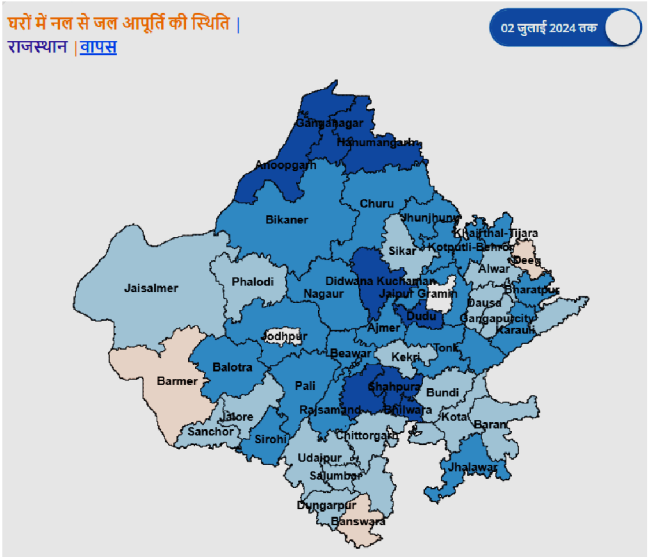

राजस्थान में अमृतसर-जामनगर भारतमाला परियोजना में डवलपमेंट एरिया के साथ ग्रीन कॉरिडोर बनेगा

- अमृतसर-जामनगर भारतमाला परियोजना के साथ ही इससे संबंधित क्षेत्र में ग्रीन कॉरिडोर स्थापित किया जाएगा।
- इस परियोजना के तहत काटे गए पेड़ों और झाड़ियों के बदले लाखों पौधों का रोपण किया जा रहा है, साथ ही इन्हें ड्रिप इरिगेशन से सिंचित भी किया जा रहा है।
- भारतमाला परियोजना के तहत सड़क निर्माण का काम अंतिम चरण में है और राजस्थान में ग्रीन कॉरिडोर स्थापित करने की शुरुआत हो चुकी है।
- अमृतसर -जामनगर परियोजना के तहत राजस्थान में एक्सेस कंट्रोल्स 6 लेन ग्रीन फील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 754-A का निर्माण किया जा रहा है।
- इस राजमार्ग के दोनों तरफ व राजमार्ग के बीच में डिवाइडर पोर्शन पर लाखों पौधे लगाए जा रहे हैं।
- प्रत्येक 5 किलोमीटर की दूरी पर 5 हजार लीटर की पानी की टंकी स्थापित होगी, जिससे ड्रिप इरिगेशन सिस्टम जुड़ा रहेगा।

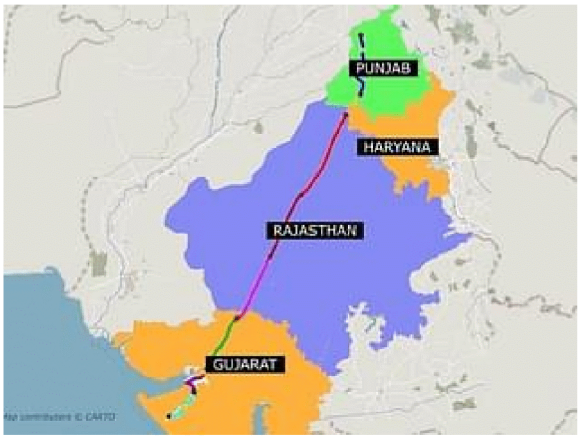

अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे

- इसके तहत अमृतसर- जामनगर एक्सप्रेसवे (NH 754A) 1,257 किलोमीटर लंबा 6 लेन एक्सेस नियंत्रित ग्रीनफील्ड बनेगा। जिसकी लागत लगभग 22,500 करोड़ रुपए होगी।
- यह अमृतसर पंजाब को बंदरगाह शहर जामनगर गुजरात से जोड़ेगा।
- यह भारतमाला और अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे का एक हिस्सा है।
- यह पंजाब , हरियाणा , राजस्थान और गुजरात के चार राज्यों से होकर गुजरेगा।
- यह एक्सप्रेसवे भारत का पहला एक्सप्रेसवे होगा, जो बठिंडा , बाड़मेर और जामनगर की तीन तेल रिफाइनरियों को जोड़ेगा।
- यह गुरु नानक देव थर्मल प्लांट बठिंडा और सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट श्रीगंगानगर को भी जोड़ेगा ।
- यह पंजाब के कपूरथला जिले के टिब्बा गाँव से शुरू होगा।
- राजस्थान में यह हनुमानगढ़ जिले के संगरिया कस्बे से प्रवेश करेगा।
- इसका लगभग 637 किलोमीटर हिस्सा राजस्थान के हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, बालोतरा, जालौर और सांचौर जिलों से होकर गुजर रहा है।
- राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के जाखड़ावाली गांव से जालौर जिले के खेतलावास गांव तक विस्तृत है।
- इस परियोजना के 637 किलोमीटर के 23 पैकेज राजस्थान में है। जिनमें से 502 किलोमीटर लम्बाई के 18 पैकेज अभी तक राष्ट्र को समर्पित किये जा चुके है।

राजस्थान में प्लास्टिक बोतल फ्रलेकिंग मशीनें लगेंगी

- राजस्थान में 50 स्थानों पर प्लास्टिक बोतल फ्रलेकिंग मशीनें लगाई जाएगी।
- इसका उद्देश्य पर्यावरण को बेहतर बनाना, प्रदूषण और प्लास्टिक को खत्म करना है।
- इस हेतु राज्य में प्लास्टिक की बोतलें नष्ट करने के लिए पर्यटन स्थलों सहित सार्वजनिक जगहों पर फ्रलेकिंग मशीनें लगाई जाएगी।
- इसके तहत जब लोग मशीन में बोतलें डालेंगे तो निजी कंपनियों की ओर से प्वाइंटस दिए जाएंगे।
- इन प्वाइंट्स के आधार पर शॉपिंग मॉल से खरीदारी करने पर छूट दी जाएगी।
- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से ये मशीनें लगेंगी।

जयपुर व अलवर में वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित होगी

- राजस्थान सरकार द्वारा 5 जून 2024 को जयपुर के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली लॉन्च की गई।
- इसके माध्यम से मौसम की तर्ज पर वायु गुणवत्ता के बारे में भी पूर्व में ही चेतावनी जारी की जा सकेगी।
- जयपुर जिले की तर्ज पर अलवर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए अर्ली वार्निंग एंड डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट विकसित किया जाएगा।
- नोटः राजस्थान में सबसे ज्यादा अधिक वायु प्रदूषण का स्तर अलवर, भिवाड़ी सहित आस-पास की जगहों पर सबसे अधिक रहता है।

माया बिश्नोई ने कंपाउंड टीम स्पर्द्धा में एशिया कप में रजत पदक जीता

- दक्षिण कोरिया में आयोजित जूनियर एशिया कप में भारतीय तीरंदाजी महिला कंपाउंड टीम ने रजत पदक जीता है।
- भारतीय टीम में बीकानेर की माया बिश्नोई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई।

मंजू बाला ने हैमर थ्रो में स्वर्ण पदकजीता

- पंचकूला हरियाणा में आयोजित 63वीं राष्ट्रीय अंतर राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में राजस्थान की एथलीट मंजू बाला ने हैमर थ्रो में 63-66 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता।

संजय कुमार ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में स्वर्ण पदक जीता

- संजय कुमार ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 26 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

पवन कुमार

- राजस्थान के पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग कजाकिस्तान के लिए 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम में चयन किया गया।
- पवन का चयन में हाल ही में आयोजित हुई सीनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता उदयपुर ट्रायल के आधार पर किया गया है।

अनिल जोशी कोच श्याम सुंदर भारतीय टीम में चयनित

- यूरोप के चेक गणराज्य में होने वाली वर्ल्ड पैरा रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए भारतीय पैरा टीम की घोषणा कर दी गई है।
- राजस्थान के अनुभवी प्रशिक्षक अनिल जोशी को भारतीय पैरा तीरंदाजी टीम का कोच नियुक्त किया गया है।
- बीकानेर के तीरंदाज श्याम सुंदर का चयन भारतीय टीम में किया गया है।

ब्रिक्स गेम्स 2024 में नीतिका बंसल ने रजत और जह्नावी मेहरा ने कांस्य पदक जीता

- कजान, रूस में आयोजित हुए ब्रिक्स गेम्स 2024 में वुशू खेल में राजस्थान की नीतिका बंसल ने रजत व जह्नावी मेहरा ने कांस्य पदक जीता।
- श्रीगंगानगर की नीतिका बंसल ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता वहीं जयपुर की जह्नावी मेहरा ने 56 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीत।

19वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप

- 19वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित की गई।
- इसमें बालिका वर्ग की 3000 मीटर रेसवॉक में राजस्थान की खुशबू यादव ने स्वर्ण पदक जीता वहीं मुस्कान ने 1000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीता।

अनंतजीत सिंह नरुका और माहेश्वरी चौहान पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे

- जयपुर के अनंतजीत सिंह नरुका और माहेश्वरी चौहान की जोड़ी पेरिस ओलंपिक 2024 में निशानेबाजी में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- इनका स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में चयन किया गया।
- इसके अलावा नरुका क्ले पिजन ट्रैप मैन इंडिविजुअल और माहेश्वरी चौहान द्वारा क्ले पिजन ट्रैप वीमेन इंडिविजुअल में भाग लेंगे।

मानिनी कौशिक ने शूटिंगमें स्वर्ण पदक जीता

- भोपाल में नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 22वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में 8 जून को जयपुर की मानिनी कौशिक ने 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीत प्रतियोगिता में अपना चौथा पदक हासिल किया।
- इससे पूर्व मानिनी ने 50 मीटर राइफल प्रॉन वीमेन टीम इवेंट में स्वीटी चौधरी और मोनिका जाखड़ के साथ सिल्वर पदक जीता था।
- मानिनी 50 मीटर राइफल 3च् इवेंट में एक व्यक्तिगत कांस्य व एक टीम सिल्वर पदक भी जीत चुकी हैं।
- इस चैंपियनशिप में 25 मीटर पिस्तौल महिला स्पर्द्धा में राजस्थान की अनुया प्रसाद ने रजत और वेदिका शर्मा ने कांस्य पदक जीता।

अश्विनी व कशिश ने अंडर 17-एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते

- अंडर-17 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अम्मान जॉर्डन में किया गया।
- इसमें राजस्थान की कशिश गुर्जर ने 43 किलो भार वर्ग में व अश्विनी विश्नोई 65 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

2 राष्ट्रीय परिदृश्य

राजव्यवस्था एवं शासन

भारतीय आम चुनाव 2024: भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने पूर्ण बहुमत प्राप्त किया

18वीं लोकसभा के लिए हाल ही में हुए मतदान के मतों की गिनती 4 जून को हुई थी। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 292 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया।

आम चुनाव 2024: मुख्य बिन्दु

- यह आम चुनाव, 18वीं लोकसभा के लिए था। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है।
- इस चुनाव में देशभर की 543 लोकसभा सीटों पर सात चरणों में वोट डाले गए थे। चुनाव की प्रक्रिया 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक चली थी। मतगणना 4 जून को हुई।
- इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 292 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत प्राप्त किया। भाजपा ने सर्वाधिक 240 सीटें जीती। तेलुगु देशम को 16 और जनता दल यूनाईटेड को 12 सीटें मिली हैं।
- आई.एन डी.आई.ए गठबंधन को 233 सीटें मिली हैं। अन्य के खाते में 18 सीटें गयी हैं। कांग्रेस को 99 सीटें हासिल की जबकि समाजवादी पार्टी को 37 सीटें मिलीं और तृणमूल कांग्रेस को 29 डीएमके 22 सीटें जीतने में कामयाब रही।
- निर्वाचन आयोग के अनुसार, लोकसभा चुनाव 2024 में रजिस्टर्ड मतदाता की संख्या 96.86 करोड़ थी। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या 49.72 करोड़ है और महिला मतदाता 47.15 करोड़ थे। थर्ड जेंडर के कुल 48,044 मतदाता हैं।
- 1.82 करोड़ वोटर्स ने पहली बार वोट किए। 100 साल से ज्यादा उम्र वाले वोटर्स की संख्या भी 2 लाख से ज्यादा थी। देशभर में 10.5 लाख से ज्यादा पोलिंग बूथ, इनपर 55 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों EVMs) की मदद से चुनाव कराए गए थे।

18वीं लोकसभा में 74 महिला सांसद

- भारत ने इस वर्ष लोकसभा 18th) के लिए 74 महिला सांसदों को चुना है, जो 2019 की तुलना में चार कम और 1952 में भारत के पहले चुनावों की तुलना में 52 अधिक हैं।
- ये 74 महिलाएं निचले सदन के निर्वाचित सदस्यों का सिर्फ़ 13.63% हैं, जो अगले परिसीमन आयोग के बाद महिलाओं के लिए आरक्षित 33% से बहुत कम है।
- भाजपा 31 महिला सांसदों के साथ इस सूची में सबसे आगे है, उसके बाद कांग्रेस 13, टीएमसी 11, सपा 5, डीएमके 3 और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली LGP और JDU दोनों पार्टियों से दो-दो महिला सांसद हैं।
- 17वीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या सबसे अधिक 78 थी। पहली और दूसरी लोकसभा में 24-24 महिला सांसद थीं।

नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

- नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद और गोपनीयता की 9 जून को शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्री मोदी और नई मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई गई।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। इन्दिरा गांधी के नाम सर्वाधिक चार बार भारत के प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड है।

मुख्य बिन्दु

- शपथ ग्रहण समारोह में मॉलदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।
- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ भी समारोह में शामिल हुए।
- प्रधानमंत्री ने 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'सागर दृष्टिकोण' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। श्री मोदी ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद करना जारी रखेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्रालयों का बंटवारा किया,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्रालयों का बंटवारा 10 जून को कर दिया। वरिष्ठ मंत्रियों को पिछली बार की तरह ही जगह दी गई है।

मंत्री और उनके मंत्रालय (10 जून 2024)

कैबिनेट मंत्री	मंत्रालय
राजनाथ सिंह	रक्षा मंत्रालय
अमित शाह	गृह मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय
नितिन गडकरी	सड़क परिवहन मंत्रालय
जेपी नड्डा	स्वास्थ्य मंत्रालय, केमिकल एवं फर्टिलाइजर मंत्रालय
शिवराज सिंह चौहान	कृषि मंत्रालय एवं ग्रामीण विकास
निर्मला सीतारमण	वित्त एवं कॉरपोरेट मंत्रालय
एस जयशंकर	विदेश मंत्रालय
मनोहर लाल खट्टर	ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्रालय

एचडी कुमारस्वामी	भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्रालय
पीयूष गोयल	वाणिज्य मंत्रालय
धर्मेंद्र प्रधान	शिक्षा मंत्रालय
जीतन राम मांझी	लघु उद्योग मंत्रालय
राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह	पंचायती राज मंत्रालय, मत्स्य एवं पशुपालन विभाग
सर्बानंद सोनोवाल	जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय
के. राममोहन नायडू	नागरिक उड्डयन मंत्रालय
डॉ. वीरेंद्र कुमार	सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय
जुएनल ओरांव	जनजातीय कार्य मंत्रालय
प्रल्हाद जोशी	उपभोक्ता मंत्रालय एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय
अश्विनी वैष्णव	रेल मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, आईटी मंत्रालय
गिरिराज सिंह	कपड़ा मंत्रालय
ज्योतिरादित्य सिंधिया	दूरसंचार मंत्री एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय
भूपेंद्र यादव	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय
गजेंद्र सिंह शेखावत	पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय
अन्नपूर्णा देवी	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
किरेन रिजिजू	संसदीय कार्य मंत्रालय एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग
मनसुख मांडविया	श्रम मंत्रालय, युवा एवं खेल मंत्रालय
हरदीप सिंह पुरी	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस
जी. किशन रेड्डी	कोयला एवं खनन मंत्रालय
चिराग पासवान	खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय
सीआर पाटिल	जलशक्ति मंत्रालय
राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार	मंत्रालय
राव इंद्रजीत सिंह	सांख्यिकी एवं योजना क्रियान्वयन, संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री
जितेंद्र सिंह	विज्ञान एवं तकनीक और भूविज्ञान मंत्रालय
अर्जुन राम मेघवाल	कानून एवं न्याय मंत्री एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
प्रतापराव जाधव	आयुष मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
जयंत चौधरी	स्किल डिवेलपमेंट मंत्रालय, शिक्षा राज्य मंत्री
राज्य मंत्री	मंत्रालय
जितिन प्रसाद	इस्पात एवं वाणिज्य राज्य मंत्री, आईटी राज्य मंत्री
श्रीपद नाइक	ऊर्जा राज्य मंत्री एवं अक्षय ऊर्जा राज्य मंत्री
पंकज चौधरी	वित्त राज्य मंत्री
कृष्णपाल गुर्जर	सहकारिता राज्य मंत्री
रामदास आठवले	सामाजिक एवं अधिकारिता राज्य मंत्री
रामनाथ ठाकुर	कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
नित्यानंद राय	गृह राज्य मंत्री
अनुप्रिया पटेल	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, केमिकल एवं उर्वरक मंत्रालय
वी. सोमन्ना	जलशक्ति एवं रेल राज्य मंत्री
चंद्रशेखर पेम्मासानी	ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, संचार राज्य मंत्री
एसपी सिंह बघेल	पंचायती राज एवं मत्स्य एवं पशुपालन राज्य मंत्री
शोभा करंदलाजे	लघु उद्योग एवं श्रम राज्य मंत्री
कीर्तिवर्धन सिंह	विदेश राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री
बीएल वर्मा	उपभोक्ता राज्य मंत्री
शांतनु ठाकुर	जहाजरानी एवं जलमार्ग राज मंत्री
कमलेश पासवान	ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
बंडी संजय कुमार	गृह राज्य मंत्री
अजय टम्टा	सड़क परिवहन राज्य मंत्री
डॉ. एल मुरुगन	सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
सुरेश गोपी	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री
रवनीत सिंह बिट्टू	खाद्य प्रसंस्करण एवं रेल राज्य मंत्री
संजय सेठ	रक्षा राज्य मंत्री
रक्षा खडसे	युवा एवं खेल राज्य मंत्री
भगीरथ चौधरी	कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
सतीश चंद्र दुबे	कोयला और खनन राज्य मंत्री
दुर्गादास उइके	जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
सुकांत मजूमदार	शिक्षा एवं पूर्वोत्तर विकास राज्य मंत्री
सावित्री ठाकुर	महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
तोखन साहू	शहरी विकास राज्य मंत्री
राजभूषण चौधरी	जलशक्ति राज्य मंत्री
भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा	भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री
हर्ष मल्होत्रा	सड़क परिवहन राज्य मंत्री
निमूबेन बम्भानियाम	उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री
मुरलीधर मोहोल	सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री
जॉर्ज कुरियन	अल्पसंख्यक कल्याण एवं पशुपालन राज्य मंत्री
पबित्र मार्गेरिटा	विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा

- 18वीं लोकसभा का पहला सत्र नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण या उनके पदों की पुष्टि के लिए 24 जून से 7 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।
- 27 जून को राज्यसभा का 264वां सत्र शुरू होगा और 3 जुलाई को समाप्त होगा।
- पहले सत्र के पहले तीन दिनों में नवनिर्वाचित नेता शपथ लेंगे या लोकसभा में अपनी सदस्यता की पुष्टि करेंगे और सदन के स्पीकर का चुनाव करेंगे।

- 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी और अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा तैयार करेंगी।
- भारतीय संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 87, राष्ट्रपति को प्रत्येक आम चुनाव के बाद प्रथम सत्र के आरंभ में तथा वर्ष के प्रथम सत्र के आरंभ में राज्य सभा और लोक सभा को संबोधित करने की शक्ति प्रदान करता है।

सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भाजपा के सांसद भर्तृहरि महताब को 18वीं लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है।
- राष्ट्रपति मुर्मू ने श्री महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है, ताकि वे अध्यक्ष के चुनाव तक लोकसभा के पीठासीन अधिकारी के कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।
- लोकसभा के पीठासीन अधिकारी होने के नाते, अध्यक्ष को इसकी दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही से संबंधित कुछ प्रमुख कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 94 में कहा गया है: जब भी लोक सभा भंग होती है, तो इसका अध्यक्ष लोक सभा के विघटन के बाद लोक सभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक अपना पद खाली नहीं करेगा।
- प्रोटेम का मतलब 'अस्थायी रूप से' होता है। संविधान में प्रोटेम स्पीकर पद का उल्लेख नहीं है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्रालय के कामकाज पर ऑफिशियल हैंडबुक में 'प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति और शपथ ग्रहण' के बारे में बताया गया है।
- लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्यों को कितने वर्ष संसद (सदस्यता रहें) आमतौर पर प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए चुना जाता है।
- नए सांसदों को शपथ दिलाना प्रोटेम स्पीकर का प्राथमिक कर्तव्य है।

ओम बिरला 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए

- श्री ओम बिरला 26 जून 2024 को 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए। वे एनडीए के उम्मीदवार थे। वे कोटा से सांसद हैं।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा समर्थित प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया।
- विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक, जिसने के. सुरेश को लोक सभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था, ने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला।
- श्री ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने वाले 17वें व्यक्ति हैं। ओम बिड़ला 17वीं लोकसभा में भी स्पीकर थे।
- तीन बार लोकसभा सदस्य रहे ओम बिड़ला 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में राजस्थान के कोटा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए हैं।
- 1952, 1967 और 1976 में हुए मुकाबलों के बाद यह लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चौथा मुकाबला था। हालांकि, इस बार मत विभाजन नहीं हुआ।
- अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव 1952 में हुए थे, जब पहले लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर और शंकर शांताराम मोरे के बीच मुकाबला हुआ था, जो उस समय भारतीय किसान और श्रमिक पार्टी के साथ थे; और फिर 1976 में आपातकाल के दौरान बालीराम भगत और जगन्नाथ राव के बीच मुकाबला हुआ था।
- बलराम जाखड़ 1980-89) के बाद बिड़ला दूसरे अध्यक्ष होंगे, जिन्हें दो पूर्ण कार्यकाल मिलने वाले हैं। लोकसभा के दूसरे अध्यक्ष एमए अयंगर और गुरुदयाल सिंह ढिल्लों को दो बार यह पद मिला था, लेकिन दोनों नेताओं का दूसरा कार्यकाल डेढ़ साल से अधिक नहीं चला।
- गणेश वासुदेव मावलंकर लोकसभा के पहले अध्यक्ष थे। पाँच व्यक्ति दो बार लोकसभा अध्यक्ष रहे हैं: डॉ. नीलम संजीव रेड्डी, गुरुदयाल सिंह ढिल्लों, बलराम जाखड़, जी.एम.सी बालयोगी और ओम बिड़ला।
- अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने वाले पहले व्यक्ति मदाभुषि अनंतशयनम अयंगर थे। पी.आर. संगमा लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले विपक्षी दल के उम्मीदवार थे।
- कांग्रेस की मीरा कुमार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला हैं। अध्यक्ष के रूप में सबसे लंबा कार्यकाल 9 वर्षों का बलराम जाखड़ का रहा है।

लोकसभा का अध्यक्ष: एक दृष्टि

- संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा के सदस्यों को सदन के सदस्यों में से एक को अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष का चुनाव करना होता है।
- अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव साधारण बहुमत से किया जाता है। साधारण बहुमत का अर्थ है मतदान के समय सदन में उपस्थित सदस्यों का बहुमत। अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के पद के लिए किसी शपथ का प्रावधान नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष की शक्तियाँ

- लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) भारत के संविधान के प्रावधानों, लोकसभा के प्रक्रिया और कामकाज के संचालन के नियमों और सदन के भीतर संसदीय मिसालों की व्याख्या करने वाला अंतिम अधिकारी होता है।
- लोकसभा अध्यक्ष संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठकों की अध्यक्षता करते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा किसी विशेष विधेयक पर लोकसभा और राज्यसभा के बीच गतिरोध को हल करने के लिए बुलाया जाता है।
- लोकसभा अध्यक्ष के पास सदन की कुल संख्या के दसवें हिस्से की अनुपस्थिति में सदन को स्थगित करने या बैठक को निलंबित करने की शक्ति होती है, जिसे कोरम के रूप में जाना जाता है।
- सदन में किसी प्रस्ताव पर मतदान के दौरान पक्ष और विपक्ष में बराबर वोट मिलने पर वह निर्णायक मत देता है।
- अध्यक्ष के पास यह तय करने का विशेष अधिकार होता है कि कोई विधेयक "धन विधेयक" है या नहीं, और यह निर्णय अंतिम होता है और इसे चुनौती नहीं दी जा सकती।
- लोकसभा अध्यक्ष भारतीय संसदीय समूह (आईपीजी) के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है, जो भारत की संसद और दुनिया की विभिन्न संसदों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे

- 2014 से 10 साल के अंतराल के बाद निचले सदन में फिर से एक आधिकारिक विपक्ष के नेता होगे।
- यह घोषणा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने की। राहुल गांधी रायबरेली से सांसद हैं।
- चूंकि किसी भी विपक्षी दल के पास कुल लोकसभा सीटों का न्यूनतम 10% हिस्सा नहीं था, इसलिए पिछले दस वर्षों से एलओपी का पद खाली था।
- लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के दसवें भाग से अधिक सीटें रखने वाले सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को विपक्ष का नेता माना जाता है।
- वे विभिन्न समितियों जैसे लोक लेखा अध्यक्ष), सार्वजनिक उपक्रम, अनुमान और कई संयुक्त संसदीय समितियों में काम करेंगे।
- उन्हें कई चयन समितियों में काम करने का अधिकार है जो एनएचआरसी, लोकपाल, सीबीआई, केंद्रीय सतर्कता आयोग और केंद्रीय सूचना आयोग जैसे वैधानिक संगठनों के प्रमुखों का चयन करती हैं।
- संसद में विपक्ष के नेता के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 ने प्रत्येक सदन में विपक्ष के नेता को वैधानिक दर्जा दिया।
- वे कैबिनेट मंत्री के वेतन, भत्ते और अन्य लाभों के लिए पात्र हैं।
- संविधान में विपक्ष के नेता के पद का कोई उल्लेख नहीं है।

केरल विधानसभा ने राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव पारित किया।

- केरल विधानसभा ने सर्वसम्मति से 'केरल' का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'केरलम' करने का दूसरा प्रस्ताव पारित किया।
- केरल सरकार ने केंद्र सरकार से संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी भाषाओं में राज्य का नाम बदलने का आग्रह किया।
- प्रस्ताव को मंजूरी के लिए संसद के पास भेजा जाएगा।
- राज्य को मलयालम में 'केरलम' कहा जाता था, और मलयालम भाषी समुदायों के लिए एक संयुक्त केरल बनाने की मांग राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के बाद से जोरदार ढंग से उठी थी।
- संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत, संसद को राज्यों के लिए नई सीमाएँ बनाने या मौजूदा राज्यों के नाम बदलने का अधिकार है।
- राजभाषा के नाम में बदलाव के लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होती है।

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में विधानसभा चुनाव

हाल ही में संपन्न 18वीं लोकसभा के चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में विधानसभा चुनाव भी कराए गए थे।

अरुणाचल प्रदेश

- अरुणाचल प्रदेश में 60 सदस्यीय विधान सभा है। हालाँकि, चुनाव 50 सीटों के लिए हुआ था, क्योंकि पेमा खांडू सहित 10 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे।
- जिन 50 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से भाजपा ने 36 सीटें जीतीं, जिससे उसकी विधान सभा में सीटों की कुल संख्या 46 हो गई।
- पेमा खांडू पहले कांग्रेस पार्टी में थे और 2016 में वे अपने 43 विधायकों के साथ कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे, तब से भाजपा राज्य में सत्ता में है।

सिक्किम

- मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम कांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने 2024 सिक्किम विधान सभा चुनाव में भारी जीत हासिल की। एसकेएम ने 32 विधानसभा सीटों में से 31 सीटें जीतीं।
- सिक्किम के पांच बार के मुख्यमंत्री और आठ बार के विधायक सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के पवन कुमार चामलिंग, पोकलोक कामरंग और नामचेयबंग दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव हार गए।
- पवन चामलिंग 1994 से 2019 तक सिक्किम के मुख्यमंत्री थे। पवन चामलिंग भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहें है। बीजू जनता दल के नवीन पटनायक और ओडिशा के निवर्तमान मुख्यमंत्री, भारत के दूसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहें हैं।

ओडिशा

- ओडिशा में भाजपा को 78 विधानसभा सीटों पर जीत मिली। सत्तारुड़ बीजद को 51, कांग्रेस को 14 और अन्य को 4 सीटों पर जीत मिली। ओडिशा विधानसभा में कुल 147 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 74 सीटों की जरूरत है।
- ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक अपनी विधानसभा सीट से भी चुनाव हार गए। बीते 24 साल से ओडिशा की सत्ता में काबिज सीएम पटनायक अब तक एक भी बार चुनाव नहीं हारें थे।

आंध्र प्रदेश

- आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी एनडीए 135 सीटें जीतीं। वहीं JnP को 21 और भाजपा को 8 सीटें मिली। सत्तारुड YSRCP को 11 सीटें मिलीं।
- आंध्र प्रदेश विधानसभा में कुल 175 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 88 सीटों की जरूरत है।

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में नए विधानसभा का गठन

भारत के चार राज्यों में हाल ही में नए विधानसभा का गठन हुआ है। ये राज्य हैं- आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम। हाल ही में संपन्न 18वीं लोकसभा के चुनाव के साथ इन राज्यों में विधानसभा चुनाव भी कराए गए थे। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में मतगणना 2 जून को जबकि आंध्र प्रदेश में ओडिशा 4 जून को मतगणना हुई थी।

सिक्किम

- सिक्किम में 11वीं विधानसभा का गठन हुआ है। प्रेम सिंह तमांग ने 10 जून 2024 को लगातार दूसरी बार सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

अरुणाचल प्रदेश

- अरुणाचल प्रदेश में 11वीं विधान सभा का गठन हुआ है। पेमा खांडू ने 13 जून 2024 को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त) के टी परनायक ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

आंध्र प्रदेश

- आंध्र प्रदेश में 17वीं विधान सभा का गठन हुआ है। यहाँ 12 जून 2024 को नारा चंद्रबाबू नायडू ने चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। विजयवाड़ा में आयोजित शपथ ग्रहण समरोह में राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वे आंध्र प्रदेश के 18वें मुख्यमंत्री हैं।
- आंध्र प्रदेश में 17वीं विधान सभा का गठन हुआ है। यहाँ 12 जून 2024 को नारा चंद्रबाबू नायडू ने चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। विजयवाड़ा में आयोजित शपथ ग्रहण समरोह में राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वे आंध्र प्रदेश के 18वें मुख्यमंत्री हैं।

ओडिशा

- ओडिशा में 17वीं विधानसभा का गठन हुआ है। यहाँ मोहन चरण माझी ने 12 जून 2024 को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल रघुबर दास ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

'हैदराबाद' तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी नहीं रहा

- हैदराबाद, 2 जून 2024 से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी नहीं रह गया है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के अनुसार, 2 जून 2024 से हैदराबाद केवल तेलंगाना की राजधानी होगा।

मुख्य बिन्दु

- वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के समय हैदराबाद को 10 वर्षों के लिए दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बनाया गया था। तेलंगाना 2 जून, 2014 को अस्तित्व में आया था।
- फरवरी 2014 में संसद में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पारित होने के बाद 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। तेलंगाना राज्य के गठन की मांग दशकों से की जा रही थी।
- अब तक आंध्र प्रदेश की अपनी कोई राजधानी नहीं बन पाई है। आंध्र प्रदेश में अमरावती और विशाखापत्तनम के बीच लड़ाई है। दोनों शहरों में राजधानी वहां बनाए जाने को लेकर आंदोलन चल रहे हैं।

पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार के नौकरियों और शिक्षा में 65% आरक्षण को रद्द कर दिया।

- पटना उच्च न्यायालय ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 50% से बढ़ाकर 65% करने के बिहार सरकार के कानूनों को रद्द कर दिया।
- 9 नवंबर को, बिहार विधानसभा ने बिहार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार पदों और सेवाओं में रिक्तियों का आरक्षण संशोधन अधिनियम, 2023 को मंजूरी दी थी।
- इन कानूनों के साथ, बिहार ने तमिलनाडु के बाद पिछड़े वर्गों को आरक्षण का दूसरा सबसे बड़ा प्रतिशत प्रदान किया।
- हाईकोर्ट ने कहा कि ये कानून अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता खंड का उल्लंघन हैं।
- मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार ने यह फैसला सुनाया।
- जनहित याचिका के अनुसार, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से वंचित समूहों को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए संविधान में आरक्षण दिया गया था।
- हालांकि, जनसंख्या के आकार के आधार पर आरक्षण प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं था।

डाकघर अधिनियम, 2023 लागू हुआ

- डाकघर अधिनियम, 2023 Post Office Act, 2023) 18 जून 2023 को लागू हो गया। इसने भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 को निरस्त कर दिया है।
- "डाकघर विधेयक, 2023" 10.08.2023 को राज्यसभा में पेश किया गया और 04.12.2023 को राज्यसभा में पारित किया गया। इसके बाद विधेयक पर 13.12.2023 और 18.12.2023 को लोकसभा में विचार किया गया और पारित किया गया।
- अधिनियम का उद्देश्य देश के अंतिम छोर तक नागरिक केंद्रित सेवाओं, बैंकिंग सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए एक सरल विधायी फ्रेमवर्क तैयार करना है।
- यह अधिनियम व्यवसाय करने में आसानी और सहज जीवन के लिए पत्रों को एकत्र करने, प्रोसेसिंग करने और वितरित करने के विशेष विशेषाधिकार जैसे प्रावधानों को समाप्त करता है।
- इस अधिनियम में सेवा में किसी प्रकार की चूक के मामले में दंड के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है।
- इस अधिनियम के प्रावधान सरकार को पब्लिक आर्डर व्यवस्था और देश की सुरक्षा सहित कई कारणों से इंडिया पोस्ट के माध्यम से भेजी जा रही वस्तुओं को रोकने का अधिकार देते हैं।
- सार्वजनिक आपातकाल की स्थिति में या शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए, डाक के माध्यम से भेजी जा रही सामग्री को रोका जा सकता है।
- डाकघर द्वारा प्रदान की गई सेवा के संबंध में कुछ निर्धारित जवाबदेही को छोड़कर डाकघर पर कोई दायित्व नहीं होगा। डाकघर का कोई भी अधिकारी डाकघर द्वारा प्रदान की गई सेवा के संबंध में किसी प्रकार की जवाबदेही नहीं लेगा।

सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 लागू हुआ

- सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम,

2024 Public Examinations Prevention of Unfair Means) Act, 2024), जिसका उद्देश्य देश भर में आयोजित सरकारी परीक्षाओं और कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में अनुचित साधनों के उपयोग को रोकना है, 21 जून 2024 को लागू हुआ।

- 13 फरवरी को, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक, 2024 को अपनी सहमति दी।
- यह कानून सरकारी एजेंसियों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में "अनुचित साधनों" के उपयोग को रोकने और "अधिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता" लाने का प्रयास करता है। अधिनियम में उल्लेख की गई परीक्षाओं में केंद्र सरकार के संगठनों द्वारा आयोजित परीक्षाएं शामिल हैं।
- इस एक्ट में अनुचित आचरण के 15 कृत्यों की पहचान की गई है, जिसमें पेपर लीक, फर्जी वेबसाइट बनाना और मौद्रिक लाभ के लिए फर्जी परीक्षाएं आयोजित करना शामिल हैं।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून छात्रों/उम्मीदवारों को अधिनियम के दायरे से बाहर रखता है। उम्मीदवारों पर प्रशासनिक नियंत्रण जारी रहेगा।
- अधिनियम में परीक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारी को समय से पहले प्रकट करने और अनाधिकृत लोगों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश कर व्यवधान पैदा करने पर भी रोक लगाई गई है।
- इस अपराध के लिए तीन से पांच साल की कैद और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है।
- कानून के तहत सभी अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-शमनीय cognizable, non-bailable, and non-compoundable) होंगे।
- अधिनियम के अनुसार, परीक्षा आयोजित करने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी द्वारा नियुक्त किसी सर्विस प्रोवाइडर पर भी 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है और उससे "परीक्षा का आनुपातिक खर्च भी वसूला जाएगा"।

प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए कानून लागू हो गया है।

- कानून में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान है।
- इसमें अपराधियों पर 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है।
- लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः 6 और 9 फरवरी को सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 पारित किया।
- इस विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को मंजूरी दी और यह कानून बन गया।
- इस अधिनियम का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एनटीए), रेलवे भर्ती बोर्ड और बैंकिंग भर्ती परीक्षा निकायों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना है।
- इस अधिनियम में धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए न्यूनतम तीन से पांच साल की कैद का प्रावधान है।
- धोखाधड़ी के संगठित अपराधों के मामले में, अधिनियम में पांच से 10 साल की कैद और न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।
- कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग डीओपीटी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह अधिनियम 21 जून 2024 से प्रभावी हो गया है।
- अधिनियम में सार्वजनिक परीक्षा प्राधिकरण द्वारा परीक्षाओं के संचालन के लिए नियुक्त सेवा प्रदाताओं को दंडित करने का भी प्रावधान है।
- उन्हें 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। परीक्षा की आनुपातिक लागत भी सेवा प्रदाताओं से वसूल की जाएगी।
- उन्हें चार साल तक किसी भी सार्वजनिक परीक्षा के संचालन से भी रोक दिया जाएगा।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत दंडनीय अपराध

- प्रश्न पत्र या उत्तर कुंजी का लीक होना
- सार्वजनिक परीक्षा में किसी भी तरह से अनाधिकृत रूप से उम्मीदवार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करना
- कंप्यूटर नेटवर्क या कंप्यूटर संसाधन या कंप्यूटर सिस्टम से छेड़छाड़ करना
- धोखाधड़ी करने या आर्थिक लाभ के लिए फर्जी वेबसाइट बनाना
- नकली परीक्षा आयोजित करना, धोखाधड़ी करने या आर्थिक लाभ के लिए फर्जी एडमिट कार्ड या ऑफर लेटर जारी करना
- परीक्षा में अनुचित तरीके अपनाने की सुविधा के लिए उम्मीदवारों के बैठने की व्यवस्था, तिथियों और शिफ्टों के आवंटन में हेराफेरी करना

अधिसूचित आपदाएं

- देश के कई हिस्सों में चल रही भीषण गर्मी ने एक बार फिर हीटवेव को आपदा प्रबंधन DM) अधिनियम, 2005 के तहत अधिसूचित आपदाओं notified disasters) में शामिल करने पर चर्चा आरम्भ कर दिया है।
- यदि हीट वेव को अधिसूचित आपदा में शामिल किया जाता है, तो राज्यों को मुआवजा और राहत प्रदान करने के लिए अपने आपदा मोचन कोष का उपयोग करने की अनुमति होगी।
- वर्तमान में, राज्यों को इन गतिविधियों के लिए अपने स्वयं के फण्ड का उपयोग करना होता है।
- वर्तमान में, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत आपदाओं की 12 श्रेणियां हैं जिन्हें अधिसूचित किया गया है। ये चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट हमला, तथा पाला और शीत लहरें हैं।
- आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधान राज्यों को इस कानून के तहत स्थापित दो निधियों से धन निकालने की अनुमति देते हैं – राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष NDRF) और राज्य स्तर पर राज्य आपदा मोचन कोष SDRF)।
- राज्य पहले SDRF में उपलब्ध धन का उपयोग करते हैं, और केवल तभी जब आपदा की भयावहता से निपटने में SDRF का धन अपर्याप्त सिद्ध होता है तब राज्य NDRF से धन की मांग करते हैं।
- NDRF का पूरा पैसा केंद्र सरकार से आता है, वहीं राज्य SDRF में 25% धन का योगदान करते हैं विशेष श्रेणी के राज्यों के मामले में 10%), बाकी केंद्र से आता है।

- इन निधियों में धन का उपयोग अधिसूचित आपदाओं से निपटने और प्रबंधन के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है।

जोशीमठ तहसील का नाम बदलकर ज्योतिर्मठ करने को मंजूरी

- भारत सरकार ने उत्तराखंड सरकार के चमोली जिले के जोशीमठ तहसील का नाम बदलकर ज्योतिर्मठ और नैनीताल जिले के कोसियाकुटोली तहसील का नाम बदलकर बाबा नीम करोली महाराज के आश्रम के नाम पर परगना श्री कैंची धाम तहसील करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।
- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया है। यह आवश्यक है क्योंकि भारत में मानचित्र तैयार करने के लिए जिम्मेदार संस्था सर्वे ऑफ इंडिया केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन आता है।
- ज्योतिर्मठ जिसे ज्योतिर पीठ के नाम से भी जाना जाता है) चार प्रमुख मठों मठों) में से एक है, जिसके बारे में माना जाता है कि 8वीं शताब्दी के दार्शनिक आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रसार के लिए पूरे भारत में इसकी स्थापना की थी।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले साल नाम बदलने की घोषणा की थी। यह स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिन्होंने जोशीमठ के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व का हवाला देते हुए सीएम के समक्ष यह मुद्दा उठाया था।
- ऐसा माना जाता है कि जोशीमठ क्षेत्र को मूल रूप से ज्योतिर्मठ कहा जाता था, क्योंकि 8वीं शताब्दी में आदि गुरु शंकराचार्य अमर कल्प वृक्ष के नीचे तपस्या करने के लिए यहां आए थे और उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। हालांकि, समय के साथ, यह जोशीमठ के रूप में लोकप्रिय हो गया।

3 आर्थिक परिदृश्य

डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (DHIS)

- भारत सरकार ने मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने और उन्हें आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य खाते ABHA ID) से जोड़ने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना Digital Health Incentive Scheme: DHIS) को एक साल का विस्तार दिया है।
- यह योजना अब 30 जून, 2025 तक प्रभावी रहेगी। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से योजना के माध्यम से प्राप्त धन के उपयोग पर विवरण भी मांगा है।
- इस योजना के तहत, सरकारी और निजी अस्पताल, क्लीनिक, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक लैब और फार्मेसियों को उनके द्वारा प्रति माह 100 लेनदेन की सीमा से अधिक डिजिटाइज़ किए गए प्रत्येक अतिरिक्त रिकॉर्ड के लिए 20 रुपये का भुगतान किया जाता है।
- यह योजना सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार के अस्पतालों और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने वाली डिजिटल समाधान कंपनियों डीएससी) पर लागू है। इसके तहत, प्रत्येक सुविधा या डिजिटल समाधान कंपनी 4 करोड़ रुपये तक का प्रोत्साहन कमा सकती है।

राष्ट्रीय फोरेंसिक अवसंरचना संवर्धन योजना NFIES)

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 जून को गृह मंत्रालय के केंद्रीय क्षेत्रक योजना "राष्ट्रीय फोरेंसिक अवसंरचना संवर्धन योजना National Forensic Infrastructure Enhancement Scheme : (NFIES)" के प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसका कुल वित्तीय परिव्यय 2024-25 से 2028-29 की अवधि के लिए 2254.43 करोड़ रुपये है।
- केंद्रीय क्षेत्र योजना central sector scheme) के वित्तीय परिव्यय का प्रावधान गृह मंत्रालय अपने बजट से करेगा।
- इस मंजूरी में देश में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय NFSU) के परिसरों की स्थापना शामिल है।
- नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से, जो 7 साल या उससे अधिक की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच को अनिवार्य करता है, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के कार्यभार में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।
- इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए, राष्ट्रीय फोरेंसिक बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश और वृद्धि जरूरी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में वधावन ग्रीनफ़ील्ड पोर्ट स्थापित करने को मंजूरी दी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 जून को महाराष्ट्र के दहानू के पास वधावन Vadhavan) में एक मेजर पोर्ट स्थापित करने को मंजूरी दी।
- इस परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड VPPL) द्वारा किया जाएगा, जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (MMB) द्वारा गठित एक स्पेशल पर्पज व्हीकल है।
- वधावन पोर्ट को महाराष्ट्र के पालघर जिले के वधावन में हर मौसम में काम करने वाले ग्रीनफील्ड डीप ड्राफ्ट मेजर पोर्ट यानी बड़े बंदरगाह के रूप में विकसित किया जाएगा।
- इस बंदरगाह में नौ कंटेनर टर्मिनल शामिल होंगे।
- यह परियोजना पीएम गति शक्ति कार्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप है।
- बंदरगाह पर बनाई गई क्षमताएं IMEEC भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा) और INSTC अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा) के माध्यम से EXIM व्यापार प्रवाह में सहायता करेंगी।

"पीएम श्री स्कूलों" के शिक्षकों के लिए वर्चुअल ओरिएंटेशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने पीएम श्री स्कूलों के शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन NMM) और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST) पर पांच दिवसीय वर्चुअल ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया।

पीएम श्री स्कूल: प्रमुख विशेषताएं

- पीएम श्री स्कूल/PM SHRI Schools पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना centrally sponsored scheme) है।
- इस पहल का उद्देश्य केंद्र सरकार/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार/केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय सहित स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों को विकसित करना है।
- पीएम श्री स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य स्कूलों को मेंटरशिप प्रदान करके नेतृत्व प्रदान करेंगे।
- पीएम श्री स्कूलों को ग्रीन स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें सौर पैनल और एलईडी लाइट, प्राकृतिक खेती के साथ पोषण उद्यान, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित परंपराओं/प्रथाओं का अध्ययन आदि पर्यावरण अनुकूल पहलुओं को शामिल किया जाएगा।
- यह छात्रों को इस तरह से पोषित करेगा कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित एक समतापूर्ण, समावेशी और बहुलवादी समाज के निर्माण के लिए लगे हुए, उत्पादक और योगदान देने वाले नागरिक बनें।

प्रधानमंत्री ने 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को कृषि सखी प्रमाण पत्र प्रदान किए

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून 2024 को पीएम-किसान के तहत लगभग 20,000 करोड़ रुपये की 17वीं किस्त जारी की और वाराणसी में कृषि सखी के रूप में जाने जाने वाले 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

- 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के तहत 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है, जिसका एक आयाम कृषि सखी है।

कृषि सखी Krishi Sakhi)

- कृषि सखी कन्वर्जेन्स प्रोग्राम Krishi Sakhi convergence program: (KSCP) का उद्देश्य कृषि सखी के रूप में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण भारत को बदलना है तथा कृषि सखियों को पैरा-एक्सटेंशन कार्यकर्ताओं के रूप में प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करना है।
- यह प्रमाणन पाठ्यक्रम "लखपति दीदी" कार्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप है।
- कृषि सखियों को कृषि पैरा-एक्सटेंशन कार्यकर्ताओं के रूप में चुना जाता है क्योंकि वे विश्वसनीय सामुदायिक संसाधन व्यक्ति और स्वयं अनुभवी किसान हैं।
- कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण-1 में 12 राज्यों में शुरू किया गया है।
- प्रशिक्षण के बाद, कृषि सखियाँ दक्षता परीक्षा देंगी। उत्तीर्ण होने वालों को पैरा-एक्सटेंशन कार्यकर्ता के रूप में प्रमाणित किया जाएगा, और वे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की योजनाओं की गतिविधियाँ करने में सक्षम हो सकेंगी। इसके बदले में उन्हें निर्धारित संसाधन शुल्क दिए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विश्व एमएसएमई दिवस पर दो नई पहल की शुरुआत की।

- केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने ई-कॉमर्स का उपयोग करके सूक्ष्म और लघु व्यवसायों के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दो नई पहल की शुरुआत की।
- एमएसएमई ट्रेड इनेबलमेंट एंड मार्केटिंग टीम) पहल की शुरुआत ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स ओएनडीसी) प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ऑनलाइन व्यापार में भाग लेने के लिए छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए की गई है।
- इससे 5 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु व्यवसायों को मदद मिलेगी और इस पहल के आधे लाभार्थी महिला-नेतृत्व वाले व्यवसाय होंगे।
- 'यशस्विनी' पहल अनौपचारिक महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को पूंजी और अधिक व्यापार अवसर प्रदान करके उनका समर्थन करने के लिए एक जन जागरूकता अभियान है।
- सरकार ऋण तक पहुँच, बाजारों और ई-कॉमर्स तक पहुँच बढ़ाने, डिजिटलीकरण को बढ़ाने और महिलाओं और कारीगरों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नीदरलैंड 2023-24 में भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा।

- 2023-24 के दौरान, नीदरलैंड अमेरिका और यूएई के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा है।
- भारत ने नीदरलैंड को मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद $14.29 बिलियन), बिजली के सामान, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात किया।
- पिछले वित्तीय वर्ष में, नीदरलैंड के साथ भारत का व्यापार अधिशेष $13 बिलियन से बढ़कर $17.4 बिलियन हो गया।
- भारत के लिए नीदरलैंड ने ब्रिटेन, हांगकांग, बांग्लादेश और जर्मनी जैसे प्रमुख निर्यात स्थलों को पीछे छोड़ दिया है।
- 2023-24 में, नीदरलैंड को भारत का निर्यात 2022-23 में $21.61 बिलियन से लगभग 3.5 प्रतिशत बढ़कर $22.36 बिलियन हो गया।
- 2021-22 में, नीदरलैंड भारतीय निर्यात के लिए पाँचवाँ सबसे बड़ा गंतव्य था।
- भारत और नीदरलैंड ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत को 2023-24 में सिंगापुर से सबसे अधिक एफडीआई प्राप्त हुआ।

- 2018-19 से भारत के लिए एफडीआई निवेश का सबसे बड़ा स्रोत सिंगापुर रहा है।
- हालांकि, 2023-24 में सिंगापुर से एफडीआई 31.55% घटकर 11.77 बिलियन डॉलर रह गया है।
- वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारत में एफडीआई प्रवाह में लगभग 3.5% की गिरावट आई है।
- वित्त वर्ष 2024 में मॉरीशस, सिंगापुर, यू.एस., यू.के., यूएई, केमैन आइलैंड्स, जर्मनी और साइप्रस जैसे देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में गिरावट आई।
- नीदरलैंड और जापान से निवेश बढ़ा।
- 2017-18 में भारत को मॉरीशस से सबसे अधिक एफडीआई प्राप्त हुआ।
- भारत में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 2023-24 में 3.49% घटकर 44.42 बिलियन डॉलर रह गया।
- 2023-24 के दौरान कुल एफडीआई एक प्रतिशत घटकर 70.95 बिलियन डॉलर रह गया।
- कुल एफडीआई में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं। 2021-22 में भारत को अब तक का सबसे अधिक 84.83 बिलियन डॉलर का एफडीआई प्रवाह मिला।
- सेवाओं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, ट्रेडिंग, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल, फार्मा और रसायन जैसे क्षेत्रों में एफडीआई प्रवाह में गिरावट आई है।
- निर्माण बुनियादी ढांचा गतिविधियों, विकास और बिजली क्षेत्रों में प्रवाह में वृद्धि दर्ज की गई है।
- पिछले वित्त वर्ष में मॉरीशस से एफडीआई घटकर 7.97 बिलियन डॉलर रह गया।
- मॉरीशस दूसरा सबसे बड़ा निवेशक था। 2023-24 में अमेरिका भारत में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक था। इसके बाद नीदरलैंड, जापान, यूएई, यूके, साइप्रस, जर्मनी और केमैन आइलैंड्स का स्थान था।
- अप्रैल 2000 से मार्च 2024 के दौरान भारत को मिले कुल एफडीआई में मॉरीशस की हिस्सेदारी 25% है। सिंगापुर की हिस्सेदारी 24% है, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी 10% है।

विपणन वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा

मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ की 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य MSP) में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। यह निर्णय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 17 जून को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया था। नए MSP पर दो लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे।

- फसल वर्ष 2023-24 के लिए सामान्य श्रेणी के धान का MSP 117 रुपये बढ़ाकर 2300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।
- कपास का नया MSP 7121 और एक दूसरी किस्म के लिए 7521 रुपए पर मंजूरी दी है जो पिछली MSP से 501 रुपए ज्यादा है।
- 2024-25 खरीफ के लिए हाल ही में घोषित MSP में, किसानों को उत्पादन लागत पर सबसे अधिक मार्जिन बाजरा (77 प्रतिशत), इसके बाद तुअर (59 प्रतिशत), मक्का (54 प्रतिशत), और उड़द (52 प्रतिशत) पर है।

मुख्य खरीफ फसलें

- धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उडद, तुअर, कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि। खरीफ की फसलें जून जुलाई में बोई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में काट लिया जाता है।

MSP (Minimum Support Price) क्या है?

- (MSP Minimum Support Price) यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वह कीमत होती है, जिस पर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है। इसे सरकारी भाव भी कहा जा सकता है।
- सरकार हर साल फसलों की MSP तय करती है ताकि किसानों की उपज का वाजिब भाव मिल सके। इसके तहत सरकार फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया, नैफेड जैसी सरकारी एजेसिंयों की मदद से किसानों की फसलों को खरीदती है।

RBI की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा: रेपो दर 6.5% पर अपरिवर्तित

- भारतीय रिजर्व बैंक RBI) की मौद्रिक नीति समिति MPC) की बैठक 5-7 जून को मुंबई में हुई थी। बैठक की अध्यक्षता बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने की थी। यह चालू वित्त वर्ष 2024-25) की दूसरी द्विमासिक जून-जुलाई) मौद्रिक नीति 2nd Bi-Monthly Monetary Policy) समीक्षा बैठक थी। मौद्रिक नीति समिति MPC) में RBI के तीन अधिकारी और तीन बाहरी सदस्य् हैं। MPC ने 4:5 बहुमत से नीतिगत दर पर फैसला लिया।

MPC की बैठक, जून 2024: मुख्य बिंदु

- इस बैठक में RBI ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया। यह लगातार सातवीं बार है जिसमें RBI ने मुख्यम दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। रिवर्स रेपो रेट 3.35 फीसदी पर है और बैंक रेट 6.75 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। MPC ने अंतिम बार फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी और इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था।
- 2024-25 के लिए जीडीपी सकल घरेलू उत्पाद) के अपेक्षित विकास दर को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई के अनुसार, 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी।
- RBI के गवर्नर ने कहा कि 29 मार्च 2024 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्चक स्तकर 645.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

NSO अनंतिम अनुमान: पिछले वित्त वर्ष में GDP वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही

- राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (NSO) ने पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के भारतीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर के अनंतिम अनुमान 31 मई को जारी किए थे। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में GDP में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पिछले वित्ति वर्ष 2022-23) में GDP की वृद्धि दर 7 प्रतिशत दर्ज की गई थी। पिछले वित्त वर्ष में स्थिर कीमतों पर आधारित GDP 173 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का भी अनुमान है।

मुख्य बिन्दु

- वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में GDP वृद्धि दर सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में GDP की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई।
- 1960-61 के बाद से यह नौवीं बार है जब भारतीय जीडीपी एक वित्तीय वर्ष में 8 प्रतिशत या उससे अधिक वृद्धि दर रहा है।
- वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में GDP वृद्धि दर सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत थी। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तुलना में मार्च तिमाही की वृद्धि रफ्तार में नरमी आई है। दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 8.6 प्रतिशत की उच्च दर से बढ़ी थी।
- NSO ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए GDP वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। आर्थिक मोर्चे पर भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही है।
- सकल घरेलू उत्पाद GDP, किसी अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियादी माप है, यह एक वर्ष में एक राष्ट्र की सीमा के भीतर सभी अंतिम माल और सेवाओ का बाजार मूल्य है।

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में फसल की हिस्सेदारी कम हुई जबकि फिशिंग की हिस्सेदारी बढ़ी

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय MoSPI) के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने प्रकाशन- 'कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से उत्पादन के मूल्य gross value of output: (GVO) पर सांख्यिकीय रिपोर्ट 2024' (Statistical Report on Value of Output from Agriculture and Allied Sectors 2024) जारी किया है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

- 2011-12 और 2022-23 के बीच कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के कुल उत्पादन मूल्य में फसल क्षेत्र क्रॉप की हिस्सेदारी 62.4 प्रतिशत से

घटकर 54.3 प्रतिशत हो गई है।

- पशुधन की हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत से बढ़कर 30.9 प्रतिशत हो गई है, जबकि फिशिंग और जलीय कृषि की हिस्सेदारी 4.2 प्रतिशत से बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई है।
- इस तरह कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादन के मूल्य में फसल, पशुधन, वानिकी और फिशिंग उप-क्षेत्रों की हिस्सेदारी 2022-23 में क्रमशः 54.3%, 30.9%, 7.9% और 6.9% थी।
- पशुधन उप-क्षेत्र का उत्पादन 2011-12 में ₹487.8 हजार करोड़ से बढ़कर 2022-23 में ₹878.5 हजार करोड़ हो गया।
- राजस्थान 12.5%) और उत्तर प्रदेश 12.3%) ने मिलकर 2022-23 में स्थिर मूल्यों पर पशुधन उप-क्षेत्र के उत्पादन का लगभग एक चौथाई हिस्सा हासिल किया।
- फिशिंग और जलीय कृषि उप-क्षेत्र का उत्पादन 2011-12 में लगभग ₹80 हजार करोड़ से बढ़कर 2022-23 में लगभग ₹195 हजार करोड़ हो गया। कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उत्पादन के मूल्य में मत्स्य पालन और जलीय कृषि की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2012 में 4.2 प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई।
- आंध्र प्रदेश 2015-16 से 2022-23 की अवधि के दौरान फिशिंग और जलीय कृषि का सबसे बड़ा उत्पादक बना रहा।
- पश्चिम बंगाल अभी भी सबसे अधिक फल और सब्जी उत्पादन वाला राज्य बना हुआ है।

सार्वजनिक उद्यम विभाग ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स को "नवरत्न" का दर्जा दिया।

- मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स यह दर्जा पाने वाला देश का 18वां सार्वजनिक उपक्रम बन गया है।
- इसके साथ ही मझगांव डॉक इंजीनियर्स इंडिया कॉनकॉर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, आरसीएफ, नाल्को, एनएमडीसी, आरवीएनएल, इरकॉन और इरेडा जैसी कंपनियों में शामिल हो गई है।
- नवरत्न कंपनी होने के नाते, मझगांव डॉक को 1,000 करोड़ रुपये तक के निवेश के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।
- इन कंपनियों को एक साल के भीतर अपनी कुल संपत्ति का 30% तक निवेश करने की भी आजादी है, बशर्ते यह 1,000 करोड़ रुपये के भीतर रहे।
- नवरत्न कंपनियों को संयुक्त उद्यम, गठबंधन बनाने और विदेशों में सहायक कंपनियां स्थापित करने की भी अनुमति है।
- नवरत्न कंपनी बनने के लिए, पीएसयू को पहले एक मिनीरत्न कंपनी होना चाहिए।
- इसके अतिरिक्त, कंपनी को लगातार तीन वर्षों तक 5,000 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज करना होगा और तीन वर्षों तक 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का औसत वार्षिक कारोबार बनाए रखना होगा।
- साथ ही, तीन वर्षों के लिए इसकी औसत वार्षिक निवल संपत्ति 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए।
- मझगांव डॉक ने वित्तीय वर्ष 2024 के लिए ₹9,466 करोड़ का वार्षिक कारोबार दर्ज किया।
- अप्रैल 2024 में, इरेडा को सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा नवरत्न का दर्जा दिया गया था।

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड CEL को "मिनी रत्न" (श्रेणी-1) का दर्जा

- केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL) को "मिनी रत्न" (श्रेणी-1) का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की है।
- सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) के अंतर्गत भारत सरकार का एक उद्यम है।
- यह सोलर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) निर्माण में देश की अग्रणी कम्पनी है।
- CEL ने सामरिक उपयोग के लिए कई महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स विकसित किए हैं और रक्षा बलों को इन वस्तुओं की आपूर्ति कर रही है।
- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) को 'मिनी रत्न' (श्रेणी-1) का दर्जा देने की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह गाजियाबाद परिसर में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सीईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए।

- उन्होंने कहा कि सीईएल घाटे में चल रही पीएसयू से लाभांश देने वाली पीएसयू में तब्दील हो गई है। सीईएल ने लगातार तीसरे साल लाभांश का भुगतान किया है।
- सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) का शुद्ध लाभ करीब 58 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।
- सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने मिनी रत्न (श्रेणी-1) का दर्जा पाने के लिए सभी प्रदर्शन मापदंड हासिल कर लिए हैं।

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड:

- यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के तहत एक उद्यम है।
- इसकी स्थापना 1974 में देश में राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीकों का व्यावसायिक उपयोग करने के लिए की गई थी।
- यह सौर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) के क्षेत्र में देश में अग्रणी है।
- सीईएल ने सामरिक अनुप्रयोगों के लिए कई महत्वपूर्ण घटकों का विकास किया है और इन वस्तुओं की आपूर्ति रक्षा क्षेत्र को कर रहा है।

भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना में बड़े बदलावों की सिफारिश की।

- भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना की समीक्षा की है और कई सिफारिशें की हैं।

- भारतीय सेना ने सेवा अवधि को 4 से बढ़ाकर 7-8 वर्ष करने का सुझाव दिया है।
- उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में अग्निवीरों के लिए प्रवेश आयु को बढ़ाकर 23 वर्ष करने की भी सिफारिश की है।
- यह भी सिफारिश की गई है कि प्रशिक्षण के दौरान विकलांगता के लिए अनुग्रह राशि प्रदान की जाए और निकास प्रबंधन को एक पेशेवर एजेंसी द्वारा संभाला जाना चाहिए।
- इसने सिफारिश की है कि यदि कोई अग्निवीर युद्ध में मर जाता है, तो उसके परिवार को निर्वाह भत्ता मिलना चाहिए।

अग्निपथ योजना:

- इसे सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती को बढ़ावा देने और पेंशन बिल को कम करने के लिए शुरू किया गया था।
- इस योजना के तहत, पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवारों को देश की तीनों सेवाओं के 'अधिकारी रैंक से नीचे' कैडर में चार साल की अवधि के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाता है।
- सरकार ने 15 जून, 2022 को अग्निपथ योजना शुरू की।

बिहार के उपमुख्यमंत्री को GST रेट रेशनलाइज़ेशन पैनल का कन्वेनर नियुक्त किया गया

- बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को GST रेट रेशनलाइज़ेशन पर मंत्रिसमूह GoM) का कन्वेनर नियुक्त किया गया है। सम्राट चौधरी उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की जगह लेंगे।
- सात सदस्यीय GoM को आवश्यक रेट रेशनलाइज़ेशन और इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर में सुधार का सुझाव देने का काम सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य GST रेट फ्रेमवर्क को सरल बनाना, GST छूट सूची की समीक्षा करना और वस्तु एवं सेवा कर (GST) रेट से राजस्व बढ़ाना है।
- यह दूसरी बार है जब GST रेट रेशनलाइज़ेशन पैनल का पुनर्गठन किया गया है। GoM की स्थापना मूल रूप से सितंबर 2021 में कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के अधीन की गई थी।
- वर्तमान में, GST व्यवस्था में शून्य, 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की पाँच व्यापक कर स्लैब हैं।
- लक्जरी और डीमेरिट गुड्स पर उच्चतम 28 प्रतिशत GST रेट के ऊपर उपकर सेस) लगाया जाता है।

डीमेरिट गुड्स

- बता दें कि डीमेरिट गुड्स को ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसका उपभोक्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है – लेकिन इन हानिकारक प्रभावों के बारे में उपभोक्ता या तो नहीं जानते हैं या अनदेखा कर सकते हैं।
- इनके उदाहरण हैं; तम्बाकू, मादक पेय, रेक्रीशनल ड्रग्स, गैंबलिंग, जंक फूड।

डिजिटल भुगतान धोखाधडी से बचने के लिए समिति का गठन

- भारतीय रिजर्व बैंक ने नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.पी. होता की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है जो डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना के विभिन्न आयामों की जांच करेगा। वर्तमान में डिजिटल भुगतान के विभिन्न माध्यम, बैंक, एनपीसीआई, कार्ड नेटवर्क और भुगतान ऐप विभिन्न तरीकों की धोखाधडी से बचने के उपाय करती हैं।

एनएसई इंडेक्स लिमिटेड ने निफ्टी ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव इंडेक्स लॉन्च किया।

- यह इंडेक्स इलेक्ट्रिक वाहन ईवी) क्षेत्र के व्यवसायों के प्रदर्शन की निगरानी करेगा।
- यह इंडेक्स नए जमाने के ऑटोमोटिव वाहनों और संबंधित प्रौद्योगिकी के विकास में लगे व्यवसायों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए भी बनाया गया है।
- यह एक नया विषयगत सूचकांक है। सूचकांक की आधार तिथि 2 अप्रैल, 2018 है। इसका आधार मूल्य 1000 है।
- इसे अर्ध-वार्षिक रूप से पुनर्गठित किया जाएगा। इसे तिमाही आधार पर पुनर्संतुलित किया जाएगा।
- यह देश का पहला इलेक्ट्रिक वाहन ईवी) सूचकांक होगा।
- नया सूचकांक परिसंपत्ति प्रबंधकों के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करेगा।
- यह एक्सचेंज ट्रेडेड फंड ईटीएफ), इंडेक्स फंड और संरचित उत्पादों के रूप में निष्क्रिय फंडों पर आधारित एक संदर्भ सूचकांक होगा।
- अभी तक, एनएसई 17 विषयगत सूचकांकों की मेजबानी करता है। इनमें निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इंडिया कंजम्पशन, निफ्टी सीपीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

RBI ने प्रवाह (PRAVAAH) पोर्टल, रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप और फिनटेक रिपॉजिटरी लॉन्च किया

- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक RBI) ने विनियामक प्रक्रिया को बढ़ाने, रिटेल इंवेस्टमेंट को आसान बनाने और फिनटेक सेक्टर में बड़े स्तर पर डेटा देने के लिए तीन नई पहलों की शुरुआत की है। ये हैं; प्रवाह (PRAVAAH) पोर्टल, रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप और फिनटेक रिपॉजिटरी।
- PRAVAAH पोर्टल एक सेंट्रलाइज़्ड, सुरक्षित वेब-आधारित प्लेटफॉर्म है, जो व्यक्तियों या संस्थाओं को RBI से रेगुलेटरी मंजूरी, लाइसेंस और अथोरिटी के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा देता है। इस पोर्टल पर RBI से जुड़ी अलग-अलग रेगुलेट री और सुपरविजरी डिपार्टमेंट के 60 एप्लिकेशन मिल सकते हैं।
- रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप एक रिटेल इंवेस्टमेंट ऐप है, जो निवेशकों को उनके स्मार्टफोन पर सरकारी प्रतिभूतियों यानी गवर्नमेंट सिक्योरिटी जी-सेक) की खरीद-बिक्री करने की सुविधा प्रदान करता है। कुछ समय पहले RBI ने रिटेल निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियां यान बॉण्ड में सीधे निवेश की अनुमति देने के लिए RBI के पास खाता खोलने के लिए रिटेल डायरेक्ट पोर्टल लॉन्च किया था। अब इसका ऐप लांच किया गया है।

- फिनटेक रिपॉजिटरी फिनटेक फर्मों, उनकी गतिविधियों और प्रौद्योगिकी उपयोगों पर व्यापक जानकारी प्रदान करेगी। यह रिपॉजिटरी फिनटेक पर अंतर्दृष्टि प्रदान करके नीति निर्माताओं और उद्योग प्रतिभागियों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

राष्ट्रीय स्टॉप डायरिया अभियान 2024 लॉन्च किया गया

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 24 जून 2024 को राष्ट्रीय स्टॉप डायरिया अभियान 2024 (National STOP Diarrhoea Campaign) लॉन्च किया।
- राष्ट्रीय स्टॉप डायरिया अभियान 2024 का लक्ष्य बचपन में डायरिया के कारण होने वाली बाल मृत्यु को रोकना है।
- पहले की डायरिया रणनीति में 5 साल से कम उम्र के बच्चों को ORS का पॅकेज दिया जाता था और जानकारियां दी जाती थीं और यह 2 सप्ताह का अभियान था।
- नई रणनीति में 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए 2 ORS पैकेट के साथ जिंक की पैकिंग दी जाती है और यह 2 महीने का अभियान है।
- बचपन में डायरिया की लगातार समस्या से निपटने और इसकी वजह से होने वाली बाल मृत्यु दर को पूर्णतः रोकने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय MoHFW) ने अपने लंबे समय से चल रहे इंटेंसिव डायरिया नियंत्रण पखवाड़े (IDCF) को स्टॉप डायरिया अभियान के रूप में पुनः ब्रांड किया है।
- 2014 में शुरू हुई यह पहल रोकथाम, सुरक्षा और उपचार PPT) रणनीति का प्रसार करने और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन ORS) और जिंक के उपयोग को बढ़ाने पर केंद्रित है। STOP Diarrhoea अभियान दो चरणों में लागू किया जाएगा।

एनसीएलटी ने एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मंजूरी दी।

- नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच ने टाटा संस के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के विस्तारा के साथ विलय को मंजूरी दे दी है।
- दोनों एयरलाइंस अपने नेटवर्क, मानव संसाधन और बेड़े की तैनाती को एकीकृत करना शुरू कर सकती हैं।
- इस विलय के परिणामस्वरूप दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का निर्माण हुआ है।
- इस सौदे के अनुसार, सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया में 25.1% हिस्सेदारी होगी।
- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने सितंबर 2023 में ही विलय को मंजूरी दे दी थी।
- विस्तारा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड और सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड SIA) का एक संयुक्त उद्यम है।

4 अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य

द. कोरिया, भारत, USA, जापान और EU ने "बायोफार्मास्युटिकल एलायंस" लॉन्च किया

- दक्षिण कोरिया, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ ईयू) ने बायोफार्मास्युटिकल सेक्टर में एक रेजिलिएंस सप्लाई चेन बनाने के लिए संयुक्त प्रयास करने के लिए बायोफार्मास्युटिकल एलायंस Biopharmaceutical Alliance) लॉन्च किया है।
- बायो इंटरनेशनल कन्वेंशन 2024 के दौरान सैन डिएगो में बायोफार्मास्युटिकल एलायंस की पहली बैठक आयोजित की गई।
- कोविड-19 महामारी के दौरान दवा की आपूर्ति मे अनुभव की गयी बाधाओं से भविष्य में निपटने के लिए बायोफार्मास्युटिकल एलायंस लॉन्च किया किया गया है।
- इसकी प्रथम बैठक में सदस्यों ने स्वीकार किया कि आवश्यक कच्चे माल और सामग्री का उत्पादन कुछ ही देशों में केंद्रित है और एक दवा आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

अमेरिका में बायो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 आयोजित किया गया

- भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोपीय संघ ने एक बायोफार्मास्यूटिकल्स गठबंधन शुरू किया है। गठबंधन की पहली बैठक, बायो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन डिएगो में आयोजित की गई। बायोफार्मास्यूटिकल्स एक प्रकार की चिकित्सा दवा है जो किसी जीवित प्राणी के अंगों और ऊतकों, सूक्ष्मजीवों, जानवरों के तरल पदार्थ, या आनुवंशिक रूप से संशोधित कोशिकाओं और जीवों का उपयोग करके बनाई जाती है।

50वां G-7 शिखर सम्मेनलन इटली आयोजित किया गया, IMEC परियोजना के लिए सहमति

- 50वां G-7 शिखर सम्मेनलन 50th G7 summit) 13 से 15 जून 2024 तक इटली के अपूलिया में आयोजित किया गया था। बैठक में जी 7 के सदस्य देशों संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो, यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़, और मेजबान इटली के प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भाग लिया।

मुख्य बिन्दु

- जी 7 शिखर बैठक में सदस्य देशों ने रूसी आक्रमण के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का समर्थन किया। शिखर सम्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ एक 10-वर्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- समझौते के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन को आधुनिक हथियार और गोला-बारूद प्रदान करेगा, लेकिन वह यूक्रेन में अमेरिकी सेना भेजकर रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की मदद नहीं करेगा।
- G7 देश रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद जब्त की गई रूसी संपत्तियों से ब्याज का उपयोग करके यूक्रेन को 50 बिलियन डॉलर का ऋण प्रदान करने पर भी सहमत हुए।
- अगली 51वीं शिखर बैठक 2025 में कैनानास्किस, अल्बर्टा, कनाडा में आयोजित की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आउटरीच सत्र में भाग लिया

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इस शिखर सम्मेलन में भारत की 11वीं और श्री मोदी की लगातार पांचवीं भागीदारी थी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था।
- सम्मेलन से अलग श्री मोदी ने जी-7 देश के नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें की थी।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की और यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ चर्चा की।

आउटरीच सत्र क्या है?

- जी 7 मेजबान देश को आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए अन्य देशों या बहुपक्षीय संस्थानों को आमंत्रित करने का अधिकार है जहां किसी विशेष मुद्दे या कई वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की जाती है।
- G7 के आउटरीच सत्र में भाग लेने का निमंत्रण पाने वाले पहले भारतीय प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी वर्ष 2003) थे।
- इस बार 2024 में), इटली ने अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत, जॉर्डन, केन्या, मॉरिटानिया, ट्यूनीशिया, तुर्किये और UAE को आमंत्रित किया था। इन देशों के अलावा अफ्रीकी विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन, संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक के प्रमुखों को भी आमंत्रित किया गया था।

IMEC परियोजना के लिए सहमति

- शिखर सम्मेलन में G-7 देशों ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे IMEC) जैसी विशिष्ट अवसंरचना परियोजना के लिए अपनी सहमति जताई।
- दिल्ली में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान IMEC ढांचे को अंतिम रूप दिया गया था। इस पहल का उद्देश्य एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिमी देशों के बीच एकीकरण को बढ़ावा देना है।

- IMEC की योजना सऊदी अरब, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप को जोड़ने वाली सड़कों, रेलवे और शिपिंग मार्गों का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित करने की है।
- विशेष रूप से इसे चीन की बेल्ट एंड रोड पहल BRI) के जवाब में IMEC को सहयोगी देशों द्वारा अपने रणनीतिक प्रभाव को बढ़ाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।
- BRI चीन की एक प्रमुख अवसंरचना परियोजना है जो दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप को चीन से जोड़ती है।

G7 संगठन: तथ्यों पर एक दृष्टि

- G7 सात सबसे अधिक औद्योगिकीकरण वाले लोकतांत्रिक देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी 7 समूह, 1973 के अरब इजरायली युद्ध के बाद अरब देशों द्वारा कच्चे पेट्रोलियम तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद फ्रांस की पहल पर बनाया गया था। G7 में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमरीका सदस्य देश हैं।
- वर्ष 1975 में फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति वैलेरी जिस्कार्ड डी एस्टेइंग के आह्वान पर विश्व के सर्वाधिक औद्योगीकृत, लोकतांत्रिक एवं गैर-समाजवादी 6 राष्ट्रों- फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, एवं जापान ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में एक बैठक का आयोजन किया जिसमें इस समूह का गठन हुआ।
- वर्ष 1976 में कनाडा को इस समूह में शामिल कर लिया गया। कनाडा की सहभागिता के पश्चात यह समूह 'G7' के नाम से जाना जाने लगा।
- वर्ष 1994 में 'G7' में रूस के शामिल होने से यह समूह 'G8' के नाम से जाना गया।
- 27 मार्च, 2014 को इस संगठन से रूस को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया। अब यह समूह पुनः 'G7' के नाम से जाना जाने लगा है।
- 'G7' एक अनौपचारिक संगठन है जिसका कोई मुख्यालय अथवा सचिवालय नहीं है। इसके अध्यक्ष का चयन रोटेशन प्रणाली के आधार पर होता है।
- 'G7' देश में विश्व की जनसंख्या का 10.3% लोग रहते हैं। सदस्य देशों की GDP विश्व के GDP का 32.2% है, जबकि विश्व के निर्यात में 34.1% तथा आयात में 36.7% हिस्सा है।

G7 लीडर्स समिट 2025 में कनाडा में आयोजित किया जाएगा

- अगला G7 लीडर्स समिट 2025 में कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में आयोजित किया जाएगा।
- X पर एक पोस्ट में, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा, "अभी घोषणा की गई: अगला G7 लीडर्स समिट 2025 में कनाडा के कनानास्किस, अल्बर्टा में आयोजित किया जाएगा।"
- G7 देशों ने अवसंरचना परियोजनाओं को समर्थन देने का वचन दिया
- प्रमुख परियोजनाओं में लोबिटो, लूजोन, मध्य और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप जैसे गलियारों के लिए समन्वय और वित्तपोषण प्रयास शामिल हैं।
- वे यूरोपीय संघ के ग्लोबल गेटवे Lobito Corridor), अफ्रीकी संघ की ग्रेट ग्रीन वाल इनिशिएटिव और इटली की अफ्रीका के लिए मैटेई योजना Mattei Plan) जैसी मौजूदा पहलों को आगे बढ़ाने की भी योजना बना रहे हैं।
- नेताओं ने "पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट PGII) पहलों, प्रमुख परियोजनाओं और गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए पूरक पहलों के लिए ठोस प्रयासों को बढ़ावा देने का समर्थन किया।
- इनमें लोबिटो कॉरिडोर अफ्रीका), लूजोन कॉरिडोर/Luzon Corridor फिलीपींस), मध्य कॉरिडोर और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर के लिए समन्वय और वित्तपोषण को गहरा करना शामिल है।

वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए भागीदारी (PGII) पहल

- हाल ही में, G7 नेताओं ने वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए भागीदारी (PGII) पहल को और आगे बढ़ाने के लिए ठोस समर्थन किया।
- PGII योजना की घोषणा पहली बार जून 2021 में यूके में G7 या (ग्रुप ऑफ़ सेवन) शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- 2022 में, जर्मनी में G7 शिखर सम्मेलन के दौरान, PGII को सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से विकासशील देशों में अवसंरचना परियोजनाओं को निधि देने में मदद करने के लिए एक संयुक्त पहल के रूप में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था।
- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) वैश्विक अवसंरचना निवेश के लिए भागीदारी (PGII) का हिस्सा है।

ग्रेट ग्रीन वॉल पहल

- अफ्रीकी संघ द्वारा 2007 में शुरू की गई, और अफ्रीकी-नेतृत्व वाली ग्रेट ग्रीन वॉल पहल का उद्देश्य अफ्रीका महाद्वीप के क्षत-विक्षत परिदृश्यों को बहाल करना और साहेल क्षेत्र में लाखों लोगों के जीवन को बदलना है।

यूरोपीय संघ का ग्लोबल गेटवे

- यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि ने ग्लोबल गेटवे की रूपरेखा तैयार की है, जो डिजिटल, ऊर्जा और परिवहन क्षेत्रों में स्मार्ट, स्वच्छ और सुरक्षित संपर्कों को बढ़ावा देने और दुनिया भर में स्वास्थ्य, शिक्षा और अनुसंधान प्रणालियों को मजबूत करने के लिए एक नई यूरोपीय रणनीति है।

पाकिस्तान, डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया UNSC के सदस्य चुने गए

- पाकिस्तान, डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद UNSC) का अस्थायी सदस्य चुना गया है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 6 जून को गुप्त मतदान के माध्यम से रिक्त पांच सीटों के लिए चुनाव किया था। इन देशों का 2 वर्ष का कार्यकाल 2025 से शुरू होगा।

मुख्य बिन्दु

- UNSC में अस्थायी सदस्यों की रिक्त पांच सीटों पर 6 जून को चुनाव हुआ था। चुनाव में पाकिस्तान, सोमालिया, डेनमार्क, ग्रीस और पनामा को अस्थायी सदस्य चुना गया।
- अफ्रीकी और एशिया-प्रशांत देशों की दो सीटों के लिए पाकिस्तान और सोमालिया को चुना गया। पनामा को लैटिन अमेरिका और कैरेबियन समूह से चुना गया था। डेनमार्क और ग्रीस पश्चिमी यूरोप और अन्य राज्यों के समूह से चुने गए।
- ये नवनिर्वाचित सदस्य देश जापान, मोजांबिक, इक्वाडोर, माल्टा और स्विटजरलैंड का स्थान लेंगे। इनका कार्यकाल 31 दिसंबर 2024 को समाप्त हो जाएगा। पांचों नए सदस्यों का दो वर्षीय कार्यकाल एक जनवरी 2025 से शुरू होगा।
- वर्तमान में UNSC में अन्य गैर-स्थायी सदस्य अल्जीरिया, गुयाना, कोरिया गणराज्य दक्षिण कोरिया), सिएरा लियोन और स्लोवेनिया हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC): एक दृष्टि

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) संयुक्त राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण निकाय है जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। UNSC के 15 सदस्य होते हैं, जिनमें से 5 स्थायी और 10 अस्थायी होते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्य- संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, रूस और चीन हैं। उनके पास वीटो शक्ति है, और यदि वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान करते हैं, तो वो प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सकता है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 10 अस्थायी सदस्य दो साल के लिए चुने जाते हैं और उनके पास वीटो शक्ति नहीं होती है।
- 10 अस्थायी सीटें चार क्षेत्रीय समूहों के बीच वितरित की जाती हैं: अफ्रीकी और एशिया-प्रशांत, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन, तथा पश्चिमी यूरोप और अन्य राज्य। सदस्य केवल अपने क्षेत्रीय समूहों से ही उम्मीदवार हो सकते हैं
- भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में आठ बार चुना गया है। भारत 1950-1951, 1967-1968, 1972-1973, 1977-1978, 1984-1985, 1991-1992, 2011-2012 और 2021-2022 में सदस्य था।

संयुक्त राष्ट्र

- संयुक्त राष्ट्र एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका गठन 24 अक्टूबर 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में लीग ऑफ नेशन्स की विफलता के बाद किया गया था।
- प्रारंभ में, इसमें भारत सहित 51 सदस्य देश शामिल थे, लेकिन अब, इसमें 193 सदस्य देश हैं। संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क में, और वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरस हैं।

सिंगापुर में पहली आईपीईएफ स्वच्छ अर्थव्यवस्था निवेशक फोरम की बैठक

- सिंगापुर ने 5 और 6 जून 2024 को पहली आईपीईएफ Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity) स्वच्छ अर्थव्यवस्था निवेशक फोरम की बैठक की मेजबानी की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के सचिव सुनील बर्थवाल ने किया। आईपीईएफ में 14 सदस्य देश शामिल हैं – अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक रूस में आयोजित की गई

- ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक रूस के निज़नी नोवगोरोड में 10 जून को आयोजित की गई थी। बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।
- ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों ने विश्व के कई भागों में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की। उन्होमनें कूटनीति, समावेशी विचार-विमर्श के माध्यम से विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की प्रतिबद्धता व्यमक्त की है।
- विदेश मंत्रियों ने संयुक्त वक्तव्य में, संघर्ष की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के प्रति पूर्ण सम्मान और मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप मानवीय सहायता की आवश्यकता पर बल दिया।
- विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंध मामलों के सचिव डी रवि ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। डॉ। सुब्रह्मण्यसम जयशंकर को विदेश मंत्री के रूप में 10 जून को ही दोबारा नियुक्त किया गया था, इसलिए वह बैठक में शामिल नहीं हो सके थे।
- भारत ने ब्रिक्स की बैठक में पहली बार भाग लेने वाले नए सदस्य देशों – मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इथियोपिया के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया। 2023 में हुए ब्रिक्स के विस्तार में इन देशों को शामिल किया गया था।

इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (iCET)

- भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार NSA) श्री अजीत डोभाल और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री जेक सुलिवन ने 17 जून 2024 को हैदराबाद हाउस, नई दिल्ली में भारत-अमेरिका "इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (iCET)" की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- उन्होंने अंतरिक्ष, सेमी कंडक्टर, एडवांस दूरसंचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम, STEM,, जैव प्रौद्योगिकी, क्रिटिकल मिनरल्स और क्लीन एनर्जी सहित प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने और बढ़ाने की दिशा में भारत और अमेरिका द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कदमों का जायजा लिया।
- जनवरी 2023 में iCET शुरू किया गया था।
- CET का मूल विचार यह है कि भारत और अमेरिका एक-दूसरे को सहायता प्रदान कर सकें, टेक्नोलॉजी सेक्टर में अधिक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सकें, संयुक्त रूप से इनोवेशन कर सकें और चुनौतियों का समाधान ढूंढ सकें।

मुख्य बिन्दु

- दोनों NSA ने सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी और विनिर्माण, टिकाऊ कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।
- वे स्वच्छ ऊर्जा, महामारी संबंधी तैयारियों और अन्य महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए।
- भारत और अमेरिका अगले पांच वर्षों तक यूएस-इंडिया ग्लोबल चैलेंजेज इंस्टीट्यूट को 90 मिलियन डॉलर की राशि प्रदान करेंगे।
- अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स कंपनी और भारतीय कंपनी 3rd iTech संयुक्त रूप से सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण के सह-विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

भारत-अमेरिका क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (ICET) पहल: एक दृष्टि

- मई 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ICET) पहल पर सहमति बनी थी।
- ICET पहल का उद्देश्य दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों और व्यवसायों के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी, रक्षा और औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना था।
- ICET पहल दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष, अर्धचालक, उन्नत दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा में रणनीतिक सहयोग को विस्तारित करने पर केंद्रित है।
- पहली ICET बैठक जनवरी 2023 में अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में आयोजित की गई थी।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) संयुक्त रूप से सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह का विकास और प्रक्षेपण करेंगे।
- नासा, इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष उड़ानों और मानव अंतरिक्ष मिशनों में प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

पराग्वे बना इंटरनेशनल सोलर अलायन्स (ISA) 100वां पूर्ण सदस्य

- पराग्वे अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन International Solar Alliance: ISA) में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने वाला 100वां देश बन गया है। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र पराग्वे ने 26 जून 2024 को नई दिल्ली में आधिकारिक तौर पर ISA को अपना अनुसमर्थन पत्र सौंप दिया।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन

- पेरिस में 2015 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP21) के दौरान भारत और फ्रांस ने ISA लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य दुनिया भर में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना है।
- यह सदस्य देशों के लिए ऊर्जा पहुंच बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और सतत ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में कार्य करता है।
- ISA का प्राथमिक लक्ष्य सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की तेजी से और बड़े पैमाने पर अपनाने के माध्यम से पेरिस जलवायु समझौते के कार्यान्वयन में योगदान करना है।
- इस सहयोगी प्रयास को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।
- 2020 में अपने फ्रेमवर्क समझौते के संशोधन के साथ, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश अब ISA में शामिल होने के पात्र हैं।
- ISA अपनी 'टुवार्ड्स 1000' रणनीति द्वारा निर्देशित है, जिसका लक्ष्य 2030 तक सौर ऊर्जा समाधानों में 1,000 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाना है, जबकि स्वच्छ ऊर्जा समाधानों का उपयोग करके 1,000 मिलियन लोगों तक ऊर्जा पहुंच प्रदान करना और इसके परिणामस्वरूप 1,000 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता की स्थापना करना है।
- इसका मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में है

थाईलैंड समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बन गया।

- थाईलैंड की सीनेट ने विवाह समानता कानून का अंतिम रीडिंग पारित कर दिया।
- इसने थाईलैंड को समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।
- यह कानून 120 दिनों के बाद लागू होगा। इसके लिए शाही स्वीकृति की भी आवश्यकता है।
- नेपाल और ताइवान के बाद थाईलैंड एशिया का तीसरा देश है, जिसने विवाह समानता कानून लागू किया है।
- थाईलैंड, एशिया के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है, जो पहले से ही अपनी जीवंत एलजीबीटी संस्कृति और सहिष्णुता के लिए जाना जाता है।

यूरोपीय संसद के लिए चुनाव

- यूरोपीय संसद के लिए 6-9 जून को हुए चुनावों के परिणाम में वामपंथी और उदारवादी दलों की तुलना में दक्षिणपंथी और धुर दक्षिणपंथी दलों को अधिक सफलता मिली है। इन चुनावों में यूरोपीय संघ (EU) के 27 सदस्य देशों के 37 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से लगभग 51% ने मतदान किया।
- बता दें कि यूरोपीय संसद के सदस्य 27 सदस्य देशों के नागरिकों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं। इसलिए, यह EU की सभी गतिविधियों को एक निश्चित लोकतांत्रिक वैधता प्रदान करता है।
- संसद की 720 सीटें 'ह्रासमान आनुपातिकता' degressive proportionality') के सिद्धांत पर आवंटित की जाती हैं, जिसका अर्थ है कि छोटे देश अपनी जनसंख्या के अनुपात में अधिक सदस्य (MEP) का चुनाव करते हैं।
- MEP का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व द्वारा किया जाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि निर्वाचित MEP की संख्या उनके प्राप्त वोटों के अनुपात में हो।
- यूरोपीय संसद चुनावों में मतदाता अपने राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में से चुनते हैं। जीतने वाले उम्मीदवार फिर यूरोपीय संसद में यूरोप-व्यापी राजनीतिक समूहों का हिस्सा बन जाते हैं।

- ये समूह राजनीतिक विचारधाराओं के आधार पर गठित हुए होते हैं जैसे;यूरोपियन पीपल्स पार्टी EPP) । संसद की प्रक्रिया के नियमों के अनुसार, यूरोपीय संसद के राजनीतिक समूह में कम से कम सात सदस्य देशों से चुने गए कम से कम 23 सदस्य शामिल होंगे।
- संसद के तीन प्रमुख कार्य हैं। सबसे पहले, यह यूरोपीय संघ की परिषद के साथ यूरोपीय संघ के कानून को अपनाता है और संशोधित करता है। दूसरा, यह अन्य सभी यूरोपीय संघ के संस्थानों और निकायों, विशेष रूप से यूरोपीय आयोग के कामकाज की निगरानी करता है। यह यूरोपीय आयोग में नियुक्तियों को मंजूरी देता है या अस्वीकार करता है। तीसरा, संसद यूरोपीय संघ के बजट पर परिषद के साथ अधिकार साझा करती है, जो इसे यूरोपीय संघ के खर्च को प्रभावित करने की अनुमति देता है।
- यूरोपीय संसद व्यापार और निवेश पर समझौतों सहित अंतर्राष्ट्रीय समझौतों की भी पुष्टि करती है।

यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन 2024

- "यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन" (Summit on Peace in Ukraine) शीर्षक से दो दिवसीय यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन 15-16 जून 2024 को स्विट्जरलैंड के बर्जनस्टॉक रिसोर्ट में आयोजित किया गया।
- इस कार्यक्रम में 90 से अधिक देशों और वैश्विक संस्थानों ने भाग लिया। यूक्रैन पर फूल स्केल हमले के बाद यूक्रेन में शांति पर यह सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन था।
- रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था, और चीन इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया।
- भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय में सचिव राजदूत पवन कपूर ने किया।
- शिखर सम्मेलन में एक मसौदा घोषणापत्र जारी किया गया जो यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की पुष्टि करता है और देश के खिलाफ किसी भी परमाणु खतरे को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।
- यूक्रेन में शांति पर शिखर सम्मेलन, भारत ने विज्ञप्ति का समर्थन करने से इनकार किया
- यूक्रेन में शांति को लेकर 15-16 जून को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक शहर में एक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन में यूरोप, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 90 से अधिक देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया था। रूस ने सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था।

मुख्य बिन्दु

- इस शिखर सम्मेलन में कई देशों ने यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया और सभी पक्षों से संघर्ष का स्थायी समाधान खोजने का आह्वान किया गया।
- भारत ने कहा कि अगर शांति समाधान दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो तो क्षेत्र में स्थायी शांति हो सकती है।
- भारत का रुख यह था कि रूस की भागीदारी के बिना क्षेत्र में कोई शांति नहीं हो सकती और चूंकि विज्ञप्ति रूस के दृष्टिकोण को ध्यान में रखे बिना जारी की गई थी, इसलिए भारत ने विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।
- भारत के अलावा, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मैक्सिको और संयुक्त अरब अमीरात यूएई) उन प्रमुख देशों में से थे, जिन्होंने अंतिम विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर नहीं किए।
- रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत 24 फरवरी 2022 को हुई जब रूसी राष्ट्रपति वाल्दिमीर पुतिन ने यूक्रेन को पश्चिमी सैन्य गठबंधन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने से रोकने के लिए यूक्रेन में अपने सैनिक भेजे।

अमेरिका ने केन्या को "प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी MNNA) का दर्जा दिया

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने केन्या को "प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी major non-NATO ally: (MNNA)" का दर्जा दिया है। अमेरिकी व्हाइट हाउस द्वारा प्रकाशित एक ज्ञापन में कहा गया है कि MNNA का दर्जा अमेरिकी कानून के तहत एक डिजाइनेशन है जो विदेशी भागीदारों को रक्षा व्यापार और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्रों में कुछ लाभ प्रदान करता है।
- राष्ट्रपति बाइडेन ने केन्याई राष्ट्रपति विलियम रुटो की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के दौरान केन्या को मेजर नॉन-नाटो अलाइ के रूप में नामित करने का संकल्प लिया था।
- अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, MNNA दर्जा संयुक्त राज्य अमेरिका के उन देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों का एक शक्तिशाली प्रतीक है।
- वैसे MNNA का दर्जा सैन्य और आर्थिक विशेषाधिकार प्रदान करता है, लेकिन यह देशों को किसी भी सामूहिक सुरक्षा का वचन नहीं देता है।
- यह वचन या कमिटमेंट केवल नाटो सदस्य देशों को प्राप्त हैं। वैसे MNNA दर्जा वाले देश सहयोगी अनुसंधान, विकास, परीक्षण या मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए सामग्री, लॉजिस्टिक्स या उपकरण के ऋण लेने के लिए पात्र हैं।
- ये देश अपने क्षेत्र में अमेरिकी स्वामित्व वाले युद्ध रिजर्व स्टॉकपाइल्स रखने के लिए जगह दे सके हैं।
- वर्तमान में 19 देशों को "प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी (MNNAs) का दर्जा दिया गया है। ये हैं: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, ब्राजील, कोलंबिया, मिस्र, इज़राइल, जापान, जॉर्डन, कुवैत, मोरक्को, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, फिलीपींस, कतर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया।

सिंगापुर में 21वां 'शांगरी-ला डायलॉग' आयोजित किया गया

- अंतरराष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा सम्मेलन शांगरी-ला संवाद (Shangri La Dialogue) सिंगापुर के शांगरी ला होटल में 31 मई से 2 जून 2024 तक आयोजित किया गया था। इसमें एशिया-प्रशांत क्षेत्रों और दुनिया के अन्य हिस्सों से सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

21वां शांगरी-ला डायलॉग: मुख्य बिन्दु

- यह शांगरी-ला डायलॉग का 21वां संस्करण था, जिसका उद्घाटन अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने किया था। वार्ता में चीन,

इंडोनेशिया, मालदीव, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के रक्षा मंत्री भी शामिल थे।

- वार्ता में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर और तिमोर लेस्ते के राष्ट्रपति डॉ। जोस होर्टा ने भी भाग लिया। इस बार भारत का प्रतिनिधित्व नहीं था।
- इस वर्ष चीन का प्रतिनिधित्व उसके रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून ने किया था। कार्यक्रम संबोधित करते हुए उन्होंने ताइवान की स्वतंत्रता को रोकने के लिए दृढ़ कार्रवाई करने की बात कही।

शांगरी-ला डायलॉग: एक दृष्टि

- शांगरी-ला डायलॉग या एशियाई सुरक्षा शिखर सम्मेलन, एशिया प्रशांत के देशों को क्षेत्र की सुरक्षा समस्याओं पर चर्चा करने और समाधान खोजने के लिए ऐसा वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है।
- इसका आयोजन सिंगापुर सरकार के साथ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज आईआईएसएस), लंदन द्वारा किया जाता है।
- बैठक का स्थायी स्थान सिंगापुर में स्थित शांगरी-ला होटल है। अब यह बैठक अब शांगरी ला संवाद के नाम से अधिक प्रसिद्ध है।
- शांगरी-ला संवाद का श्रेय ब्रिटिश रणनीतिकार सर जॉन चिपमैन को दिया जाता है। सर चिपमैन ने क्षेत्र की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 1990 के दशक में सिंगापुर के पूर्व प्रधान मंत्री ली कौन यू से संपर्क किया था।
- ली कौन यू के सहयोग से पहला एशियाई सुरक्षा सम्मेलन, या शांगरी ला संवाद, 2002 में आयोजित किया गया था।
- इसका उद्घाटन हमेशा संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा मंत्री के द्वारा किया जाता है। चीनी रक्षा मंत्री हमेशा अगले दिन के सत्र की शुरुआत करते हैं।
- 2018 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शांगरी ला संवाद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधान मंत्री थे।

अडानी समूह ने दार एस सलाम बंदरगाह की 30 साल की लीज हासिल की

- गौतम अडानी के स्वामित्व वाले अडानी समूह ने तंजानिया के दार एस सलाम बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल 2 की 30 साल की लीज हासिल करके अफ्रीकी देश तंजानिया में बंदरगाह व्यवसाय में प्रवेश किया है। अदानी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड एपीएसईजेड) की सहायक कंपनी है।
- अदानी पोर्ट्स ने तंजानिया में दार एस सलाम पोर्ट टर्मिनल को संचालित करने के लिए 30 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन APSEZ) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदानी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड AIPH) ने तंजानिया पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ 30 साल के रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता एआईपीएच को तंजानिया में दार एस सलाम पोर्ट पर कंटेनर टर्मिनल 2 को संचालित करने और प्रबंधित करने में सक्षम बनाएगा।
- दार एस सलाम पोर्ट एक गेटवे पोर्ट है, जिसमें सड़क और रेलवे का एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ नेटवर्क है।
- एपीएसईजेड नियंत्रक शेयरधारक होगा और ईएजीएल को अपने खातों में समेकित करेगा।
- ईस्ट अफ्रीका गेटवे लिमिटेड (EAGL) को एआईपीएच, एडी पोर्ट्स ग्रुप और ईस्ट हार्बर टर्मिनल्स लिमिटेड (EHTL) के संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया है।
- कंटेनर टर्मिनल 2 की वार्षिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता 1 मिलियन बीस-फुट समकक्ष इकाइयों (TEU) की है।

अमेरिकी कांग्रेस ने "रिज़ॉल्व तिब्बत एक्ट" पारित किया

- यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस अमेरिकी संसद) ने 12 जून को तिब्बत-चीन विवाद के समाधान को बढ़ावा देने वाला अधिनियम पारित किया, जिसे रिज़ॉल्व तिब्बत एक्ट Resolve Tibet Act) के नाम से जाना जाता है।
- द्विदलीय कानून को अब राष्ट्रपति जो बाइडेन की मंजूरी का इंतजार है, जिसके बाद इसे कानून में बदल दिया जाएगा।
- यह अधिनियम तिब्बत नीति अधिनियम या टीपीए 2002), और तिब्बती नीति और समर्थन अधिनियम या (TPSA 2020) के बाद अमेरिका द्वारा तिब्बत के संबंध में लिया गया तीसरा उल्लेखनीय कानून है।
- रिज़ॉल्व तिब्बत एक्ट तिब्बत के बारे में चीनी दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए धन के उपयोग को अधिकृत करता है।
- यह अधिनियम उस चीनी दावे को भी चुनौती देता है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का हिस्सा रहा है। इसमें चीन से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ-साथ तिब्बती समुदाय के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेताओं के साथ सार्थक और प्रत्यक्ष बातचीत करने का आग्रह किया गया है, ताकि मतभेदों को दूर करने के लिए बिना किसी पूर्व शर्त के समझौता किया जा सके।
- रिज़ॉल्व तिब्बत एक्ट तिब्बती लोगों की बहुआयामी सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने और संबोधित करने का प्रयास करता है, विशेष रूप से उनकी "विशिष्ट ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई पहचान।"
- अंत में, यह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के सटीक भौगोलिक क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए तिब्बत नीति अधिनियम में संशोधन करता है।

कावांगो-ज़ाम्बेजी ट्रांस-फ्रंटियर कंजर्वेशन एरिया (KAZA-TFCA)

- KAZA 2024 राष्ट्राध्यक्ष शिखर सम्मेलन जाम्बिया के लिविंगस्टोन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों ने सदस्य देशों से लुप्तप्राय वन्य जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन या CITES) की सदस्यता त्यागने की अपील की ताकि उन्हें हाथीदांत और अन्य वन्यजीव उत्पादों को बेचने की स्वतंत्रता मिल सके।
- गौरतलब है कि कावांगो-ज़ाम्बेजी ट्रांस-फ्रंटियर संरक्षण क्षेत्र में हाथियों की संख्या काफी अधिक है और इनसे ये देश परेशान हैं। वे हाथ दांत का व्यापार करना चाहते हैं परन्तु CITES के प्रतिबंधों के कारण ऐसा संभव नहीं है।

कावांगो-ज़ाम्बेजी ट्रांस-फ्रंटियर कंजर्वेशन एरिया (KAZA-TFCA)

- कावांगो-जाम्बेजी ट्रांस-फ्रंटियर कंजर्वेशन एरिया (KAZA-TFCA) 520,000 वर्ग किलोमीटर का वन्यजीव अभयारण्य है जो पाँच दक्षिणी अफ्रीकी देशों में फैला हुआ है जो ओकावांगो और ज़ाम्बेजी नदी घाटियों के साथ साझा सीमाएँ साझा करते हैं।
- यह क्षेत्र कवांगो और जाम्बेजी नदी घाटियों में स्थित है, जहाँ अंगोला, बोत्सवाना, नामीबिया, जाम्बिया और जिम्बाब्वे की सीमाएं मिलती हैं।
- इस क्षेत्र में ओकावांगो डेल्टा दुनिया का सबसे बड़ा इनलैंड डेल्टा) और विक्टोरिया फॉल्स विश्व धरोहर स्थल और दुनिया के सात प्राकृतिक आश्चर्यों में से एक) स्थित है।
- दक्षिण अफ्रीका के साथ इन पांच देशों में, लगभग 450,000 की अफ्रीकी हाथियों की आबादी है।
- ये देश 19 अफ्रीकी हाथी रेंज राज्यों का हिस्सा हैं, जिनमें से अकेले बोत्सवाना में हाथियों की आबादी 132,000 है, इसके बाद जिम्बाब्वे में 100,000 है, जबकि अन्य बड़ी संख्या में दक्षिण अफ्रीका, जांबिया, नामीबिया और अंगोला में हैं।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की भारत यात्रा, कई समझौतों ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 22 जून को भारत की यात्रा पर थे। इस यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्र पति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की जिसमें दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत-बांग्लातदेश द्विपक्षीय बैठक मुख्य बिन्दु

- नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्रय मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई समझौतों ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और कई समझौता ज्ञापनों का नवीनीकरण किया।
- इन समझौतों में डिजिटल और हरित भागीदारी, समुद्री सहयोग, स्वास्थ्य और चिकित्सा, अंतरिक्ष सहयोग, रेलवे संपर्क, समुद्र विज्ञान, आपदा प्रबंधन और मत्स्य पालन के क्षेत्र शामिल हैं।
- भारत और बांग्लादेश ने दोनों देशों की संपन्नता के लिए कनेक्टिविटी, वाणिज्य और सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य का एक दृष्टिकोण-पत्र साझा किया। इस पत्र में भारत के विकसित भारत विजन-2047 और बांग्लादेश के स्मार्ट बांग्लादेश विजन-2047 की परिकल्पना का उल्लेख किया गया है।
- दोनों नेता आतंकवाद से निपटने संबंधी गतिविधियों में तेजी लाने, कट्टरवाद से निपटने और लंबी भू-सीमा पर शांतिपूर्ण प्रबंधन करने पर भी सहमत हुए।
- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बांग्लादेश, भारत की पडोसी प्रथम और एक्ट ईस्ट नीति का आधार स्तंभ है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 2026 में बांग्लादेश डेवलपिंग कंट्री बनने जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम साथ मिलकर विकसित भारत 2047 और स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के संकल्पों को सिद्धि तक ले जाएंगे।
- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत को विश्वसनीय मित्र और क्षेत्रीय भागीदार बताया। बाद में, शेख हसीना ने राष्ट्र पति भवन में राष्ट्रकपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

चीन ने ऑस्ट्रेलिया को दो जायंट पांडा उपहार देने की घोषणा की

- जून 2024 में, चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया और द्विपक्षीय संबंधों के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। इस अवसर पर ली कियांग ने ऑस्ट्रेलियाई चिड़ियाघर को दो नए जायंट पांडा giant pandas) उपहार में देने की घोषणा की।
- ली की यात्रा, व्यापार भागीदारों के लिए पिछले सात वर्षों में पहली बार किसी चीनी प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की है। श्री ली कियांग ने एडिलेड चिड़ियाघर का दौरा किया, जहाँ 2009 से चीन में जन्मे विशाल पांडा वांग वांग और फू नी रह रहे हैं।
- उन्होंने घोषणा की कि नवंबर में इन दोनों पांडा जोड़ी के चीन लौटने के बाद चिड़ियाघर को दो और पांडा उधार दिए जाएंगे।
- बता दें यह वांग वांग और फू नी दक्षिणी गोलार्ध में एकमात्र पांडा जोड़ी है और ऑस्ट्रेलिया में संतान पैदा करने में विफल रही हैं।

विशाल पांडा

- विशाल पांडा भालू परिवार का सबसे दुर्लभ सदस्य है। इन काले और सफेद भालुओं में से केवल 1,500 ही प्राकृतिक जंगलों में जीवित बचे हैं।
- पांडा बांस की टहनियों और पत्तियों के अलावा कुछ भी नहीं खाते हैं। पांडा तेजी से खाते हैं, वे बहुत खाते हैं, और ऐसा करने में वे दिन में लगभग 12 घंटे बिताते हैं। कारण: वे जो खाते हैं उसका लगभग पाँचवाँ हिस्सा ही पचा पाते हैं।
- पांडा शर्मीले होते हैं; वे उन क्षेत्रों में नहीं जाते जहाँ इंसान रहते हैं। विशाल पांडा दक्षिण मध्य चीन में सिचुआन, शानक्सी और गांसु प्रांतों में कुछ पर्वत श्रृंखलाओं में रहते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के नामाक्वालैंड क्षेत्र में दुनिया के सबसे पुराने आबाद दीमक के टीले की खोज

- वैज्ञानिकों ने दक्षिण अफ्रीका के नामाक्वालैंड क्षेत्र Namaqualand region) में बफेल्स नदी के किनारे दुनिया के सबसे पुराने आबाद दीमक के टीले world's oldest inhabited termite mounds) खोजे हैं।
- स्थानीय रूप से, इन टीलों को ह्यूवेल्टजीज़/heuweltjies अफ्रीकी भाषा में इस शब्द का अर्थ "छोटी पहाड़ियाँ" होता है, कहा जाता है।

- इन दीमक के टीलों में दक्षिणी हार्वेस्टर दीमक, माइक्रोहोडोर्मेस विएटर की सुरंगों और घोंसलों का अंडरग्राउंड नेटवर्क बना हुआ है।
- कुछ टीले 34,000 से 13,000 साल पुराने हैं। सबसे पुराने ज्ञात आबाद टीले 4,000 साल पुराने थे। दीमक को इकोसिस्टम इंजीनियर कहा जाता है।
- वे अनुकूल आर्द्रता और तापमान की स्थिति बनाए रखने के लिए आस की मिट्टी में बदलाव करते रहते हैं, और उनके आहार आपूर्ति के रास्ते कई दसियों मीटर तक फैले होते हैं।

इकोसिस्टम इंजीनियर

- बता दें कि इकोसिस्टम इंजीनियर वे प्रजातियाँ हैं जो अपने आस पास के पर्यावरण को अच्छे तरीके से संशोधित करती हैं, नए आश्रय बनाती हैं या अपनी ज़रूरतों के हिसाब से मौजूदा आश्रयों में बदलाव करती हैं।
- इकोसिस्टम इंजीनियर के उदाहरण हैं; प्रवाल यानी कोरल्स, हाथी, गोफर कछुआ, लाल-मुर्गानुमा कठफोड़वा Red-cockaded woodpecker), यूरेशियन ऊदबिलाव Eurasian beaver), यूरोपीय देशी सीप European native oyster), पैरोट फिश, केल्प समुद्री शैवाल)।

भारत और श्रीलंका ने शुरू किया "मेरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर"

- जून 2024 में भारत और श्रीलंका ने समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (Maritime Rescue Coordination Centre: MRCC) शुरू किया, जो दोनों पक्षों के बीच मजबूत समुद्री सुरक्षा सहयोग को दर्शाता है।
- इसका उद्घाटन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान किया गया।
- मेरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर कोलंबो स्थित श्रीलंका नौसेना मुख्यालय में एक मुख्य केंद्र और हंबनटोटा में एक उप-केंद्र शामिल है।
- भारत से 6 मिलियन डॉलर के अनुदान से निर्मित MRCC में श्रीलंका के तटीय क्षेत्र में सामरिक स्थानों पर सात मानवरहित फैसिलिटी शामिल हैं – गैले, अरुगाम्बे, बट्टिकलोआ, त्रिंकोमाली, कल्लारावा, पॉइंट पेड्रो और मोलिकुलम।
- सरकारी स्वामित्व वाली भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) द्वारा स्थापित MRCC समुद्र में खोज और बचाव कार्यों के लिए मुख्य केंद्र के रूप में काम करेगा।
- इस केंद्र के लिए मार्च 2022 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, और MRCC को संचालित करने के लिए श्रीलंकाई नौसेना की टीमों को बेंगलुरु और कोलंबो में BEL द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) ने भारत को 'रेगुलर फॉलो अप' श्रेणी में शामिल किया

- भारत को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) द्वारा "भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट" Mutual Evaluation Report of India) में 'रेगुलर फॉलो अप' श्रेणी में रखा गया है।
- इस रिपोर्ट को सिंगापुर में 26 से 28 जून तक आयोजित FATF प्लेनरी में अपनाया गया।
- G20 के चार अन्य देश ही 'रेगुलर फॉलो अप' श्रेणी में शामिल हैं।
- FATF सदस्य देशों को चार श्रेणियों में से किसी एक में रखता है, जैसे कि 'रेगुलर फॉलो अप', 'एनहांस्ड फॉलो अप', 'ग्रे सूची' और 'काली सूची'। रेगुलर फॉलो अप इन चार श्रेणियों में सबसे ऊपर की श्रेणी है।
- FATF और उसके क्षेत्रीय निकायों (FSRB) द्वारा कवर किए गए 177 देशों में से, भारत सहित केवल 24 देश रेगुलर फॉलो अप में हैं।
- FATF ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने, डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और JAM-जन धन, आधार, मोबाइल-त्रिनिटरी के कार्यान्वयन में भारत द्वारा किए गए प्रयासों को मान्यता दी है।
- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1989 में मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की इंटीग्रिटी के लिए अन्य संबंधित खतरों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्था के रूप में की गई थी।
- भारत 2010 में FATF का सदस्य बना।

इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन (ISO) की 64वीं परिषद बैठक

- केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री ने 25 जून 2024 को भारत मंडपम नई दिल्ली) में इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन ISO) की 64वीं परिषद बैठक का उद्घाटन किया।
- यह बैठक 27 जून, 2024 को संपन्न हुई। बैठक में 30 से अधिक देशों के विशेषज्ञों ने भाग लिया और गन्ना, चीनी और संबद्ध क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा की।
- इससे पहले, भारत ने 2012 में ISO परिषद की बैठक के 41वें सत्र की मेजबानी की थी।
- इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन एक अद्वितीय अंतर-सरकारी निकाय है जो चर्चा, विश्लेषण, विशेष अध्ययन, पारदर्शी सांख्यिकी, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाओं के माध्यम से दुनिया के शुगर मार्केट की स्थितियों में सुधार के लिए समर्पित है।
- इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन 1992 के इंटरनेशनल शुगर एग्रीमेंट (ISA) को प्रशासित करने के लिए मौजूद है।
- इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन अंतर-सरकारी स्तर पर प्रमुख उत्पादक, उपभोक्ता और व्यापारिक देशों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के लिए एकमात्र विश्वव्यापी मंच है। इंटरनेशनल शुगर आर्गेनाईजेशन लंदन में स्थित है। इसके 87 सदस्य देश हैं।

5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

नागस्त्र-1: भारतीय सेना को त्मघाती ड्रोन का पहला बैच प्राप्त हुआ

- भारतीय सेना को नागपुर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (EEL) से नागस्त्र-1 Nagastra-1) नामक मानव-पोर्टेबल आत्मघाती ड्रोन का पहला बैच प्राप्त हुआ है।
- नागस्त्र-1 एक UAF-आधारित लोइटरिंग म्यूनिशन है जिसे हवाई घात प्रणाली के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसका प्राथमिक कार्य लक्ष्यों के ऊपर मंडराना और जीपीएस-सक्षम सटीकता के साथ सटीक हमले करना है, जो 2 मीटर की उल्लेखनीय सटीकता प्राप्त करता है।
- नागस्त्र-1 दुश्मन के प्रशिक्षण शिविरों, लॉन्च पैड और घुसपैठियों पर सटीक हमला करने में सक्षम है। यह ड्रोन 4,500 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर उड़ सकता है, जिससे रडार द्वारा इसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।
- ड्रोन में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। इन ड्रोनों के जुड़ने से भारतीय सेना की आवश्यकता पड़ने पर सीमा पार सामान्य हमले करने की क्षमता बढ़ जाएगी। इन-बिल्ट वॉरहेड वाले नागस्त्र-1 जैसे ड्रोन को कामिकेज़ या विस्फोटक ड्रोन के रूप में जाना जाता है।

RLV LEX-03: इसरो ने "पुष्पक" तीसरा और अंतिम परीक्षण पूरा किया

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 23 जून को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज एटीआर) में तीसरा रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (RLV) लैंडिंग एक्सपेरीमेंट (LEX) पूरा किया। यह (LEX 03) की श्रृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण था।
- RLV LEX-01 और LEX-02 मिशनों की सफलता के बाद, RLV LEX-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण रिलीज स्थितियों LEX-02 के लिए 150 मीटर के मुकाबले 500 मीटर की क्रॉस रेंज) और अधिक तेज हवा की स्थिति के तहत RLV की ऑटोनोमस लैंडिंग क्षमता को फिर से प्रदर्शित किया।
- तीसरे परीक्षण के दौरान, पंखों वाला वाहन "पुष्पक" को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी की ऊंचाई पर छोड़ा गया था। इसरो ने कहा कि रनवे से 4.5 किमी दूर एक रिलीज पॉइंट से, पुष्पक ने स्वायत्त रूप से क्रॉस-रेंज सुधार अभ्यास को अंजाम दिया, रनवे के पास पहुंचा और रनवे की केंद्र रेखा पर सटीक हॉरिजॉन्टल लैंडिंग की।
- RLV LEX-03 मिशन में बिना किसी संशोधन के लेक्स-02 मिशन के पंखयुक्त ढांचे और उड़ान प्रणालियों का पुनः उपयोग किया गया, जिससे इसरो की अनेक मिशनों के लिए रीयूजेबल उड़ान प्रणालियों को डिजाइन करने की क्षमता प्रदर्शित हुई।

भारत ने 'अभ्यास' प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

- भारत ने 27 जून 2024 को हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (एचईएटी) 'अभ्यास' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। यह परीक्षण रक्षा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ) ने चांदीपुर, ओड़ीशा स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया था।

'अभ्यास' प्रणाली:

- इस परीक्षण में 'अभ्यास' प्रणाली में किए गए नए उन्नत रडार क्रॉस सेक्शन, विज़ुअल और इन्फ्रारेड संवर्द्धन का परीक्षण किया गया।
- इस परीक्षण के साथ ही यह अब उत्पादन और भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए तैयार है।
- अभ्यास मूलतः एक ड्रोन है जिसे डमी शत्रु हवाई वाहन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसका उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो द्वारा किया जा रहा है।

जैवलिन मिसाइलों के संयुक्त विकास पर चर्चा

- भारत और अमेरिका ने भारतीय सेना के लिए भारत में अमेरिकी जैवलिन मिसाइलों के संयुक्त रूप से उत्पादन पर चर्चा की।
- जैवलिन एक एंटी-टैंक मिसाइल है जिसे अमेरिकी रक्षा कम्पनी रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित और निर्मित किया गया है।
- बता दें कि भारतीय सेना को नवीनतम एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों की सख्त जरुरत है और इसे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आपातकालीन खरीद के तहत सीमित संख्या में इज़राइली स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल ATGM) हासिल करना पड़ा।
- तीसरी पीढ़ी की ATGM की आवश्यकता लंबे समय से है।

रक्षा मंत्रालय ने HAL से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर खरीदने की प्रक्रिया शुरू की

- रक्षा मंत्रालय ने सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (LCH) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें से 90 हेलिकॉप्टर थल सेना के लिए और 66 हेलिकॉप्टर भारतीय वायुसेना के लिए है।
- खरीद परियोजना के लिए मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव के लिए अनुरोध (RFP) या प्रारंभिक निविदा जारी की गई है।
- भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना द्वारा अधिग्रहित किए जाने वाले हेलीकॉप्टरों के साथ निविदा की कीमत ₹45,000 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है।
- बता दें कि लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर को प्रचंड के नाम से भी जाना जाता है, यह दुनिया का एकमात्र अटैक हेलीकॉप्टर है जो 5,000 मीटर (16,400 फीट) की ऊंचाई पर उतर सकता है और उड़ान भर सकता है, जो इसे सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनाती के लिए आदर्श बनाता है।
- यह हवा से जमीन और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को फायर करने में भी सक्षम है और दुश्मन के हवाई रक्षा अभियानों को नष्ट कर सकता है।

- ऐसा माना जा रहा है कि इसे सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इसे तैनात किया जा सकता है। इस पहल से हमारी इंडियन आर्मी की ताकत बढ़ाने में इसकी बड़ी भूमिका होने वाली है। यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विप्रो 3डी और इसरो ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से सतत अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए हाथ मिलाया।

- इसरो के सहयोग से विप्रो 3डी ने PS4 3डी-प्रिंटेड रॉकेट इंजन के सफल निर्माण के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक मील का पत्थर हासिल किया।
- PS4 3डी-प्रिंटेड रॉकेट इंजन पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल PSLV) के चौथे चरण को शक्ति प्रदान करता है।
- PS4 इंजन पारंपरिक रूप से पारंपरिक मशीनिंग और वेल्डिंग के माध्यम से निर्मित किया जाता था।
- इसे एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीक के माध्यम से फिर से डिजाइन किया गया है।
- विप्रो 3डी और इसरो ने कई और विविधताओं को एक एकीकृत उत्पादन इकाई में समेकित करने के लिए डिज़ाइन फॉर एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग (DfAM) और लेजर पाउडर बेड फ्यूजन (LPBF) तकनीक का उपयोग किया।
- 3डी-प्रिंटेड PS4 इंजन को न्यूनतम सामग्री अपशिष्ट और पोस्ट-प्रिंट मशीनिंग संचालन के साथ विकसित किया गया है।
- इसरो द्वारा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग को अपनाने से बेहतर परिशुद्धता, न्यूनतम संसाधन उपयोग और सामग्री अपव्यय में महत्वपूर्ण कमी आएगी।
- पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV) का उपयोग पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक उपग्रहों को रखने के लिए किया जाता है।

हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट 'अभ्यास' द्वारा विकासात्मक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

- उन्नत बूस्टर कॉन्फ़िगरेशन के साथ हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट हीट) 'अभ्यास' के लगातार छह विकासात्मक परीक्षण डीआरडीओ द्वारा चांदीपुर, ओडिशा में एकीकृत परीक्षण रेंज आईटीआर) से सफलतापूर्वक पूरे किए गए।
- इसके साथ, 'अभ्यास' ने सिस्टम की विश्वसनीयता प्रदर्शित करते हुए 10 विकासात्मक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।
- परीक्षण उन्नत रडार क्रॉस सेक्शन, विजुअल और इन्फ्रारेड वृद्धि प्रणालियों के साथ किए गए थे।
- परीक्षणों के दौरान, बूस्टर का सुरक्षित डिस्चार्ज, लॉन्चर क्लीयरेंस और सहनशक्ति प्रदर्शन को कवर करने वाले विभिन्न मिशन संबंधी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- 'अभ्यास' को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, बेंगलुरु द्वारा डिजाइन किया गया है और उत्पादन एजेंसियों - हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो के माध्यम से विकसित किया गया है।
- यह हथियार प्रणालियों के लिए एक यथार्थवादी जोखिम मुकाबला परिदृश्य प्रदान करता है।
- इस स्वदेशी प्रणाली को ऑटो पायलट, विमान एकीकरण, उड़ान-पूर्व जांच और स्वायत्त उड़ान के लिए लैपटॉप-आधारित ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम की मदद से स्वायत्त उड़ान के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सीडीएस अनिल चौहान ने साइबरस्पेस संचालन के लिए भारत का पहला 'ज्वाइंट डॉक्ट्रिन' जारी किया।

- आधुनिक युद्ध में, साइबरस्पेस एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है।
- साइबरस्पेस परिचालन के लिए भारत का पहला 'ज्वाइंट डॉक्ट्रिन', सशस्त्र बलों की योजना बनाने में कमांडरों, कर्मचारियों और अभ्यासकर्ताओं को एक वैचारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा।
- साइबरस्पेस शत्रुतापूर्ण कार्रवाई भारत की अर्थव्यवस्था, सामंजस्य, राजनीतिक निर्णय लेने और बचाव करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है।
- इस डॉक्ट्रिन ने साइबरस्पेस संचालन के सैन्य पहलुओं को समझने पर जोर दिया।
- 'ज्वाइंट डॉक्ट्रिन' का विकास संयुक्तता और एकीकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है।
- भूमि, समुद्र और वायु सहित युद्ध के पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा साइबरस्पेस एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है।

भारतीय सेना को स्वदेशी मैन-पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम प्राप्त हुआ।

- एक्सिसकैड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी तरह का पहला मैन पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम (एमपीसीडीएस) विकसित किया है।
- एक्सिसकैड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को भारतीय सेना से 100 करोड़ रुपये का एमपीसीडीएस ऑर्डर मिला था।
- मैन पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम एमपीसीडीएस) भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में मदद करेगा।
- एमपीसीडीएस कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल है और बैटरी और बिजली पर काम करता है।
- यह 5 किलोमीटर तक की सीमा के भीतर विभिन्न प्रकार के ड्रोन का पता लगा सकता है और उन्हें रोक सकता है।
- मैन-पोर्टेबल श्रेणी में, यह भारतीय सेना में शामिल होने वाला पहला काउंटर-ड्रोन सिस्टम है।
- इस सिस्टम को भारतीय सेना के विभिन्न कमांडों में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जा रहा है।

इसरो द्वारा भारत-फ्रांस तृष्णा मिशन के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

- 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, इसरो ने आगामी तृष्णा मिशन के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी सीएनईएस के साथ अपने सहयोगात्मक प्रयास के बारे में विवरण प्रदान किया।
- तृष्णा का अर्थ है "उच्च रिज़ॉल्यूशन प्राकृतिक संसाधन मूल्यांकन के लिए थर्मल इन्फ्रारेड इमेजिंग सैटेलाइट।"
- तृष्णा को क्षेत्रीय से वैश्विक पैमाने तक पृथ्वी की सतह के तापमान, उत्सर्जन और सतही ऊर्जा बजट के लिए जैवभौतिकीय और विकिरणीय चर की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह मिशन महत्वपूर्ण जल और खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करता है, तथा मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और वाष्पोत्सर्जन निगरानी के माध्यम से कुशल जल संसाधन प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है।
- तृष्णा के प्राथमिक उद्देश्यों में स्थलीय जल तनाव और जल उपयोग

की मात्रा निर्धारित करने के लिए महाद्वीपीय जीवमंडल के ऊर्जा और जल बजट की विस्तृत निगरानी और तटीय और अंतर्देशीय जल में जल की गुणवत्ता और गतिशीलता की उच्च-रिज़ॉल्यूशन अवलोकन शामिल हैं।

- इसके अतिरिक्त, तृष्णा के द्वितीयक उद्देश्य शहरी ताप द्वीपों के व्यापक मूल्यांकन, ज्वालामुखीय गतिविधि और भूतापीय संसाधनों से जुड़ी थर्मल विसंगतियों का पता लगाने में भी मदद करेंगे।

सुनीता विलियम्स: स्टारलाइनर की पहली उड़ान की पायलट

- भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने बोइंग के स्टारलाइनर परीक्षण उड़ान के पहले मिशन पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उड़ान भरने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया
- नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 5 जून 2024 को बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार होकर अपने तीसरे अंतरिक्ष मिशन के लिए उड़ान भरी, उनके साथ अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर भी थे।
- सुनीता विलियम्स (58), उड़ान परीक्षण की पायलट हैं, जबकि विल्मोर (61) मिशन कमांडर हैं। विलियम्स ने नए मानव-रेटेड अंतरिक्ष यान के पहले मिशन पर उड़ान भरने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया।
- ऑर्बिटिंग प्रयोगशाला में पहुंचने पर, वे डॉक करेंगे और लगभग एक सप्ताह तक वहीं रहेंगे।
- इस अवधि के दौरान, विलियम्स और विल्मोर पृथ्वी पर लौटने पर पश्चिमी अमेरिका में पैराशूट-सहायता प्राप्त लैंडिंग शुरू करने से पहले स्टारलाइनर की कार्यक्षमता को सत्यापित करने के लिए विभिन्न परीक्षण करेंगे।
- नासा के वाणिज्यिक चालक दल कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, यह मिशन स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के लिए पहली चालक दल यात्रा को चिह्नित करता है।
- इसका उद्देश्य प्रक्षेपण से लेकर डॉकिंग तक अंतरिक्ष यान की क्षमताओं का मूल्यांकन करना तथा पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में पृथ्वी पर इसकी वापसी के साथ समापन करना है।
- सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में परीक्षण मिशन पर एक नए अंतरिक्ष यान को उड़ाने वाली पहली महिला बन गई हैं।
- बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट CFT) नामक यह मिशन नासा के कॉमर्शियल क्रू प्रोग्राम के रूप में लॉन्च किया गया है।
- यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रेग्युलर क्रू फ्लाइट के मद्देनजर स्टारलाइनर को प्रमाणित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- अगर ये मिशन सफल रहा तो यह SpaceX के क्रू ड्रैगन के बाद स्टारलाइनर को अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में लैब से लाने और ले जाने वाला दूसरा निजी अंतरिक्ष यान बना देगा।
- सुनीता विलियम्स के लिए यह उड़ान उनके करियर में एक और मील का पत्थर है।
- इससे पहले सुनीता विलियम्स ने 2006-2007 और 2012 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर अपने मिशन के दौरान एक महिला द्वारा सबसे अधिक स्पेसवॉक (7) और स्पेसवॉक टाइम 50 घंटे, 40 मिनट का रिकॉर्ड बनाया था।
- स्टारलाइनर कैप्सूल उड़ान भरने के लगभग 26 घंटे बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के साथ डॉक करने का प्रयास करेगा, जिसमें सुनीता विलियम्स, विल्मोर और ऑर्बिटिंग आउटपोस्ट के लिए 500 पाउंड से अधिक कार्गो होंगे।
- बता दें कि साल 2012 में सुनीता विलियम्स इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की यात्रा के दौरान अंतरिक्ष में ट्रायथलॉन पूरा करने वाली पहली महिला बनीं थीं।
- इस दौरान उन्होंने भारोत्तोलन मशीन का उपयोग करके तैराकी का अनुकरण किया और हार्नेस से बंधे हुए ट्रेडमिल पर दौड़ीं थीं।

Chang'e-6: चंद्रमा के फार साइड से सैंपल वापस लाने वाला दुनिया का पहला अंतरिक्ष यान

- चीन का चांग'ई-6 (Chang'e-6) स्पेसक्राफ्ट 25 जून 2024 को चंद्रमा के उस हिस्से से सैंपल वापस लाने वाला दुनिया का पहला अंतरिक्ष यान बन गया, जो पृथ्वी से कभी नहीं दिखता। चांग'ई-6 मानव इतिहास का पहला मिशन है जो चंद्रमा के फार साइड से नमूने वापस लाता है।
- फार साइड से नमूनों की जांच करने से वैज्ञानिकों को चंद्रमा की उत्पत्ति और विकास के बारे में रहस्यों को सुलझाने में मदद मिल सकती है।
- चांग'ई-6 यान 53 दिनों का मिशन था। चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के बाद इस मिशन के ऑर्बिटर ने पृथ्वी के इस प्राकृतिक उपग्रह की परिक्रमा की, जबकि इसका लैंडर चंद्र सतह पर 2,500 किलोमीटर चौड़े साउथ पोल-ऐटकेन बेसिन में उतरा।
- चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2 जून को बताया कि चीन का चांग'ई-6 अंतरिक्ष यान नमूने एकत्र करने के लिए चंद्रमा के दूरवर्ती भाग पर सफलतापूर्वक उतरा।
- चांग'ई-6 विशाल दक्षिणी ध्रुव-ऐटकेन बेसिन में उतरा, जो सौर मंडल में ज्ञात सबसे बड़े प्रभाव क्रेटरों में से एक है।
- यह पहली बार है कि चंद्रमा के दुर्लभ रूप से खोजे गए क्षेत्र से नमूने एकत्र किए जाएंगे।
- 3 मई को शुरू हुआ चांग'ए-6 तकनीकी रूप से जटिल 53 दिवसीय मिशन पर है।
- नमूना संग्रह के लिए जांच में दो तरीकों का उपयोग किया जाएगा: सतह के नीचे से नमूने एकत्र करने के लिए एक ड्रिल और सतह से नमूने लेने के लिए एक रोबोटिक भेजा।
- चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसने चंद्रमा के फार साइड हिस्से पर सॉफ्ट-लैंडिंग की है। बता दें कि 2019 में, चीन का चांग'ए-4 मिशन फार साइड में ही उतरा था और रोवर की मदद से चंद्रमा के वॉन कार्मन क्रेटर का अन्वेषण किया।

चंद्रमा के फार साइड

- चंद्रमा के फार साइड को अक्सर डार्क साइड कहा जाता है क्योंकि इसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता है, इसलिए नहीं कि यहाँ सूर्य की किरणें नहीं आती।
- चंद्रमा पृथ्वी के साथ टाइडली लॉक्ड है और इसलिए, हम चंद्रमा का केवल एक ही साइड या हिस्सा हमेशा देखते हैं, जिसे नियर साइड भी कहा जाता है।

- दरअसल पृथ्वी का एकमात्र चंद्रमा यानी मून भी अपनी धुरी पर घूर्णन रोटेट) करता है, लेकिन चंद्रमा को अपनी धुरी पर घूर्णन में ठीक उतना ही समय लगता है जितना कि उसे पृथ्वी के चारों ओर अपनी मासिक परिक्रमा पूरी करने में लगता है। नतीजतन, चंद्रमा कभी भी हमारी ओर पीठ नहीं करता यानी हमेशा उसका एक ही साइड दिखता है।

मंगल ग्रह पर क्रेटर के नाम उत्तर प्रदेश और बिहार के शहरों के नाम पर रखे गए

- अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL) के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर तीन नए क्रेटर खोजे हैं। इन्हें मंगल ग्रह पर थारिस ज्वालामुखी क्षेत्र में खोजा गया है। थारिस मंगल ग्रह के पश्चिमी गोलार्ध में भूमध्य रेखा के पास केंद्रित एक विशाल ज्वालामुखीय पठार है। इस क्षेत्र में हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ज्वालामुखी प्राप्त होते हैं।
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की सिफारिश पर,अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) के ग्रह प्रणाली नामकरण कार्य समूह ने मंगल ग्रह पर तीन क्रेटर के नामकरण को मंजूरी दी।
- ये तीन क्रेटर हैं; लाल क्रेटर (Lal crater), मुरसान क्रेटर (Mursan crater) और हिलसा क्रेटर (Hilsa crater)।
- "लाल क्रेटर" का नाम प्रसिद्ध भारतीय भूभौतिकीविद् और 1972-1983 तक PRL के पूर्व निदेशक प्रोफेसर देवेंद्र लाल के नाम पर रखा गया है। मंगल ग्रह पर थारिस ज्वालामुखी क्षेत्र में लाल क्रेटर का पूरा क्षेत्र लावा से ढका हुआ है।
- "मुरसान क्रेटर" का नाम भारत के उत्तर प्रदेश के एक शहर के नाम पर रखा गया है।
- हिलसा क्रेटर का नाम भारत के बिहार के एक शहर के नाम पर रखा गया है। हिलसा क्रेटर लगभग 10 किमी चौड़ा क्रेटर है जो लाल क्रेटर के किनारे के पश्चिमी किनारे पर स्थित है।

स्पेस मैत्री (MAITRI) मिशन

- स्पेस मशीन कंपनी ऑस्ट्रेलिया ने अपने दूसरे ऑप्टिमस अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के साथ एक लॉन्च सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह अब तक का सबसे बड़ा ऑस्ट्रेलियाई-डिजाइन और निर्मित अंतरिक्ष यान है।
- NSIL अंतरिक्ष विभाग के तहत भारत सरकार की कंपनी है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ISRO) की वाणिज्यिक शाखा है।
- इस मिशन को स्पेस मैत्री/MAITRI Mission for Australia-India's Technology, Research and Innovation) नाम दिया गया है।
- इस अंतरिक्ष यान को 2026 में NSIL के लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान SSLV) से लॉन्च किया जाएगा।
- 450 किलोग्राम वजनी ऑप्टिमस अंतरिक्ष यान ऑस्ट्रेलिया-भारत अंतरिक्ष सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। यह मिशन दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है।

अर्थकेयर उपग्रह

- जलवायु परिवर्तन पर बादलों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए ईएसए द्वारा प्रक्षेपित किया गया।
- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का नवीनतम वैज्ञानिक मिशन संयुक्त राज्य अमेरिका से अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हुआ, जो एक उपग्रह लेकर गया है जो विश्व के समक्ष सबसे गंभीर मुद्दों में से एक - जलवायु परिवर्तन - के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकता है।
- यह ईएसए और जापानी अंतरिक्ष एजेंसी जेएक्सए के बीच एक सहयोग है।
- उपग्रह अध्ययन करेगा कि बादलों का निर्माण और वायुमंडल में एरोसोल का घनत्व पृथ्वी के तापमान को कैसे प्रभावित करता है।
- दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया में वैंडेनबर्ग स्पेस फ़ोर्स बेस पर निचले बादलों द्वारा छिपे होने के बाद, उपग्रह को स्पेसएक्स फाल्कन 9 लॉन्चर पर लॉन्चपैड से हटा दिया गया।
- प्रक्षेपण के लगभग 10 मिनट बाद उपग्रह रॉकेट से अलग हो गया और प्रक्षेपण के एक घंटे से भी कम समय बाद दक्षिण अफ्रीका के हार्टेबेस्टोक ग्राउंड स्टेशन से पहला संपर्क स्थापित किया।
- पहली बार 2004 में परिकल्पित, अर्थकेयर अर्थ क्लाउड एरोसोल और रेडिएशन एक्सप्लोरर को एयरबस द्वारा 75 उप-अनुबंधित फर्मों के साथ डिजाइन और निर्मित किया गया था।

गामा-रे बर्स्ट की स्टडी करने के लिए "स्पेस वेरिएबल ऑब्जेक्ट्स मॉनिटर (SVOM)" लॉन्च किया गया

- चीन और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित स्पेस वेरिएबल ऑब्जेक्ट्स मॉनिटर (SVOM) स्पेसक्राफ्ट को 22 जून को सिचुआन प्रांत के शीचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से कक्षा में लॉन्च किया गया।
- यह उपग्रह गामा-रे बर्स्ट gamma-ray bursts: (GRBs) का अध्ययन करने वाला अब तक का सबसे शक्तिशाली मिशन है।
- SVOM का प्राथमिक उद्देश्य ब्रह्मांड में GRBs की तलाश करना है। एक बार मिल जाने के बाद, यह उपग्रह उनके इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन गुणों को मापेगा और उनका अध्ययन करेगा।

गामा-रे बर्स्ट (GRB)

- गामा-रे बर्स्ट (GRB) ब्रह्मांड की कुछ सबसे विस्फोटक घटनाओं; जैसे कि ब्लैक होल का जन्म और न्यूट्रॉन स्टार टकराव का परिणाम हैं।
- GRBs अत्यधिक ऊर्जावान गामा किरणों का विस्फोट है, जो एक सेकंड से कम समय से लेकर कई मिनट तक रहता है।
- वे ब्रह्मांड के दूरस्थ क्षेत्रों में घटित होने के लिए जाने जाते हैं।
- GRBs दो प्रकार के होते हैं, शॉर्ट GRBs और लॉन्ग GRBs।
- शॉर्ट GRBs या तो दो न्यूट्रॉन सितारों या एक न्यूट्रॉन तारे और एक ब्लैक होल के टकराव का परिणाम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ब्लैक होल बनता है। वे दो सेकंड से भी कम समय तक रहते हैं।
- लॉन्ग GRBs बड़े तारों की विस्फोटक मृत्यु के कारण उत्पन्न होते हैं। ये दो सेकंड या उससे ज़्यादा समय तक रह सकते हैं।
- वैज्ञानिक GRBs का इसलिए निरीक्षण करते हैं क्योंकि वे विस्फोटक घटनाओं से संबंधित जानकारी अपने साथ ले जाते हैं

जैसे कि बड़े तारों का जीवन समाप्त होना, दूर की आकाशगंगाओं में ब्लैक होल का बनना और वे ब्रह्मांड को कैसे आकार देते हैं।

चीन और फ्रांस ने तारों के सबसे दूर के विस्फोट का अध्ययन करने के लिए एक उपग्रह लॉन्च किया।

- चीन और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह को 22 जून को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।
- इस उपग्रह को तारों के सबसे दूर के विस्फोट का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- लॉन्ग मार्च-2सी रॉकेट इस उन्नत खगोलीय उपग्रह को ले गया, इसे सिचुआन प्रांत के ज़िचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया।
- यह उपग्रह चार उपकरणों से लैस है: दो फ्रांसीसी और दो चीनी।
- स्पेस वेरिएबल ऑब्जेक्ट्स मॉनिटर नामक उपग्रह मिशन, चीन और फ्रांस के बीच खगोल विज्ञान में पहला संयुक्त उद्यम है।
- चीन-फ्रांस समुद्र विज्ञान उपग्रह (CFOSat) को 2018 में लॉन्च किया गया था।
- 2011 में, अमेरिका ने NASA और चीन में स्थित संस्थाओं के बीच किसी भी प्रत्यक्ष सहयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था।
- भारत अपना स्वयं का गहरे समुद्र मिशन शुरू करने वाला छठा देश होगा।
- भारत अपना स्वयं का गहरे समुद्र मिशन शुरू करने वाला छठा देश बनने जा रहा है।
- गहरे समुद्र मिशन केवल खनिज अन्वेषण तक सीमित नहीं होगा; इसका उद्देश्य महासागर विज्ञान के नए पहलुओं की खोज करना है।
- यह मिशन वनस्पतियों और जीवों की खोज, समुद्री जैव विविधता के संरक्षण आदि के लिए भी बहुत उपयोगी होगा।
- 'राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान' ने मत्स्ययान 6000 विकसित किया है, जो समुद्र में 6000 मीटर गहराई तक जा सकता है।
- इस मिशन के लिए अत्यधिक दबाव को सहन करने हेतु इसरो के सहयोग से 'टाइटेनियम हल' विकसित किया गया है।
- मिशन के पहले चरण के सितंबर 2024 तक पूरा होने की संभावना है और इसके बाद के परीक्षण 2026 तक किए जाएंगे।
- इस मिशन का वनस्पति एवं जीव-जंतुओं, गहरे समुद्र में अन्वेषण, दुर्लभ मृदा धातुओं के वाणिज्यिक दोहन तथा भारतीय समुद्र तल में धातुओं और बहुधात्विक पिंडों की खोज और अन्वेषण पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा।

LignoSat: लकड़ी से बना दुनिया का पहला आर्टिफिशियल सैटेलाइट्स

- जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी और सुमितोमो फॉरेस्ट्री ने लकड़ी से बने दुनिया के पहले आर्टिफिशियल सैटेलाइट "लिग्नोसैट" LignoSat) के निर्माण का कार्य पूरा होने की घोषणा की।
- लिग्नोसैट सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए लॉन्च होगा। लिग्नोसैट को मैगनोलिया की लकड़ी magnolia wood) से बनाया गया है।
- इस लकड़ी को इसकी मजबूती और कार्यक्षमता के लिए चुना गया है। लकड़ी सुमितोमो फॉरेस्ट्री की कंपनी के जंगल से प्राप्त की गई थी। लिग्नोसैट परियोजना का उद्देश्य स्पेस डेब्रिज से निपटना और पर्यावरण के अनुकूल अंतरिक्ष गतिविधि को बढ़ावा देना है।
- वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार सैटेलाइट्स को अपने मिशन के बाद वायुमंडल में फिर से प्रवेश करना चाहिए ताकि वे अंतरिक्ष मलबे में न बदल जाएँ।
- पारंपरिक उपग्रह वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान उत्पन्न धातु कणों के कारण वायु प्रदूषण का कारण हैं। लकड़ी के उपग्रह, पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने पर जल जाते हैं, जिससे प्रदूषण और मलबा बनने का खतरा नहीं रहता है।

संगम-डिजिटल ट्विन पहल का पहला नेटवर्किंग इवेंट

- भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) की संगम – डिजिटल ट्विन पहल का पहला नेटवर्किंग इवेंट, IIT दिल्ली द्वारा 18-19 जून 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में इनोवेटिव डिजिटल समाधानों पर चर्चा करने के लिए बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- दूरसंचार विभाग (DoT) की संगम – डिजिटल ट्विन पहल का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीकों और सामूहिक बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना और डिजाइन में क्रांति लाना है।
- बता दें डिजिटल ट्विन किसी सांसारिक वस्तु, व्यक्ति या प्रक्रिया को सजीव डिजिटल रूप में प्रस्तुत करना है।
- इसमें रियल टाइम में टू वे डेटा फ्लो करता है अर्थात सांसारिक वस्तु से उसके डिजिटल रूप में और फिर फिर उस डिजिटल रूप से सांसारिक वस्तु में।

इमर्सिव ऑडियो और वीडियो सेवा

- नोकिया के सीईओ पेक्का लुंडमार्क ने "इमर्सिव ऑडियो और वीडियो सेवाओं" (IVAS) नामक एक नई तकनीक का उपयोग करके फोन कॉल किया।
- नई तकनीक थ्री डायमेंशनल साउंड के साथ कॉल की गुणवत्ता में सुधार करती है, जिससे बातचीत अधिक जीवंत हो जाती है।
- वर्तमान स्मार्टफोन कॉल मोनोफोनिक हैं जो ऑडियो एलिमेंट्स को एक साथ कंप्रेस्ड करते हैं और ध्वनि को सपाट और कम विस्तृत बनाते हैं, लेकिन नई तकनीक 3D ऑडियो लाएगी जहाँ एक कॉल करने वाला व्यक्ति सब कुछ ऐसे सुनेगा जैसे कि वह कॉल करने वाले व्यक्ति के पास बैठा हो।
- नोकिया ने पब्लिक 5G नेटवर्क पर एक नियमित स्मार्टफोन का उपयोग करके कॉल किया।
- व्यक्ति से व्यक्ति तक इमर्सिव कॉल के अलावा, इसका उपयोग कॉन्फ्रेंस कॉल में भी किया जा सकता है, जहाँ पार्टिसिपेंट्स की आवाज़ को उनके स्थानिक स्थानों के आधार पर अलग किया जा सकता है।
- IVAS उपभोक्ताओं को आज स्मार्टफ़ोन और पर्सनल कंप्यूटर में इस्तेमाल किए जाने वाले मोनोफोनिक वॉयस अनुभव के बजाय रियल टाइम में स्थानिक रूप से ध्वनि सुनने की अनुमति देता है।

बालोन नामक एक नए प्रोटीन की खोज

- वैज्ञानिकों ने बालोन Balon) नामक एक प्रोटीन की खोज की है जो साइक्रोबैक्टर यूरेटिवोरन्स नामक बैक्टीरिया को प्रतिकूल दशा यानी एक्सट्रीम क्लाइमेटिक कंडीशन अधिक ठंडा या गर्मी में रहने

की स्थिति में अचानक निष्क्रिय होने (हाइबरनेशन) और फिर स्थिति सामान्य होने पर वापस सक्रिय होने में मदद करता है।

- राइबोसोम हाइबरनेशन के परिणामस्वरूप बैक्टीरिया निष्क्रिय हो जाते हैं। राइबोसोम शरीर की वे मशीनें हैं जो कोशिकाओं में प्रोटीन बनाती हैं।
- वैज्ञानिकों को पता था कि ऐसे विशेष प्रोटीन हैं जो अत्यधिक ठंडे मौसम जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में राइबोसोम को कवर करते होंगे और उनकी गतिविधि में बाधा डालते होंगे, जिससे कोशिका निष्क्रिय हो जाए।
- नया पाया गया बालोन प्रोटीन कुछ ऐसा यी काम करता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि बालोन बैक्टीरिया के राइबोसोम के सक्रिय केंद्रों से बंधा हुआ था।
- इस प्रकार हाइबरनेशन की स्थिति जमे राइबोसोम को नए प्रोटीन बनाने से रोकता था। खोज संबंधी अध्ययन जर्नल नेचर में प्रकाशित हुआ है।

मेथनॉल क्या है?

- जून 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से 58 लोगों की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अवैध शराब में जहरीला मेथनॉल मिला हुआ था, जिसकी वजह से मौतें हुई।
- इथेनॉल वैध शराब है जिसे पिया जा सकता हिअ। इसे जैविक रूप से बनाया जाता है। इसके विपरीत भारत में मेथनॉल methanol) कोयले जैसे ईंधन से बनाया जाता है जो जहरीला होता है।
- मेथनॉल, जो अल्कोहल का एक रूप है, को मूनशाइन की ताकत बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है। यह जहरीला होता है और बहुत कम मात्रा में सेवन भी, लिवर फेलियर, अंधापन और मृत्यु का कारण बन सकता है।
- मेथनॉल निम्न-कार्बन हाइड्रोजन वाहक ईंधन है जो उच्च राख वाले हाई ऐश) कोयले, कृषि अपशिष्टों, थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाले CO2 और प्राकृतिक गैस से बनता है।
- जहां इथेनॉल को खाने योग्य बनाया जा सकता है, वहीं मेथनॉल जहर है। मेथनॉल की बहुत कम सांद्रता भी जहरीली हो सकती है, जो अक्सर घातक होती है।
- हालांकि, कई उत्पादों के बनाने में मेथनॉल आवश्यक है। उदाहरण के लिए, पेंट मेथनॉल के बिना नहीं बनाए जा सकते।
- इथेनॉल की तरह ही मेथनॉल भी अत्यधिक नियंत्रित पदार्थ है।
- भारत में शराब से होने वाली ज़्यादातर मौतें शराब में मेथनॉल के मिश्रण के कारण होती हैं। मेथनॉल परिवहन क्षेत्र में पेट्रोल और डीज़ल ईंधन की जगह ले सकता है।

भारतीय वायुसेना तरंग शक्ति-2024 अभ्यास आयोजित करेगी

- भारतीय वायुसेना का पहला बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास, तरंग शक्ति-2024 (Tarang Shakti-2024), अगस्त 2024 में आयोजित किया जाएगा।
- इसमें पर्यवेक्षक के रूप में कुछ अन्य देशों के अलावा दस देशों के भाग लेने की संभावना है। यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया जाना है।
- पहला चरण अगस्त के पहले दो सप्ताह में दक्षिण भारत में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण अगस्त के अंत से सितंबर के मध्य तक पश्चिमी क्षेत्र में होगा।

"विद्युत रक्षक"

- जनरेटरों की बेहतर निगरानी और नियंत्रण के लिए भारतीय सेना द्वारा "विद्युत रक्षक" का अनावरण किया गया।
- "विद्युत रक्षक" को आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो एडीबी) द्वारा विकसित किया गया है।
- 10 जून को, इसे थल सेनाध्यक्ष (VCOAS) लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी द्वारा लॉन्च किया गया।
- 'विद्युत रक्षक' एक इंटरनेट ऑफ थिंग्स-सक्षम प्रणाली है जिसे जनरेटर की निगरानी, सुरक्षा और नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह नवाचार परिचालन दक्षता के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के प्रति भारतीय सेना के समर्पण को दर्शाता है।
- यह प्रणाली भारतीय सेना में मौजूद सभी जनरेटरों पर लागू होगी, चाहे उनका प्रकार, निर्माण, रेटिंग या आयु कुछ भी हो।
- इसके अलावा, यह त्रुटियों की भविष्यवाणी करेगा और उन्हें रोकेगा, उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के साथ मैन्युअल संचालन को स्वचालित करेगा, जिससे जनशक्ति की बचत होगी।
- एयरो इंडिया 2023 के दौरान भारतीय सेना और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (FITT), आईआईटी दिल्ली द्वारा नवाचार उत्पादन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- विद्युत रक्षक इस समझौता ज्ञापन के तहत शुरू किया गया पहला नवाचार है।

रेड फ्लैग अभ्यास 2024

- भारतीय वायु सेना (IAF) की एक टुकड़ी ने 04 जून से 14 जून 24 तक संयुक्त राज्य अमेरिकी वायु सेना के एइलसन एयर फ़ोर्स बेस, अलास्का में आयोजित अभ्यास रेड फ्लैग 2024 (Exercise Red Flag 2024) में भाग लिया।
- यह रेड फ्लैग 2024 का दूसरा संस्करण था, जो एक एडवांस हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास है, जिसे अमेरिकी वायु सेना द्वारा वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है।
- इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के साथ-साथ रिपब्लिक ऑफ़ सिंगापुर एयर फ़ोर्स, यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फ़ोर्स, रॉयल नीदरलैंड एयर फ़ोर्स, जर्मन लूफ़्टवाफ़े और यूएस एयर फ़ोर्स ने भाग लिया।
- भारतीय वायुसेना की टुकड़ी ने राफेल विमान और कर्मियों के साथ भाग लिया।
- रेड फ्लैग एक हवाई युद्ध अभ्यास है, जिसे यथार्थवादी युद्ध सेटिंग्स प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए कई परिदृश्यों के साथ आयोजित किया जाता है।
- यह पहली बार था जब IAF राफेल विमानों ने रेड फ्लैग अभ्यास में भाग लिया, जिसमें उन्होंने RSAF और USAF F-16 और F-15s और USAF A-10 विमानों के साथ काम किया।

रिम ऑफ द पैसिफिक RIMPAC) अभ्यास 2024

- रिम ऑफ द पैसिफिक (RIMPAC) अभ्यास दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास है। RIMPAC 2024 द्विवार्षिक रिम ऑफ द पैसिफिक (RIMPAC) अभ्यास का 29वां संस्करण है।
- इस अभ्यास का बंदरगाह चरण 27 जून से 07 जुलाई 2024 तक

अमेरिका के हवाई के पर्ल हार्बर में आयोजित किया जा रहा है। RIMPAC-24 के समुद्री चरण को तीन उप-चरणों में विभाजित किया गया है।

- भारतीय स्टील्थ फ्रिगेट INS शिवालिक भी अभ्यास में भाग ले रहा है। INS शिवालिक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 6000 टन वजनी गाइडेड मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट है।
- RIMPAC अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में आयोजित होता है और इस वर्ष लगभग 29 देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं।

जापान और भारत के बीच समुद्री अभ्यास 'जीमेक्स 24' का आयोजन

- जापान और भारत के बीच समुद्री अभ्यास 'जीमेक्स 24' (JIMEX 24) का आयोजन 11-13 जून को किया गया था। यह दोनों देशों के बीच JIMEX का 8वां संस्करण था जिसका आयोजन जापान के योकोसुका में किया गया था।

मुख्य बिन्दु

- जिमेक्स-24 अभ्यास की मेजबानी जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (JMSDF) द्वारा की गई। जापानी नौसेना को जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स कहा जाता है।
- भारतीय नौसेना का स्वदेश निर्मित स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस शिवालिक ने इस अभ्यास में भाग लिया। जेएमएसडीएफ का प्रतिनिधित्व इसके गाइडेड मिसाइल विध्वंसक जेएस युगिरी ने किया।
- इस अभ्यास में बंदरगाह और समुद्री दोनों चरण शामिल थे। इस द्विपक्षीय अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के समुद्री बलों के बीच अंतर-संचालन में सुधार करना था।

भारत-जापान समुद्री अभ्यास

- भारत-जापान समुद्री अभ्यास JIMEX भारतीय नौसेना और जापानी समुद्री आत्म-रक्षा बल (JMSDF) के बीच 2012 से द्विवार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है। पिछला JIMEX सितंबर 2022 में बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया था।
- JIMEX के अलावा, भारत और जापान सालाना 'धर्म गार्डियन' नामक एक संयुक्त भूमि सैन्य अभ्यास करते हैं। दोनों देशों के बीच 'शिन्यू मैत्री' नामक एक संयुक्त वायु सेना अभ्यास भी आयोजित किया जाता है। भारत और जापान, अमेरिका के साथ मालाबार नामक त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास में भी शामिल हैं।

फ्रीडम एज अभ्यास

- दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने अपना पहला त्रिपक्षीय मल्टी-डोमेन अभ्यास "फ्रीडम एज" (Exercise Freedom Edge) नाम से आयोजित किया।
- तीन दिवसीय अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू में आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास रूस के साथ अपने गहरे संबंधों द्वारा उत्तर कोरिया से खतरों के खिलाफ सुरक्षा सहयोग को गहरा करने के प्रयासों के बीच आयोजित हुआ।
- यह अभ्यास बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा, वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी युद्ध, खोज और बचाव, समुद्री अवरोधन और रक्षात्मक साइबर प्रशिक्षण पर केंद्रित था।

HOPEX 2024 अभ्यास

- HOPEX 2024 अभ्यास भारत और मिस्र के बीच एक संयुक्त अभ्यास था। यह भारतीय वायु सेना और मिस्र की वायु सेना के बीच चौथा संयुक्त अभ्यास था।
- यह अभ्यास 21-26 जून के बीच मिस्र में आयोजित किया गया।
- भारतीय वायु सेना (IAF) के राफेल लड़ाकू जेट, C-17 ग्लोबमास्टर और IL-78 टैंकर इस अभ्यास में भाग लिया।
- इस अभ्यास का उद्देश्य द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का प्रतीक है।

6 खेल

भारत 9वीं आईसीसी टी-20 विश्व कप का विजेता बना

- भारत 9वीं आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप (ICC Men's T20 World Cup) 2024 का विजेता बना।
- भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका टीम को 7 रन से हराकर प्रतियोगिता जीता।
- फाइनल मैच में भारत ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना सकी।
- भारत दूसरी बार आईसीसी टी20 विश्व कप का विजेता बना है। भारत ने इससे पहले 2007 में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पहला आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता था।
- रोहित शर्मा, कपिल देव 1983 वनडे विश्व कप और महेंद्र सिंह धोनी 2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप के बाद आईसीसी विश्व कप जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने।
- इस जीत के साथ ही भारत के तीन खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जड़ेजा ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया।
- 2007 में पहला पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के बाद, भारत अब इस टूर्नामेंट को दो बार जीतने वाली तीसरी टीम है।
- भारत के अलावा वेस्टइंडीज ने 2012 और 2016 में और इंग्लैंड ने 2010 और 2022 में दो टी20 विश्व कप खिताब जीते हैं।
- विराट कोहली को "प्लेयर ऑफ़ द मैच" और जसप्रित बुमरा को "प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट" चुना गया।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत ने कुल सात पदक जीते

- ताइवान एथलेटिक्स ओपन (Taiwan Athletics Open) प्रतियोगिता, 1-2 जून 2024 को ताइवान में खेला गया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय एथलीटों ने 3 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक सहित कुल 7 पदक जीते। ताइवान एथलेटिक्स ओपन एक विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर प्रतियोगिता है जो ताइवान की राजधानी ताइपे में आयोजित किया जाता है।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2024: मुख्य बिन्दु

- डी.पी. मनु ने भाला फेंक प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 81.58 मीटर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक दिलाया। चीनी ताइपे के चेंग चाओ-त्सुन, जिनके नाम 91.36 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड दर्ज है, उन्होंने 76.21 मीटर के साथ रजत पदक जीता।
- केरल की नयना जेम्स ने 6.43 मीटर की दूरी तक छलांग लगाकर महिलाओं की लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता। जापानी खिलाड़ी सुमिरे हाटा ने रजत पदक जीता जबकि कोरिया गणराज्य के यू जियोंगमी को कांस्य पदक मिला।
- अंकेश चौधरी ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता जबकि एक अन्य भारतीय सोमनाथ चौहान ने इसी स्पर्धा में रजत पदक जीता।

दिव्या देशमुख ने लडकियों की विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीता

- दिव्या देशमुख ने लडकियों की विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीत ली है। गुजरात में फाइनल दौर में दिव्या ने बुल्गारिया की बेलोस्लावा क्रस्टेवा को हराया।
- श्रुति वोरा घुड़सवारी में थ्री-स्टार ग्रां प्री जीतने वाली पहली भारतीय बनी
- श्रुति वोरा घुड़सवारी में थ्री-स्टार ग्रां प्री जीतने वाली वह पहली भारतीय खिलाडी बन गयी हैं। श्रुति ने स्लोवेनिया में एफ.ई.आई. ड्रेसेज विश्व कप में 67.76 अंक हासिल किये।

श्रुति वोरा तीन सितारा ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय घुड़सवार

- श्रुति वोरा, घुड़सवारी में तीन सितारा ग्रां प्री प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय घुड़सवार बन गई हैं। श्रुति ने स्लोवेनिया के लिपिका शहर में आयोजित एफ.ई.आई। ड्रेसेज विश्व कप प्रतियोगिता जीती। श्रुति वोरा ने अपने घोड़े मैग्नीमस पर सवार होकर मोल्दोवा की तातियाना एंटोनेंको और ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच को पीछे छोड़ा।

धीरज बोम्मदेवरा ने तीरंदाजी विश्व कप में दो कांस्य पदक जीते

- भारतीय तीरंदाज़ धीरज बोम्मदेवरा ने 23 जून 2024 को तीरंदाजी विश्व कप 2024 चरण 3 में भारत के लिए दो कांस्य पदक जीते। भारतीय टीम ने अंताल्या में अपना अभियान चार पदक- एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य के साथ समाप्त किया। तीरंदाजी विश्व कप 2024 चरण 3 का आयोजन 18 से 23 जून 2024 तक अंताल्या, तुर्किये में किया गया था।

अंताल्या तीरंदाजी विश्व कप में कंपाउंड टीम स्पर्धा में भारत ने स्वर्ण पदक जीत

भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने तुर्किये में अंताल्या तीरंदाजी विश्व कप में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने इस सीज़न में क्लीन स्वीप पूरा किया और कंपाउंड टीम स्पर्धा में विश्व कप के सभी तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

1 जून को भारत की तन्वी शर्मा ने जर्मनी में बॉन इंटरनेशनल बैडमिंटन

टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीता।

- युवा भारतीय शटलर ने ताइवान के वांग पेई यू को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराया।
- 15 वर्षीय तन्वी ने अपना पहला सीनियर खिताब जीता।
- 2019 में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था।

विजेताओं की सूची:

श्रेणी	विजेता
पुरुष एकल	चेंग काई
महिला एकल	तन्वी शर्मा
पुरुष युगल	चेंग काई और सु वेई-चेंग
महिला युगल	यासेमेन बेक्तास और ज़ेहरा एर्डेम
मिश्रित युगल	एल्डेन लेफिल्सन पुत्रा मेनकी और फ़ित्रियानी

भारत की दिव्या देशमुख ने बुल्गारिया की बेलोस्लावा क्रस्टेवा को हराकर विश्व जूनियर गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप जीती।

- दिव्या ने गुजरात के गांधीनगर में गिफ्ट सिटी क्लब में अंतिम दौर में क्रस्टेवा को हराया।
- दिव्या ने मात्र 26 चालों में दसवें दौर में क्रस्टेवा को हराकर अपना पहला अंडर-20 खिताब जीता।
- उसने अपने नौ गेम जीते और अन्य दो ड्रॉ करके चैंपियनशिप को अपराजित समाप्त किया।
- दिव्या देशमुख महाराष्ट्र के नागपुर से हैं।
- कजाकिस्तान की काजीबेक नोगेरबेक ने ओपन सेक्शन में खिताब जीता।
- तीसरे सीड के रूप में शुरुआत करते हुए, दसवें स्थान पर सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय प्रणव आनंद थे।
- दिव्या से आधा अंक पीछे, मरियम मकर्चयन लड़कियों के वर्ग में दूसरे स्थान पर रहीं। अजरबैजान की अयान अल्लाहवरदीयेवा तीसरे स्थान पर रहीं।

फ्रेंच ओपन टेनिस 2024: अलकराज ने पुरुष और इगा ने महिला एकल खिताब जीता

- फ्रेंच ओपन टेनिस 2024 प्रतियोगिता 26 मई से 9 जून 2024 तक पेरिस, फ्रांस के स्टेड रोलैंड गैरोस में खेला गया था। यह फ्रेंच ओपन का 123वां संस्करण था। इस प्रतियोगिता के पुरुष और महिला एकल खिताब क्रमशः कार्लोस अलकराज और इगा स्विएटेक ने जीता।

मुख्य बिन्दु

- स्पेन के कार्लोस अलकराज ने फाइनल में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़ेवेरेव को हरा कर यह खिताब जीता। अलकराज के लिए यह पहला फ्रेंच ओपन और अपने करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब था। कार्लोस अलकराज ने इससे पहले 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन जीता था।
- दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इगा सियाटेक फाइनल में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को हराया। इगा ने लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन एकल खिताब जीता। इगा का यह पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब था। उन्होंने 2022 में यूएस ओपन महिला एकल का खिताब भी जीता था।

फ्रेंच ओपन 2024 के विजेता और उपविजेता की सूची

स्पर्धा	विजेता
पुरुष एकल	कार्लोस अलकराज स्पेन)
महिला एकल	इगा स्विएटेक पोलैंड)
पुरुष युगल	मेट पैविक क्रोएशिया) और मार्सेलो एलेवारो अल साल्वाडोर)
महिला युगल	कोको गॉफ़ यूएसए) और कतेरीना सिनियाकोवा चेक)
मिश्रित युगल	डेसिरा क्रॉस्ज़िक यूएसए) और नील स्कुपस्की ब्रिटेन)

फ्रेंच ओपन और ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट्स

- फ्रेंच ओपन वार्षिक टेनिस टूर्नामेंट है। यह मई के अंत तथा जून की शुरुआत में खेला जाता है। यह वार्षिक टेनिस कैलेंडर में दूसरा ग्रैंड स्लैम है।
- चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सबसे पहला विंबलडन 1877 में शुरू हुआ, उसके बाद 1881 में यूएस ओपन, 1891 में फ्रेंच ओपन और 1905 में ऑस्ट्रेलियन ओपन शुरू हुआ। सभी चारों ग्रैंड स्लैम प्रति वर्ष खेले जाते हैं।
- ऑस्ट्रेलियन ओपन वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम है जनवरी), इसके बाद फ्रेंच ओपन मई-जून), विंबलडन जून-जुलाई) और यूएस ओपन अगस्त-सितम्बर) होते हैं।
- विम्बलडन घास पर खेला जाता है, जिस कारण इसे लॉन टेनिस नाम से भी जाना जाता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन और अमरीकी ओपन हार्ड कोर्ट पर जबकि फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।

नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीता।

- नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक 2024 से पहले पावो नूरमी खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता।
- उन्होंने प्रतियोगिता के अधिकांश भाग में अपने तीसरे प्रयास में 85.97 मीटर भाला फेंका।
- टोनी केरेनन ने 84.19 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता।
- ओलिवर हेलैंडर ने 83.96 मीटर के थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 82.58 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।
- 2022 में, नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों में रजत पदक जीता था।

श्रीजा अकुला WTT कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं

- हैदराबाद की श्रीजा अकुला, WTT (विश्व टेबल टेनिस) कंटेंडर

एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। श्रीजा अकुला ने डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लागोस (WTT Contender Lagos) 2024 प्रतियोगिता में महिला एकल और युगल दोनों खिताब जीते।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लागोस 2024: मुख्य बिन्दु

- 80,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लागोस 2024 प्रतियोगिता 19 जून से 23 जून 2024 तक नाइजीरिया के लागोस में आयोजित किया गया था।
- भारत की नंबर एक महिला एकल टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने इस प्रतियोगिता के फाइनल में चीन की यिजी डिंग को को हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीटी कंटेंडर खिताब जीता।
- श्रीजा अकुला ने सेमीफाइनल में साथी भारतीय सुतीर्था मुखर्जी को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी।

शेफाली वर्मा टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने वाली महिला खिलाड़ी बन गईं

- 28 जून को, भारत की सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक बनाया।
- शैफाली ने अपना दोहरा शतक महज 194 गेंदों में पूरा किया और सदरलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों में दोहरा शतक बनाया था।
- शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी के दौरान 23 चौके और आठ छक्के लगाए।
- लगभग 22 साल के लंबे अंतराल के बाद शैफाली पूर्व कप्तान मिताली राज के बाद टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं।

पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल एथलेक्टिस मीट में भारत के गुलवीर सिंह ने रजत पदक जीता

- अमरीका में पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई पर्फोमेंस एथलेक्टिस मीट में भारत के गुलवीर सिंह ने पुरूषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। गुलवीर सिंह इसके साथ ही पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में सबसे तेज़ भारतीय धावक भी बन गए हैं। गुलवीर ने 13.189 मिनट के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। प्रतियोगिता में अमरीका के डायलन जैकब्स ने स्वर्ण और एरिक वान डेर एल्स ने कांस्य पदक जीता।

भारत ने अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कुल 11 पदक जीते।

- अम्मान, जॉर्डन में खेली जा रही अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में भारत ने अपने अभियान का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया।
- युवा भारतीय दल ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीते।
- भारत के लिए सभी चार स्वर्ण पदक महिला पहलवानों ने जीते।
- 46 किलोग्राम वर्ग में दीपांशी, 53 किलोग्राम वर्ग में मुस्कान, 61 किलोग्राम वर्ग में रजनीता और 69 किलोग्राम वर्ग में मानसी लाठर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते।
- राजा बाला ने 40 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- पुरुष वर्ग में समर्थ गजानन मकावे ने 55 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।
- जबकि, 65 किलोग्राम वर्ग में आकाश, 71 किलोग्राम में सचिन कुमार, 48 किलोग्राम में विकास कच्छप, 60 किलोग्राम में तुषार तुकाराम पाटिल और 110 किलोग्राम भार वर्ग में रौनक ने कांस्य पदक जीता।

पूजा तोमर ने यूएफसी में जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।

- पूजा तोमर ने ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस को हराकर यूएफसी लुइसविले 2024 में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप यूएफसी) में फाइट जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।
- उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की रहने वाली पूजा ने 2023 में यूएफसी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनकर एक नया रिकॉर्ड बनाया था।
- महिलाओं के स्ट्रॉवेट डिवीजन में अपनी पहली पहली लड़ाई में, उन्होंने 30-27, 27-30 और 29-28 के स्कोर के साथ विभाजित निर्णय के माध्यम से जीत हासिल की।
- भारत में लड़ाकू खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं की एक लंबी परंपरा है, और 2013 से यूएफसी महिलाओं के लिए चमकने का एक मंच रहा है।
- भारत ओलंपिक अनुसंधान एवं शिक्षा केंद्र (B-CORE) का उद्घाटन किया गया।
- राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय ने बीकोर के उद्घाटन के साथ 23 जून, 2024 को ओलंपिक दिवस मनाया।
- उद्घाटन गांधीनगर के लावड़-देहगाम में आरआरयू परिसर में हुआ।
- B-CORE का उद्घाटन भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा और अन्य लोगों ने किया।
- उद्घाटन के मुख्य आकर्षणों में प्रथम ओलंपिक अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन शामिल था।
- B-CORE को पूरे भारत में ओलंपिक में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- B-CORE भारत और दक्षिण एशिया में अपनी तरह का पहला और दुनिया का 71वाँ केंद्र है।

मैग्नस कार्लसन ने 17.5 अंकों के साथ नॉर्वे शतरंज 2024 टूर्नामेंट जीता।

- मैग्नस कार्लसन ने आर्मागेडन में फैबियानो कारूआना को सफ़ेद मोहरों से हराया।
- हिकारू नाकामुरा 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि चेन्नई के प्रग्गनानंदा 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।
- दूसरी ओर, नॉर्वे शतरंज की महिला वर्ग में जू वेनजुन ने 19 अंकों के साथ खिताब जीता, जबकि अन्ना मुज़ीचुक उनसे तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहीं।
- वार्षिक शतरंज टूर्नामेंट, नॉर्वे शतरंज आमतौर पर प्रत्येक वर्ष मई से जून की अवधि में आयोजित किया जाता है।

केदार जाधव और दिनेश कार्तिक ने संन्यास की घोषणा की

- पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। इससे पहले, पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने संन्यास की घोषणा की थी। केदार ने 73 वनडे मैचों में 1389 रन बनाए और 27 विकेट लिए। कार्तिक ने अपने 257 मैचों के करियर में 26.32 की औसत से 4842 रन बनाए।

रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब 15वीं बार जीता

- स्पैनिश फ़ुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने जर्मन फ़ुटबॉल क्लब बोरुसिया डॉर्टमुंड को फ़ाइनल में 2-0 से हराकर 2023-24 यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब 15वीं बार जीता लिया है। यूईएफए चैंपियंस लीग का फ़ाइनल मैच के साथ ही यूरोपीय घरेलू पेशेवर फ़ुटबॉल सीज़न 2023-24 का समापन भी हो गया है।

मैक्स वर्स्टैपेन ने लगातार तीसरी बार कनाडाई ग्रैंड प्रिक्स जीता।

- लगातार तीसरे वर्ष, रेड बुल ड्राइवर मैक्स वेरस्टैपेन कैनेडियन ग्रां प्री में विजयी हुए, जो उनकी 60वीं फॉर्मूला 1 जीत है, और इस वर्ष नौ रेसों में छठी जीत है।
- मैक्स वेरस्टैपेन ने पिछली 75 फॉर्मूला 1 रेस में 50 जीत हासिल की हैं।
- वेरस्टैपेन 2.71-मील (4.36-किलोमीटर) रोड कोर्स पर 70-लैप दौड़ में मैकलेरन के लैंडो नॉरिस से 3.879 सेकंड आगे रहे।

7 पुरस्कार एवं सम्मान

साहित्य अकादमी ने 2024 के लिए युवा पुरस्कार, बाल साहित्य पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की

- साहित्य अकादमी ने शनिवार को 23 लेखकों के नामों की घोषणा की , जिनमें अंग्रेजी लेखिका के. वैशाली और हिंदी लेखक गौरव पांडे भी शामिल हैं, जिन्हें दो-दो भाषाओं के लिए प्रतिष्ठित युवा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
- राष्ट्रीय साहित्य अकादमी ने 2024 के बाल साहित्य पुरस्कार के 24 विजेताओं के नामों की भी घोषणा की।
- अकादमी ने एक बयान में कहा कि संस्कृत युवा पुरस्कार के विजेता की घोषणा बाद में की जाएगी।
- साहित्यिक संस्था ने एक बयान में कहा, "साहित्य अकादमी के कार्यकारी बोर्ड ने आज अपने अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में 23 लेखकों के चयन को मंजूरी दी, जिनका चयन संबंधित भाषा के तीन-तीन सदस्यों वाली निर्णायक समिति की सिफारिशों के आधार पर निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के अनुसार किया गया।"
- सुश्री वैशाली को उनके संस्मरण "होमलेस: ग्रोइंग अप लेस्बियन एंड डिस्लेक्सिक इन इंडिया" के लिए सम्मानित किया जाएगा, जबकि गौरव पांडे को उनके कविता संग्रह " स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी " के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलेगा।
- युवा पुरस्कार 10 कविता पुस्तकों, सात कहानी संग्रहों, दो लेख और एक निबंध संग्रह, एक उपन्यास, एक ग़ज़ल पुस्तक और एक संस्मरण के लिए प्रदान किया गया है।
- युवा पुरस्कार के अन्य विजेता हैं नयनज्योति सरमा (असमिया), सुतापा चक्रवर्ती (बंगाली), सेल्फ मेड रानी बारो (बोडो) और हीना चौधरी (डोगरी)।
- रिंकू राठौड़ (गुजराती), श्रुति बीआर (कन्नड़), मोहम्मद अशरफ जिया (कश्मीरी), अद्वैत सालगांवकर (कोंकणी), रिंकी झा रिशिका (मैथिली) और श्यामकृष्णन आर. (मलयालम) भी विजेताओं में शामिल हैं।
- वाइखोम चिंगखेनगांबा मणिपुरी), देवीदास सौदागर मराठी), सूरज चपागैन (नेपाली), संजय कुमार पांडा (ओडिया), रणधीर (पंजाबी), सोनाली सुतार (राजस्थानी) को भी युवा पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- अन्य विजेता हैं अंजन करमाकर संथाली), गीता प्रदीप रूपानी (सिंधी), लोकेश रघुरामन (तमिल), रमेश कार्तिक नायक (तेलुगु) और जावेद अंबर मिस्बाही (उर्दू)।
- युवा पुरस्कार विजेताओं को बाद में एक पुरस्कार समारोह में एक उत्कीर्ण ताम्र पट्टिका युक्त एक ताबूत और 50,000 रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।

  बाल साहित्य पुरस्कार के लिए अकादमी ने अंग्रेजी लेखिका नंदिनी सेनगुप्ता को उनके ऐतिहासिक उपन्यास "द ब्लू हॉर्स एंड अदर अमेजिंग एनिमल स्टोरीज फ्रॉम इंडियन हिस्ट्री" और देवेन्द्र कुमार के बच्चों की कहानियों के संग्रह "51 बाल कहानियां" के लिए चुना है।
- बाल साहित्य पुरस्कार सात उपन्यासों, छह कविता पुस्तकों, चार कहानियों, पांच लघु कथाओं, एक नाटक और एक ऐतिहासिक कथा के लिए प्रदान किया गया है।
- बाल साहित्य पुरस्कार के विजेता हैं रंजू हजारिका (असमिया), दीपान्विता रॉय (बंगाली), बिरगिन जेकोवा मचाहारी (बोडो), बिशन सिंह 'दर्दी' (डोगरी), गिरा पिनाकिन भट्ट (गुजराती) और कृष्णमूर्ति बिलिगेरे (कन्नड़)।
- मुजफ्फर हुसैन दिलबर कश्मीरी), हर्ष सदुरु शेट्टी (कोंकणी), नारायणगी (मैथिली), उन्नी अम्मायमबलम (मलयालम), क्षेत्रिमयुं सुबादानी (मणिपुरी), भरत सासने (मराठी), बसंत थापा (नेपाली) और मानस रंजन सामल (ओडिया) भी विजेताओं में शामिल हैं।
- शेष विजेताओं में कुलदीप सिंह दीप पंजाबी), प्रहलाद सिंह 'झोरडा' (राजस्थानी), हर्षदेव माधव (संस्कृत), दुगल टुडू (संथाली), लाल होतचंदानी 'लाचार' (सिंधी), युवा वासुकी (तमिल), पी. चंद्रशेखर आजाद (तेलुगु) और शमसुल इस्लाम फारूकी (उर्दू) शामिल हैं।
- बाल साहित्य पुरस्कार के विजेताओं को बाद में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में एक उत्कीर्ण ताम्र पट्टिका युक्त एक संदूक तथा 50,000 रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।

नायक धनंजय कुमार सिंह को मरणोपरांत डैग हैमरशॉल्ड मेडल से सम्मानित किया गया

- संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले एक भारतीय शांति सैनिक नायक धनंजय कुमार सिंह को 30 मई को उनकी सेवा और सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र डैग हैमरशॉल्ड मेडल (Dag Hammarskjold medal) से सम्मानित किया गया।
- उनके साथ 60 से अधिक सैन्य, पुलिस और नागरिक शांति सैनिकों को सम्मानित किया गया।
- नायक धनंजय कुमार सिंह ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन (MONUSCO) के साथ काम किया।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह के दौरान मरणोपरांत 'डैग हैमरशॉल्ड पदक से सम्मानित किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस से यह मैडल प्राप्त किया।
- इस अवसर पर यूनाइटेड नेशन के तहत अपनी सेवा देने वाली भारतीय सेना की मेजर राधिका सेन को प्रतिष्ठित जेंडर एडवोकेट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विनोद गणात्रा 'नेल्सन मंडेला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बने

- विश्व स्तर पर प्रशंसित भारतीय फिल्म निर्माता विनोद गनात्रा को दक्षिण अफ्रीका के प्रतिष्ठित 'नेल्सन मंडेला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' (Nelson Mandela Lifetime Achievement Award) से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- उन्हें 7वें नेल्सन मंडेला बाल फिल्म महोत्सव में 17 जून को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बच्चों के लिए सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया है।
- विनोद गणात्रा 'नेल्सन मंडेला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।
- गणात्रा ने 36 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं, जिनमें उनके बच्चों के कार्यक्रम 'बैंगन राजा' के लिए दूरदर्शन से मिला 'जानकीनाथ गौर पुरस्कार' भी शामिल है।
- वह अपनी गुजराती फिल्म 'हारुन-अरुण' के लिए शिकागो में 'लिव उलमान शांति पुरस्कार' पाने वाले एकमात्र भारतीय फिल्म निर्माता हैं।
- गणात्रा ने 400 से ज़्यादा डॉक्यूमेंट्री और न्यूज़रील का संपादन और निर्देशन किया है, साथ ही बच्चों और युवाओं के लिए 25 बहुभाषी टेलीविज़न कार्यक्रम भी बनाए हैं।

RBI को "रिस्क मैनेजर ऑफ़ द ईयर अवार्ड 2024" से सम्मानित किया गया

- भारतीय रिज़र्व बैंक RBI) को लंदन स्थित एक प्रसिद्ध प्रकाशन सेंट्रल बैंकिंग द्वारा "रिस्क मैनेजर ऑफ़ द ईयर अवार्ड 2024" Risk Manager of the Year Award 2024) से सम्मानित किया गया है।
- RBI की ओर से कार्यकारी निदेशक श्री मनोरंजन मिश्रा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार मज़बूत जोखिम प्रबंधन और बढ़ी हुई जागरूकता को विकसित करने में RBI की महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, जो भारत की वित्तीय प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने में इसकी आवश्यक भूमिका को पुख्ता करता है।
- हाल ही में वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के दौरान, RBI ने मौद्रिक नीति के प्रति सतर्क रुख अपनाया। भारतीय केंद्रीय बैंक ने कई अन्य केंद्रीय बैंकों के विपरीत ब्याज दरों में भारी वृद्धि नहीं की, जिससे भारत में आर्थिक विकास बाधित हो सकता था। हालाँकि, इसने मुद्रास्फीति की बारीकी से निगरानी करते हुए ब्याज दरों को स्थिर रखते हुए एक संयमित रुख बनाए रखा।
- RBI ने नए वित्तीय प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओं के साथ नियंत्रित प्रयोग की सुविधा के लिए एक रेगुलेटरी सैंडबॉक्स स्थापित किया।
- 7 जून को, भारतीय रिज़र्व बैंक RBI) ने विदेशी निवेश विनियमों में ढील दी और विदेशी प्रतिभूतियों, फंडों और कंपनियों में निवेश करने के इच्छुक धनी भारतीयों, व्यापारिक परिवारों और स्टार्टअप के लिए नीतियों को स्पष्ट किया।

एंटरप्राइज़ रिस्क मैनेजमेंट (ERM) फ्रेमवर्क

- RBI को एक नया ERM फ्रेमवर्क शुरू करने के लिए सराहना मिली। RBI ने अपने बड़े संगठन में एक नया ERM फ्रेमवर्क शुरू किया, जिसमें 12,000 से ज़्यादा कर्मचारी हैं।
- एंटरप्राइज़ रिस्क मैनेजमेंट (ERM) किसी संगठन की गतिविधियों की योजना बनाने, उन्हें संगठित करने, निर्देशित करने और नियंत्रित करने की प्रक्रिया है, ताकि उसकी पूंजी और आय पर जोखिम के हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके।
- एंटरप्राइज़ जोखिम प्रबंधन में वित्तीय, रणनीतिक और ऑपरेशनल जोखिम के साथ-साथ आकस्मिक नुकसान से जुड़े जोखिम भी शामिल हो सकते हैं।
- ERM को किसी संगठन और उसके विस्तारित नेटवर्क में जोखिमों को प्रबंधित करने और पहचानने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

भारतीय स्वास्थ्य संस्थान 'NIMHANS' को WHO का नेल्सन मंडेला पुरस्कार

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने बेंगलुरु में स्थित राष्ट्रीय मानसिक जाँच एवं स्नायु विज्ञान संस्थान (NIMHANS) को स्वास्थ्य संवर्धन के लिए नेल्सन मंडेला पुरस्कार (Nelson Mandela Award for Health Promotion) 2024 से सम्मानित किया है। NIMHANS को यह पुरस्कार बोत्सवाना के प्रोफेसर बोंटले मबोंगवे के साथ संयुक्त रूप से दिया गया।

मुख्य बिन्दु

- 31 मई 2024 को जिनेवा में 70वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में एक विशेष समारोह में NIMHANS की निदेशक डॉ। प्रतिमा मूर्ति ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर WHO के महानिदेशक । टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस उपस्थित थे।
- WHO हर साल अपने चार क्षेत्रों-अफ्रीका, पूर्वी भूमध्यसागरीय, दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी प्रशांत से आठ विजेताओं का चयन करता है। प्रत्येक विजेता एक व्यक्ति या संस्था हो सकती है जिसने अपने देश या विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य में अद्वितीय योगदान दिया है।
- NIMHANS राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान) की स्थापना 27 दिसंबर 1974 को मैसूर सरकार द्वारा स्थापित मानसिक अस्पताल और भारत सरकार के अखिल भारतीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान को मिलाकर की गई थी।
- NIMHANS केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन है। 2012 में, NIMHANS को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया था।
- WHO संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अनुषांगिक इकाई है। इसकी स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गयी थी। WHO का मुख्यालय स्विटजरलैंड के जेनेवा शहर में स्थित है। भारत WHO का सदस्य देश है। डबल्यूएचओ के महानिदेशक: डॉ. टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस मई 2017 से) हैं।

अरुंधति रॉय को उनके 'अडिग' लेखन के लिए पेन पिंटर पुरस्कार दिया गया।

- 27 जून को, प्रतिष्ठित पेन पिंटर पुरस्कार 2024 बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका अरुंधति रॉय को उनके "अडिग और अटल" लेखन के लिए प्रदान किया गया।
- 2009 में चैरिटी संस्था इंग्लिश पेन द्वारा स्थापित यह पुरस्कार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करता है तथा नोबेल पुरस्कार विजेता नाटककार हेरोल्ड पिंटर की स्मृति में साहित्य को सम्मानित करता है।
- उन्होंने अपने पहले उपन्यास, द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स के लिए बुकर पुरस्कार जीता था।
- इस वर्ष निर्णायक मंडल में लेखक और संगीतकार रोजर रॉबिन्सन, अभिनेता और कार्यकर्ता खालिद अब्दुल्ला और इंग्लिश पेन के अध्यक्ष रूथ बोर्थविक शामिल थे, जिन्होंने उन्हें चुना।
- 10 अक्टूबर को ब्रिटिश लाइब्रेरी द्वारा सह-आयोजित एक समारोह में वह पुरस्कार प्राप्त करेंगी।
- यह अंग्रेजी में लिखे गए उत्कृष्ट साहित्यिक कार्यों के लिए दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार यूके, आयरलैंड और राष्ट्रमंडल के एक लेखक को दिया जाता है जिसका काम समकालीन जीवन के बारे में सच्चाई का एक निडर प्रदर्शन दर्शाता है।

वन्यजीव फिल्म निर्माता श्री सुब्बैया नल्लमुथु वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित

- वन्यजीव फिल्म निर्माता श्री सुब्बैया नल्लमुथु (Subbiah Nallamuthu) को 18वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव (MIFF) में वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई।
- श्री सुब्बैया नल्लमुथु ने वन्यजीव पर आधारित फिल्मों के निर्माण में असाधारण योगदान दिया है, जिससे उन्हें पूरे विश्व में सराहना मिली है। श्री सुब्बैया नल्लमुथु भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान के पूर्व छात्र हैं।
- उन्होंने लिविंग ऑन द एज नामक भारत की सबसे लंबे समय तक चलने वाली पांडा पुरस्कार विजेता पर्यावरण श्रृंखला में अपने काम से मान्यता प्राप्त की।
- रॉयल बंगाल टाइगर पर उनकी डॉक्यूमेंट्री नेशनल ज्योग्राफिक चैनल और बीबीसी पर प्रसारित हुआ है। उनकी विपुल फिल्मोग्राफी में टाइगर डायनेस्टी 2012-2013), टाइगर क्वीन 2010) और द वर्ल्ड्स मोस्ट फेमस टाइगर 2017) शामिल हैं।
- उन्होंने पर्यावरण के साथ-साथ मनुष्यों और इकोसिस्टम के बीच तालमेल पर केंद्रित बीबीसी वर्ल्ड के लिए अर्थ फाइल 2000) और एनिमल प्लैनेट के लिए द वर्ल्ड गॉन वाइल्ड 2001) जैसी अनगिनत डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई हैं।

डॉ. वी शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

- डॉ. वी शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड Dr. V Shantaram Lifetime Achievement Award) मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव के हर आयोजन में एक फिल्म निर्माता को भारत में डॉक्यूमेंट्री फिल्मों और इनके प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है।
- इसमें 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

वेल्लायन सुब्बैया को ईवाई वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया

- भारतीय उद्यमी वेल्लायन सुब्बैया को 6 जून को ईवाई वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर (EY World Entrepreneur Of The Year) अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। मोनाको के सैले डेस एटोइल्स में आयोजित एक समारोह में उन्हें यह सम्मान दिया गया।

मुख्य बिन्दु

- वेल्लायन सुब्बैया यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले चौथे भारतीय हैं। उनसे पहले इंफोसिस के एनआर नारायण मूर्ति, कोटक फाइनेंस के उदय कोटक और बायोकॉन लिमिटेड की किरण मजूमदार शॉ को यह सम्मान दिया गया था।
- वेल्लायन सुब्बैया ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया (TII) के कार्यकारी उपाध्यक्ष और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी चोलामंडलम चोला) इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष हैं।
- वेल्लायन सुब्बैया को उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने वैश्विक मंदी के समय में चोलामंडलम चोल) इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस लिमिटेड के व्यापार को कई गुना बढ़ने में मदद की।
- ईवाई ग्लोबल लिमिटेड उन दूरदर्शी नेताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए वार्षिक वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर कार्यक्रम की मेजबानी करता है जो उद्योगों को बदल रहे हैं, अर्थव्यवस्था को बढ़ा रहे हैं और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के आह्वान का जवाब दे रहे हैं।

सी-डॉट संयुक्त राष्ट्र के WSIS 2024 "चैंपियन" पुरस्कार से सम्मानित

- भारत सरकार के प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान और विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स C-DOT) ने संयुक्त राष्ट्र विश्व सूचना सोसायटी पर शिखर सम्मेलन WSIS) 2024 'चैंपियन' पुरस्कार जीता है। सी-डॉट को पुरस्कार की घोषणा डबल्यूआईएसएस +20 फोरम हाई-लेवल इवेंट 2024 में की गई थी।

सिद्धेश साकोरे को UNCCD-लैंड हीरो नामित किया गया

- महाराष्ट्र के एक किसान और एग्रो रेंजर्स के संस्थापक सिद्धेश साकोरे Siddhesh Sakore) को मरुस्थलीकरण रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCCD) द्वारा भूमि नायक (Land Hero) नामित किया गया है।
- 17 जून को विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस (World Desertification and Drought Day) के अवसर पर, UNCCD ने बॉन जर्मनी) में एक कार्यक्रम में 10 लैंड हीरो के नामों की घोषणा की।
- UNCCD लैंड हीरो अभियान उन युवा व्यक्तियों और युवा संगठनों को पहचानता है और उनका समर्थन करता है जो मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे के खिलाफ सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

- इस अभियान का उद्देश्य 18-35 वर्ष की आयु के युवाओं को सस्टेनेबल भूमि प्रबंधन और कन्वेंशन के कार्यान्वयन के लिए परिवर्तन के एजेंट के रूप में शामिल करना है।

IPBES को मिलेगा 2024 का ब्लू प्लैनेट पुरस्कार

- वर्ष 2024 का ब्लू प्लेनेट पुरस्कार (Blue Planet Prize) रोबर्ट कोस्टांजा और एक संस्था को दिया गया है। इनमें से एक संस्था का नाम "जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच (Intergovernmental Science-Policy Platform on Biodiversity and Ecosystem Services: IPBES)" है।

ब्लू प्लेनेट पुरस्कार

- ब्लू प्लेनेट पुरस्कार जापान के असाही ग्लास फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है।
- यह उन वैज्ञानिक अनुसंधान और इसके उपयोग में उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए व्यक्तियों और संगठनों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है, जिसने वैश्विक पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान प्रदान करने में मदद की है।
- पुरस्कार के रूप में $500,000 की राशि दी जाती है।

IPBES

- जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच IPBES) एक स्वतंत्र अंतर-सरकारी निकाय है, जिसकी स्थापना जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए विज्ञान-नीति इंटरफेस को मजबूत करने के लिए विश्व के कई देशों की सरकारों द्वारा की गई है, ताकि जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग, दीर्घकालिक मानव कल्याण और सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके।
- इसकी स्थापना 21 अप्रैल 2012 को 94 सरकारों द्वारा पनामा सिटी में की गई थी।
- यह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी नहीं है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यूएनईपी) IPBES को सचिवालय सेवाएं प्रदान करता है।
- प्लेनरी IPBES का शासी निकाय है – जो IPBES के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से बना है और आमतौर पर प्रति वर्ष इसकी एक बैठक आयोजित होती है।

8 चर्चित व्यक्तित्व

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी नए सेना प्रमुख नियुक्त किए गए

- वर्तमान उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को सेना का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे 30 जून 2024 को कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल मनोज सी पांडे का स्थान लेंगे जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

मुख्य बिन्दु

- सरकार ने थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया था। इस वजह से वह 30 जून तक इस पद पर बने रहेंगे। इससे पहले वे 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे।
- लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भारतीय सेना के 30वें प्रमुख होंगे। वर्तमान में, वह थल सेना के उप प्रमुख हैं। उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक एवीएसएम) और तीन जीओसी-इन-सी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है।

भारतीय सेना: एक दृष्टि

- लगभग 1.46 मिलियन सक्रिय कर्मियों के साथ भारतीय सेना चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। भारतीय सेना केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के अधीन है, और भारत के राष्ट्रपति इसके प्रमुख कमांडर होते हैं।
- स्वतंत्रता के समय भारतीय सेना प्रमुख जनरल सर रॉबर्ट लॉकहार्ट थे। भारत के प्रथम भारतीय सेना प्रमुख केएम करियप्पा थे। वह 15 जनवरी 1949 को सेना प्रमुख बने थे।
- भारतीय सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में है, जहाँ सेना प्रमुख बैठते हैं। सेना में छह ऑपरेशनल कमान और एक प्रशिक्षण कमान हैं, जिनमें से प्रत्येक की कमान एक लेफ्टिनेंट जनरल के अधीन होती है।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए उप सेना प्रमुख होंगे।

- लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, जो वर्तमान में सेना की सेंट्रल कमान के प्रमुख हैं, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लेंगे।
- लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30 जून को उप सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होंगे।
- लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 1985 में गढ़वाल राइफल्स में भारतीय सेना में शामिल हुए थे।
- उनके पास भारतीय सेना में विभिन्न पदों पर रहते हुए 37 वर्षों से अधिक का अनुभव है।
- उन्होंने 2020 में उत्तर भारत क्षेत्र और अंबाला में प्रीमियर खड़गा कोर की भी कमान संभाली थी।

अजीत डोभाल सुरक्षा सलाहकार और पीके मिश्रा प्रधान सचिव नियुक्त

- अजीत डोभाल को एक बार फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और पीके मिश्रा को प्रधानमंत्री का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी। इन दोनों अधिकारियों को वरीयता में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। नियुक्ति समिति ने अमित खरे और तरूण कपूर को भी प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

अनामिका बी राजीव भारतीय नौसेना की पहली महिला हेलीकॉप्टर पायलट

- भारतीय नौसेना की सब लेफ्टिनेंट अनामिका बी राजीव भारतीय नौसेना की पहली महिला हेलीकॉप्टर पायलट बन गई है। अब वह सी किंग्स, एएलएच ध्रुव, चेतक और एमएच-60 आर सीहॉक्स जैसे नौसेना हेलीकॉप्टर उड़ाएंगी। इससे पहले 2018 में, तीन महिला पायलटों, अवनी चतुर्वेदी, मोहना सिंह और भावना कंठ को भारतीय वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के महानिदेशक तपन कुमार डेका को सेवा विस्तार

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के मौजूदा महानिदेशक तपन कुमार डेका को एक साल के सेवा विस्तार को मंजूरी दे दी है। तपन कुमार डेका 30 जून 2025 तक पद पर बने रहेंगे।

प्रदीप सिंह खरोला

- प्रदीप सिंह खरोला ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एनटीए) के नए महानिदेशक डीजी) के रूप में सुबोध कुमार सिंह का स्थान लिया है।
- प्रदीप सिंह खरोला 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा आईएएस) अधिकारी हैं।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने प्रदीप सिंह खरोला को शिक्षा मंत्रालय के एनटीए के महानिदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने को मंजूरी दे दी है।
- खरोला भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं।
- उन्हें नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी:

- इसकी स्थापना नवंबर 2017 में हुई थी। प्रदीप कुमार जोशी एनटीए के वर्तमान अध्यक्ष हैं।
- यह शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के तहत एक स्वायत्त एजेंसी है।
- इसे उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश/फेलोशिप के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए स्थापित किया गया है।

कपिल देव को पीजीटीआई का नया अध्यक्ष चुना गया

- क्रिकेटर और गोल्फर कपिल देव को सर्वसम्मति से प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया पीजीटीआई) का नया अध्यक्ष चुना गया है। वर्तमान अध्यक्ष एच श्रीनिवासन द्वारा अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद कपिल देव को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष चुना गया।

इंदर पाल सिंह बिंद्रा को सीसीआई सचिव नियुक्त किया गया है।

- इंदर पाल सिंह बिंद्रा को तीन साल की अवधि के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग सीसीआई) का सचिव नियुक्त किया गया है।
- वे अनुपमा आनंद की जगह लेंगे, जिन्होंने सितंबर 2023 में नियुक्ति के बाद इस्तीफा दे दिया है।
- नियुक्ति से पहले, बिंद्रा आयकर विभाग में एक अधिकारी के रूप में तैनात थे।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग सीसीआई):

- इसका गठन 14 अक्टूबर 2003 को प्रतिस्पर्धा आयोग अधिनियम, 2002 के तहत किया गया था।
- इसमें एक अध्यक्ष और छह सदस्य हैं। यह एक अर्ध-न्यायिक निकाय है।
- अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।
- इसका उद्देश्य भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाली प्रथाओं को खत्म करना और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है।
- हेलेन मैरी रॉबर्ट्स अल्पसंख्यक समुदाय से पाकिस्तानी सेना में पहली महिला ब्रिगेडियर बनीं
- पाकिस्तान आर्मी मेडिकल कोर में सेवारत डॉ. हेलेन मैरी रॉबर्ट्स ने देश के इतिहास में ब्रिगेडियर का पद हासिल करने वाली ईसाई और अल्पसंख्यक समुदाय की पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया है।
- हेलेन पाकिस्तानी सेना के उन अधिकारियों में से थीं जिन्हें चयन बोर्ड द्वारा ब्रिगेडियर और पूर्ण कर्नल के रूप में पदोन्नत किया गया था।
- 26 वर्षों के अनुभव के साथ, ब्रिगेडियर डॉ. हेलेन पाकिस्तानी सेना में सेवारत एक वरिष्ठ रोगविज्ञानी हैं।
- पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा 2021 में जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में 96.47% मुस्लिम हैं, इसके बाद 2.14% हिंदू, 1.27% ईसाई, 0.09% अहमदिया मुस्लिम और 0.02% अन्य हैं।

रुचिरा कंबोज 35 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गई हैं।

- रुचिरा कंबोज संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि थीं।
- वह भारत की पहली महिला संयुक्त राष्ट्र राजदूत थीं। वह 1987 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुईं।
- उन्होंने 2 अगस्त, 2022 को औपचारिक रूप से न्यूयॉर्क में भारत के स्थायी प्रतिनिधि/राजदूत का पद संभाला।
- उन्होंने राष्ट्रमंडल सचिवालय लंदन में महासचिव के कार्यालय के उप प्रमुख के रूप में भी काम किया।
- वह 2011-2014 तक भारत की चीफ ऑफ प्रोटोकॉल थीं। वह सरकार में अब तक इस पद पर आसीन होने वाली पहली और एकमात्र महिला हैं।

विक्रम मिस्री को भारत के 35वें विदेश सचिव के रूप में नियुक्त किया गया

- विक्रम मिस्री को भारत के 35वें विदेश सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी 28 जून को दी थी।

मुख्य बिन्दु

- वह विनय मोहन क्वात्रा का स्थान लेंगे। जिनका कार्यकाल 14 जुलाई को समाप्त हो रहा है।
- 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी श्री मिस्री वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।
- उन्होंने चीन, म्यांमार और स्पेन में भारतीय दूत के रूप में काम किया है। विक्रम मिस्री को चीन विशेषज्ञ माना जाता है और वह जनवरी 2019 से दिसंबर 2021 तक गलवान घाटी झड़प के दौरान) चीन में भारत के राजदूत थे।
- विक्रम मिस्री भारत के 35वें विदेश सचिव होंगे। केपीएस मेनन भारत के पहले विदेश सचिव थे, जिन्हें आज़ादी के बाद भारत सरकार ने 1948 में नियुक्त किया था।

अतुल कुमार चौधरी को ट्राई का सचिव नियुक्त किया गया है।

- अतुल कुमार चौधरी ने भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ट्राई) के सचिव के रूप में वी रघुनंदन का स्थान लिया है।
- अतुल कुमार चौधरी वर्तमान में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यूआईडीएआई) में उप महानिदेशक डीडीजी) के रूप में कार्यरत थे।
- 31 मई को वी रघुनंदन के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद रिक्त था।
- उन्होंने कार्मिक, मानव संसाधन, प्रशासन, लाइसेंसिंग, बीएसएनएल की सतर्कता शाखा और दूरसंचार विभाग डीओटी) में विभिन्न पदों पर काम किया है।
- वे सेवाओं की गुणवत्ता के संदर्भ में हितधारकों के साथ मिलकर दिशा-निर्देश और नीतियाँ बनाने के लिए जिम्मेदार होंगे।
- मनोज जैन ने रक्षा पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बीईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सीएमडी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनकी नियुक्ति 20 जून से प्रभावी हो गई है।

नाटो ने मार्क रूटे को अपना अगला महासचिव नियुक्त किया।

- नीदरलैंड के निवर्तमान प्रधानमंत्री मार्क रूटे, नाटो के नए महासचिव होंगे।
- ब्रुसेल्स स्थित मुख्यालय में एक बैठक के दौरान नाटो राजदूतों द्वारा उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी गई।
- वे 1 अक्टूबर को वर्तमान महासचिव, नॉर्वे के जेन्स स्टोलटेनबर्ग से कार्यभार ग्रहण करेंगे।
- महासचिव बैठकों की अध्यक्षता करते हैं और संगठन की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों के बीच अक्सर गहन विचार-विमर्श का मार्गदर्शन करते हैं।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो):

- यह उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय देशों का एक अंतर-सरकारी राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है।
- इसे 4 अप्रैल 1949 को यूरोप और उत्तरी अमेरिका के 12 देशों द्वारा बनाया गया था।
- वर्तमान में, नाटो के 32 सदस्य देश हैं।
- इसका मुख्यालय बेल्जियम के ब्रुसेल्स में स्थित है।

सिरिल रामफोसा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पुनः निर्वाचित

- सिरिल रामफोसा दक्षिण अफ्रीका के पुनः राष्ट्रपति चुने गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी संसद ने 14 जून 2024 को 7वीं संसद की नेशनल असेंबली की पहली बैठक में सिरिल रामफोसा को राष्ट्रपति चुना।

मुख्य बिन्दु

- अफ्रीका में हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में 30 साल से सत्तारुड अफ्रीकी कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला था। रामफोसा अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष हैं।
- राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए मुख्य विपक्षी दल और अन्य दलों के अफ्रीकी कांग्रेस की व्यापक सहमति बनी है।
- अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद मदुमसेनी एनटुली ने राष्ट्रपति पद के लिए रामफोसा के नाम का प्रस्ताव रखा और मुख्य न्यायाधीश रेमंड जोंडो की अध्यक्षता में हुई प्रक्रिया के दौरान इंकाथा फ्रीडम पार्टी के नेता और सांसद वेलेंकोसिनी हलाबिसा ने समर्थन किया।
- 1994 में दक्षिण अफ्रीका में हुए पहले लोकतांत्रिक चुनाव के बाद से अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस प्रमुख राजनीतिक ताकत रही है।
- रामफोसा ने पहली बार 15 फरवरी 2018 और इसके बाद 22 मई 2019 को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति को पाँच वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

क्लाउडिया शिएनबाम मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई

- मेक्सिको ने अपने 200 साल के इतिहास में पहली बार एक महिला राष्ट्रपति चुनी है। मेक्सिको में 2 जून 2024 को नए राष्ट्रपति और 20,000 से अधिक राजनीतिक पदों के लिए चुनाव हुए थे।

मुख्य बिन्दु

- मेक्सिको के राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवार- सत्तारूढ़ मॉरेना पार्टी की क्लाउडिया शिएनबाम, विपक्षी पार्टी के उम्मीदवार ज़ोचिटल गैल्वेज़ और जॉर्ज अल्वारेज़ मेनेज़ थे।
- 61 वर्षीय क्लाउडिया शिएनबाम एक जलवायु कार्यकर्ता और मेक्सिको सिटी की पूर्व मेयर हैं। वह मेक्सिको की राष्ट्रपति बनने वाली पहली यहूदी हैं जबकि यहाँ मुख्य रूप से कैथोलिक ईसाई रहते हैं।
- क्लाउडिया शिएनबाम मेक्सिको के वर्तमान राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर की जगह लेंगी। ओब्रेडोर एक वामपंथी नेता हैं और नरेंद्र मोदी के बाद दुनिया के दूसरे सबसे लोकप्रिय नेता माने जाते हैं।
- वर्तमान राष्ट्रपति आंद्रेस ओब्रेडोर चुनाव लड़ने में असमर्थ थे क्योंकि मेक्सिको के संविधान में प्रावधान है कि एक व्यक्ति केवल एक बार ही राष्ट्रपति बन सकता है।

मेक्सिको: एक दृष्टि

- मेक्सिको का आधिकारिक नाम यूनाइटेड मैक्सिकन स्टेट्स है। यह उत्तरी अमेरिका में स्थित है, लेकिन सांस्कृतिक रूप से इसे लैटिन अमेरिका का हिस्सा माना जाता है। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी है। यहाँ दुनिया की सबसे बड़ी स्पेनिश भाषी आबादी है। मेक्सिको की की मुद्रा मैक्सिकन पेसो है।

हल्ला टॉमसडॉटिर आइसलैंड की सातवीं राष्ट्रपति चुनी गई

- व्यवसायी और निवेशक हल्ला टॉमसडॉटिर को आइसलैंड की सातवीं राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है।
- वह 1 अगस्त 2024 को मौजूदा राष्ट्रपति गुआना जोहानसन की जगह लेंगी।
- आइसलैंड के राष्ट्रपति का कार्यकाल चार वर्ष का होता है। आइसलैंड में राष्ट्रपति चुनाव 1 जून 2024 को हुआ था।
- आइसलैंड एक संसदीय लोकतंत्र है और राष्ट्रपति का पद काफी हद तक औपचारिक है। वास्तविक कार्यकारी शक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद के पास है।
- आइसलैंड उत्तरी अटलांटिक में स्थित एक नॉर्डिक द्वीप राष्ट्र है, जिसकी आबादी 384,000 है।
- विगदिस फिनबोगाडॉटिर आइसलैंड की पहली निर्वाचित महिला राष्ट्रपति थीं।

शेख सबा खालिद अल सबा को कुवैत के शासक अमीर ने नया क्राउन प्रिंस नियुक्त किया है।

- शेख सबा ने पहले कुवैत में प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया था।
- शेख मेशल अल अहमद अल जाबेर कुवैत के शासक अमीर हैं। उन्होंने गद्दी संभालने के लगभग छह महीने बाद नए क्राउन प्रिंस की नियुक्ति की।
- शेख मेशल ने हाल ही में संसद को चार साल के लिए भंग कर दिया। अमीर राज्य का मुखिया होता है।
- कुवैत में दुनिया का छठा सबसे बड़ा ज्ञात तेल भंडार है। यह फारस की खाड़ी के सिरे पर स्थित है।
- इसके उत्तर में इराक और दक्षिण में सऊदी अरब की सीमा है। यह ईरान के साथ समुद्री सीमा भी साझा करता है। इसकी राजधानी कुवैत सिटी है।

जॉर्जिया में भारतीय-अमेरिकी सुहास सुब्रमण्यम ने डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल प्राइमरी में जीत हासिल की।

- भारतीय-अमेरिकी सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया कांग्रेस सीट के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीतने के लिए साथी भारतीय-अमेरिकी क्रिस्टल कौल सहित ग्यारह अन्य उम्मीदवारों को हराया।
- सुब्रमण्यम 2019 में वर्जीनिया महासभा और 2023 में वर्जीनिया राज्य सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी, दक्षिण एशियाई और हिंदू थे।
- सुब्रमण्यम वर्जीनिया के 10वें कांग्रेस जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ रहे थे, जहां बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी आबादी है।

- 2023 में, इसकी वर्तमान प्रतिनिधि, डेमोक्रेटिक कांग्रेसवुमन जेनिफर वेक्सटन ने घोषणा की कि वह इस सीट के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी।
- सुब्रमण्यम का जन्म ह्यूस्टन में भारतीय-अमेरिकी माता-पिता के घर हुआ था, जो बेंगलुरु से संयुक्त राज्य अमेरिका में आकर बस गए थे।
- उन्हें 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा व्हाइट हाउस प्रौद्योगिकी नीति सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था।

लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज़-ज़मान को बांग्लादेश का नया सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है।

- लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज़-ज़मान बांग्लादेश के नए सेना प्रमुख होंगे।
- वे 23 जून को तीन साल के लिए कार्यभार संभालेंगे।
- ज़मान वर्तमान में बांग्लादेश सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ़ के रूप में कार्यरत हैं। वे जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद का स्थान लेंगे।
- वाकर-उज़-ज़मान को 1985 में इन्फैंट्री कोर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।
- ज़मान सैन्य अभियानों, सैन्य इंटेलिजेंस, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मामलों और बजट के साथ-साथ अन्य सैन्य-संबंधित मुद्दों की देखरेख करेंगे।
- उन्होंने चेयरमैन के रूप में बांग्लादेश नेशनल अथॉरिटी फॉर केमिकल वेपन्स कन्वेंशन का भी नेतृत्व किया हैं।
- वह बांग्लादेश डिफेंस सर्विसेज कमांड के पूर्व छात्र हैं।

ज्योति विज को फिक्की का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

- ज्योति विज ने तत्काल प्रभाव से फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की) के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है।
- विज वर्तमान में फिक्की में अतिरिक्त महानिदेशक हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है।
- शैलेश पाठक ने व्यक्तिगत कारणों से फिक्की के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की):

- इसकी स्थापना 1927 में जी.डी. बिड़ला और पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास की सलाह पर की गई थी।
- इसका प्राथमिक लक्ष्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय व्यवसायों के हितों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- यह भारत का सबसे बड़ा, सबसे पुराना और सर्वोच्च व्यापारिक गैर-सरकारी व्यापार संघ है।

रूसी अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में 1,000 दिन बिताने वाले पहले व्यक्ति बन गए।

- 2008 से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की पांच यात्राएं कर चुके ओलेग कोनोनेंको ने 4 जून को यह उपलब्धि हासिल की।
- 15 सितंबर, 2023 को, आईएसएस की उनकी वर्तमान यात्रा शुरू हुई, जब उन्होंने नासा के अंतरिक्ष यात्री लोरल ओ'हारा और उनके हमवतन निकोलाई चुब के साथ अंतरिक्ष में उड़ान भरी।
- फरवरी 2024 में, कोनोनेंको ने पहली बार कुल अंतरिक्ष समय रिकॉर्ड बनाया जब उन्होंने 2015 में साथी रूसी गेन्नेडी पडल्का द्वारा निर्धारित 878 दिन, 11 घंटे, 29 मिनट और 48 सेकंड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।
- 23 सितंबर, 2024 को, यदि कोनोनेंको का मिशन निर्धारित समय पर समाप्त हो जाता है, तो वह कक्षा में कुल 1,110 दिन बिता चुके होंगे।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन उन कुछ क्षेत्रों में से एक है जिसमें फरवरी 2022 में मास्को के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भी संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस अभी भी निकटता से सहयोग कर रहे हैं।
- दिसंबर में, रोस्कोस्मोस ने घोषणा की कि अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस तक पहुंचाने के लिए नासा के साथ उसके क्रॉस-फ़्लाइट कार्यक्रम को 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

चंद्रयान-1 मिशन डायरेक्टर श्रीनिवास हेगड़े का निधन

- भारत के पहले चंद्र मिशन चंद्रयान-1 Chandrayaan-1) के मिशन डायरेक्टर श्रीनिवास हेगड़े का बेंगलुरु में निधन हो गया।
- श्री हेगड़े तीन दशक से अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो) से जुड़े रहे। वह इसरो द्वारा किए गए कई ऐतिहासिक मिशनों से जुड़े रहे और उनमें से उल्लेखनीय 2008 में लॉन्च किया गया चंद्रयान-1 था।

चंद्रयान-1 मिशन

- भारत के पहले चंद्र मिशन चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की पथप्रदर्शक खोज की थी।
- भारत का पहला चंद्रमा मिशन चंद्रयान-1 PSLV-C11 लॉन्च व्हीकल से 22 अक्टूबर, 2008 को SHAR, श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था।
- यह अंतरिक्ष यान चन्द्रमा की सतह से 100 किमी की ऊंचाई पर चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा था।
- यह अंतरिक्ष यान भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन और बुल्गारिया में निर्मित 11 वैज्ञानिक उपकरणों को भी अपने साथ ले गया था।
- इस मिशन ने चंद्रमा के चारों ओर 3400 से अधिक परिक्रमाएँ कीं और 29 अगस्त, 2009 को अंतरिक्ष यान के साथ संचार टूटने पर मिशन समाप्त हो गया।

रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव का निधन

- रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव का 8 जून को निधन हो गया। वे 87 साल के थे। रामोजी राव का पूरा नाम चेरुकुरी रामोजी राव था। उनका जन्म 16 नवंबर 1936 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पेडापरुपुडी गांव में एक किसान परिवार में हुआ था।
- रामोजी राव ने 1962 में रामोजी ग्रुप की नींव रखी थी, जिसमें हैदराबाद स्थित दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो रामोजी

फिल्म सिटी, उषा किरण मूवीज, मयूरी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, मार्गदर्शी चिट फंड और डॉल्फिन ग्रुप ऑफ होटल्स शामिल हैं।

- रामोजी को पत्रकारिता, साहित्य और शिक्षा में उनके योगदान के लिए 2016 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।
- रामोजी फिल्म सिटी का नाम गिनीज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के सबसे बड़े फिल्म स्टूडियो कॉम्प्लेक्स के तौर पर शामिल है।
- उन्होंने ईटीवी नेटवर्क भी शुरू किया, जिसके कई चैनल आठ भाषाओं में प्रसारित होते हैं: तेलुगु, बांग्ला, मराठी, कन्नड़, उड़िया, गुजराती, उर्दू और हिंदी।

सरोद वादक पंडित राजीव तारानाथ का 11 जून को मैसूर में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- पंडित राजीव तारानाथ ने उस्ताद अली अकबर खान से संगीत की शिक्षा प्राप्त की और अपना जीवन संगीत को समर्पित कर दिया।
- वह कदावु और कंचनसीथा जैसी मलयालम फिल्मों के अलावा कई कन्नड़ फिल्मों के संगीत निर्देशक भी थे, जिनमें संस्कार, पल्लवी, अनुरूपा, पेपर बोट्स और अगुंथका शामिल हैं।
- सेनिया मैहर घराने के प्रख्यात कलाकार पंडित तारानाथ को 2019 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री और 2000 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वन्यजीव संरक्षणवादी एजेटी जॉन सिंह का निधन

- प्रतिष्ठित भारतीय वन्यजीव संरक्षणवादी और जीवविज्ञानी असीर जवाहर थॉमस जॉन सिंह एजेटी जॉन सिंह) का 7 जून 2024 को बेंगलुरु में निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। उन्हें भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार -पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

9 चर्चित स्थल

स्मृतिवन भुज को प्रिक्स वर्सेल्स संग्रहालय के वर्ल्ड सिलेक्शन 2024 के लिए चुना गया

- भुज गुजरात) स्थित स्मृतिवन भूकंप स्मारक संग्रहालय को प्रिक्स वर्सेल्स संग्रहालय 2024 Prix Versailles Museums 2024) के लिए वर्ल्ड सिलेक्शन World Selection for the Prix Versailles Museums 2024 में शामिल किया गया।
- स्मृतिवन को यूनेस्को द्वारा प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेल्स पुरस्कार के लिए सात सबसे खूबसूरत संग्रहालयों में से एक के रूप में चुना गया है।
- कच्छ में स्थित स्मृतिवन 2001 के भूकंप में मरे गए लोगों की स्मृति में बनाया गया है
- स्मृतवन 470 एकड़ से अधिक के विशाल क्षेत्र में बना है।
- यह भुज में एक छोटी पहाड़ी – भुजियो डूंगर – पर स्थित है। यहां 3 लाख से अधिक पौधों लगाए गए हैं। इस तरह यह दुनिया के सबसे बड़े मियावाकी वन भी है।

प्रिक्स वर्सेल्स के बारे में

- वर्ष 2015 से यूनेस्को द्वारा हर साल घोषित किया जाने वाला प्रिक्स वर्सेल्स वास्तुकला वास्तव में एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा है जिसमें दुनिया भर में बेहतरीन समकालीन प्रोजेक्ट्स पर प्रकाश डालती है।
- चयनित स्थलों में से चौबीस को वर्ल्ड टाइटल्स प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार हवाई अड्डों, परिसरों, यात्री स्टेशनों, खेल, संग्रहालयों, एम्पोरियम, होटलों और रेस्तरां की श्रेणियों में दिए जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय Nalanda University) के नए परिसर का उद्घाटन किया।
- इस विश्वविद्यालय की परिकल्पना भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन ईएएस) देशों के बीच सहयोग के रूप में की गई है। नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में 40 कक्षाओं के साथ दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं, जिनकी कुल बैठने की क्षमता लगभग 1900 है।
- नया परिसर एक 'नेट ज़ीरो' ग्रीन कैंपस है। यह सोलर प्लांट, घरेलू और पेयजल उपचार संयंत्र, अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के लिए जल पुनर्चक्रण संयंत्र, 100 एकड़ जल निकाय और कई अन्य पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं के साथ आत्मनिर्भर है।
- नया विश्वविद्यालय का इतिहास से गहरा नाता है।

मूल नालंदा विश्वविद्यालय

- लगभग 1600 साल पहले स्थापित मूल नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के पहले आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है।
- प्राचीन नालंदा महाविहार में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ईस्वी तक के विहार या भिक्षु आवास और शैक्षणिक संस्थान के पुरातात्विक अवशेष शामिल थे।
- नालंदा के खंडहरों को 2016 में संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थल घोषित किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर ट्रेन का ट्रायल हुआ

- भारतीय रेलवे ने 17 जून को दुनिया के सबसे ऊंचे स्टील आर्च रेल पुल, चिनाब ब्रिज को पार करते हुए संगलदान से रियासी तक एक इलेक्ट्रिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया।
- जम्मू और कश्मीर में बनाये गए चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी ऊंचा है।
- यह पुल उधमपुर श्रीनगर बारामुल्ला रेल लिंक USBRL परियोजना का हिस्सा है।
- जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में चेनाब नदी की रिज पर बना चेनाब ब्रिज चिनाब नदी की धारा से 359 मीटर लगभग 1,178 फीट) की ऊंचाई पर है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है।
- इस सबसे ऊंचे रेलवे पुल का निर्माण हाल के इतिहास में भारत में किसी भी रेलवे परियोजना के सामने सबसे बड़ी सिविल-इंजीनियरिंग चुनौती थी।
- एक बार पूरा हो जाने पर, यह पुल 260 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवाओं का सामना करने में सक्षम होगा और इसका जीवनकाल 120 साल होगा।

मध्य प्रदेश में 'पीएम श्री पर्यटन हवाई सेवा' का उद्घाटन

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अंतर-राज्य हवाई सेवा सुविधा 'पीएम श्री पर्यटन हवाई सेवा' का उद्घाटन किया। पीएम श्री पर्यटन हवाई सेवा एक अंतर्राज्यीय हवाई सेवा है जो राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़ती है।

लद्दाख में लोकप्रिय हेमिस महोत्सव शुरु

- लद्दाख में, लोकप्रिय हेमिस महोत्सव 16 जून से शुरु हो रहा है। यह उत्साव गुरु पद्मसंभव की जयंती पर आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर प्रार्थना की जाती है, मुखौटा नृत्य किए जाते हैं। महोत्सहव को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश से लोग लद्दाख पहुंचते हैं।

कोझिकोड को भारत का पहला यूनेस्को 'सिटी ऑफ लिटरेचर' घोषित किया गया

- केरल के कोझिकोड को 23 जून को औपचारिक रूप से भारत का पहला यूनेस्को 'सिटी ऑफ लिटरेचर' घोषित किया गया।
- इस अवसर पर केरल सरकार ने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक वर्ष 23 जून को 'सिटी ऑफ लिटरेचर दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- अक्टूबर 2023 में, कोझिकोड ने यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क UCCN की 'साहित्य' श्रेणी में जगह बनाई।
- इस अवसर पर केरल के पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने यूनेस्को द्वारा 'सिटी ऑफ लिटरेचर' के लोगो का अनावरण किया।
- कोझिकोड एक ऐसा शहर है जहाँ 500 से अधिक पुस्तकालय हैं, और यह कई दशकों से प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम टी वासुदेवन नायर की साहित्यिक गतिविधियों का आधार रहा है।
- भारत से ग्वालियर और कोझिकोड उन 55 नए शहरों में शामिल हैं जो UCCN में शामिल हुए हैं। मध्य प्रदेश के ग्वालियर ने 'म्यूजिक' श्रेणी में इस सूची में जगह बनाई है।
- यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) के बारे में
- यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) की स्थापना 2004 में उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी, जिन्होंने क्रिएटिविटी को सस्टेनेबल शहरी विकास का तरीका अपनाया है।
- नए शहरों के शामिल होने के साथ, UCCN में अब सौ से अधिक देशों के 350 शहर शामिल हैं। ये शहर सात क्रिएटिव क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये हैं; शिल्प और लोक कला, डिजाइन, फिल्म, गैस्ट्रोनॉमी, साहित्य, मीडिया आर्ट्स तथा संगीत।

कोझिकोड

- पहले, कोझिकोड को ज़मोरिन के शहर के रूप में जाना जाता था। ब्रिटिश शासन के दौरान इसे कालीकट के नाम से भी जाना जाता था।
- यह शहर सदियों पहले फारसियों, अरबों, चीनी और अंततः यूरोपीय लोगों जैसे कई विदेशियों के लिए तट के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता था।
- पूर्वी मसालों के प्रमुख व्यापारिक बिंदु के रूप में अपनी भूमिका के लिए कोझिकोड को "मसालों का शहर" कहा जाता था।
- पुर्तगाली नाविक वास्को डी गामा ने 20 मई 1498 को कोझिकोड में लंगर डाला, इस प्रकार यूरोप और मालाबार के बीच एक व्यापार मार्ग खुल गया। कोझिकोड में एक पुर्तगाली फैक्ट्री और किला थोड़े समय के लिए 1511-1525, कालीकट के पतन तक) संचालित हुआ।
- 7 जून 2012 को, कोझिकोड को शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न वास्तुशिल्प मूर्तियों के कारण "मूर्तियों का शहर" शिल्प नगरम) का टैग दिया गया था।
- यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) में शामिल भारतीय शहर
- कोझिकोड: सिटी ऑफ़ लिटरेटर
- ग्वालियर: सिटी ऑफ़ म्यूजिक
- श्रीनगर: शिल्प और लोक कला का शहर
- हैदराबाद: पाककला का शहर सिटी ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी)
- मुंबई: फ़िल्मी शहर
- चेन्नई: सिटी ऑफ़ म्यूजिक
- वाराणसी: सिटी ऑफ़ म्यूजिक
- जयपुर: शिल्प और लोक कला का शहर

वर्ल्ड क्राफ्ट कॉउंसिल श्रीनगर को 'विश्व शिल्प शहर' का दर्जा दिया

- विश्व शिल्प परिषद World Craft Council: (WCC) ने जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर को 'विश्व शिल्प शहर' (World Craft City) का दर्जा दिया गया है। ऐसा दर्जा प्राप्त करने वाला श्रीनगर चौथा भारतीय शहर है।
- जयपुर, मलप्पुरम और मैसूर अन्य भारतीय शहर हैं जिन्हें पहले विश्व शिल्प शहरों के रूप में मान्यता दी गई है।
- जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने 2021 में श्रीनगर को विश्व शिल्प शहर के रूप में मान्यता देने के साथ-साथ यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क के रूप में मान्यता देने के लिए आवेदन किया था।
- अब तक, श्रीनगर और उसके उपनगरों में शिल्प कौशल के कम से कम 10 अलग-अलग रूप मौजूद हैं, जिनमें पेपर-मैचे, अखरोट की लकड़ी की नक्काशी walnut wood carving), कालीन, सोज़नी कढ़ाई (Sozni embroidery) और पश्मीना और कानी शॉल (Kani shawls) शामिल हैं।
- बता दें कि 2021 में, श्रीनगर ने शिल्प और लोक कला के तहत यूनेस्को क्रिएटिव सिटी का खिताब भी अर्जित किया था अर्थात इसे यूनेस्को सिटी ऑफ़ क्राफ्ट एंड फोक आर्ट्स में शामिल किया गया था।

कोयला मंत्रालय ने झारखंड में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए भारत की पहली पायलट परियोजना शुरू की

- ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ईसीएल) ने झारखंड के जामताड़ा जिले के कास्ता कोल ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण Underground Coal Gasification: UCG) के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की है।
- यह झारखंड में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए भारत की पहली पायलट परियोजना है।
- इस परियोजना का उद्देश्य कोयला उद्योग में क्रांति लाना है, इसके लिए इन-सीटू खदान के पास) कोल गैसीकरण का उपयोग करके इसे मीथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी मूल्यवान गैसों में परिवर्तित करना है।
- इन गैसों का उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, ईंधन, उर्वरक, विस्फोटक और अन्य औद्योगिक गतिविधियों के लिए रासायनिक फीडस्टॉक्स के उत्पादन के लिए किया जा सकता है।
- भूमिगत कोयला गैसीकरण प्रक्रिया से उन कोयला संसाधनों का भी उपयोग किया जा सकता है जिन्हें पारंपरिक खनन तकनीकों से उपयोग करना लाभकारी नहीं है।
- बता दें कि दिसंबर, 2015 में, कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट युक्त क्षेत्रों में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए एक व्यापक पॉलिसी फ्रेमवर्क को मंजूरी दी।
- भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक 100 मिलियन टन MT) कोयला गैसीकरण करना है, जिसमें 4 ट्रिलियन रुपये से अधिक का निवेश होगा।
- भारत में गैसीकरण तकनीक को अपनाने से कोयला क्षेत्र में क्रांति आएगी, जिससे प्राकृतिक गैस, मेथनॉल, अमोनिया और अन्य आवश्यक उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी।

- कोयला गैसीकरण के माध्यम से अमोनिया का उत्पादन किया जा सकता है क्योंकि चीन अपने 90% से अधिक अमोनिया का उत्पादन कोयला गैसीकरण के माध्यम से करता है। गैसीकरण तकनीक के माध्यम से कोयले से मेथनॉल का उत्पादन किया जा सकता है।

लद्दाख ने उल्लास ULLAS) योजना के अंतर्गत पूर्ण फंक्शनल साक्षरता हासिल की

- लद्दाख, उल्लास/ULLAS-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पूर्ण फंक्शनल साक्षरता हासिल करने वाली पहली प्रशासनिक इकाई बन गई है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख ने 97% साक्षरता को पार कर लिया है।
- उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम या न्यू इंडिया साक्षरता कार्यक्रम NILP), 2022-2027 तक कार्यान्वित केंद्र प्रायोजित योजना है।
- यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की सिफारिशों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य सभी पृष्ठभूमियों से 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के उन वयस्कों को सशक्त बनाना है, जो उचित स्कूली शिक्षा नहीं प्राप्त कर सके और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना है ताकि वे देश की विकास यात्रा में अधिक योगदान दे सकें।
- इसमें पाँच प्रमुख घटक शामिल हैं: मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और सतत शिक्षा।
- उल्लास योजना का दृष्टिकोण "भारत जन जन साक्षर" बनाना है। देश भर में इस कार्यक्रम से 77 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं, तथा उल्लास मोबाइल ऐप से 1।29 करोड़ से अधिक शिक्षार्थी और 35 लाख स्वयंसेवी शिक्षक जुड़े हैं।

10 महत्वपूर्ण तथ्य

शिक्षा मंत्रालय ने प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार के लिए सात सदस्यीय पैनल को अधिसूचित किया है।

- पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता करेंगे।
- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एनटीए) के माध्यम से परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए समिति का गठन किया गया है।
- समिति परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र, एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली में सुधार और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार पर सिफारिशें देगी।
- समिति दो महीने के भीतर शिक्षा मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट देगी।
- समिति के अन्य छह सदस्य नीचे दिए गए हैं।
    - एम्स-दिल्ली के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया
    - हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति बी।जे। राव
    - आईआईटी-मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस के। राममूर्ति
    - पीपल स्ट्रॉन्ग के सह-संस्थापक और कर्मयोगी भारत बोर्ड के सदस्य पंकज बंसल
    - आईआईटी-दिल्ली के छात्र मामलों के डीन आदित्य मित्तल
    - शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल

एनवीडिया दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई

- एनवीडिया ने दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में माइक्रोसॉफ्ट का स्थान लिया है।
- इसका बाजार पूंजीकरण बढ़कर $3.335 ट्रिलियन हो गया। माइक्रोसॉफ्ट का शेयर बाजार मूल्य $3.317 ट्रिलियन था।
- इससे पहले, इसने आईफोन निर्माता एप्पल को पीछे छोड़ दिया और दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। एप्पल का शेयर बाजार मूल्य $3.286 ट्रिलियन था।
- इसके अलावा, एनवीडिया वॉल स्ट्रीट की सबसे अधिक कारोबार वाली कंपनी के रूप में उभरी है।
- एलएसईजी डेटा के अनुसार, हाल ही में इसका औसत दैनिक कारोबार $50 बिलियन था।
- एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट और टेस्ला का औसत दैनिक कारोबार लगभग $10 बिलियन था।
- वर्तमान में, एस-पी500 कंपनियों में सभी ट्रेडों का 16% एनवीडिया द्वारा किया जाता है।
- सिर्फ़ नौ महीनों में, कंपनी का बाज़ार मूल्य फ़रवरी में $1 ट्रिलियन से बढ़कर $2 ट्रिलियन हो गया, और जून में $3 ट्रिलियन तक पहुँचने में इसे तीन महीने से थोड़ा ज़्यादा समय लगा।
- एनवीडिया एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन और प्रौद्योगिकी कंपनी है।

11 इंडेक्स एवं रिपोर्ट्स

ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2024: भारत 129वें स्थान पर

- विश्व आर्थिक मंच WEF) ने 12 जून को वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2024 Global Gender Gap index 2024) जारी किया। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2024 में भारत दो पायदान फिसलकर 129वें स्थान पर आ गया है। 2023 में भारत 127वें स्थान पर था।
- इस रैंकिंग में आइसलैंड ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।
- दक्षिण एशिया में, भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान के बाद पांचवें स्थान पर था, जबकि पाकिस्तान अंतिम स्थान पर था। वैश्विक स्तर पर, सूडान 146 देशों के सूचकांक में अंतिम स्थान पर था।
- भारत ने माध्यमिक शिक्षा में नामांकन के मामले में सबसे अच्छी लैंगिक समानता दिखाई, जबकि इसने वैश्विक स्तर पर महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण पर अच्छा प्रदर्शन किया और 65वें स्थान पर रहा।
- पिछले 50 वर्षों से महिला राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों की संख्या के मामले में भारत 10वें स्थान पर था। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत ने 2024 में अपने जेंडर गैप यानी लैंगिक असमानता को का 64.1% पाट लिया है।
- ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स सालाना चार प्रमुख आयामों आर्थिक भागीदारी और अवसर; शैक्षिक प्राप्ति; स्वास्थ्य और उत्तरजीविता, और राजनीतिक सशक्तीकरण) में लैंगिक समानता की वर्तमान स्थिति और विकास को मापता है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम इसे 2006 से प्रकाशित कर रहा है।

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2024

- पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक Environmental Performance Index: EPI) 2024 SDGs, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के लक्ष्यों और कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क GBF) के लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को ट्रैक करता है।
- EPI 2024 11 मुद्दों की श्रेणियों में 58 संकेतकों के आधार पर जलवायु परिवर्तन को कम करने, पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में प्रगति के आधार पर 180 देशों को रैंक करता है।
- एस्टोनिया इस साल की रैंकिंग में सबसे आगे है, जिसका मुख्य कारण तेल शेल पावर प्लांट्स को क्लीनर ऊर्जा स्रोतों से बदलना है।
- रैंकिंग से पता चलता है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में उत्सर्जन बहुत धीमी गति से कम हो रहा है या बढ़ भी रहा है। उदाहरण के लिए, अमेरिका 34वें स्थान पर है। रूसी संघ 84वें स्थान पर है। चीन और भारत क्रमशः 154वें और 176वें स्थान पर हैं।
- येल विश्वविद्यालय में पर्यावरण कानून और नीति के लिए येल केंद्र और कोलंबिया विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान सूचना नेटवर्क के लिए केंद्र ने मैककॉल मैकबेन फाउंडेशन के सहयोग से पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक EPI) 2024 विकसित किया है।

ग्लोबल एनर्जी ट्रांजीशन इंडेक्स 2024 में भारत को 63वां स्थान

- विश्व आर्थिक मंच World Economic Forum) द्वारा 19 जून को जारी ग्लोबल एनर्जी ट्रांजीशन इंडेक्स 2024 global Energy Transition Index: GETI) में भारत को 63वां स्थान दिया गया है।
- स्वीडन सूचकांक में शीर्ष स्थान पर रहा, जिसके बाद डेनमार्क, फिनलैंड, स्विट्जरलैंड और फ्रांस की रैंकिंग है।
- चीन 20वें स्थान पर रहा।
- ग्लोबल एनर्जी ट्रांजीशन इंडेक्स 120 देशों को उनके वर्तमान ऊर्जा प्रणाली के प्रदर्शन तथा उनके ग्रीन एनर्जी अपनाने की तत्परता के आधार पर मापता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा और बायोमास भारत मे बिजली उत्पादन क्षमता का 42% हिस्सा हैं, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा नवीकरणीय बाजार बन जाता है।
- भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, 1.7 टन CO2 है, जो पहले से ही प्रति व्यक्ति 4.4 टन CO2 के वैश्विक औसत से 60% कम है।

एफडीआई प्रवाह के मामले में भारत 2022 में 8वें स्थान से फिसल कर 2023 में 15वें स्थान पर आ गया।

- भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई) प्रवाह 2023 में 43% घटकर 28 बिलियन डॉलर हो जाएगा।
- भारत दोनों तरह के एफडीआई- ग्रीनफील्ड परियोजनाओं और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों के लिए शीर्ष पांच में बना रहा।
- 2022 में, भारत का एफडीआई प्रवाह 10 प्रतिशत बढ़कर 49 बिलियन डॉलर हो गया था।
- भारत 2023 में ग्रीनफील्ड परियोजना घोषणाओं के लिए चौथा सबसे बड़ा मेजबान देश बनकर उभरा।
- फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, चीन, अमेरिका और भारत ने एफडीआई प्रवाह में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की।
- यूएनसीटीएडी के अनुसार, बहुराष्ट्रीय उद्यमों के वित्तीय लेनदेन से विकसित देश बहुत प्रभावित हुए हैं।
- एशिया में, एफडीआई 8 प्रतिशत घटकर 621 बिलियन डॉलर रह गया। चीन दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा एफडीआई प्राप्तकर्ता बना हुआ है।
- भारत ने बांग्लादेश, चीन, सिंगापुर और थाईलैंड के साथ मिलकर बैंकिंग उद्योग को समर्थन देने के लिए नीतियां जारी कीं।

2023 में रैंक	देश	एफडीआई प्रवाह 2023 बिलियन डॉलर)
1	अमेरिका (1)	311
2	चीन (2)	163
3	सिंगापुर (3)	160
4	हांगकांग, चीन (4)	113
5	ब्राजील (6)	66
15	भारत (8)	28

विश्व निवेश रिपोर्ट 2024

- संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास UNCTAD) ने "विश्व निवेश रिपोर्ट 2024" World Investment Report 2024) जारी की।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- 2023 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश FDI) 43 प्रतिशत घटकर 28 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें 2 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- FDI आने के मामले में भारत 2022 में 8वें स्थान से 2023 में 15वें स्थान पर आ गया, लेकिन यह दोनों तरह के FDI – ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों के मामले में शीर्ष-5 में बना रहा।
- 2022 में, भारत में FDI 10 प्रतिशत बढ़कर 49 बिलियन डॉलर हो गया।
- आर्थिक मंदी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच 2023 में वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश FDI) 2% घटकर 1.3 ट्रिलियन डॉलर रह गया।
- FDI ऑउटफ्लो यानी बाहर जाने के मामले में, भारत की रैंक 2022 में 23वें स्थान से बढ़कर 2023 में 20वें स्थान पर पहुंच गई।
- शीर्ष-20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में, FDI फ्लो में सबसे बड़ी गिरावट फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, चीन, अमेरिका और भारत में दर्ज की गई।
- रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि व्यापार सुविधा और डिजिटल सरकारी समाधान पारदर्शी और सुव्यवस्थित वातावरण बनाकर निवेश में कमी की समस्या को दूर किया जा सकता है।

SIPRI ईयर बुक 2024: भारत के पास पाकिस्तान से अधिक परमाणु हथियार

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट SIPRI) ईयर बुक 2024 के अनुसार, भारत के पास पाकिस्तान से अधिक परमाणु हथियार हैं, जबकि चीन ने अपने परमाणु शस्त्रागार को जनवरी 2023 में 410 वारहेड से बढ़ाकर जनवरी 2024 तक 500 कर लिया है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- चीन का परमाणु शस्त्रागार जनवरी 2023 में 410 वारहेड से बढ़कर जनवरी 2024 में 500 हो गया है, और इसके बढ़ते रहने की उम्मीद है।
- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजरायल सहित नौ परमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों ने अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण जारी रखा, और उनमें से कई ने 2023 में नए परमाणु-सक्षम हथियार प्रणालियों को तैनात किया।
- जनवरी 2024 में भारत के "संग्रहीत" परमाणु हथियार 172 थे, जबकि पाकिस्तान के लिए यह संख्या 170 थी। भारत ने 2023 में अपने परमाणु शस्त्रागार का थोड़ा विस्तार किया, भारत और पाकिस्तान दोनों ने 2023 में नए प्रकार के परमाणु वितरण प्रणालियों को विकसित करना जारी रखा।
- जहां पाकिस्तान भारत के परमाणु निवारक का मुख्य केंद्र बना हुआ है, भारत लंबी दूरी के हथियारों पर अधिक जोर दे रहा है, जिसमें पूरे चीन को टारगेट करने में सक्षम हथियार भी शामिल हैं।
- विश्व में तैनात किए गए लगभग 2,100 हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन अलर्ट की स्थिति में रखा गया था, और उनमें से लगभग सभी रूस या अमेरिका के थे।
- रूस और अमेरिका के पास कुल परमाणु हथियारों का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है।
- ऐसा अनुमान है कि रूस ने जनवरी 2023 की तुलना में परिचालन बलों के साथ लगभग 36 अधिक परमाणु वारहेड तैनात किए हैं।

टाइम्स मैगजीन ग्लोबल 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों में तीन भारतीय कॉम्पनी

- वार्षिक टाइम्स मैगजीन ग्लोबल 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों 2024 में तीन भारतीय कंपनियों-रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आरआईएल), टाटा ग्रुप और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को शामिल किया गया है। यह वार्षिक टाइम्स मैगजीन ग्लोबल 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों का चौथा संस्करण था। पहला संस्करण 2021 में अमेरिकन टाइम पत्रिका द्वारा प्रकाशित किया गया था।

SBI बाजार पूंजीकरण में आठ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने वाली भारत की सातवीं कंपनी

- भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई), बाजार पूंजीकरण में आठ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने वाली भारत की सातवीं सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। 3 जून 2024 को एसबीआई के शेयर 899.55 रुपये की नई ऊंचाई यह उपलब्धि प्राप्त की। इस उपलब्धि को हासिल करने में एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

भारतीय घरेलू इक्विटी बाजार ने एक बार फिर हांगकांग को पीछे छोड़ दिया है और चौथा सबसे बड़ा वैश्विक बाजार बन गया है।

- भारत का बाजार पूंजीकरण 10% बढ़कर $5.2 ट्रिलियन या 435 ट्रिलियन रुपये बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियां) हो गया है।
- हांगकांग का एमकैप $5.17 ट्रिलियन है। यह इस साल के उच्चतम $5.47 ट्रिलियन से 5.4% कम है।
- भारत ने जनवरी में पहली बार हांगकांग के बाजार मूल्य को पीछे

छोड़ दिया है।

- हांगकांग का बाजार पूंजीकरण इस साल के निम्नतम $4.3 ट्रिलियन से 27% तक बढ़ गया।

एमकैप ($ ट्रिलियन)	
विश्व	118.4
यूएस	56.49
चीन	8.84
जापान	6.30
भारत	5.20
हांगकांग	5.17
फ्रांस	3.28
यूके	3.23
स्रोत: ब्लूमबर्ग	

कंटेनर पोर्ट परफॉरमेंस CPP) इंडेक्स 2023

- 'कंटेनर पोर्ट परफॉरमेंस CPP) इंडेक्स 2023' विश्व बैंक और S&P ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस द्वारा जारी किया गया। कंटेनर पोर्ट परफॉरमेंस इंडेक्स के नवीनतम संस्करण में भारत के नौ बंदरगाहों ने विश्व के टॉप 100 बंदरगाहों में जगह बनाई है।
- विशाखापत्तनम पोर्ट ने 2023 में दुनिया के शीर्ष 20 बंदरगाहों में 19वें स्थान पर जगह बनाई, जबकि मुंद्रा पोर्ट भी मौजूदा रैंकिंग में 27वें स्थान पर पहुंच गया।
- वैश्विक कंटेनर पोर्ट प्रदर्शन सूचकांक एक बेहतर पोर्ट का बेंचमार्क है जो उत्पादकता, दक्षता और विश्वसनीयता जैसे मापदंडों पर बंदरगाहों के प्रदर्शन का आकलन करता है।
- यह व्यापार, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सेवाओं के राष्ट्रीय सरकारों, बंदरगाह प्राधिकरणों, विकास एजेंसियों, सुपर-नेशनल संगठनों और निजी ऑपरेटरों सहित प्रमुख हितधारकों के लिए एक संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करता है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025

- आईआईटी बॉम्बे क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में 31 पायदान ऊपर चढ़कर 118वें स्थान पर पहुंच गया है।
- 100 में से 56.3 के कुल स्कोर के साथ, आईआईटी बॉम्बे क्वाक्वेरेली साइमंड्स क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में पिछले साल के 149वें स्थान से इस साल 118वें स्थान पर काफी ऊपर पहुंच गया है।
- इन रैंकिंग में भाग लेना शुरू करने के बाद से यह पहली बार है कि आईआईटी बॉम्बे को शीर्ष 150 संस्थानों में स्थान दिया गया है।
- इस साल आईआईटी दिल्ली को भी 150वां स्थान मिला है।
- अमेरिका स्थित मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी) ने लगातार बारहवें साल रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है।
- एमआईटी के बाद ब्रिटेन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी है।

ग्लोबल डेटा ऑन वीमेन लीडर्स 2024

- यूएन वूमेन की "ग्लोबल डेटा ऑन वीमेन लीडर्स 2024" रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 113 देशों में कभी भी कोई महिला शासनाध्यक्ष या राष्ट्राध्यक्ष नहीं रही है, और वर्तमान में केवल 26 देशों का नेतृत्व महिलाओं के हाथ में है।
- यह डेटा रिपोर्ट 24 जून को "कूटनीति में महिलाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस International Day for Women in Diplomacy)" के अवसर पर जारी किया गया।
- रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को अभी भी सत्ता और कूटनीति के पदों से काफी हद तक बाहर रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वैश्विक स्तर पर, निर्णय लेने में महिलाओं की कम भागीदारी एक सच्चाई है।
- वर्तमान में विश्व में केवल 23 प्रतिशत मंत्री पद महिलाओं के पास हैं और 141 देशों में 1 जनवरी, 2024 तक महिलाएं कुल कैबिनेट मंत्रियों के एक तिहाई से भी कम हैं। सात देशों के मंत्रिमंडलों में कोई महिला प्रतिनिधित्व नहीं है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रिपेरेडनेस इंडेक्स AIPI) डैशबोर्ड 2024

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष IMF) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रिपेरेडनेस इंडेक्स AIPI) डैशबोर्ड 2024 जारी किया है। 174 अर्थव्यवस्थाओं के लिए AI प्रिपेरेडनेस इंडेक्स डैशबोर्ड AI Preparedness Index Dashboard) चार क्षेत्रों में देशों द्वारा AI अपनाने की तैयारी पर आधारित है।
- ये चार क्षेत्र हैं: डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव पूंजी और श्रम बाजार नीतियां, इनोवेशन और आर्थिक एकीकरण, और रेगुलेशन।
- सूचकांक में भारत को 72वें स्थान पर रखा गया है, जिसमें बांग्लादेश (0.38) 113वें, श्रीलंका (0.43) 92वें और चीन (0.63) 31वें स्थान पर हैं।
- सिंगापुर (0.80), डेनमार्क (0.78), और संयुक्त राज्य अमेरिका (0.77) उच्चतम रेटिंग वाले AE विकसित अर्थव्यवस्था) में से हैं, वहीं भारत को 0.49 रेटिंग के साथ EM (उभरते बाजार) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- सूचकांक के अनुसार, AI विकसित देशों में 33 प्रतिशत नौकरियों, उभरते देशों में 24 प्रतिशत और कम आय वाले देशों में 18 प्रतिशत नौकरियों को खतरे में डाल सकता है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एयरलाइन बाजार बन गया है

- घरेलू एयरलाइन बाजार के मामले में भारत की स्थिति पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गई है।
- भारत ने ब्राज़ील और इंडोनेशिया को पीछे छोड़ दिया है और 15.6 मिलियन सीटों की एयरलाइन क्षमता के साथ तीसरा सबसे बड़ा बाज़ार बन गया है।
- वर्तमान में, अमेरिका और चीन शीर्ष 2 सबसे बड़े घरेलू विमानन बाज़ार हैं।
- लगभग 10 साल पहले, भारत 8 मिलियन सीटों के साथ सबसे छोटा घरेलू एयरलाइन बाज़ार था।

- भारत की सीटों की क्षमता वृद्धि दर सालाना 6.9 प्रतिशत बढ़ी है।
- भारत में, कम लागत वाली वाहक (एलसीसी) कुल घरेलू एयरलाइन क्षमता का लगभग 78.4 प्रतिशत है।
- सरकार के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में भारत में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हो गई है।

नाइट्रस ऑक्साइड गैस का दूसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक देश है भारत

- ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट द्वारा N2O उत्सर्जन अध्ययन के वैश्विक आकलन के अनुसार, विश्व में 1980 और 2020 के बीच लाफिंग गैस नाइट्रस ऑक्साइड N2O) गैस का उत्सर्जन 40 प्रतिशत बढ़ा है। यह अध्ययन अर्थ सिस्टम साइंस डेटा पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।
- चीन 16.7 प्रतिशत, भारत 10.9 प्रतिशत, अमेरिका 5.7 प्रतिशत, ब्राजील 5.3 प्रतिशत और रूस 4.6 प्रतिशत नाइट्रस ऑक्साइड गैस के पांच सबसे बड़े उत्सर्जक देश हैं।
- चीन के बाद, भारत नाइट्रस ऑक्साइड (N2O) का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में स्थिति थोड़ा अलग है।
- भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम 0.8 किलोग्राम N2O/व्यक्ति है, अन्य शीर्ष उत्सर्जकों के लिए N2O किलोग्राम /व्यक्ति के आंकड़े चीन 1.3, अमेरिका 1.7, ब्राजील 2.5 और रूस 3.3 हैं।

नाइट्रस ऑक्साइड N2O)

- नाइट्रस ऑक्साइड N2O) ग्रीनहाउस गैस है जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वायुमंडल को अधिक गर्म करने की क्षमता है। कार्बन डाइऑक्साइड या मीथेन की तुलना में N2O वायुमंडल में बहुत कम मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन इसकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता 100 साल के समय के पैमाने पर कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में लगभग 300 गुना है।
- N20 एक मजबूत ओजोन-क्षयकारी पदार्थ भी है। 2022 में वायुमंडलीय N2O की सांद्रता 336 भाग प्रति बिलियन तक पहुँच गई या औद्योगिक युग से पहले देखे गए स्तरों से लगभग 25% अधिक है।
- नाइट्रस ऑक्साइड वायुमंडल में लंबे समय तक रहता है और तेज़ी से बढ़ रहा है, हाल के वर्षों में वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि इसे भी अधिक तत्परता से निपटा जाना चाहिए।

पर्यावरण

एशियन किंग गिद्धों के लिए दुनिया का पहला संरक्षण और प्रजनन केंद्र

- उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के महाराजगंज में एशियन किंग गिद्धों या लाल सिर वाले गिद्धों के लिए दुनिया का पहला संरक्षण और प्रजनन केंद्र स्थापित करेगी।
- यह केंद्र 2007 से IUCN की लाल सूची में सूचीबद्ध क्रिटिकल एंडेंजर्ड प्रजाति एशियन किंग वल्चर की आबादी को बढ़ाने में मदद करेगी।
- इस केंद्र का नाम जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र Jatayu Conservation and Breeding Centre) है।
- एशियन किंग गिद्ध अपने हैबिटैट के नुकसान और मवेशियों में डिक्लोफेनाक, नामक दर्दनाशक दवा के अत्यधिक उपयोग के कारण लुप्त होने के कगार पर पहुँच चुके हैं। यह दवा गिद्धों के लिए जहरीला साबित हो रही है।
- वैसे इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। भारत में धरती को माँ माना जाता है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान भूमि क्षरण, मिट्टी के कटाव और गिरते जल स्तर को रोकने के लिए वनीकरण द्वारा पृथ्वी के पर्यावरण की सुरक्षा का प्रतीक है।

न्यूजीलैंड सरकार ने पशुधन 'बर्प टैक्स' समाप्त किया

- न्यूजीलैंड सरकार ने पशुधन से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर कर लगाने की 'बर्प टैक्स' Burp tax) योजना को समाप्त करने की घोषणा की है। बर्प टैक्स को अक्टूबर 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जेसिंडा एडर्न के कार्यकाल में लगाया गया था।
- बर्प टैक्स की शुरुआत के बाद पूरे देश में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य जुगाली करने वाले जानवरों से मीथेन उत्सर्जन को कम करना था।
- जुगाली करने वाले जानवर ruminant species) वास्तव में खुर वाले चरने वाले शाकाहारी जानवर हैं जो जुगाली करते हैं। गाय, भेड़, बकरी और भैंस जैसे जुगाली करने वाले जानवरों में एक विशेष प्रकार का पाचन तंत्र होता है जो उन्हें ऐसे आहार को तोड़ने और पचाने में सहायता करता है जिसे जुगाली नहीं करने वाले जानवर पचाने में असमर्थ होंगी।
- जुगाली करने वाले जानवरों के पेट में चार कम्पार्टमेंट होते हैं, जिनमें से एक, रुमेन, उन्हें आंशिक रूप से पचने वाले भोजन को संग्रहित करने और इसे पाचन करने में मदद करता है।

नागी और नकटी बर्ड सैंक्चुअरीज को रामसर साइट घोषित किया गया

- बिहार की नागी और नकटी बर्ड सैंक्चुअरीज Nagi and Nakti Bird Sanctuaries को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड्स के रूप में मान्यता दी गई है।
- बिहार के जमुई जिले में स्थित इन दोनों वेटलैंड्स को संरक्षित क्षेत्र माना जाता है। रामसर कन्वेंशन में शामिल होने के साथ, भारत में रामसर वेटलैंड्स की कुल संख्या 82 हो गई है।
- बेगूसराय जिले में कंवर झील को 2020 में बिहार के पहले रामसर स्थल Ramsar Site के रूप में नामित किया गया था। नागी और

नकटी पक्षी अभयारण्य मानव निर्मित वेटलैंड्स पर बनाए गए हैं और विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों और जीवों, विशेष रूप से पक्षियों के झुंड के लिए एक प्राकृतिक आश्रय प्रदान करते हैं।

- दोनों पक्षी अभयारण्य मानव निर्मित वेटलैंड्स हैं जिन्हें मुख्य रूप से नकटी बांध के निर्माण के माध्यम से सिंचाई के लिए विकसित किया गया था।
- प्रवासी पक्षी प्रजातियों के लिए इसके महत्व के कारण, नागी साइट को स्थानीय रूप से 1984 में पक्षी अभयारण्य के रूप में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बर्डलाइफ इंटरनेशनल द्वारा एक महत्वपूर्ण पक्षी और जैव विविधता क्षेत्र (Important Bird and Biodiversity Area: IBA) के रूप में मान्यता दी गई थी।
- रामसर कन्वेंशन आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है और इस पर 1971 में ईरानी शहर रामसर में हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत की सबसे बड़ी तेंदुआ सफारी

- हाल ही में , कर्नाटक के बेंगलुरु में बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान बीबीपी) में भारत की सबसे बड़ी तेंदुआ सफारी का उद्घाटन किया गया।
- बीबीपी में तेंदुआ सफारी 20 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। इसमें प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले चट्टानी ढांचे और आंशिक रूप से पर्णपाती जंगलों के साथ एक लहरदार इलाका है , और वर्तमान में यह 8 तेंदुओं का घर है।
- बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी) को 2004 में बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान से अलग कर दिया गया और 1974 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त हुआ।
- यह स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले तेंदुओं पेंथेरा पार्डस) का घर है।
- इसमें चार खंड हैं: चिड़ियाघर , सफारी , तितली पार्क और बचाव केंद्र।

भारत का पहला बायोस्फीयर टाइगर रिज़र्व के भीतर राजाजी नेशनल पार्क में बनाया गया।

- जय धर गुप्ता और विजय धस्माना टाइगर रिज़र्व के भीतर भारत का पहला बायोस्फीयर बनाने की परियोजना पर काम कर रहे हैं।
- राजाजी राघाटी बायोस्फीयर आरआरबी) उत्तराखंड में राजाजी नेशनल पार्क के भीतर 35 एकड़ का निजी जंगल है।
- जय धर गुप्ता और विजय धस्माना और उनकी टीम ने उपयुक्त देशी पौधों की प्रजातियों की पहचान करने के लिए व्यापक सर्वेक्षण किए, खासकर उन दुर्लभ या लुप्तप्राय प्रजातियों की जो इस क्षेत्र में हैं।
- पौधरोपण का पहला चरण 2023 में लगभग 80 प्रजातियों के साथ शुरू किया गया था।
- आगामी मानसून के मौसम में, बायोस्फीयर में अतिरिक्त 35 से 40 नई प्रजातियाँ लगाई जाएँगी।
- जय और विजय पश्चिमी घाट में दूसरा बायोस्फीयर बनाने पर भी काम कर रहे हैं।

12 महत्त्वपूर्ण दिवस

1 जून: विश्व दुग्ध दिवस

- प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्व दुग्ध दिवस (World Milk Day) के रूप में मनाया जाता है।
- यह दिवस आर्थिक विकास, आजीविका और पोषण में दुग्ध उत्पादों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति लोगों में जागरुकता फ़ैलाने के लिए मनाया जाता है।
- इस वर्ष यानी 2024 के विश्व दूध दिवस का मुख्य विषय थीम)- 'डेयरी और लोगों को स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में इसकी भूमिका' (dairy milk and other milk products and its role in giving people the nutrients they need to stay healthy) है।
- विश्व दुग्ध दिवस को मनाये जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन FAO) ने किया था। पूरे विश्व में पहली बार विश्व दुग्ध दिवस 2001 में मनाया गया था।
- भारत में 26 नवंबर को वर्गीज कुरियन के जन्मदिन पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस (National Milk Day) मनाता है।
- कुरियन को भारत में दुग्ध क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।
- देश में दूध के उत्पादन में वृद्धि के लिए 1970 में उनके नेतृत्व में ऑपरेशन फ्लड Operation Flood) शुरू किया गया था।

1 जून: वैश्विक अभिभावक दिवस

- प्रत्येक वर्ष 1 जून को वैश्विक अभिभावक दिवस Global Day of Parents) मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उदेश्य माता-पिता के प्रति सम्मा ेन प्रकट करना है।
- इस वर्ष वैश्विक अभिभावक दिवस 2024 का मुख्य विषय थीम)- 'चंचल पालन-पोषण का वादा' The Promise of Playful Parenting) है।
- वर्ष 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली जून को इस दिवस को मनाने की घोषणा की गई थी।
- 2 जून 2024: तेलंगाना का स्थापना दिवस
- प्रत्येक वर्ष 2 जून को तेलंगाना राज्य अपना स्थापना दिवस (Telangana Formation day) मनाता है।
- वर्ष 2014 में इसी दिन आंध्रप्रदेश का विभाजन कर तेलंगाना भारत का 29वाँ राज्य बना था।
- इस वर्ष यानी 2024 में तेलंगाना ने अपना 10वां स्थारपना दिवस मनाया।

तेलंगाना राज्य

- तेलंगाना, दक्षिणी भारत में स्थित भारत का एक राज्य है। 'तेलंगाना' शब्द का अर्थ है- 'तेलुगूभाषियों की भूमि'।
- 2014 में संसद की मंजूरी के बाद आन्ध्र प्रदेश राज्य से अलग होकर तेलंगाना औपचारिक तौर पर भारत का 29वाँ राज्य था।
- विभाजन के समय हैदराबाद को दस साल के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी बनाया गया था।

3 जून 2024: विश्व साइकिल दिवस

- प्रत्येक वर्ष 3 जून को दुनियाभर में 'विश्व साइकिल दिवस' (World Bicycle Day) मनाया जाता है।
- यह दिवस परिवहन के एक सरल, किफायती, भरोसेमंद और पर्यावरण की सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- इस वर्ष 'विश्व साइकिल दिवस 2024' का मुख्य विषय थीम) 'साइकिल चलाने के माध्यम से स्वास्थ्य, समानता और स्थिरता को बढ़ावा देना' (Promoting Health, Equity, and Sustainability through Cycling) है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहला आधिकारिक विश्व साइकिल दिवस 3 जून, 2018 को मनाया गया था।
- इस प्रकार इस वर्ष यानी 2024 में 7वां विश्व साइकिल दिवस मनाया गया।

5 जून 2024: विश्व पर्यावरण दिवस

- प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस World Environment Day) मनाया जाता है।
- दुनियाभर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए यह दिवस मनाया जाता है ताकि प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा के लिए रचात्मक कदम उठाए जा सकें।
- वर्ष 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस की 51वीं वर्षगांठ है।
- 2024 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' Land restoration, desertification and drought resilience) है।
- हर साल विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी विश्व का एक अलग देश करता है, जहां औपचारिक समारोह आयोजित होते हैं। भारत ने पहली बार वर्ष 2018 के विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेजवानी की थी।
- वर्ष 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस की 51वीं वर्षगांठ है और इस वर्ष सऊदी अरब इसकी मेजबानी कर रहा है।

6 जून: संयुक्त राष्ट्र रूसी भाषा दिवस, रूसी कवि अलेक्सांद्र पुश्किन का जन्मदिन

- प्रत्येक वर्ष 6 जून को संयुक्त राष्ट्र रूसी भाषा दिवस UN (Russian Language Day) मनाया जाता है।
- भाषा दिवस को मनाने का उद्देश्य बहु-भाषावाद तथा सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना है।

रूसी कवि अलेक्सांद्र पुश्किन का जन्मदिन

- रूसी भाषा दिवस महान रूसी कवि अलेक्सांद्र पुश्किन के जन्मदिन पर मनाया जाता है।
- उन्हें आधुनिक रूसी साहित्य का जनक माना जाता है।
- पुश्किन की सबसे प्रसिद्ध कविता 'ओड टू लिबर्टी' Ode to Liberty) है।
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन UNESCO) ने उनके जन्मदिन दिन को रूसी भाषा दिवस के तौर पर चुना।

संयुक्त राष्ट्र 6 आधिकारिक भाषाओं के लिए अलग-अलग दिवस

- संयुक्त राष्ट्र भाषा दिवस का शुभारंभ यूनेस्को UNESCO) द्वारा वर्ष 2010 में किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र के 6 आधिकारिक भाषाएं हैं। इन 6 आधिकारिक भाषाओं के लिए अलग-अलग दिवस निश्चित किये गये हैं:
  - 1. अरबी भाषा: 18 दिसम्बर
  - 2. चीनी भाषा: 20 अप्रैल
  - 3. अंग्रेजी भाषा: 23 अप्रैल
  - 4. स्पेनिश भाषा: 23 अप्रैल
  - 5. फ्रेंच भाषा: 20 अप्रैल
  - 6. रूसी भाषा: 6 जून

7 जून: खाद्य सुरक्षा दिवस

- प्रत्येक वर्ष 7 जून को 'विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस' World Food Safety Day) मनाया जाता है।
- यह दिवस खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि, बाजार पहुंच, पर्यटन और सतत विकास में योगदान की ओर ध्यान आकर्षित करने और कार्रवाई के लिए प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है।
- इस वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का मुख्य विषय थीम)- 'खाद्य सुरक्षा: अप्रत्याशित के लिए तैयार रहें' Food Safety: Prepare for the Unexpected) है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2018 में खाद्य एवं कृषि संगठन FAO) के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाये जाने की घोषणा की थी।
- पहला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 7 जून 2019 को मनाया गया था। इस वर्ष छठा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया।

8 जून: विश्व महासागर दिवस

- प्रत्येक वर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस World Oceans Day) मनाया जाता है।
- महासागरों के महत्व को जानने, समझने और महासागरों में बढ़ते प्रदूषण के खतरों और उनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है।
- वर्ष 2024 में इस दिवस का मुख्य विषय थीम) 'नई गहराइयों को जगाओ' Awaken New Depths) है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने आधिकारिक तौर पर इस दिवस को मनाने की मान्यता वर्ष 2008 में दी थी।
- पहला विश्व महासागर दिवस 8 जून, 2009 को मनाया गया था।

12 जून: विश्व बाल-श्रम निषेध दिवस

- प्रत्येक वर्ष 12 जून को विश्व बालश्रम निषेध दिवस World Day Against Child Labour) मनाया जाता है।
- बाल मज़दूरी Child Labour) के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चोंद को इस काम से निकालकर उन्हेंख शिक्षा दिलाने के उद्देश्यव से यह दिवस मनाया जाता है।
- वर्ष 2024 में 'विश्व बाल-श्रम निषेध दिवस' की थीम- 'आइये अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें: बाल श्रम समाप्त करें!' Let's act on our commitments: End Child Labour!) है।
- इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन ILO) ने विश्व बालश्रम निषेध दिवस की शुरुआत वर्ष 2002 में की थी।
- ILO के मुताबिक आज भी 152 मिलियन बच्चे मज़दूरी करते हैं। बाल मज़दूर हर क्षेत्र में मौजूद हैं, वहीं 10 में से 7 बच्चे खेतों में काम करते हैं।

भारत में बाल श्रम से संबंधित संवैधानिक प्रावधान और कानूनी प्रयास

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 45 के अनुसार देश में संविधान लागू होने के 10 साल के भीतर राज्य 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे।
- बाल श्रम भारतीय संविधान के समवर्ती सूची Concurrent List) का विषय है। इस सूची के अन्त र्गत दिए गए विषय पर केंद्र एवं राज्य दोनों सरकारें कानून बना सकती हैं। परंतु कानून के विषय समान होने पर केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होता है।
- बाल श्रम निषेध व नियमन) कानून 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिये अहितकर कार्य को निषिद्ध करता है। फैक्टरी कानून 1948, 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है।

13 जून: अंतरराष्ट्रीय एल्बिनिज्म जागरूकता दिवस

- प्रत्येक वर्ष 13 जून को संपूर्ण विश्व में 'अंतरराष्ट्रीय एल्बिनिज्म जागरूकता दिवस' International Albinism Awareness Day) मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उद्देश्य एल्बिनिज्म रंगहीनता) के शिकार लोगों से विश्व में होने वाले भेद-भाव के विरुद्ध जागरूकता फैलाना है।
- वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय एल्बिनिज्म जागरूकता दिवस की थीम मुख्य विषय)- 'आईएएडी के 10 वर्ष: सामूहिक प्रगति का एक दशक' 10 Years of IAAD: A Decade of Collective Progress) हैं।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 13 जून को इस दिवस को मनाने की घोषणा 18 दिसंबर, 2014 को की थी।
- पहला अंतरराष्ट्रीय एल्बिनिज्म जागरूकता दिवस 13 जून 2015 को मनाया गया।

एल्बिनिज्म Albinism)

- एल्बिनिज्म या रंगहीनता एक जन्मजात बीमारी है, जो त्वचा, बाल और आंखों में मेलानिन Pigment Melanin) की कमी के कारण होता है।
- इससे प्रभावित लोगों की त्वचा पर सफ़ेद धब्बे होते हैं अथवा कई बार पूर्ण त्वचा ही सफ़ेद हो जाती है।

14 जून: विश्व रक्तदान दिवस, नोबल प्राइज विजेता कार्ल लैंडस्टेनर की जयंती

- प्रत्येक वर्ष 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' World Blood Donor Day) मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्त-दाताओं के सुरक्षित जीवन-रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है।
- वर्ष 2024 में विश्व रक्तदान दिवस का मुख्य विषय थीम) 'दान का उत्सव मनाने के 20 वर्ष: रक्तदाताओं को धन्यवाद!' 20 years of celebrating giving: thank you blood donors!) है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO) ने प्रत्येक वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा 2004 में की थी।
- पहली बार विश्व रक्तदान दिवस 14 जून 2004 को मनाया गया था।
- 14 जून को नोबल प्राइज विजेता कार्ल लैंडस्टेनर की जयंती पर यह दिवस मनाया जाता है।
- कार्ल लैंडस्टेनर को ब्लड ग्रुप सिस्टम खोजने का श्रेय जाता है।
- ब्लड ग्रुप्स का पता लगाने के लिए कार्ल लैंडस्टेनर को 1930 में नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

WHO ने आठ वैश्विक स्वास्थ्य अभियान घोषित किया है

- विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO) ने विश्व रक्तदाता दिवस सहित आठ वैश्विक स्वास्थ्य अभियान घोषित किया है। अन्य स्वास्थ्य अभियानों में विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च), विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल), विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल), विश्व टीकाकरण सप्ताह अप्रैल का अंतिम सप्ताह), विश्व तंबाकू दिवस 31 मई), विश्व हेपेटाइटिस दिवस 28 जुलाई) और विश्व एड्स दिवस 1 दिसंबर) हैं।

15 जून: विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस

- प्रत्येक वर्ष 15 जून को दुनिया भर में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्य वहार रोकथाम जागरूकता दिवस' World Elder Abuse Awareness Day) मनाया जाता है।
- यह दिवस बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यिवहार की रोकथाम के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- वर्ष 2024 में बुजुर्ग दुर्व्यैवहार रोकथाम जागरूकता दिवस 'आपातकालीन स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करना' Spotlight on Older Persons in Emergencies) थीम पर मनाया गया।
- संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2011 में इस दिवस को मान्यता दी थी। पहला 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्युवहार रोकथाम जागरूकता दिवस' 15 जून 2012 को मनाया गया था।

17 जून: विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम दिवस

- प्रत्येक वर्ष 17 जून को 'विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम दिवस' World Day to Combat Desertification and Drought) मनाया जाता है।
- इस दिवस का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए जन जागरुकता को बढ़ावा देना है।
- वर्ष 2024 में इस दिवस का मुख्य विषय थीम)– 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' United for Land! Our Legacy! Our Future) है।
- वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मरुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन के कार्यान्वयन के लिए विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस की घोषणा की थी।
- पहला विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम दिवस WDCD) वर्ष 1995 से मनाया गया था।
- मरुस्थलीकरण जमीन के अनुपजाऊ हो जाने की प्रक्रिया है। जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और निर्जल अर्द्ध-नम इलाकों की जमीन मरुस्थल या रेगिस्तान में बदल जाती है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता में कमी और ह्रास होता है।
- वर्तमान में समस्त विश्व के कुल क्षेत्रफल का 20 प्रतिशत मरुस्थलीय भूमि के रूप में है। जबकि सूखाग्रस्त भूमि कुल वैश्विक क्षेत्रफल का एक तिहाई है।

17 जून: विश्व मगरमच्छ दिवस

- विश्व मगरमच्छ दिवस World Crocodile Day) 17 जून, 2024 को मनाया गया।
- बता दें कि वर्ष 2024 में भारत की मगरमच्छ संरक्षण परियोजना Crocodile Conservation Project) के 50 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं।
- 1975 में भारत ने ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में मगरमच्छ संरक्षण परियोजना शुरू की थी, जो कनिका रियासत के राजाओं का पूर्व शिकारगाह था।
- चूंकि ओडिशा में भारतीय मगरमच्छों की तीनों प्रजातियां पाई जाती हैं, इसलिए घड़ियाल और खारे पानी के मगरमच्छ संरक्षण कार्यक्रम को सबसे पहले 1975 की शुरुआत में ओडिशा में लागू किया गया था और उसके बाद मगर संरक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया था।

18 जून: ऑटिस्टिक प्राइड डे

- प्रत्येक वर्ष 18 जून को 'ऑटिस्टिक प्राइड डे' Autistic Pride Day) मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य यह जागरुकता लाना है कि ऑटिज्म कोई रोग नहीं बल्कि स्नायु तंत्र का विकार है जिसके कारण व्यक्ति के व्यवहार और सामाजिक संपर्क में असंतुलन आ जाता है।
- ऑटिस्टिक प्राइड डे 2024 का थीम 'मुखौटा उतारना' Taking the Mask Off) है।

- इस दिन को एक इंद्रधनुष अनंत प्रतीक द्वारा दर्शाया जाता है, जो ऑटिस्टिक लोगों की अनंत संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल को 'विश्व ऑटिज्म दिवस' मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र के 7 आधिकारिक स्वास्थ्य विशिष्ट दिनों में से एक है।

ऑटिज्म

- यह एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है।
- हर एक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण होते हैं। कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं। कुछ को सीखने-समझने में भी परेशानी होती है। 40 प्रतिशत ऑटिस्टिक बच्चे बोल नहीं पाते।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO) के आंकड़ों के मुताबिक 160 में से एक बच्चा ऑटिस्टिक है।

19 जून: विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस

- प्रत्येक वर्ष 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस World Sickle Cell Day) मनाया जाता है।
- यह दिन सिकल सेल रोग, इसके उपचार के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और दुनिया भर में इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए मनाया जाता है।
- विश्व सिकल सेल दिवस 2024 का थीम विषय)- प्रगति के माध्यम से आशा: विश्व स्तर पर सिकल सेल देखभाल को आगे बढ़ाना Hope Through Progress: Advancing Sickle Cell Care Globally) था।
- संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा वर्ष 2008 में की गई थी।
- पहला विश्व सिकल सेल दिवस वर्ष 2009 में मनाया गया था।

सिकल सेल रोग

- सिकल सेल रोग SCD) एनीमिया रक्ताल्पता) लाल रक्त कणिकाएं RBC) की एक प्रमुख वंशानुगत असामान्यता है।
- सामान्य अवस्था में RBC गोलाकार होती है और उनका जीवनकाल 120 दिन तक होता है। परन्तु सिकल सेल रोग में RBC का आकार अर्धचंद्र/हंसिया sickle) की तरह होता है और इनका जीवनकाल मात्र 10-20 तक ही होता है।
- ये असामान्य आकार की RBC कठोर और चिपचिपी हो जाती हैं और रक्त वाहिकाओं में फंस जाती हैं, जिससे शरीर के कई हिस्सों में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह कम या रुक जाता है।
- यह RBC के जीवन काल को भी कम करता है तथा एनीमिया का कारण बनता है, जिसे सिकल सेल एनीमिया रक्ताल्पता) के नाम से जाना जाता है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति को बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूज़न की ज़रुरत पड़ती है।

सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 जुलाई 2023 को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 का शुभारंभ किया गया था।

20 जून: विश्व् शरणार्थी दिवस

- प्रत्येक वर्ष 20 जून को विश्वथ शरणार्थी दिवस World Refugee Day) मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उद्देश्य शरणार्थियों के संघर्ष और योगदान को याद करना है।
- वर्ष 2024 में विश्व शरणार्थी दिवस का मुख्य विषय थीम)- 'एक ऐसे विश्व के लिए जहां शरणार्थियों का स्वागत किया जाता है' For a World Where Refugees Are Welcomed) है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा UNGA) ने प्रत्येक वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा 2000 में की थी।
- इसे दिवस घोषित करने से पहले 20 जून को कई देशों में अफ्रीकी शरणार्थी दिवस औपचारिक रूप से मनाया गया था।

शरणार्थी Refugee)

- शरणार्थी यानि शरण में उपस्थित असहाय, लाचार, निराश्रय तथा रक्षा चाहने वाले व्यक्ति या उनके समूह को कहते हैं।
- इस प्रकार वह व्यक्ति विशेष या उनका समूह जो किसी भी कारणवश अपना घरबार या देश छोड़कर अन्यत्र के शरणांगत हो जाता है, वह शरणार्थी कहलाता है।
- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद UNHRC) के अनुसार, विश्व में सबसे अधिक 6.6 मिलियन, 68%) शरणार्थी सीरिया से हैं।
- इसके बाद वेनेजुएला 3.7 मिलियन), अफगानिस्तान 2.7 मिलियन), दक्षिण सूडान 2.2 मिलियन) और म्यांमार 1.1 मिलियन) देशों से हैं।

21 जून: विश्व संगीत दिवस

- प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व संगीत दिवस World Music Day) मनाया जाता है।
- इस दिवस का उद्देश्य लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे।
- विश्व संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' Fête de la Musique) के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ म्यूजिक फेस्टिवल है।
- विश्व संगीत दिवस की शुरुआत सन 1982 में फ्रांस में हुई थी जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है।

21 जून: विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस

- प्रत्येक वर्ष 21 जून को ही 'विश्व हाइड्रोग्राफी डे' World Hydrography Day) मनाया जाता है।
- यह दिवस हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और जल के महत्व को प्रचारित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- यह दिवस एक वार्षिक उत्सव के रूप में अंतरराष्ट्रीय जल सर्वेक्षण संगठन International Hydrographic Organization) द्वारा अपनाया गया था।

हाइड्रोग्राफी

- हाइड्रोग्राफी पृथ्वी पर मौजूद नदी, झील तालाब और समुद्र के जलभंडार का विवरण देता है। इसका प्रमुख उद्देश्य नेविगेशन जहाज और नाव के संचालन) में सुबिधा के लिए डेटा उपलब्ध करना है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024: 21 जून

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है।
- यह योग के विभिन्न लाभों को पहचानने और योग को जीवन के हिस्से के रूप में बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।
- इस साल दुनिया भर में दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का विषय "स्वयं और समाज के लिए योग" है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा यूएनजीए) ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए 11 दिसंबर 2014 को एक प्रस्ताव अपनाया।
- 21 जून को योग दिवस के रूप में चुना गया क्योंकि यह उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबा दिन है और दुनिया के कई लोगों के लिए इसका बहुत महत्व है।
- यह दिन पहली बार 2015 में "सद्भाव और शांति" थीम के साथ मनाया गया था।
- योग एक प्राचीन अभ्यास है जो न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से भी संबंधित है।
- योग को 2016 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया गया।
- 2024 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में डल झील के तट पर मनाया गया।

23 जून: संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस

- प्रत्येक वर्ष 23 जून को 'संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस' United Nations Public Service Day) मनाया जाता है।
- इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों में सार्वजनिक सेवा के मूल्य और गुणों के बारे में जागरूक करना है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष '23 जून' को संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा दिसंबर 2002 में की थी।
- इस दिन संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार लोक सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाने वाला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- भारत में सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है।

23 जून: अंतर्राष्ट्री य ओलिम्पिक दिवस

- प्रत्येक वर्ष 23 जून को अंतर्राष्ट्री य ओलिम्पिक दिवस International Olympic Day) मनाया जाता है।
- यह दिवस पूरे विश्वा में किसी भी भेद-भाव को दरकिनार करते हुए विभिन्नर खेलों में सहभागिता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।
- इस वर्ष यानी 2024 में इस दिवस का थीम 'Let's Move and Celebrate' था।
- पेरिस में 23 जून 1894 को आयोजित आधुनिक ओलिम्पिक खेलों की शुरूआत के उपलक्ष्य में यह दिन मनाया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति ने सभी राष्ट्रीय ओलिम्पिक समितियों NOC) को ओलिम्पिक दिवस आयोजित करने की सिफारिश 1978 में की थी।
- इसका उद्देश्य ओलिम्पिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना है।

अन्तर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति

- अन्तर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति IOC) की स्थापना 23 जून 1894 को पियरे डी कुबरटिन और डेमेत्रियोस विकेलस ने की थी।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लॉसेन में है।
- यह ओलिम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एक नियामक संस्था है।

23 जून: अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस

- प्रत्येक वर्ष 23 जून को अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस International Widows Day) के रूप में मनाया जाता है।
- यह दिवस विधवा महिलाओं की समस्याओं के प्रति समाज में जागरुकता फ़ैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- इस वर्ष का थीम 'अदृश्य महिलाएं, अदृश्य समस्याएं' Invisible Women, Invisible Problems) था।
- संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 23 जून को अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस घोषित किया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसकी घोषणा 2010 में की थी।

27 जून: अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस

- 27 जून 2024 को "अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस" International MSME Day मनाया गया।
- इस वर्ष यह दिवस "MSME और SDG" थीम के साथ मनाया गया।
- बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में MSME के अधिक योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 27 जून को अंतर्राष्ट्रीय MSME दिवस रूप में नामित किया था।
- MSME दुनिया भर में 90% व्यवसायों, 60 से 70% रोजगार और 50% सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के आँकड़े बताते हैं कि MSME किसी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर नए उद्यमियों को जोड़ता है तथा युवाओं, कामकाजी वर्ग, महिलाओं और अन्य लोगों को आय अर्जित करने के अवसर प्रदान करता है।
- केंद्रीय MSME मंत्रालय की वित्तीय वर्ष 23 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 63 मिलियन से अधिक MSME हैं। यह संख्या केवल चीन से कम है जिसके पास 140 मिलियन सूक्ष्म और लघु उद्यम हैं।
- ये MSME भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 30 प्रतिशत और निर्यात में 40 प्रतिशत का योगदान देते हैं तथा देश भर में 110 मिलियन से अधिक नौकरियां पैदा की हैं।
- 29 जून: राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस, पीसी महालानोबिस की जयंती
- प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस National Statistics Day) मनाया जाता है।

- इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य सामाजिक आर्थिक योजना में सांख्यिकी की भूमिका तथा देश के विकास में नीति नियमन विशेष रूप से युवा पीढ़ी में जागरूकता लाना है।
- 29 जून 2024 को 18वां सांख्यिकी दिवस मनाया गया। सांख्यिकी दिवस 2024 का मुख्य विषय थीम)- 'निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग' Use of Data for Decision Making) है।

UN ने 2025 को 'अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्ष' घोषित किया

- संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को 'अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्ष' International Year of Quantum Science and Technology) घोषित किया है।
- वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्ष के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि 2025 में क्वांटम मैकेनिक्स के प्रारंभिक विकास के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं।
- संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह पहल "साल भर चलने वाली", "विश्वव्यापी" होगी और इसे "क्वांटम विज्ञान और इसके उपयोग के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी स्तरों पर गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाएगा।"
- सर्वप्रथम मई 2023 में मेक्सिको ने इसके लिए एक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया था और जल्द ही अन्य देशों ने भी इसमें भाग लिया।
- क्वांटम कंप्यूटर की बदौलत क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी हाल ही में आम बोलचाल और मुद्दों में अधिक बार दिखाई दे रही है। हालाँकि इस प्रकार की पूरी तरह से चालू मशीनें अभी तक मौजूद नहीं हैं, लेकिन शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि जल्द ही ऐसी मशीनें हकीकत में दिखने लगेंगी।
- दरअसल क्वांटम मेकेनिक्स भौतिकी का वह क्षेत्र है जो बताता है कि कैसे अत्यंत छोटी वस्तुओं में एक साथ कण यानी पार्टिकल पदार्थ के छोटे टुकड़े) और तरंग यानी वेव ऊर्जा स्थानांतरित करने वाली हलचल या भिन्नता) दोनों की विशेषताएं होती हैं। भौतिक विज्ञानी इसे "तरंग-कण द्वैत" wave-particle dualityl) कहते हैं।

13 सार - योजना - कुरुक्षेत्र

योजना

भारतीय इतिहास में किलों की भूमिका

- किले, किलेबंदी और महल भारत की निर्मित विरासत में सबसे प्रचुर प्रकार की संरचनाओं में से एक हैं। किलेबंदी विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों से लेकर सदियों से विभिन्न राजवंशों द्वारा निर्मित हैं। इनमें से अधिकांश सल्तनत और मुगल शाही शासन, मराठा साम्राज्य, साथ ही क्षेत्रीय राजवंशों राजपूत, सिख, काकतीय, बहमनी, कुतुब शाही या असम क्षेत्र में अहोम राजवंश के प्रसार को दर्शाते हैं। भारत के तटीय क्षेत्र में कुछ पुर्तगाली और ब्रिटिश युग के किलेबंदी भी हैं।

किला

- अर्थ: एक मजबूत सुरक्षात्मक इमारत या दीवार, लकड़ी की बाड़ या बाड़ वाला स्थान जो अक्सर एक ,\खाई, गहरी खाई, या किलेबंद दीवारों की आगे की पंक्तियों द्वारा संरक्षित होता है, जिसकी रक्षा योद्धाओं द्वारा की जाती है।
- निर्माण का कारण: किले किसी कस्बे, शहर या राज्य की राजधानी द्वारा उपयोग की जाने वाली रक्षात्मक विशेषताओं के साथ-साथ सामान्य भूभाग अर्थात राज्य के समग्र सांस्कृतिक और सैन्य परिदृश्य को भी जोड़ते हैं।
- **प्रारंभिक दुर्गों और संरक्षित गढ़ों के लिए प्रयुक्त विधियाँ:**
  - संरक्षण की आवश्यकता वाले क्षेत्रों के दोनों ओर स्थित सुरक्षात्मक सूखी खाइयों या खाइयों से खोदी गई मिट्टी का उपयोग करके मिट्टी के प्राचीर का निर्माण करना।
  - मलबे और मिट्टी का उपयोग करके बड़ी और ऊंची सुरक्षात्मक प्राचीर बनाना, जिसके बाहरी भाग पर अतिरिक्त मिट्टी डाली जाए।
  - पत्थर और चिनाई से किले और दुर्गों का निर्माण
- **किलों के प्रारंभिक पुरातात्विक साक्ष्य:**
  - **आद्य-ऐतिहासिक हड़प्पा संस्कृति:** लोथल, राखीगढ़ी, धोलावीरा, कालीबंगा, हड़प्पा, बनावली जैसे स्थलों पर पकी हुई ईंट और कच्ची मिट्टी की ईंटों का उपयोग द्वारों, बुर्जों और संरक्षित प्रवेश द्वारों वाले गढ़ों के लिए किया गया था।
  - **16 महा-जनपद:** किले की दीवारों और बुर्जों के अवशेष मगध की प्राचीन पहाड़ी-संरक्षित राजधानी राजगृह, जो पाटलिपुत्र से भी पहले की है, कौशांबी, जिसकी दीवारें पकी हुई ईंटों से बनी हैं, और चंद्रकेतुगढ़ जैसे पुरातात्विक स्थलों पर देखे जा सकते हैं।

कौटिल्य के तीसरी शताब्दी के ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' के अनुसार किलों का वर्गीकरण

1. **जल-दुर्ग, या जल किला: इसके निम्नलिखित उप-प्रकार हैं:**
   - अंतरद्वीप-दुर्ग (द्वीप किला): प्राकृतिक (समुद्र या नदी) जल निकायों (जैसे मुरुद-जंजीरा) से घिरा हुआ।
   - स्थल-दुर्ग (सादा किला): कृत्रिम खाइयों से घिरा हुआ या नदी द्वारा सिंचित (जैसे गागरोन, डीग, लोहागढ़ और शेरगढ़ - सभी राजस्थान में)।
2. **धान्वन, या मरु-दुर्ग या रेगिस्तानी किला:** कम से कम 5 योजन (73 किमी) के शुष्क क्षेत्र से घिरा हुआ। उदाहरण के लिए, जैसलमेर, लोद्रवा और भटनेर (हनुमानगढ़)।
3. **गिरि-दुर्ग, या पहाड़ी किला:** इसके निम्नलिखित उप-प्रकार हैं:
   - प्रांतर-दुर्ग: समतल पहाड़ी शिखर पर स्थित (चित्तौड़गढ़, ग्वालियर की तरह)।
   - गिरि-पार्श्व-दुर्ग: किले और नागरिक संरचनाएं पहाड़ी की ढलान तक फैली हुई हैं, न कि केवल शिखर तक (जैसे बूंदी का तारागढ़ और अजमेर का तारागढ़ किला)।
   - गुहा-दुर्ग: पहाड़ियों से घिरी घाटी में स्थित, जहां चौकियां और सिग्नल टावर स्थित हैं।
4. **वन-दुर्ग (वन किला):** रणथंभौर की तरह कम से कम 4 कोश (14.6 किमी) की दूरी तक घने जंगल से घिरा हुआ, जिसके निम्नलिखित उप-प्रकार हैं:
   - खंजना-दुर्ग : दलदल पर बना और कांटेदार जंगलों से घिरा हुआ।
   - स्तम्भ-दुर्ग: यह जंगल में ऊंचे वृक्षों के बीच बना है, तथा इसमें पर्याप्त जल स्रोत नहीं है।
5. **माही-दुर्ग (मिट्टी का किला): इनके निम्नलिखित उप-प्रकार हैं:**
   - **मृद-दुर्ग:** मिट्टी की दीवारों से घिरा हुआ।
   - **परिघ-दुर्ग:** मिट्टी की दीवारों के साथ-साथ पत्थर या ईंट की दीवारों से घिरा हुआ।
   - **पंक-दुर्ग:** दलदली भूमि या रेत से घिरा हुआ।
6. **नृ-दुर्ग (सैन्य दुर्ग):** उदाहरण के लिए, नागौर का किला, जिसकी रक्षा अनुभवी योद्धाओं द्वारा की जाती थी और यह अक्सर एक बड़े स्थायी गैरीसन के साथ शहर के किले का हिस्सा होता था।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के प्रमुख किले

किलों और किलेबंद शहरों का सबसे पहला उल्लेख मेगस्थनीज के लेखों में मिलता है, उसके बाद प्लिनी ने उल्लेख किया है कि आंध्र प्रदेश (जिसमें आधुनिक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल हैं) में 30 दीवार वाले शहर और कई गाँव थे। इस अवधि में आंध्र और तेलंगाना दोनों राज्यों में स्थानीय प्रशासनिक सुरक्षा सहित नए किलों का उदय हुआ है। ये सभी किले, जो कभी सत्ता, राजनीति और ताकत के केंद्र थे, समय के इतिहास में समा गए, फिर भी वे उन बीते हुए समाजों के बारे में जानकारी का स्रोत बने हुए हैं।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के प्रमुख किले	

कोंडापल्ली किला	• स्थान: आंध्र प्रदेश का एनटीआर जिला।
	• विशेषताएँ:
	  • पूर्वी घाट की पहाड़ियों पर निर्मित
	  • दुर्गा दरवाजा और गोलकोंडा दरवाजा नामक दो प्रवेश द्वारों से प्रवेश किया जा सकता है
	  • इंडो-सरसेनिक शैली में निर्मित।
	• 1530 के दशक की शुरुआत में: यह कुतुब शाही शासकों का एक रणनीतिक तटीय किला बन गया।

कोंडावीडु और अड्डंकी किले	• स्थान: आंध्र प्रदेश के बापटला और पालनाडु जिले
	• भूमिका: 15वीं शताब्दी के आरंभ में रेड्डी साम्राज्य के मुख्यालय के रूप में कार्य किया
	• संस्थापक: वारंगल के काक्तियों का अधीनस्थ
	• कोंडावीदु किले के शासक: कुतुब शाही शासन (1637 और '79 ई.) के अधीन, उसके बाद मुगलों (1687 ई.), फ्रांसीसी (1752 ई.), निजामों और अंततः अंग्रेजों (1788 ई.) के अधीन।
	• विशेषताएँ:
	  ○ पुट्टकोटा: रक्षा किलेबंदी की दोहरी परत
	  ○ इसकी तलहटी में पत्थर की सुरक्षा प्राचीर
	  ○ खिला : विस्तृत और ऊंची सुरक्षा वाली नावों,/युद्धक दीवारों और प्राचीरों से चिह्नित

उदयगिरि किला	• स्थान: आंध्र प्रदेश के पीएसआर नेल्लोर जिले में
	• प्रकार: पहाड़ी किला
	• शासक: यह शुरू में विजयनगर शासन के अधीन था, कुछ समय तक गजपतियों के पास रहा। कृष्णदेव राय ने 1513 ई. में इसे फिर से विजयनगर साम्राज्य में मिला लिया।
	• **विशेषताएँ:**
	  • कुल 13 किले थे : 8 पहाड़ी पर और पांच नीचे, जिनमें बुर्ज, प्रवेशद्वार, जलाशय, अन्न भंडार और निगरानी टावर थे।
	  • कृष्ण मंदिर: कृष्णदेव राय बालकृष्ण की मूर्ति को हम्पी ले गए और 1515 ई. में उसे मंदिर में पुनः स्थापित किया।
	  • 16वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में यह कुतुब शाही के नियंत्रण में आ गया।
	  • 1839 ई.: ईस्ट इंडिया कंपनी ने इस पर अधिकार कर लिया।

गूटी किला	• स्थान: आंध्र प्रदेश का अनंतपुरमु जिला
	• सबसे बड़ा किला: इसकी परिधि 11 किलोमीटर है, इसमें एक के भीतर एक सात किले हैं, तथा सबसे बाहरी रक्षा पत्थर की दीवार दो पहाड़ियों को ढकती है, जो मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
	• **विशेषताएँ:**
	  • प्राचीर के अंदर चौड़ी दीवारें, जो एक सतत पैरापेट दीवार द्वारा प्रदान की गई हैं।
	  • गढ़ के शिखर पर अन्न भंडार, बारूद का भण्डार, भण्डार कक्ष और पत्रिकाएँ हैं।
	  • कल्याण चालुक्यों (10वीं शताब्दी - 12वीं शताब्दी) के शिलालेख यहां पाए गए, और उनमें से एक में चोल आक्रमण का उल्लेख है जिसे पीछे खदेड़ दिया गया था।
	  • के तहत राज्य या प्रांत का दर्जा प्राप्त किया विजयनगर सम्राट.
	  • विजयनगर का पतन, 1665 ई.: इसे बीजापुर के आदिल शाहियों और गोलकुंडा के कुतुब शाहियों की सेनाओं के हमलों का सामना करना पड़ा।
	  • 1776: हैदर अली ने गूटी किले पर नियंत्रण कर लिया
	  • 1799: इसे ईस्ट इंडिया कंपनी में मिला लिया गया।

पेनुगोंडा किला	• स्थान: आंध्र प्रदेश का सत्य साईं जिला। • **विशेषताएँ:** • 7 विशाल किलेबंदी

	• एक खाई • चार प्रवेश द्वार • मंदिरों, कुओं, निगरानी टावरों की संख्या • शिखर पर अन्न भंडार • ऐतिहासिक महत्व: 1565 ई. में तल्लिकोटा युद्ध में विजयनगर के पतन के बाद यह विजयनगर के राजाओं के चतुर्थ राजवंश की राजधानी बन गया। इसने आदिल शाही और कुतुब शाही कमांडरों के कई हमलों को भी देखा, जिन्हें खदेड़ दिया गया। • 1776: पेनुगोंडा भी हैदर अली के नियंत्रण में चला गया • 1799: ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे अपने अधीन कर लिया
चंद्रगिरी किला	• **स्थान:** आंध्र प्रदेश का तिरुपति जिला • क्षेत्रफल: लगभग एक मील की परिधि और 26 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ • अवयव: • निचला किला: यह मैदानी क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें तीन मंजिला रानी महल और राजा महल तथा कुछ मंदिर हैं • ऊपरी किला: उत्तरी तरफ पहाड़ी पर स्थित है और मजबूत पत्थर की प्राचीर और विष्णु मंदिर और कृष्ण मंदिर के अवशेषों को छोड़कर, ऊपरी किले पर कोई महत्वपूर्ण संरचना बरकरार नहीं है। • 16वीं शताब्दी के अंत में: विजयनगर की राजधानी पेनुकोंडा से चंद्रगिरी स्थानांतरित कर दी गई।
गंडिकोटा किला	• स्थान: आंध्र प्रदेश का वाईएसआर कडपा जिला • अर्थ: तेलुगु में 'गंडिकोटा' का अर्थ है 'घाटी और किला' • **विशेषताएँ:** • यह एक अभेद्य किला है, जो एक गहरी खाई से घिरा है तथा इसके उत्तर और पश्चिमी किनारों पर क्रमशः पेन्नार नदी बहती है। • मुख्य प्रवेश द्वार गोलकोंडा किले के मुख्य प्रवेश द्वार के समान है जो एक साइक्लोपियन दीवार द्वारा चिह्नित है • संरचनात्मक अवशेषों में एक पत्रिका, जेल, अन्न भंडार, रंग महल और लघु चारमीनार, जामा मस्जिद, माधवराय मंदिर, रंगनायकुला मंदिर और रघुनाथ मंदिर शामिल हैं, जो विजयनगर और कुतुब शाही काल के हैं। • 1800 ई.: निज़ाम द्वारा एक संधि के तहत इसे ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया गया।
वारंगल किला	• स्थान: तेलंगाना का वारंगल जिला • संबंधित साम्राज्य: यह गणपतिदेव महाराजा के शासनकाल (1199-1261 ई.) के दौरान काकतीय साम्राज्य की राजधानी बन गया। • अन्य नाम: ओरुगल्लू, ओरुमगल्लू और एकसिलानगर • विशेषताएँ: • दुर्ग का व्यास: 7.5 किमी. • 2 संकेन्द्रित गोलाकार रक्षा किलेबंदी और दो खाइयां • पत्थर से निर्मित इस किले के भीतरी भाग में सीढ़ियों की कतारें बनी हुई हैं, जिनसे किसी भी समय प्राचीर तक पहुंचा जा सकता है। • एकासिला पहाड़ी के ऊपर एक ऊंचा सुरक्षा टावर बनाया गया। • यहाँ कई मंदिर, धर्मनिरपेक्ष संरचनाएँ, तीर्थस्थल, पानी की टंकियाँ और जलाशय हैं • बाद के शासक: काकतीय साम्राज्य के पतन (1323 ई.) के बाद किले पर कई राज्यपालों, स्थानीय सरदारों, बहमनी, कुतुब शाही और निज़ामों का शासन रहा।
भोंगिर किला	• स्थान: तेलंगाना का यदाद्रि भुवनागिरी जिला • राजवंश: प्रारंभ में काकतीय प्रभुत्व के अधीन। • महत्व: • तेलंगाना के सबसे पुराने किलों में से एक, जिस पर कुतुब शाही का नियंत्रण था। • दौलत कुली और इब्राहिम कुतुब शाह (चौथे सुल्तान) के बीच उत्तराधिकार संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

	• प्रकार: एक पहाड़ी किला जो एक अलग, खड़ी पहाड़ी पर स्थित है जो जमीन से लगभग 500 फीट ऊंची है और इसकी परिधि एक मील है।
	• घटक: निचले और ऊपरी किले हैं जो चारों ओर खड़ी ढलानों से चिह्नित हैं।
	• विशेषताएँ:
	  • आंतरिक दीवारें काकतीय और कुतुबशाही की विभिन्न स्थापत्य कला विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।
	  • कटे हुए प्लास्टर और आला सजावट के रूप में प्लास्टर सजावटी तत्वों के निशान कुतुब शाही शैली की ओर संकेत करते हैं, जब कुतुब शाही ने अंततः निज़ामों पर नियंत्रण कर लिया था।

कोइलकोंडा किला	• स्थान: तेलंगाना का महबूबनगर जिला
	• महत्व: विजयनगर और कुतुब शाही राज्यों के बीच सीमा किले के रूप में कार्य किया।
	• **विशेषताएँ:**
	  • पश्चिमी ओर खड्डों से ढकी एक पहाड़ी पर स्थित
	  • एक सुरक्षा दीवार पहाड़ी को पर्दों और बुर्जों से घेरती है
	  • मेहराबदार प्रवेशद्वार सजाए गए हैं - 4 प्रवेशद्वार।
	  • महत्वपूर्ण अवशेष: कमांडर का घर, कई अन्य अपार्टमेंट, पत्रिकाएँ, अन्न भंडार और एक ईदगाह

एलगंडाल किला / वेलिगुंडाला	• स्थान: तेलंगाना का करीमनगर जिला। • निर्माण: कहा जाता है कि इसका निर्माण काकतीय राजवंश के दौरान हुआ था और यह मुसुनुरी नायक शासन के दौरान गढ़ों में से एक था। • कुतुब शाही शासन: अब्दुल हसन कुतुब शाह के समय इसे 21 परगनाओं वाला एक प्रांत बनाया गया था। • अन्य शासक: कल्याण चालुक्य, बाद में काकतीय, मुसुनुरी नायक, बहमनी, कुतुब शाही और निज़ाम। • प्रमुख संरचनात्मक अवशेष: एक मंदिर और दरगाह जो प्रारंभिक और उत्तर मध्यकालीन काल के हैं।

गुजरात के किले

- गुजरात, इतिहास और संस्कृति से भरपूर भूमि है, जो शानदार किलों से सुशोभित है जो इस क्षेत्र की समृद्ध विरासत के कालातीत स्मारकों के रूप में खड़े हैं। जूनागढ़ की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों से लेकर दीव के शांत तटों तक, प्रत्येक किला वीरता, विजय, लचीलेपन और वास्तुकला की चमक की गाथा बयां करता है।

ऊपरकोट किला, जूनागढ़

- निर्माण: मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त द्वारा 319 ई.पू.
- विभिन्न राजवंशों का गढ़: मौर्य, गुप्त और चूडास्मा।
- वास्तुकला के चमत्कार: एक मस्जिद, हजारों साल पुरानी बौद्ध गुफाओं का एक समूह, और दो सुंदर बावड़ियाँ आदि कादी वाव और नवघन कुवो)।
- 2 तोपें: नीलम और मणि

पावागढ़ चंपानेर किला

- यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
- **निर्माण:** 8वीं शताब्दी में, जब यह चावड़ा राजवंश के लिए एक किलेबंद चौकी के रूप में कार्य करता था।
- अन्य शासक राजवंश: सोलंकी राजपूत गुजरात के चालुक्य), खीची चौहान और गुजरात सल्तनत।
- प्रमुख वास्तुकलाएँ:
  - **कालिका माता मंदिर:** किले की दीवारों के भीतर स्थित एक प्रतिष्ठित हिंदू तीर्थ स्थल।
  - **जामी मस्जिद:** गुजरात सल्तनत के महमूद बेगड़ा द्वारा निर्मित

दीव किला

- स्थान: गुजरात के तट से दूर दीव द्वीप
- महत्व: विश्व में पुर्तगाली मूल के सात आश्चर्यों में से एक।
- निर्माण: गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह और पुर्तगालियों के बीच मुगलों के खिलाफ एक रणनीतिक गठबंधन का परिणाम, 1535 में डी नूनो दा कुन्हा द्वारा निर्मित और 1546 में डी जोआओ डे कास्त्रो द्वारा पुनर्निर्मित।
- प्रयुक्त पत्थर: गर्म लाल बलुआ पत्थर।
- पोर्टा दा बारा: किले का प्रवेश द्वार

भुजिया किला

- स्थान: कच्छ जिले के भुज शहर के बाहरी इलाके में भुजिया पहाड़ी पर।
- निर्माण: इसका निर्माण 1715 में कच्छ साम्राज्य के शासक राव गोडजी प्रथम और उनके पुत्र देशलजी प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ था।
- प्रयुक्त पत्थर: लाल बलुआ पत्थर

भद्रा किला, अहमदाबाद (आर्क किला)

- निर्माण: अहमद शाह प्रथम द्वारा 1411 में।
- इंडो-इस्लामिक वास्तुकला:
  - भद्र काली मंदिर
  - जामा मस्जिद
  - तीन दरवाजा: पूर्व में शाही चौक, मैदान-शाह का प्रवेश द्वार।
  - घंटाघर: 1849 में लंदन से एक टावर घड़ी लाई गई थी और 1878 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा यहां स्थापित की गई थी

भारत के प्रमुख यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

- विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन, 1972 में यूनेस्को के महाधिवेशन द्वारा अपनाया गया एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, जिसकी स्थापना इस आधार पर की गई थी कि पृथ्वी पर कुछ स्थान उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के हैं और इस तरह उन्हें मानव जाति की साझी विरासत का हिस्सा बनना चाहिए। कन्वेंशन का पालन करने वाले राष्ट्र या राज्य पक्ष एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा बन गए हैं, जो हमारे विश्व की सबसे उत्कृष्ट प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत की पहचान करने और उसे सुरक्षित रखने के साझा मिशन में एकजुट हैं। राष्ट्रीय संप्रभुता का पूर्ण सम्मान करते हुए और राष्ट्रीय कानून द्वारा प्रदत्त संपत्ति अधिकारों के प्रति पूर्वाग्रह के बिना, कन्वेंशन के राज्य पक्ष यह मानते हैं कि विश्व विरासत की सुरक्षा समग्र रूप से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का कर्तव्य है। भारत की कुल 42 संपत्तियां विश्व विरासत सूची में अंकित हैं।

आगरा का लाल किला

- लाल बलुआ पत्थर से बना एक शक्तिशाली किला, अपनी 2.5 किमी लंबी दीवारों के भीतर मुगल शासकों के शाही शहर को घेरता है।
- प्रमुख वास्तुकलाएं: शाहजहां द्वारा निर्मित जहांगीर महल और खास महल; दीवान-ए-खास जैसे दर्शक हॉल; और दो बहुत खूबसूरत मस्जिदें।

अजंता की गुफाएं

- विषय में: प्रथम बौद्ध गुफा स्मारक जो दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं
- विकास: गुप्त काल के दौरान 5वीं और 6वीं शताब्दी ई.)

नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार

- इसके बारे में: यह तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ईस्वी तक के मठवासी और शैक्षिक संस्थान का पुरातात्विक अवशेष है।
- घटक: स्तूप, मंदिर, विहार आवासीय और शैक्षणिक भवन) तथा प्लास्टर, पत्थर और धातु से बनी महत्वपूर्ण कलाकृतियाँ।
- भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय: इसने 800 वर्षों की निर्बाध अवधि में ज्ञान का प्रसार किया।

साँची में बौद्ध स्मारक

- स्थान: भोपाल से 40 किमी से अधिक दूर
- विशिष्टताएँ: इसमें बौद्ध स्मारकों अखंड स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह है, जो दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है।
- महत्व: यह सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पूर्व में विक्टोरिया टर्मिनस), मुंबई

- भारत में विक्टोरियन गोथिक पुनरुद्धार वास्तुकला का उदाहरण
- वास्तुकार: ब्रिटिश वास्तुकार एफ डब्ल्यू स्टीवन
- निर्माण: 1878 में पत्थर के गुंबद, बुर्ज, नुकीले मेहराब और विलक्षण भूमि योजना के साथ शुरू हुआ

धोलावीरा: एक हड़प्पा शहर

- विषय: यह एक पुरातात्विक स्थल है, जहां 3000 ईसा पूर्व से 1800 ईसा पूर्व तक 1,200 वर्षों तक निवास किया गया था।
- स्थान: भारतीय राज्य गुजरात के कच्छ जिले में धोलावीरा गांव के पास।
- महत्व: उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता का 5वां सबसे बड़ा स्थल।
- यह दो मौसमी नदियों के बीच स्थित है: मानसर उत्तर) और मनहर दक्षिण)।
- 2 भाग: एक दीवार से घिरा शहर और शहर के पश्चिम में एक कब्रिस्तान।

एलोरा की गुफाएं

- विषय: महाराष्ट्र में औरंगाबाद से कुछ ही दूरी पर एक ऊंची बेसाल्ट चट्टान की दीवार में 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 34 मठ और मंदिर एक साथ खोदे गए हैं।
- संबंधित धर्म: बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म और जैन धर्म

फतेहपुर सीकरी

- निर्माण: 16वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सम्राट अकबर द्वारा,
- जामा मस्जिद: भारत की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक।

महान जीवित चोल मंदिर

- इसमें 11वीं और 12वीं सदी के तीन महान मंदिर शामिल हैं:
  - तंजावुर में बृहदीश्वर मंदिर
  - गंगईकोंडचोलीश्वरम में बृहदीश्वर मंदिर: राजेंद्र प्रथम द्वारा निर्मित, यह 1035 ई. में पूरा हुआ।
  - दारासुरम में ऐरावतेश्वर मंदिर: दारासुरम में राजराजा द्वितीय द्वारा निर्मित, इसमें 24 मीटर ऊंचा विमान और भगवान शिव की पत्थर की मूर्ति है

हम्पी में स्मारक

- हम्पी: अंतिम महान हिन्दू साम्राज्य विजयनगर की अंतिम राजधानी।
- वास्तुकला: द्रविड़ मंदिर और महल
- 1565 में दक्कन मुस्लिम संघ द्वारा विजय प्राप्त की गई

महाबलीपुरम में स्मारक

- संस्थापक: पल्लव राजा
- विशिष्टताएं : 7वीं और 8वीं शताब्दी में कोरोमंडल तट के किनारे चट्टान को काटकर बनाया गया।
- प्रमुख वास्तुकला: अपने रथों रथ जैसे मंदिर), मंडपों, विशाल खुली हवा में उभरी हुई आकृतियाँ जैसे प्रसिद्ध 'गंगा अवतरण', और रिवाज़ मंदिर के लिए जाना जाता है, जिसमें भगवान शिव की महिमा को दर्शाने वाली हजारों मूर्तियाँ हैं।

कर्नाटक के पट्टाडकल में स्मारक

- घटक: नौ हिंदू मंदिर, साथ ही एक जैन अभयारण्य
- विरुपाक्ष मंदिर: लगभग 740 ई. में रानी लोकमहादेवी द्वारा अपने पति की दक्षिण के राजाओं पर विजय की स्मृति में बनवाया गया।

राजस्थान के पहाड़ी किले

- 6 राजसी किले : चित्तौड़गढ़; कुंभलगढ़; सवाई माधोपुर;

झालावाड़; जयपुर और जैसलमेर।
- परिदृश्य द्वारा प्रदान की गई प्राकृतिक सुरक्षा का उपयोग करें: पहाड़ियाँ, रेगिस्तान, नदियाँ और घने जंगल।
- विशेष विशेषता: व्यापक जल संचयन संरचनाएं हैं, जो आज भी बड़े पैमाने पर उपयोग में हैं।

अहमदाबाद का दीवार से घिरा शहर
- संस्थापक: सुल्तान अहमद शाह ने 15वीं शताब्दी में साबरमती नदी के पूर्वी तट पर
- प्रमुख वास्तुकला: भद्र गढ़, किला शहर की दीवारें और द्वार तथा मस्जिदें और मकबरे तथा बाद के काल के महत्वपूर्ण हिंदू और जैन मंदिर।

हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली
- निर्माण: 1570
- महत्व: भारतीय उपमहाद्वीप पर पहला उद्यान-मकबरा।

जयपुर शहर, राजस्थान
- स्थापित: 1727 में सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा।
- विशिष्टता: ग्रिड योजना के अनुसार निर्मित, इसमें बड़े सार्वजनिक चौक हैं जिन्हें चौपर कहा जाता है।

(काकतीय रुद्रेश्वर रामप्पा) मंदिर, तेलंगाना
- स्थान: हैदराबाद, तेलंगाना से लगभग 200 किमी. उत्तर-पूर्व में पालमपेट गांव में।
- मंदिर के बारे में: मुख्य शिव मंदिर बलुआ पत्थर से बना है, जो चारदीवारी वाले परिसर में स्थित है, जिसका निर्माण काकतीय काल 1123-1323 ई.) में शासकों रुद्रदेव और रेचारला रुद्र के अधीन हुआ था।
- निर्माण: इसका निर्माण 1213 ई. में शुरू हुआ था और इसमें नक्काशीदार ग्रेनाइट और डोलेराइट के बीम और स्तंभ लगे हैं।

खजुराहो स्मारक समूह
- निर्माण: चंदेल राजवंश के दौरान, जो 950 और 1050 के बीच अपने चरमोत्कर्ष पर था।
- केवल लगभग 20 मंदिर ही बचे हैं
- 2 अलग धर्म: हिंदू धर्म और जैन धर्म।
- कंदारिया मंदिर: यह एक शिव मंदिर है और भारतीय कला की महानतम कृतियों में से एक है।

बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर
- विषय: भगवान बुद्ध के जीवन और विशेष रूप से ज्ञान प्राप्ति से संबंधित चार पवित्र स्थलों में से एक।
- मंदिर: पहला मंदिर सम्राट अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बनाया गया था, और वर्तमान मंदिर 5वीं या 6वीं शताब्दी का है।

भारत के पर्वतीय रेलमार्ग
- 3 रेलवे:
  - दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे: पहली पहाड़ी यात्री रेलवे 1881 में खोली गई।
  - नीलगिरि माउंटेन रेलवे: तमिलनाडु राज्य में 46 किलोमीटर लंबी मीटर-गेज एकल-ट्रैक रेलवे, जो 1908 में पूरी हुई।
  - कालका शिमला रेलवे: यह 96 किलोमीटर लंबी, एकल ट्रैक वाली कार्यशील रेल लाइन है, जिसका निर्माण 19वीं शताब्दी के मध्य में शिमला के पहाड़ी शहर को सेवा प्रदान करने के लिए किया गया था।

कुतुब मीनार और उसके स्मारक, दिल्ली
- निर्माण: 13वीं शताब्दी के प्रारंभ में, दिल्ली से कुछ किलोमीटर दक्षिण में
- बारे में: लाल बलुआ पत्थर से बनी यह मीनार 72.5 मीटर ऊंची है, जिसका व्यास इसके शिखर पर 2.75 मीटर से लेकर आधार पर 14.32 मीटर तक पतला होता जाता है, तथा इसमें कोणीय और गोलाकार आकृतियां हैं।
- अलाई-दरवाजा गेट: भारतीय-मुस्लिम कला की उत्कृष्ट कृति 1311 में निर्मित)
- कुव्वतुल-इस्लाम मस्जिद: उत्तरी भारत की सबसे पुरानी मस्जिद।

रानी-की-वाव रानी की बावड़ी), पाटण, गुजरात
- स्थान: सरस्वती नदी के तट पर
- निर्माण: प्रारंभ में 11वीं शताब्दी ई. में एक राजा के स्मारक के रूप में बनाया गया था
- वास्तुकला: मारू-गुर्जर स्थापत्य शैली

भीमबेटका के शैलाश्रय
- स्थान: मध्य भारतीय पठार के दक्षिणी किनारे पर विंध्य पर्वत की तलहटी।

होयसल के पवित्र समूह
- दक्षिण भारत में 12वीं से 13वीं शताब्दी के बीच के 3 होयसला शैली के मंदिर परिसर हैं।

शांति निकेतन
- स्थापना: रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा 1901 में ग्रामीण पश्चिम बंगाल
- जो प्राचीन भारतीय परंपराओं और धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे मानवता की एकता के दृष्टिकोण पर आधारित था।
- 'विश्व विश्वविद्यालय': मानवता की एकता या 'विश्व भारती' को मान्यता देते हुए 1921 में शांतिनिकेतन में इसकी स्थापना की गई थी।

सूर्य मंदिर, कोणार्क
- **के बारे में:** यह सूर्यदेव के रथ का एक स्मारकीय चित्रण है; इसके 24 पहिये प्रतीकात्मक डिजाइनों से सुसज्जित हैं तथा इसका नेतृत्व छह घोड़ों का एक दल करता है।

ताज महल
- जो मुगल सम्राट शाहजहाँ के आदेश पर अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में 1631 और 1648 के बीच आगरा में बनवाया गया था।

जंतर मंतर, जयपुर
- विषय: 18वीं शताब्दी के प्रारंभ में निर्मित एक खगोलीय प्रेक्षण स्थल जिसमें लगभग 20 मुख्य स्थिर उपकरणों का एक सेट शामिल है।
- महत्व: यह भारत की ऐतिहासिक वेधशालाओं में सबसे महत्वपूर्ण, सबसे व्यापक और सबसे अच्छी तरह से संरक्षित है।

ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र जीएनपीएस)

- स्थान: हिमाचल प्रदेश
- विशेषताएँ: ऊँची अल्पाइन चोटियाँ, अल्पाइन घास के मैदान और नदी किनारे के जंगल।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

- विषय: असम में स्थित यह पार्क पूर्वी भारत के उन अंतिम क्षेत्रों में से एक है जहां मानव उपस्थिति अप्रभावित है।
- महत्व: यहाँ विश्व की सबसे बड़ी एक सींग वाले गैंडे, बाघ, हाथी, तेंदुआ, भालू और हजारों पक्षी निवास करते हैं।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

- विषय: अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, चीन और साइबेरिया से बड़ी संख्या में जलीय पक्षियों के लिए प्रमुख शीतकालीन निवास क्षेत्रों में से एक।
- महत्व: पार्क में दुर्लभ साइबेरियन क्रेन सहित पक्षियों की लगभग 364 प्रजातियां दर्ज की गई हैं।

सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान

- इसके विषय में: यह गंगा डेल्टा में 10,000 वर्ग किमी भूमि और जल क्षेत्र आधे से अधिक भारत में, शेष बांग्लादेश में को कवर करता है।
- महत्व: इसमें विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन क्षेत्र है।

कुरुक्षेत्र

थेय्यम

- अन्य नाम: कलियाट्टम, थेय्यमकेट्टू या थिरायदियांथिरम
- विवरण: केरल के उत्तरी भाग, विशेष रूप से कासरगोड, कन्नूर, वायनाड और कोझीकोड जिलों में एक स्वदेशी जीवंत अनुष्ठानिक कला रूप।
- कर्नाटक में प्रचलित: यह कला रूप कर्नाटक के निकट तुलुनाडु क्षेत्र में बुता कोला भूत कोला) के नाम से भी प्रचलित है।

थेय्यम का नृत्य करने वाले समुदाय

- मलयार समुदाय: वे उत्तर में कासरगोड से लेकर दक्षिण में वडकारा तक बसें हुए हैं।
- माविलनमार समुदाय: कन्नूर और कासरगोड जिलों के पहाड़ी इलाकों के निवासी, जो टोकरी बुनने का काम भी करते हैं।
- कोप्पलार समुदाय: कासरगोड का निवासी समुदाय, यह अपनी थुलुनाड संस्कृति के लिए प्रसिद्द हैं और थुलु भाषा में 'नालकेडयार' के नाम से जाना जाता है जिसका अर्थ नृत्य होता है।
- कलनाडिकल: एक मातृसत्तात्मक आदिवासी समाज जिसके बारे में माना जाता है कि यह वायनाड की पहाड़ियों में आकर बसा।

थेय्यम के संरचनात्मक घटक

- वेल्लट्टम/ थोट्टम पाटू: प्रदर्शन का शुरुआती चरण; इसमें कलाकार एक साधारण और मामूली लाल साफे में ढोल बजाने वालों के साथ, मंदिर या थेय्यम के देवता की कल्पित कथा को पढ़ता है।
- कावु : यह पवित्र उपवन या वन क्षेत्र है जहाँ पारंपरिक रूप से थेय्यम प्रदर्शन होते हैं।
- फसल का प्रतीक: थेय्यम प्रदर्शन आमतौर पर सर्दियों के महीनों के दौरान आयोजित किए जाते हैं, जो कृषि की शांति के साथ संरेखित होते हैं जब ग्रामीण अपनी खेती की गतिविधियों को बाधित किए बिना सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं।
- थेय्यम की जाति आधारित प्रकृति: थेय्यम प्रदर्शन अक्सर विशिष्ट जातियों से जुड़े होते हैं, विशेषकर समाज के निचले तबके से।
- प्राकृतिक श्रृंगार और पोशाक: चावल के पाउडर और हल्दी जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बना यह श्रृंगार कलाकारों को दैवीय या पैतृक प्राणियों में बदल देता है। इस परिधान में नारियल के पत्तों और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से बने जटिल डिज़ाइन और आभूषणों से सजी रंगबिरंगी पोशाकें शामिल हैं।
- पारंपरिक वाद्ययंत्र: चेंडा (ड्रम) और इलाथलम (झांझ) नृत्य प्रदर्शन में ताल प्रदान करते हैं।

थेय्यम के प्रकार

- थेय्यम के ~ 400 विविध रूप है लेकिन मोटे तौर पर इन्हें निम्न प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है:
  - देवी रूप: मुख्यतः भगवती, काली, चामुंडी और भद्रकाली जैसी मातृ देवियाँ
  - देशी और आदिवासी संस्कृतियाँ: नाग देवता तथा देवी और वे श्राप और आशीर्वाद से जुड़े हैं।
  - पशु रूप: बाघ और बंदर देवता, प्रकृति के साथ समुदाय के जटिल संबंधों को व्यक्त करते हैं।
  - मप्पिला थेय्यम: यह मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है तथा इस क्षेत्र और काल के सांस्कृतिक अंतर्क्रियाओं और सहभागिता को दर्शाता है।

प्रतीकात्मकता

- पारिस्थितिकीय प्रतीकवाद: कई थेय्यम प्रदर्शनों में देवताओं और आत्माओं को दिखाया जाता है जो प्रकृति के तत्वों, जैसे जंगलों, नदियों, जानवरों और आकाशीय पिंडों से निकटता से जुड़े होते हैं।
- पवित्र उपवन/ कावू और जैव विविधता संरक्षण: इन प्राकृतिक स्थानों पर थेय्यम का प्रदर्शन करके आदिवासी समुदाय भूमि के साथ अपने आध्यात्मिक संबंध को मज़बूत करते हैं।
- फसल उत्सव और कृषि संबंधी ज्ञान: कुछ थेय्यम अनुष्ठान फसल उत्सव और कृषि उत्सवों से जुड़े हैं, जो आदिवासी समाजों में कृषि के महत्व पर प्रकाश डालते हैं।
- पर्यावरण संरक्षण: आदिवासी समुदाय पर्यावरणीय चेतना बढ़ाने के माध्यम के रूप में थेय्यम का उपयोग करके सामुदायिक जागरूकता फैलाने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देना चाहते हैं।

आदिवासी कला की भूमिका

- यह महत्वपूर्ण है कि आदिवासी भारत की परंपरा और सांस्कृतिक विविधता दुनिया में सबसे प्राचीन और अद्वितीय है, जिसकी अपनी प्रासंगिकता और तर्कसंगतता है, क्योंकि भारतीय जनजातियाँ अपनी अनूठी कलात्मकता को सुंदर तरीकों से व्यक्त करती हैं, इसलिए भूगोल, सामाजिक-ऐतिहासिक संक्रमण, परिवर्तन और ट्रांसक्रिएशन जैसे कारक उनके कलात्मक दृष्टिकोण की शैली को आकार देते हैं। यह कला हमारी समृद्ध सभ्यता का एक अनमोल रत्न है, जिसे पूरे देश में प्रतिभाशाली स्वदेशी कारीगरों द्वारा जीवंत रंगों के साथ जीवंत किया गया है।

वारली चित्रकला

- विवरण: महाराष्ट्र में उत्तरी सह्याद्रि पर्वतमाला की जनजातियों द्वारा निर्मित जनजातीय कला की एक शैली।
- मुख्य क्रिया : पारंपरिक रूप से वारली जनजाति की महिलाएं /सुवासिनियाँ इसका अभ्यास करती हैं, जो लग्न चौक या विवाह चौक को सजाती हैं।
- **विषय:**
  - दैनिक कार्य
  - आदिवासी लोगों का प्रकृति, देवताओं,कल्पित कथाओ , परंपराओं, रीति-रिवाजों और उत्सवों से संबंध।
  - वृत्त, त्रिभुज और वर्ग जैसे सरल डिजाइनों का उपयोग
  - केंद्रीय रूपांकन - "चौक" या "चौकट"

गोंड चित्रकला

- अभ्यास: मध्य भारत के गोंड आदिवासी समुदाय द्वारा।
- विषय:
  - पशु
  - महुआ का पेड़
  - पौराणिक कहानियाँ
  - हिंदू देवता, स्थानीय देवता
  - लोककथाएँ
- डिजाइन और पैटर्न: बिंदु, बारीक रेखाएं, घुमावदार रेखाएं, डैश, मछली के शल्क, पानी की बूंदें, बीज की आकृतियां और ज्यामितीय आकृतियां

हॉर्नबिल महोत्सव

- राज्य: नागालैंड में दिसंबर के पहले सप्ताह में
- विवरण: राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नागालैंड सरकार द्वारा आयोजित सबसे बड़े स्वदेशी त्योहारों में से एक।
- नाम: इसका नाम हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर रखा गया है - जो नागा लोगों का सबसे पूजनीय पक्षी है।

चंपा रेशम/ कोसा रेशम

- राज्य: विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में उत्पादित - जीआई टैग 2010)
- बनावट: मुख्य रूप से हल्के सुनहरे भूरे रंग में, लेकिन यह हल्के पीले, नारंगी, हल्के सुनहरे, क्रीम और कई अन्य प्राकृतिक रंगों में भी पाया जाता है।

फुलकारी कढ़ाई

- राज्य: पंजाब
- विवरण: हल्के रंग के कपड़े पर चमकीले रंगों के साथ पुष्प डिजाइन की कढ़ाई। कपडे के पीछे टांके की कढ़ाई की जाती है।

ढोकरा धातु शिल्प

- ढोकरा दमार जनजाति: मध्य भारत के पारंपरिक धातु कारीगर।
- उत्पत्ति: इसकी उत्पत्ति छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों से हुई, जहां यह उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं के एक अभिन्न अंग के रूप में विकसित हुआ।
- धातु ढलाई प्रणाली: इसमें लॉस्ट वैक्स कास्टिंग विधि का उपयोग किया जाता है।
- विषय: प्रकृति, पौराणिक कथाओं और रोजमर्रा की जिंदगी से प्रेरित होकर, अपनी रचनाओं में पशु, पक्षी, देवी-देवताओं और आदिवासी प्रतीकों जैसे रूपांकनों को शामिल किया।

भारत के कृषि महोत्सव

अपनी सांस्कृतिक विरासत के एक हिस्से के रूप में, सभी जनजातियाँ देवताओं को प्रसन्न करने और आशीर्वाद के लिए माँ प्रकृति का सम्मान करने के लिए विभिन्न त्यौहार मनाती हैं। विभिन्न कृषि गतिविधियाँ, जैसे बुवाई, फसलों की देखभाल, कटाई आदि, अपने सर्वोत्तम परिणामों के लिए प्रकृति या मौसम पर निर्भर हैं। इसलिए, मौसम की स्थिति में कोई भी प्रतिकूलता प्राचीन कृषि समाजों के लिए उनके अस्तित्व और जीविका के लिए एक बड़ी चुनौती थी। अपनी फसलों को किसी भी आपदा से सुरक्षित रखने के लिए, उन्होंने कृषि क्षेत्रों और संबंधित देवताओं की पूजा गीत, नृत्य और विभिन्न प्रसाद के साथ करना शुरू कर दिया।

प्रमुख जनजातीय महोत्सव

1. **भगोरिया हाट या भगोरिया आदिवासी महोत्सव**
   - भील और भीलाला जनजातियों द्वारा मनाया जाता है
   - माह: मार्च

- प्रकार: कटाई महोत्सव
- राज्य: मध्य प्रदेश के झाबुआ, धार, अलीराजपुर और खरगोन क्षेत्रों में मनाया जाता है

2. करमा या करम महोत्सव

- राज्य: मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार और असम
- विवरण: अच्छी फसल और स्वास्थ्य के लिए करम-भगवान/ ईश्वर के आशीर्वाद हेतु समर्पित
- जनजातियाँ: मुंडा, हो, उरांव, बागल, बैगा, खारिया, कुड़मी, लोहरा और कोरवा प्रमुख जनजातियाँ हैं
- माह: हिंदू महीने 'भादों' (अगस्त-सितंबर) में 'पूर्णिमा' के 11वें दिन एकादशी को मनाते हैं।
- प्रकार: बुवाई महोत्सव

3. हरेली

- राज्य: छत्तीसगढ
- विवरण: सामान्य रूप से फसल, पेड़ों और हरियाली को समर्पित
- जनजातियाँ: मुख्य रूप से गोंड जनजाति द्वारा 'श्रावण' महीने जुलाई-अगस्त) में अमावस्या के दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाता है।
- देवी-देवता: अच्छी मानसून और भरपूर फसल का आशीर्वाद पाने के लिए इस त्यौहार के दौरान देवी 'कुटकी दाई' की पूजा की जाती है।
- प्रमुख अनुष्ठान: स्थानीय रूप से 'थुरलू कोटला' या 'टीका पाटा' के नाम से जानी जाने वाली साल की लकड़ी की पूजा की जाती है।
- अन्य नाम: हिमाचल प्रदेश कांगड़ा, शिमला और सिरमौर) में हरियाली और रियाली तथा जुब्बल और किन्नौर में दखरैल

4. बिहान मेला

- विवरण: यह ओडिशा की कोंध जनजाति द्वारा मनाया जा रहा है और यह क्षेत्र में, विशेष रूप से नयागढ़ जिले में उगाई जाने वाली स्वदेशी फसलों और किस्मों का उत्सव है।
- अर्थ: बीज महोत्सव
- लक्ष्य: पारंपरिक किस्मों और मिश्रित फसल जैसी पारंपरिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, जिनकी खेती हरित क्रांति के बाद से बंद हो गई थी।

5. मध्य प्रदेश के अन्य कृषि जनजातीय महोत्सव

- मकर संक्रांति उत्सव/ रेडग्राम सप्ताह: लाल चने की नई कटी फ़सल को सबसे पहले भगवान को प्रार्थना के साथ चढ़ाया जाता है और फिर परिवार के लिए पकाया जाता है।
- शिवरात्रि/ 'पूला पंडगा': फरवरी में फूलों के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है, जिसके दौरान आदिवासी लोग देवी की पूजा के लिए जंगल से सभी प्रकार के फूल एकत्र करते हैं।
- बीज और इमली का त्यौहार: मार्च माह में मनाया जाता है।
- बीज महोत्सव : यह त्यौहार बुवाई और खेती से पहले मई में मनाया जाता है।
- मोक्कलू त्यौहार: जुलाई में मनाया जाने वाला त्यौहार जिसमे फसलों में होने वाली बीमारियों को रोकने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए आदिवासी अपने खेतों से अवांछित पौधों को उखाड़ते हैं।
- नंदम्मा देवी त्यौहार: यह खेतों से कटी हुई फसलों को लाने का उत्सव है।
- कांडा उत्सव: यह दिसंबर में शुरू होता है और जनवरी में रेडग्राम सप्ताह के रूप में समाप्त होता है।

6. असम के कृषि जनजातीय महोत्सव

- अली- ऐ-लिगांग: फाल्गुन माह के पहले बुधवार को खेती की शुरुआत के उपलक्ष्य में मिसिंग जनजाति द्वारा मनाया जाता है
- पोराग: अगहन और फाल्गुन के महीनों में मिसिंग जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला यह त्यौहार फसल कटाई के बाद मनाया जाता है। नोरा सिगा बिहू के नाम से भी जाना जाने वाला यह त्यौहार 5 दिनों तक चलता है।

7. नागालैंड के कृषि जनजातीय महोत्सव

- 'ऐलोंग' उत्सव: खेतों में नए बीज बोने के बाद भरपूर फसल के लिए दैवीय आशीर्वाद पाने के लिए मनाया जाता है। उत्सव हर साल मुख्य रूप से कोन्याक जनजाति द्वारा पांच दिनों 1-6 अप्रैल तक जारी रहता है।
- मोआत्सी मोंग/मोआत्सु त्यौहार: बीज बोने और खेतों की सफाई करने के बाद, एओ जनजाति के लोग मई के पहले सप्ताह में तीन दिन तक चलने वाला यह त्यौहार मनाते हैं। वे संगपंगतु नामक आग जलाते हैं और उसके चारों ओर बैठते हैं।
- बुशु दिमा त्यौहार: जनवरी की फसल काटने पर दिमांसा जनजाति का तीन दिवसीय उत्सव, जिसमें वे अपने धान की उपज अपने सर्वोच्च देवता को अर्पित करते हैं, जिसे ब्राई सिबराई मडाई कहा जाता है।

8. अरुणाचल प्रदेश के कृषि जनजातीय महोत्सव

- म्योको: अपातानी जनजाति का सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक यह त्योहार हर साल 20 मार्च से 19 अप्रैल तक मनाया जाता है ताकि खेतों और लोगों दोनों में उर्वरता सुनिश्चित की जा सके।
- रेह त्यौहार: परिवार और फसलों की समृद्धि की कामना के लिए इडु मिश्मी जनजाति द्वारा हर साल 1 से 3 फरवरी तक मनाया जाता है।
- मोपिन: गालो जनजाति द्वारा प्रतिवर्ष 5 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक कृषि त्यौहार है, जिसमें मौज-मस्ती करने वालों के चेहरों पर चावल का आटा लगाया जाता है क्योंकि चावल इस जनजाति का मुख्य भोजन है।
- न्योकुम त्यौहार: यह हर साल 26 फरवरी को न्यिश जनजाति द्वारा मनाया जाता है। यह त्यौहार बुआई के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है, क्योंकि त्यौहार के दौरान, भरपूर फसल के लिए देवी की पूजा की जाती है।

9. सिक्किम के कृषि जनजातीय महोत्सव

- लोसर: सिक्किम के स्थानीय समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला यह सबसे लोकप्रिय त्यौहार है, जिसमें मूल रूप से नए साल में अच्छी फसल की प्रार्थना की जाती है।
- साकेवा: यह त्यौहार मुख्यतः किरात खंबा राय समुदाय द्वारा विभिन्न रूपों में धरती माता के आशीर्वाद के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।
- लोसूंग या नूम्सोंग त्यौहार: यह फसलों की कटाई के मौसम के अंत का जश्न मनाता है। यह सिक्किम के नववर्ष का भी प्रतीक है।

पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी लोक नृत्य

- दो सौ से ज़्यादा जनजातियों और जातीय समुदायों का घर, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र अक्सर त्योहारों, संगीत और नृत्य के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। हर जनजाति या समुदाय के अपने अलग-अलग त्योहार होते हैं, जिनमें से ज़्यादातर बुवाई, कटाई और नए साल के इर्द-गिर्द केंद्रित होते हैं। लोक नृत्य इन त्योहारों का एक अभिन्न अंग हैं जो न केवल जनजातियों की संस्कृति को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि उनके रंग-बिरंगे कपड़े, संगीत वाद्ययंत्र और सबसे बढ़कर, प्रकृति के प्रति उनके आंतरिक प्रेम को भी दर्शाते हैं।

अरुणाचल प्रदेश के जनजातीय लोक नृत्य

- रिखम पाडा: यह नृत्य निशी लोगों द्वारा किया जाता है, जो एक स्वदेशी आस्था का पालन करते हैं, जिसमें नर्तक मिश्रित रूप में नर्तक बेंत की बड़ी टोपी और पीटे गए बेल धातु से बना एक प्राचीन कमर की बेल्ट पहनते हैं।
- पोनुंग: यह नृत्य आदि जनजाति द्वारा किया जाता है, जो भरपूर फसल की कामना के लिए मनाए जाने वाले सोलुंग उत्सव का हिस्सा है। यह नृत्य विशेष रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता है, तथा उनका मार्गदर्शन मिरी नामक एक पुरुष करता है।
- डेलॉन्ग : पुरुषों का एक आदि लोकनृत्य जो एटोर उत्सव के दौरान किया जाता है। इस नृत्य में गाँव के खेतों को जानवरों से बचाने के लिए उनके चारों ओर बाड़ बनाना या उनकी मरम्मत करना दर्शाया जाता है
- दामिंडा लोकनृत्य: अपातानी महिलाओं द्वारा ड्री त्योहार के आरंभ और समापन को चिह्नित करने के लिए किया जाने वाला यह नृत्य पारंपरिक कृषि के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है।
- चाम: महायान बौद्ध धर्म को मानने वाले मोनपा लोगों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले 22 विभिन्न प्रकार के लोक नृत्य, जिनमें से कुछ तीन दिवसीय मठवासी उत्सव तोर्ग्या के दौरान प्रस्तुत किए जाते हैं।
- फा चाम: मोनपा लोगों द्वारा प्रदर्शित। इस का प्रदर्शन एक अकेले व्यक्ति द्वारा भिक्षु की पोशाक में फा सूअर) का मुखौटा पहने हुए किया जाता है। यह देवताओं और आत्माओं को शांत करने के लिए किया जाता है ताकि तोर्ग्या त्यौहार मनाने के लिए सही परिस्थितियां बनाई जा सके।
- शनाग चाम: प्रदर्शन बारह नर्तकों द्वारा किया जाता है जो तांत्रिक पुजारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो फोड़का टखनों तक का एक गाउन जिस पर खूब सारी कढ़ाई की हुई होती है) और पंग खेब रंगीन कढ़ाई वाला एक एप्रन) पहनने के साथ-साथ शनाग नामक एक काली, चौड़ी किनारे वाली टोपी पहनते हैं।
- गॉन - न्यिन चाम: इस नृत्य का प्रदर्शन ग्यारह नर्तकों द्वारा किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक एक हाथ में अनुष्ठान की घंटी और दूसरे में डमरू पकड़े हुए होते हैं और डाकिनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो बौद्ध धर्म के रक्षक हैं।

असम के जनजातीय लोक नृत्य

- बागरुम्बा नृत्य: युवा बोडो महिलाओं द्वारा वसंत ऋतु में समुदाय की समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना करने के लिए किया जाता है।
- बर्दविसिखला: पवन देवी के स्वागत में किया जाने वाला वसंतकालीन बोडो लोक नृत्य।
- गुमराग सोमन: अली-ए-ये लिगांग वसंतकालीन बीज-बुवाई उत्सव) के एक भाग के रूप में मिसिंग लोगों द्वारा ढोल, झांझ और बांसुरी के साथ ओइनिटोम गाने की लय पर प्रदर्शित किया जाता है।
- रिटनोंग चिंगडी, लिंगपम सोकचोन और हाचा हेकन: कार्बी आदिवासी समुदाय द्वारा प्रस्तुत और कृषि से जुड़े हुआ हैं।
- निम्सो केरुंग और बंजार केकन: मृत्यु संबंधी रस्मों से जुड़े हैं।

मेघालय के जनजातीय लोक नृत्य

- नोंगक्रेम नृत्य: यह नृत्य खासियों द्वारा स्थानीय देवता यू लेई शिलॉन्ग को समर्पित नोंग्क्रेम उत्सव के दौरान किया जाता है, जिसे युवा महिलाएं अपने सबसे अच्छे रंग-बिरंगे पारंपरिक आभूषणों से सुसज्जित होकर करती हैं।
- वंगाला या हंड्रेड ड्रम नृत्य: गारो के वंगाला महोत्सव का हिस्सा है, जो कठिन परिश्रम की अवधि के अंत की पहचान है और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करने के लिए आयोजित किया जाता है।
- चेराव/ बांस नृत्य: ऐसा माना जाता है कि यह सबसे पुराना मिज़ो नृत्य हसी जो पहली शताब्दी ई. में भी अस्तित्व में था।
- मिजोरम के जनजातीय लोक नृत्य
- खुल्लम / अतिथि का नृत्य: एक मिज़ो लोकनृत्य है जो खुआंगचावी का हिस्सा है, एक समारोह में किया जाता है जिसमें सामुदायिक दावत, नृत्य और संगीत शामिल है।
- छेइह लाम: एक नृत्य है जो आनंद और उल्लास की भावना का प्रतीक है। लोगों का एक समूह एक घेरे में बैठता है और 'छेईह हला' नामक एक गीत गाता है, जिसे ड्रम या बांस की नलिका की थाप या सिर्फ हाथों की ताली बजाकर गाया जाता है।
- पार लाम नृत्य: पहाड़ों और नदियों की सुंदरता का जश्न मनाने के लिए, लड़कियां रंग-बिरंगे परिधान पहनती हैं और अपने बालों में फूल लगाकर प्रकृति की महिमा का गीत गाती हैं, कुछ लड़के तत संगीत वाद्ययंत्र बजाते हैं।

मणिपुर

- अशराई ओडो: माओ जनजाति द्वारा किया जाने वाला यह एक रंगारंग लोक नृत्य है जो अपनी स्वर लय और मधुर चाल के लिए जाना जाता है।
- लुइवाट फ़िज़ाक: तांगखुल लोग का सबसे महत्वपूर्ण लोकनृत्य जो खेती के विभिन्न चरणों और सरल आदिवासी जीवनशैली को दर्शाते

हुए, सभी पारंपरिक त्यौहारों जैसे लुइरा फैनिट बीज बोने का त्यौहार), मनेई फैनिट औजारों और उपकरणों का त्यौहार), और चुम्फू फसल का त्यौहार) के दौरान किया जाता है।

- शिम लैम या फ्लाई डांस: यह नाटक काबुई जनजातियों द्वारा गैंग - नगाई त्योहार के दौरान प्रस्तुत किया जाता है, तथा इसमें ताजुइबोन नामक चमकदार पंखों वाले उड़ने वाले कीट की कहानी दिखाई जाती है, जो एक फूल से दूसरे फूल पर जाकर रस पीता है।
- किट लैम: काबुई जनजातियों द्वारा किया जाने वाला एक कटाई उत्सव जिसमें लयबद्ध नृतक झींगुरों की गति का अनुकरण करता है।

नागालैंड

- सोवी केहू: अंगामी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक सामुदायिक नृत्य जिसमें एक बुजुर्ग "ओह-हू ओह-हू" की आवाज़ लगाकर नेतृत्व करता है, और अन्य लोग गोलाकार गति में उसका अनुसरण करते हैं।
- मिडोंगसु त्सुंगसांग: एओ जनजाति का एक प्रसिद्ध लोकनृत्य; यह विरासत और आध्यात्मिकता का उत्सव है और नर्तक कई पारंपरिक परिधान पहनकर गाँव में घुमते हैं।
- ओह हियो: चाकेसांग जनजाति के पुरुषों द्वारा त्यौहारों और समारोहों के दौरान पुरुषों द्वारा किया जाने वाला एक लोकप्रिय लोकनृत्य; नर्तक विभिन्न पक्षियों और जानवरों की हरकतों की नकल करते हैं, जैसे मुर्गों की लड़ाई और बत्तखों द्वारा पंखों को फड़फड़ाना।

त्रिपुरा

- होजागिरी नृत्य: होजागिरी त्यौहार या लक्ष्मी पूजा के दौरान रियांग आदिवासियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य; पुरुषों का एक समूह खाम ढोल) और सुमुई बांसुरी) बजाता और गाता है, 4-6 महिलाएँ नृत्य करती हैं, जिसके दौरान वे झूम काट-और-जलाओ) खेती के पूरे चक्र को दर्शाती हैं।
- गरिया नृत्य: यह नृत्य जमातिया और कलाई जनजातियों द्वारा गरिया या शिव पूजा के दौरान किया जाता है, जिसमें युवक और युवतियां घर-घर जाते हैं, आंगन के बीच में भगवान गरिया का प्रतीक स्थापित करते हैं, और उसके चारों ओर वामावर्त दिशा में चक्र बनाते हुए गाते और नृत्य करते हैं।

14 आलेख

1. महाराष्ट्र के जल संकट का विश्लेषण - द हिंदू

- पिछले साल मानसून की कमी के बाद महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कई हिस्सों को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया था। यह स्थिति राज्य के तटीय इलाकों से बिलकुल अलग है, जहां अक्सर बारिश बहुत ज़्यादा होती है, जिससे भयंकर बाढ़ आती है।

वर्षा-छाया प्रभाव

- पश्चिमी घाट के वर्षा-छाया क्षेत्र में मराठवाड़ा का स्थान: अरब सागर से आने वाली नम हवाएं ऊपर उठती हैं और ठंडी हो जाती हैं, जिससे पश्चिमी घाट पश्चिमी भाग में भारी वर्षा (2,000-4,000 मिमी) होती है, लेकिन पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में उतरने पर, वे अपनी अधिकांश नमी खो देती हैं।
- प्रभाव: परिणामस्वरूप, मराठवाड़ा और उत्तरी कर्नाटक राजस्थान के बाद भारत में दूसरे सबसे शुष्क क्षेत्र बन गए हैं।

फसलों का प्रभाव

- गन्ने की खेती: गन्ने को अपने बढ़ते मौसम में 1,500-2,500 मिमी पानी की आवश्यकता होती है और यह सिंचाई के लिए 61% पानी की खपत करता है। नतीजतन, ऊपरी भीमा बेसिन में औसत नदी का बहाव लगभग आधा हो गया है।
- सरकारी समर्थन: गन्ने के मूल्य निर्धारण और बिक्री के लिए समर्थन ने गन्ने की सिंचाई का विस्तार किया है, तथा अधिक पौष्टिक फसलों की सिंचाई को सीमित किया है।

मिट्टी एवं स्थलाकृति का प्रभाव

- मिट्टी का प्रकार: चिकनी काली मिट्टी, जिसे स्थानीय रूप से "रेगुर" कहा जाता है, जो उपजाऊ होती है और नमी को अच्छी तरह से बनाए रखती है, लेकिन इसकी जल अवशोषण क्षमता कम होती है; इसलिए पानी बह जाता है।
- मिट्टी की कम जलधारण चालकता: इसलिए, यह बारिश के बाद लंबे समय तक पानी को रोके रखती है, जिसके कारण किसानों को फसल नुकसान का सामना करना पड़ता है।
- असमान जल संकट: इस क्षेत्र में गोदावरी और कृष्णा की समानांतर सहायक नदियाँ दक्षिण-पूर्व में बहती हैं। प्रत्येक सहायक नदी घाटी में बहती है और एक हल्की ढलान वाली पहाड़ी से अलग होती है। घाटियों में बारहमासी भूजल है जबकि ऊपरी इलाकों में मौसमी भूजल है।

आगे की राह

- उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना: इसमें पारंपरिक जलग्रहण प्रबंधन कार्य जैसे जल संरक्षण संरचनाएं जैसे समोच्च खाइयां, मिट्टी के बांध, नालों का निर्माण शामिल हैं।
- कृषि क्षेत्रों से वर्षा जल के बहाव को रोकना: बहाव मिट्टी को बहा ले जाता है जो पानी को रिसने नहीं देता। इसलिए इनमें से कई संरचनाओं में गाद जमा हो जाती है।
- मनरेगा के अंतर्गत वित का उपयोग: वित का उपयोग गाद-निरोधक तंत्रों को डिजाइन करने तथा समय-समय पर गाद निकालने के संबंध में किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए किया जा सकता है।
- कम वर्षा वाले क्षेत्र में जल मांग का प्रबंधन: इसमें जल-कुशल सिंचाई, सूखा-प्रतिरोधी फसलों की खेती और आजीविका में विविधता लाना शामिल है।
- कृषि पद्धतियों में बदलाव: मराठवाड़ा को अन्य उच्च-मूल्य, कम पानी का उपयोग करने वाली फसलों की ओर भी रुख करना होगा, जबकि गन्ना उत्पादन को उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानांतरित करना होगा।

2. भारत अपनी छत सौर क्षमता का कितना बेहतर उपयोग कर रहा है? - द हिंदू

प्रसंग

- भारत की स्थापित रूफटॉप सोलर (RTS) क्षमता 2023-2024 में 2.99 गीगावाट बढ़ी, जो एक साल में सबसे अधिक वृद्धि है। 31 मार्च तक, भारत में कुल स्थापित RTS क्षमता 11.87 गीगावाट थी। बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए, भारत को अपनी RTS क्षमता का विस्तार करने के प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता है।

रुफ टॉप सोलर कार्यक्रम

- जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन - 2010: आरटीएस का पूर्ववर्ती, जिसके तहत तीन चरणों में 20 गीगावाट सौर ऊर्जा (आरटीएस सहित) का उत्पादन किया जाएगा: 2010-2013, 2013-2017, तथा 2017-2022।
- 2015: सरकार ने इस लक्ष्य को संशोधित कर 2022 तक 100 गीगावाट कर दिया, जिसमें 40 गीगावाट आरटीएस घटक भी शामिल है, तथा प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लिए वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए गए।
- दिसंबर 2022: भारत की स्थापित आरटीएस क्षमता 7.5 गीगावाट थी और 40 गीगावाट लक्ष्य की समय सीमा 2026 तक बढ़ा दी गई।
- भारत की समग्र आरटीएस क्षमता: ~ 796 गीगावाट।
- वर्तमान आवश्यकता: 2030 तक 280 गीगावाट सौर घटक के साथ 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए, अकेले आरटीएस को 2030 तक लगभग 100 गीगावाट का योगदान करने की आवश्यकता है।

राज्यों का प्रदर्शन

- नवीनतम आंकड़े: गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान की आरटीएस क्षमताओं में बड़ी प्रगति हुई है।
- सर्वाधिक संभावना: राजस्थान में देश में सर्वाधिक आरटीएस क्षमता है: 1,154 मेगावाट, क्योंकि यह वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है, तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से आरटीएस को बढ़ावा देता है।
- संभावित राज्य: उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित अन्य राज्यों ने अभी तक अपनी आरटीएस क्षमता का पूरी तरह से दोहन नहीं किया है।
- चुनौतियाँ: नौकरशाही बाधाएँ, अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा और सार्वजनिक जागरूकता की कमी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- विषय: एक करोड़ घरों में आरटीएस प्रणाली लगाने और उन्हें हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की प्रमुख पहल।
- प्रभाव: लक्षित घरों के लिए 2 किलोवाट के औसत सिस्टम आकार के परिणामस्वरूप कुल आरटीएस क्षमता में 20 गीगावाट की वृद्धि होगी।
- अन्य प्रावधान: यह उन्नत सौर प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा भंडारण समाधानों और स्मार्ट ग्रिड अवसंरचना को अपनाने को प्रोत्साहित करता है।

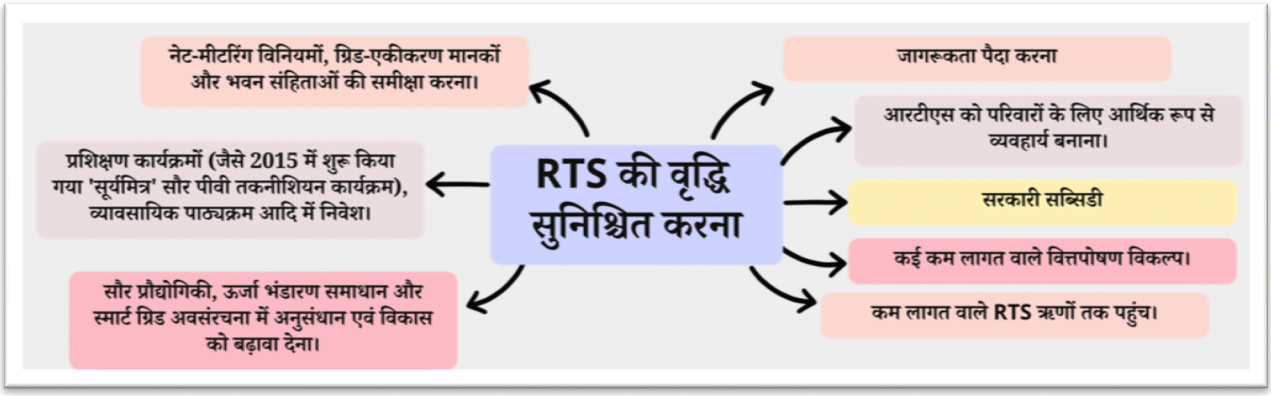

3. सिंधु जल संधि - द हिंदू

प्रसंग

- पाकिस्तान का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल विश्व बैंक के तटस्थ विशेषज्ञों के साथ जम्मू-कश्मीर में विद्युत परियोजनाओं का दौरा कर रहा है, तथा हाल ही में एक नेता ने पाकिस्तान के साथ भारत की सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को समाप्त करने की मांग की है।

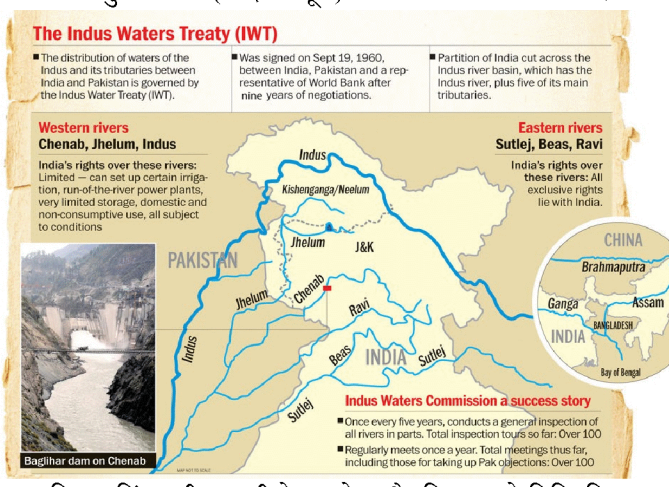

- विषय: सिंधु नदी प्रणाली के उपयोग और वितरण को विनियमित करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- समझौता: 1960 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के बीच हुआ।
- मध्यस्थता: विश्व बैंक (यह भी संधि पर हस्ताक्षरकर्ता है)।
- विश्व बैंक की भूमिका: 'तकनीकी' मतभेदों के मामले में एक तटस्थ विशेषज्ञ की नियुक्ति करना, अन्यथा मतभेदों को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के लिए विवाद में बदल दिया जाएगा।
- शर्तें: तीन पूर्वी नदियों, ब्यास, रावी और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया, और तीन पश्चिमी नदियों - चिनाब, सिंधु और झेलम का पानी पाकिस्तान को आवंटित किया गया।
- पाकिस्तान का हिस्सा: सिंधु जल निकासी प्रणाली का 80% पानी पाकिस्तान को मिलता था।
- निगरानी: संधि की निगरानी स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी) द्वारा की जाती है।
- स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी): यह एक द्विपक्षीय निकाय है जिसमें दोनों देशों के आयुक्त होंगे जो संधि के प्रावधानों को लागू करेंगे और उनका प्रबंधन करेंगे तथा उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न, मतभेद या विवाद का समाधान करेंगे।

4. आपातकाल की कहानी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रसंग

- 25 जून को भारत ने आपातकाल लागू होने के 50वें वर्ष में प्रवेश किया। 1975 से 1977 तक 21 महीने की असाधारण अवधि के दौरान नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की गईं, चुनावों को रद्द किया गया और हुक्मनामे द्वारा शासन लागू किया गया।

भारत के आधुनिक राजनीतिक इतिहास में आपातकाल

- अर्थ: 25 जून, 1975 - 21 मार्च, 1977, जिसके दौरान प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने देश पर व्यापक कार्यकारी और विधायी परिणाम थोपने के लिए संविधान में विशेष प्रावधानों का उपयोग किया।

प्रगति:

- लगभग सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया।
- अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत गारंटीकृत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया, जिसके कारण प्रेस पर पूर्व-सेंसरशिप लागू कर दी गई।
- आपातकाल का प्रभाव: यह संघीय ढांचे को वस्तुतः एकात्मक ढांचे में परिवर्तित कर देता है।
- आपातकाल का विस्तार: संसद कानून द्वारा लोक सभा का (पांच वर्ष का) कार्यकाल एक बार में एक वर्ष के लिए बढ़ा सकती है, राज्य सूची के विषयों पर कानून बना सकती है, तथा संघ की कार्यकारी शक्तियों को राज्यों तक बढ़ा सकती है।
- राष्ट्रपति की शक्तियाँ: वह संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के आवंटन पर संवैधानिक प्रावधानों को संशोधित कर सकते हैं।

आपातकाल की कानूनी और संवैधानिक स्वीकृति

- अनुच्छेद 352: यदि भारत या देश के किसी हिस्से की सुरक्षा को "युद्ध या बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह" से खतरा हो, तो राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की सलाह पर आपातकाल की घोषणा जारी कर सकता है।
- 1975: सशस्त्र विद्रोह के बजाय, सरकार को आपातकाल की घोषणा करने के लिए "आंतरिक अशांति" का आधार उपलब्ध था (आंतरिक अशांति के कारण आपातकाल की घोषणा का एकमात्र उदाहरण)।
- आपातकाल के अन्य दो अवसर: 26 अक्टूबर 1962 और 3 दिसम्बर 1971, दोनों ही युद्ध के कारण।
- "आंतरिक अशांति" शब्द को हटाया गया: संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा।
- अनुच्छेद 358: यह आपातकाल लागू होते ही राज्य को अनुच्छेद 19 ("स्वतंत्रता का अधिकार") द्वारा लगाई गई सभी सीमाओं से मुक्त कर देता है।

5. सोमनाथपुर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल - द हिंदू

प्रसंग

- कर्नाटक में पर्यटन विभाग इस साल दशहरा से पहले मैसूर पर्यटन सर्किट के हिस्से के रूप में सोमनाथपुर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप मे बढ़ावा देने की योजना बना रहा है। यह मैसूर पैलेस, चिड़ियाघर और चामुंडी हिल्स जैसे पर्यटकों की रुचि के लोकप्रिय स्थानों पर 13वीं सदी के विरासत स्थल के क्रॉस-प्रमोशन के माध्यम से किया जाएगा ताकि आगंतुक यात्रा की योजना बना सकें।

होयसला

- परिचय: पश्चिमी चालुक्यों के अधीन प्रांतीय गवर्नर जिन्होंने 10वीं शताब्दी से 14वीं शताब्दी तक कर्नाटक में सत्ता संभाली।
- प्रारंभिक राजधानी: बेलूर
- बाद की राजधानी: हैलेबिदु (या द्वारसमुद्र).

होयसला मंदिर

- **विशेषताएँ:**
  - सोपस्टोन का उपयोग, जो एक लचीला पत्थर है और जिस पर नक्काशी करना आसान है।
  - ताराकार (तारे के आकार वाले) प्लेटफॉर्म पर बना है , तथा इसके अंदर कई संरचनाएं हैं।
  - तीन विशिष्ट शैलियों (द्रविड़, वेसर और उत्तर भारतीय नागर शैली) का सम्मिश्रण।
  - हस्ताक्षरित मंदिर - मूर्तिकार, राजमिस्त्री अपने नाम छोड़ जाते हैं, तथा कभी-कभी कुछ और विवरण भी छोड़ जाते हैं।
  - वैष्णव और शैव मंदिर उस समय निर्मित किये गये थे जब इस क्षेत्र में जैन धर्म प्रमुख था, और इस प्रकार यह हिन्दू धर्म की ओर झुकाव का प्रतीक है।

यूनेस्को की सूची के लिए 3 मंदिरों का चयन

- चेन्नाकेशव मंदिर/विजया नारायण मंदिर: भगवान विष्णु को समर्पित - होयसल राजा विष्णुवर्धन द्वारा चोलों के विरुद्ध विजय के उपलक्ष्य में 1117 ई. के आसपास प्रतिष्ठित किया गया।
- केशव मंदिर: होयसल राजा नरसिंह तृतीय के सेनापति सोमनाथ द्वारा 1268 में निर्मित 16-बिंदु वाले तारे के आकार का एक वैष्णव मंदिर, जिसमें केशव (अब लुप्त), जनार्दन और वेणुगोपाल को समर्पित 3 मंदिर हैं।
- होयसलेश्वर मंदिर: होयसल द्वारा निर्मित सबसे बड़ा शिव मंदिर, तथा इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में हुआ था।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

- विश्व धरोहर स्थल (WHS): यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के तहत यूनेस्को द्वारा प्रशासित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा कानूनी संरक्षण प्राप्त एक स्थल।
- वर्गीकरण: सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित (सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों मानदंडों को पूरा करना)
- मानदंड: चयनित होने के लिए, WHS को किसी न किसी रूप में अद्वितीय स्थलचिह्न होना चाहिए, जो भौगोलिक और ऐतिहासिक रूप से पहचान योग्य हो तथा जिसका विशेष सांस्कृतिक या भौतिक महत्व हो।
- सूची का रखरखाव: यूनेस्को विश्व धरोहर समिति द्वारा प्रशासित अंतर्राष्ट्रीय विश्व धरोहर कार्यक्रम द्वारा।
- अधिकतम साइटों वाला देश: इटली (59); चीन 57 साइटों के साथ दूसरे स्थान पर है

15 टर्म इन न्यूज

प्रशांत दशकीय दोलन PDO) भूगोल)

- प्रशांत दशकीय दोलन PDO) एक जलवायु प्रारूप है जो प्रशांत महासागर के तापमान और उसके आस-पास के मौसम के प्रारूप को प्रभावित करता है। यह एक दीर्घकालिक चक्र है, जिसमें गर्म और ठंडे चरण 20-30 साल तक चलते हैं। PDO बहुत बड़े पैमाने पर एल नीनो/ला नीना जैसा ही है, लेकिन एल नीनो की घटनाएँ महीनों तक चलती हैं, जबकि पीडीओ चरण दशकों तक चलते हैं। अप्रैल 2024 तक, PDO एक ठंडे चरण में है।एक ठंडे चरण में है।

शहरी उच्च तापक्रम क्षेत्र प्रभाव भूगोल)

- "शहरी उच्च तापक्रम क्षेत्र "प्रभाव उस घटना को संदर्भित करता है, जिसमें शहरों में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक तापमान का अनुभव होता है।
- शहर का अवसरंचनात्मक विकास ज्यादा ऊष्मा को धारण करता है, शहर में कंक्रीट, डामर और धातु की इमारतों की अधिकता हैं। ये सामग्री पूरे दिन सूरज की गर्मी को अवशोषित करती है और रात में इसे धीरे-धीरे छोड़ती है, जिससे चीजें लंबे समय तक गर्म रहती हैं। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ और अन्य प्राकृतिक तत्व जमीन को छाया देते हैं और अपने पत्तों के माध्यम से जल वाष्प छोड़ते हैं, जिसका प्रभाव ठंडा होता है।
- कम हवा का प्रवाह: शहरों में घनी इमारतें हवा को रोक सकती हैं,जो आमतौर पर ठंडी हवा को प्रसारित करने में मदद करती है। फंसी हुई यह हवा गर्म हो जाती है और गर्म ही रहती है, जिससे यह और भी ज़्यादा दमघोंटू महसूस होती है।
- शहरी ऊष्मा स्रोत: शहर में होने वाली सभी गतिविधियाँ गर्मी बढ़ाती हैं। कारें, बसें, कारखाने और यहाँ तक कि ज्यादा जनसंख्या एवम मानवीय भीड़ भी गर्मी पैदा करती हैं, जो शहरी वातावरण की समग्र गर्मी में योगदान देता है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध AMR) विज्ञान)

- रोगाणुरोधी प्रतिरोध AMR) एक बढ़ता हुआ वैश्विक खतरा है, जहां बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी जैसे सूक्ष्मजीव उन्हें मारने या नियंत्रित करने के लिए बनाई गई दवाओं के प्रभावों का प्रतिरोध करने की क्षमता विकसित कर लेते हैं।

परिणाम: निम्नलिखित हो सकते हैं:

- लम्बी अवधि तक बीमार रहना और देरी से ठीक होना।
- अधिक शक्तिशाली या वैकल्पिक दवाओं की आवश्यकता के कारण स्वास्थ्य देखभाल लागत में वृद्धि।
- संक्रमण फैलने का अधिक खतरा।
- संभावित इलाज ना मिलना और यहां तक कि मृत्यु भी।

सिम्पैट्रिक स्पीशीएशन पर्यावरण)

- सिम्पैट्रिक स्पीशीजेशन एक विकासवादी आश्चर्य है, जहां एक नई प्रजाति अपने पूर्वज से उसी क्षेत्र में उभरती है, एलोपेट्रिक स्पीशीजेशन के विपरीत, जहां भूगोल एक आबादी को विभाजित करता है। मूल प्रजातियों के उपसमूह अपने साझा आवास में विभिन्न संसाधनों या स्थानों के अनुकूल हो सकते हैं, जिससे समय के साथ आनुवंशिक विचलन हो सकता है। प्रजनन के मौसम या अनुष्ठानों जैसे संभोग व्यवहार में परिवर्तन भी अंतर प्रजनन को रोक सकते हैं और प्रजातिकरण को जन्म दे सकते हैं। इसी तरह, विभिन्न खाद्य स्रोतों की ओर आहार परिवर्तन प्रजनन के लिए उप-आबादी को अलग कर सकते हैं। दुर्लभ मामलों में, गुणसूत्रों पॉलीप्लोइडी) को दोगुना करने जैसी आनुवंशिक दुर्घटना तुरंत एक नई, प्रजनन के लिए अलग प्रजाति बना सकती है। एलोपेट्रिक स्पीशीजेशन की तुलना में कम आम होने पर, कुछ संभावित उदाहरणों में सेब मैगॉट मक्खियाँ और अफ्रीकी सिक्लिड मछली शामिल हैं।

रेंजलैंड भूगोल)

- रेंजलैंड्स पशुधन और जंगली जानवरों द्वारा चरे जाने वाले विशाल प्राकृतिक या अर्ध-प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र हैं, जो लगभग 80 मिलियन वर्ग किमी को कवर करते हैं, जो उन्हें पृथ्वी पर सबसे व्यापक भूमि कवर बनाते हैं। इस विविध परिदृश्य में घास, झाड़ियाँ, झाड़ियाँ, खुले जंगल और यहां तक कि कृषि वानिकी प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनमें सटीक वनस्पति मिश्रण वर्षा, तापमान और अन्य जलवायु कारकों पर निर्भर करता है। ये महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र कार्बन सिंक, मीठे पानी के भंडारगृहों के रूप में कार्य करते हैं और यहां तक कि मरुस्थलीकरण को भी रोकते हैं, अकेले भारत में थार रेगिस्तान से लेकर हिमालय के घास के मैदानों तक 1.21 मिलियन वर्ग किलोमीटर रेंजलैंड फैला हुआ है।

स्टारलिंक विज्ञान और प्रौद्योगिकी)

- स्टारलिंक स्पेसएक्स की एक परियोजना है जिसका उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के एक विशाल समूह के साथ इंटरनेट एक्सेस में क्रांति लाना है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना विकसित क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी विकल्प प्रदान करते हुए वैश्विक स्तर पर कम सेवा वाले और दूरदराज के क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट को लक्षित करती है। यहाँ मुख्य पहलू नेटवर्क की ऊँचाई में निहित है - हज़ारों उपग्रह पारंपरिक उपग्रहों की तुलना में पृथ्वी के बहुत करीब परिक्रमा करते हैं, जिससे न्यूनतम देरी के साथ तेज़ डेटा ट्रांसफ़र संभव होता है। स्टारलिंक अभी भी विकास के अधीन है, लेकिन हज़ारों उपग्रहों को पहले ही लॉन्च किया जा चुका है और चुनिंदा क्षेत्रों में प्रारंभिक सेवा उपलब्ध है, यह वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

- **लार्ज लैंग्वेज मॉडल** (LLM) मानव भाषा को समझने वाली AI के क्षेत्र में नए जमाने की तकनीक है। बड़े पैमाने पर टेक्स्ट डेटासेट पर प्रशिक्षित, LLM भाषा संरचना की एक उल्लेखनीय समझ विकसित करते हैं, जिससे वे धाराप्रवाह प्रतिक्रिया देने में सक्षम होते हैं। यह तकनीक ट्रांसफॉर्मर, एक विशिष्ट न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर द्वारा संचालित होती है। उनके अनुप्रयोग बहुत व्यापक हैं, ग्राहक सेवा के लिए बुद्धिमान चैटबॉट से लेकर उच्च-सटीकता वाले मशीन अनुवाद और रचनात्मक सामग्री निर्माण तक। उनका उपयोग अकादमिक शोध उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है। हालाँकि, आलोचनात्मक मूल्यांकन महत्वपूर्ण बना हुआ है, क्योंकि LLM अभी भी विकास के अधीन हैं और गलतियाँ उत्पन्न कर सकते हैं। LLM तकनीक के परिपक्व होने के साथ ही पूर्वाग्रह और दुरुपयोग के बारे में नैतिक विचारों को संबोधित किया जाना चाहिए। उदाहरण - बार्ड Google), GPT-3 OpenAI), और जुरासिक-1 जंबो A121 लैब्स)।

जलवायु टिपिंग पॉइंट पर्यावरण)

- जलवायु टिपिंग पॉइंट पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में महत्वपूर्ण कारक हैं। यदि ग्लोबल वार्मिंग प्रणाली को इन थ्रेसहोल्ड से आगे धकेलती है, तो छोटे-छोटे परिवर्तन भी संभावित रूप से विनाशकारी पर्यावरणीय और सामाजिक परिणामों के साथ बड़े, अपरिवर्तनीय बदलावों को ट्रिगर कर सकते हैं। प्रत्येक टिपिंग पॉइंट की एक अनूठी सीमा होती है - बढ़ते तापमान के कारण इसे पार करने से जलवायु अचानक एक नई, संभावित रूप से स्थायी स्थिति में आ सकती है। जबकि वैज्ञानिक उनके अस्तित्व की पुष्टि करते हैं, इन थ्रेसहोल्ड का सटीक स्थान और टिपिंग घटनाओं का समय अनिश्चित रहता है। इनसे बचने का सबसे अच्छा तरीका जलवायु परिवर्तन शमन है, जिसके लिए स्वच्छ ऊर्जा और संधारणीय प्रथाओं के लिए वैश्विक बदलाव की आवश्यकता है। शमन के साथ भी, अनुकूलन रणनीतियाँ टिपिंग पॉइंट के संभावित परिणामों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण हैं जो अभी भी हो सकते हैं। उदाहरणों में बर्फ की चादरों का ढहना, प्रवाल भित्तियों का मरना और महासागरीय परिसंचरण पैटर्न में व्यवधान शामिल हैं।

एग्रीवोल्टाइक्स पर्यावरण)

- एग्रीवोल्टाइक, या सौर पैनलों को कृषि के साथ जोड़ना, एक भूमि-साझाकरण दृष्टिकोण है जो पैनलों के नीचे या बीच में फसलों या पशुओं को सह-अस्तित्व की अनुमति देकर स्थान का अनुकूलन करता है। यह छाया तापमान को नियंत्रित कर सकती है, गर्म जलवायु में पानी के वाष्पीकरण को कम कर सकती है, और संभावित रूप से फसल की पैदावार में सुधार कर सकती है। इसके अतिरिक्त, संरचनाएं विंडब्रेक के रूप में कार्य कर सकती हैं। सौर ऊर्जा से आय उत्पन्न करके, एग्रीवोल्टाइक खेत की लाभप्रदता को बढ़ा सकता है और स्थायी भूमि प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और किसानों के लिए आर्थिक लाभ में योगदान दे सकता है। हालाँकि, विशेष डिज़ाइन आवश्यकताओं के कारण प्रारंभिक निवेश लागत अधिक हो सकती है, और एक अपेक्षाकृत नई अवधारणा के रूप में, विभिन्न क्षेत्रों और फसलों के लिए विन्यास और कृषि प्रथाओं को अनुकूलित करने के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है।

एंटीमैटर (अंतरिक्ष)

- एंटीमैटर, नियमित पदार्थ की दर्पण छवि, समान द्रव्यमान वाले एंटीपार्टिकल्स से बना होता है, लेकिन उनके समकक्षों के विपरीत विद्युत आवेश और गुण होते हैं। हालाँकि बिग बैंग ने संभवतः समान मात्रा में पदार्थ और एंटीमैटर का उत्पादन किया था, लेकिन हमारे ब्रह्मांड में पदार्थ का प्रभुत्व है। एंटीप्रोटोन, पॉज़िट्रॉन एंटीइलेक्ट्रॉन) और एंटीन्यूट्रॉन एंटीमैटर बनाते हैं, जो अपने नियमित समकक्षों के संपर्क में आने पर शुद्ध ऊर्जा में बदल जाते हैं। वर्तमान में अपनी दुर्लभता और उत्पादन कठिनाइयों के कारण अव्यावहारिक होने के बावजूद, एंटीमैटर भविष्य के अनुप्रयोगों जैसे कि बेहतर छवि विवरण और अत्यधिक कुशल ऊर्जा उत्पादन के साथ पीईटी स्कैन के लिए क्षमता रखता है, हालाँकि महत्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं।

विखंडनीय पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

- यूरेनियम-235 और प्लूटोनियम-239 जैसे विखंडनीय पदार्थ विशेष परमाणु नाभिक होते हैं जो आसानी से परमाणु विखंडन से गुजरते हैं, एक ऐसी प्रक्रिया जो न्यूट्रॉन के प्रभाव पर नाभिक को विभाजित करती है, जिससे जबरदस्त ऊर्जा निकलती है। इस विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में शांतिपूर्ण ऊर्जा उत्पादन और परमाणु बमों में विनाशकारी हथियारीकरण दोनों के लिए अपार संभावनाएं हैं। जबकि कुछ पदार्थ विखंडन विखंडनीय) से गुजर सकते हैं, विखंडनीय पदार्थ धीमे न्यूट्रॉन के साथ ऐसा करने में उत्कृष्ट होते हैं, जो उन्हें परमाणु रिएक्टरों में नियंत्रित श्रृंखला प्रतिक्रिया को बनाए रखने के लिए आदर्श बनाता है। हालाँकि, यही विशेषता उन्हें परमाणु हथियारों में खतरनाक बनाती है, जहाँ एक अनियंत्रित श्रृंखला प्रतिक्रिया एक विनाशकारी विस्फोट पैदा करती है। इस प्रकार विखंडनीय पदार्थ एक दोधारी तलवार हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा के लिए उनकी क्षमता का दोहन करते हुए हथियारों में उनके उपयोग को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों की मांग करते हैं।

रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल एमआरओ) अर्थव्यवस्था)

- एमआरओ, जिसमें रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल शामिल है, किसी परिसंपत्ति के पूरे जीवनकाल में सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। इसमें विफलताओं को रोकने के लिए निरीक्षण और स्नेहन, ब्रेकडाउन को ठीक करने के लिए मरम्मत और व्यापक नवीनीकरण के लिए ओवरहाल जैसी नियोजित रखरखाव गतिविधियाँ शामिल हैं। प्रभावी एमआरओ का अर्थ है डाउनटाइम में कमी, दक्षता में वृद्धि, सुरक्षा में वृद्धि और अंततः, परिसंपत्ति का

जीवन और बेहतर लागत प्रबंधन। यह दृष्टिकोण विमानन, विनिर्माण और ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है, जहाँ विश्वसनीय मशीनरी और बुनियादी ढाँचा सर्वोपरि है। एक अच्छी तरह से परिभाषित एमआरओ रणनीति को लागू करके, संगठन अपनी परिसंपत्तियों को अनुकूलित कर सकते हैं और अपने परिचालन उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

मार्च 23 आंदोलन (अंतरराष्ट्रीय संबंध

- मार्च 23 मूवमेंट M23), एक विद्रोही समूह है जिसका गठन 2012 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो DRC) के एक पिछले विद्रोही समूह से दलबदलुओं द्वारा किया गया था, जो मुख्य रूप से तुत्सी अल्पसंख्यकों से बना है। M23 पूर्वी DRC, विशेष रूप से उत्तरी किवु में अस्थिरता का स्रोत रहा है, जहाँ 2012 से ही वे सरकार के साथ भिड़ते रहे हैं, जिससे कई नागरिक विस्थापित हुए हैं। M23 के लिए रवांडा के समर्थन के आरोपों ने इस मुद्दे को और जटिल बना दिया है, और जून 2024 तक, M23 सक्रिय बना हुआ है, जो इस क्षेत्र में चल रही हिंसा में योगदान दे रहा है।

इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) अर्थव्यवस्था)

- इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग आईपीओ) में, एक निजी कंपनी पहली बार निवेशकों को अपने शेयर बेचकर सार्वजनिक हो जाती है। इससे कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होकर विकास के लिए पूंजी जुटाने की अनुमति मिलती है। आईपीओ से पहले, निवेश बैंक कंपनी के वित्त और निवेशकों को आकर्षित करने की योजनाओं का विवरण देने वाला एक प्रॉस्पेक्टस तैयार करते हैं। पेशकश के दौरान, कंपनी एक शेयर की कीमत निर्धारित करती है और निवेशक उन्हें खरीदने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मांग के आधार पर, शेयर आवंटित होने और ट्रेडिंग शुरू होने से पहले कीमत को समायोजित किया जा सकता है। हालाँकि, पेशकश के बाद संभावित मूल्य में उतार-चढ़ाव और स्थापित कंपनियों की तुलना में सीमित वित्तीय इतिहास के कारण आईपीओ जोखिम भरा हो सकता है।

चावल का प्रत्यक्ष बीजारोपण (DSR) (कृषि)

- चावल का प्रत्यक्ष बीजारोपण (DSR) रोपाई के लिए पानी की बचत करने वाला विकल्प है। पारंपरिक विधि के विपरीत, DSR में नर्सरी चरण को छोड़कर सीधे खेत में बीज बोना शामिल है। यह दृष्टिकोण जल संरक्षण, कम श्रम लागत, तेजी से रोपण और कटाई चक्र, कम मीथेन उत्सर्जन और यहां तक कि बेहतर मिट्टी के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है। दो मुख्य विधियाँ हैं: वर्षा आधारित वातावरण और गहरे पानी वाले चावल के लिए सूखी बुवाई, और सिंचित चावल के लिए गीली बुवाई, जिसमें अक्सर तेजी से स्थापना के लिए पहले से अंकुरित बीजों का उपयोग किया जाता है। हालाँकि, खरपतवार प्रबंधन, उचित बीज स्थापना सुनिश्चित करना, बीज की गुणवत्ता और संभावित रूप से नई मशीनरी की आवश्यकता जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं। इन बाधाओं के बावजूद, DSR किसानों को संभावित जल बचत, कम लागत और यहाँ तक कि अधिक उपज प्रदान करते हुए, संधारणीय चावल उत्पादन की दिशा में एक आशाजनक मार्ग प्रस्तुत करता है।

प्रो-टेम स्पीकर (राजव्यवस्था)

- प्रो-टेम स्पीकर, "प्रो टेम्पोर स्पीकर" का संक्षिप्त रूप, भारत में लोकसभा जैसे विधायी निकाय में एक अस्थायी पीठासीन अधिकारी होता है। आम चुनावों के बाद या जब मौजूदा अध्यक्ष उपलब्ध नहीं होते हैं, तो नई विधान सभा के गठन के शुरुआती चरण के दौरान यह भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रो-टेम स्पीकर नव निर्वाचित सदस्यों को पद की शपथ दिलाता है, जिससे उन्हें आधिकारिक रूप से अपनी सीट लेने और विधायी गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति मिलती है, एक सुचारू और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्थायी अध्यक्ष के चुनाव की देखरेख करता है, और स्थायी अध्यक्ष के चुने जाने तक प्रारंभिक सत्रों की अध्यक्षता करता है, विधायी कार्यवाही को सुविधाजनक बनाता है और व्यवस्था बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त, प्रो-टेम स्पीकर यह सुनिश्चित करता है कि नियमित अध्यक्ष की अनुपस्थिति में विधायी निकाय का काम बिना किसी रुकावट के जारी रहे। भारत में, राष्ट्रपति लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से प्रो-टेम स्पीकर की नियुक्ति करता है, और नियुक्ति को राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से औपचारिक रूप दिया जाता है और नव निर्वाचित विधानसभा के पहले सत्र से पहले इसकी घोषणा की जाती है। अस्थायी अध्यक्ष शपथ दिलाकर और नए अध्यक्ष का चुनाव कराकर पुरानी विधानसभा से नई विधानसभा में निर्बाध संक्रमण सुनिश्चित करता है, तथा कार्यकाल के आरंभ से ही विधायी निकाय की कार्यक्षमता को बनाए रखता है।

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (GIDH) स्वास्थ्य)

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रबंधित नेटवर्क, ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन डिजिटल हेल्थ (GIDH) का उद्देश्य डिजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन की यात्रा में देशों का समर्थन करना है। डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक रणनीति 2020-2025 को लागू करने के लिए शुरू की गई, GIDH विभिन्न संगठनों और संस्थानों को एक साथ लाकर सहयोग करने और ज्ञान साझा करने का काम करती है। इन प्रयासों के माध्यम से, उनका लक्ष्य प्रत्येक देश की विशिष्ट आवश्यकताओं का आकलन करना, संसाधनों को बेहतर ढंग से संरेखित करना और अंततः वैश्विक रणनीति में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है, जो सभी के लिए डिजिटल स्वास्थ्य उन्नति को बढ़ावा देता है। इसमें लगातार बदलती जरूरतों के अनुकूल डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों के स्थानीय विकास का समर्थन करना शामिल है।

विश्व स्वर्ण परिषद (अर्थव्यवस्था)

- 1987 में स्थापित और लंदन में मुख्यालय वाला विश्व स्वर्ण परिषद (WGC) एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार संघ है जो सोने के उद्योग का

समर्थन करता है। खननकर्ताओं, निवेशकों और सभी का प्रतिनिधित्व करते हुए, WGC सोने की वैश्विक मांग को प्रोत्साहित करने और बनाए रखने का प्रयास करता है। वे बाजार विकास पहलों, सोने के रुझानों पर शोध और अंतर्दृष्टि प्रकाशित करने और सोने की आपूर्ति श्रृंखला में जिम्मेदार प्रथाओं की वकालत करके इसे प्राप्त करते हैं। इसमें उद्योग को ईमानदारी से संचालित करने और सोने के खनन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए नैतिक सोर्सिंग को बढ़ावा देना शामिल है। उनकी वेबसाइट, gold.org, बाजार विश्लेषण से लेकर कीमती धातु के इतिहास और अद्वितीय गुणों तक, सोने से जुड़ी सभी चीज़ों के लिए एक व्यापक संसाधन के रूप में कार्य करती है।

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (ULIP) (इकोनॉमी)

- यूलिप या यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान एक वित्तीय उत्पाद है जो जीवन बीमा सुरक्षा को निवेश क्षमता के साथ जोड़ता है। यह दोहरा लाभ प्रदान करता है: आपके प्रीमियम का एक हिस्सा आपके लाभार्थियों के लिए जीवन बीमा कवरेज की ओर जाता है, जबकि शेष राशि म्यूचुअल फंड जैसे बाजार से जुड़े फंड में निवेश की जाती है। आपके द्वारा अर्जित निवेश रिटर्न इन चुने हुए फंडों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यूलिप आमतौर पर आपकी जोखिम सहनशीलता के आधार पर विभिन्न इक्विटी और डेट फंडों में से चुनने की लचीलापन प्रदान करते हैं, जिससे आप जोखिम और संभावित रिटर्न को संतुलित कर सकते हैं। हालांकि, बाजार से जुड़ी प्रकृति के कारण, यूलिप दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए उपयुक्त हैं क्योंकि आपकी निवेश इकाइयों का मूल्य उतार-चढ़ाव कर सकता है। निवेश करने से पहले प्रीमियम आवंटन, पॉलिसी प्रशासन और फंड प्रबंधन शुल्क जैसे संबंधित शुल्कों को समझना महत्वपूर्ण है।

गैस फ्लेयरिंग (पर्यावरण)

- तेल निष्कर्षण के दौरान उत्पादित प्राकृतिक गैस को जलाना या जलाना, अपनी कमियों के बावजूद एक आम प्रथा है। जबकि फ्लेयरिंग दबाव को प्रबंधित करने और विस्फोटों सुरक्षा संबंधी चिंताओं) को रोकने में मदद करता है, दूरदराज के स्थानों में बुनियादी ढांचे की कमी या कम गैस की कीमतें इस मूल्यवान संसाधन को प्राप्त करना अव्यावहारिक बना सकती हैं। हालाँकि, इस अभ्यास के महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और आर्थिक परिणाम हैं। फ्लेयरिंग से मीथेन और CO2 जैसी हानिकारक ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग बिगड़ती है। इसके अतिरिक्त, अपूर्ण दहन से वायु में ब्लैक कार्बन का प्रदूषण होता है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रक्रिया से स्वच्छ जलने वाला ईंधन बर्बाद हो जाता है जिसका उपयोग बिजली पैदा करने, घरों को गर्म करने या उद्योगों को बिजली देने के लिए किया जा सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है।

बादल फटना (भूगोल)

- बादल फटना एक अल्पकालिक लेकिन असाधारण परिमाण की तीव्र बारिश है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र के भीतर एक छोटे, स्थानीय क्षेत्र आमतौर पर 20-30 वर्ग किलोमीटर) में 100 मिलीमीटर प्रति घंटे से अधिक की अत्यधिक भारी वर्षा होती है। ढलानों के साथ बढ़ती गर्म हवा की धाराएँ इस घटना का कारण बनती हैं और इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। अचानक और तीव्र वर्षा से बाढ़, भूस्खलन और कीचड़ का बहाव हो सकता है, जिससे व्यापक विनाश और बुनियादी ढाँचे को नुकसान हो सकता है। बादल फटने की भविष्यवाणी करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, भूमि-उपयोग योजना, सार्वजनिक जागरूकता, मजबूत बुनियादी ढाँचा और अच्छी तरह से स्थापित आपदा प्रतिक्रिया तंत्र उनके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

फ्रंट रनिंग (अर्थव्यवस्था)

- वित्तीय दुनिया में एक अवैध प्रथा, फ्रंट-रनिंग, में म्यूचुअल फंड द्वारा किए जाने वाले बड़े आगामी व्यापार के बारे में गोपनीय जानकारी का दोहन करना शामिल है। यह जानकारी, आम तौर पर विशिष्ट सुरक्षा, इच्छित खरीद या बिक्री के आकार के बारे में, किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा उपयोग की जाती है जिसके पास अंदरूनी जानकारी होती है जैसे कि फंड मैनेजर या ब्रोकर) म्यूचुअल फंड द्वारा अपना व्यापार निष्पादित करने से पहले सुरक्षा को स्वयं खरीदने या बेचने के लिए। इससे उन्हें म्यूचुअल फंड के बड़े ऑर्डर के कारण होने वाले मूल्य आंदोलन से लाभ मिलता है, जो अंततः उन निवेशकों को नुकसान पहुंचाता है जो उच्च मूल्य पर खरीदते हैं या कम कीमत पर बेचते हैं। फ्रंट-रनिंग विश्वास को कमजोर करती है, निष्पक्ष बाजार कार्य को बाधित करती है, और वित्तीय निकायों द्वारा सूचना साझाकरण, आचार संहिता और व्यापार निगरानी पर प्रतिबंधों के माध्यम से सख्ती से विनियमित होती है।

सहअस्तित्व की सरकार (राजव्यवस्था)

- फ्रांस की अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली में, सहअस्तित्व की सरकार एक अनोखी स्थिति का वर्णन करता है, जहाँ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री विरोधी राजनीतिक दलों से संबंधित होते हैं। यह तब होता है जब मतदाता एक पार्टी से राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं, जबकि एक अलग पार्टी को नेशनल असेंबली में बहुमत प्राप्त होता है। जबकि राष्ट्रपति विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में सत्ता बनाए रखता है, घरेलू नीति प्रधानमंत्री और विरोधी बहुमत का क्षेत्र बन जाती है। यह सत्ता संघर्ष राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दे सकता है, लेकिन सहयोग और समझौता करने के लिए भी मजबूर कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से अधिक संतुलित नीतियाँ बन सकती हैं। सहवास एक दुर्लभ घटना है, जो 1958 के बाद से केवल तीन बार हुई है: फ्रांकोइस मिटर्रैंड जैक्स शिराक के साथ 1986-1988 और 1993-1995) और जैक्स शिराक लियोनेल जोस्पिन के साथ 1997-2002

विपक्ष के नेता (LoP) (राजव्यवस्था)

- विपक्ष का नेता (एलओपी) भारतीय संसदीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण पद है, हालांकि संविधान में इसका सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया गया है। यह संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 द्वारा स्थापित एक वैधानिक पद है। लोकसभा या राज्यसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को उस संबंधित सदन में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी जाती है। यह मान्यता लोकसभा के अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति द्वारा दी जाती है। सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा नहीं होने वाले सभी दलों में पार्टी के पास सबसे अधिक सीटें होनी चाहिए। लोकसभा में, पार्टी को एलओपी पद के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए कुल सीटों की संख्या का कम से कम दसवां हिस्सा वर्तमान लोकसभा में न्यूनतम (54 सीटें) हासिल करना चाहिए। राज्यसभा के लिए ऐसी कोई न्यूनतम संख्या आवश्यकता नहीं है। एक मजबूत एलओपी सरकार को चौकन्ना रखता है, सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है विपक्ष के नेता और उनकी पार्टी खुद को संभावित वैकल्पिक सरकार के रूप में तैयार करते हैं, नीतिगत विचार प्रस्तुत करते हैं और अगले चुनाव में जीतने पर कार्यभार संभालने की अपनी तत्परता को उजागर करते हैं। विपक्ष के नेता को 1977 के अधिनियम के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है। विपक्ष के नेता को कैबिनेट मंत्री के बराबर वेतन और भत्ते मिलते हैं। सरकार विपक्ष के नेता को उनके कर्तव्यों में सहायता करने के लिए एक कार्यालय और कर्मचारी प्रदान करती है। विपक्ष के नेता और उनके परिवार के लिए सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। विपक्ष के नेता को लोकसभा में लोक लेखा समिति PAC) जैसी महत्वपूर्ण संसदीय समितियों का सदस्य होने का अधिकार है।

डार्क वेब (विज्ञान और प्रौद्योगिकी)

- डार्क वेब इंटरनेट का एक छिपा हुआ हिस्सा है, एक गुप्त नेटवर्क की तरह जिसे एक्सेस करने के लिए विशेष सॉफ़्टवेयर की आवश्यकता होती है। इंटरनेट को एक हिमखंड के रूप में कल्पना करें: सरफ़ेस वेब शीर्ष है, डीप वेब नीचे का विशाल हिस्सा है जिसमें डेटाबेस और निजी वेब पेज हैं, और डार्क वेब एक छोटा सा हिस्सा है जो इससे भी गहरा है जिसके लिए Tor जैसे विशेष सॉफ़्टवेयर की आवश्यकता होती है। डार्क वेब पर गुमनामी महत्वपूर्ण है, जिससे गतिविधि को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। यह गुमनामी अपराधियों को आकर्षित करती है जो इसका उपयोग चोरी किए गए डेटा, मैलवेयर और अवैध सामान को ब्लैक मार्केट में बेचने के लिए करते हैं। नकली बाज़ार बहुत हैं, और यहाँ तक कि इन साइटों पर जाने से भी आपका डिवाइस मैलवेयर से संक्रमित हो सकता है। डार्क वेब में परेशान करने वाली सामग्री भी हो सकती है। सुरक्षित रहने के लिए, अप-टू-डेट सुरक्षा सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें, डाउनलोड करने और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें, और अतिरिक्त गुमनामी के लिए VPN का उपयोग करने पर विचार करें।

मॉडल प्रश्न

1. हाल ही में आइसलैंड में राष्ट्रपति पद का चुनाव किसने जीता है?

A. साइमन हैरिस
B. पीटर पेलेग्रिनी
C. बजर्नी बेनेडिक्टसन
D. हाल्ला टॉमसडोत्तिर

Ans. D हाल्ला टॉमसडोत्तिर

2. राजस्थान में मनरेगा लोकपाल के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इनकी नियुक्ति राजस्थान के 22 जिलों में की जाएगी।
2. इनकी नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
3. मनरेगा लोकपाल को शिकायतों का निपटारा 15 दिन में करना अनिवार्य होगा।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 3
C. 1, 2 व 3 D. केवल 1

Ans. B. केवल 3

3. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसके वर्तमान चेयरमैन श्री संजय कुमार श्रोत्रिय है।
2. आयोग में अध्यक्ष सहित कुल 7 सदस्य 1+6) होते है।
3. यह राज्य सरकार के अधीन एक वैधानिक निकाय है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 3
C. 1, 2 व 3 D. केवल 1

Ans. D. केवल 1

4. सिंगापुर में आयोजित'वर्ल्ड सिटीज समिट 2024' में राजस्थान से किस महिला ने भाग लिया ?

A. नीरू यादव
B. डॉ. सौम्या गुर्जर
C. नीना सिंह
D. रूमा देवी

Ans. B डॉ. सौम्या गुर्जर

5. दार एस सलाम बंदरगाह के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह जिबूती देश में स्थित है।
2. हाल ही में भारत के अडानी ग्रुप ने 30 वर्ष हेतु इस बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल-2 के परिचालन और प्रबंधन के लिए समझौता हस्ताक्षर हुए है।
3. यह बंदरगाह अदन की खाड़ी में स्थित है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 2
C. 1, 2 व 3 D. केवल 1

Ans. B. केवल 2

6. हाल ही में हेलेन मैरी रॉबर्ट्स किस कारण से चर्चा में रही है?

A. पाकिस्तान की पहली अल्पसंख्यक महिला ब्रिगेडियर
B. बांग्लादेश की पहली अल्पसंख्यक महिला मुख्य न्यायाधीश
C. भारत की पहली अल्पसंख्यक महिला पुलिस महानिदेशक
D. म्यांमार की पहली महिला सैन्य प्रमुख

Ans. A पाकिस्तान की पहली अल्पसंख्यक महिला ब्रिगेडियर

7. हाल ही में मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति कौन बनी है?

A. जूडिथ सुमिनवा तुलुका
B. क्लाउडिया शीनबाम
C. मेटे फ्रेडरिकसेन
D. जियोर्जिया मेलोनी

Ans. B क्लाउडिया शीनबाम

8. भारत के पहले इलेक्ट्रिक वाहन इंडेक्स के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा लॉन्च किया गया है।
2. इस इंडेक्स का नाम "निफ्टी ईवी एंड न्यू एज ऑटोमोटिव इंडेक्स" है।
3. इसे इलेक्ट्रिक वाहन EV) क्षेत्र को प्रोत्साहन और अत्याधुनिक ऑटोमोटिव वाहनों और संबंधित प्रौद्योगिकी से सम्बद्ध व्यवसायों के प्रदर्शन की निगरानी करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. D. 2 और 3

9. हाल ही में राजस्थान से 18वीं लोकसभा हेतु निर्वाचित 3 महिलाओं में से निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है?

A. संजना जाटव
B. महिमा कुमारी
C. ज्योति मिर्धा
D. मंजू शर्मा

Ans. C. ज्योति मिर्धा

10. 18वीं लोकसभा के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी भाजपा) सर्वाधिक मतों से जीते।
2. मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना शिंदेगुट) के रविंद्र दत्ताराम न्यूनतम मतों से जीते।
3. झुंझुनू लोक सभा सीट पर सर्वाधिक नोटा मत प्राप्त हुए।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. A. 1 व 2

11. 18वीं लोकसभा में महिलाओं के निर्वाचन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस लोकसभा में कुल 75 महिलाएं निर्वाचित हुई।
2. इस लोकसभा में स्वतंत्रता के बाद महिलाओं की सर्वाधिक संख्या हो गई है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. केवल 2 B. केवल 1
C. 1 व 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

Ans. B. केवल 1

12. राजस्थान में लोकसभा 18वें लोकसभा चुनाव के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

A. सर्वाधिक मतों से जीतने वाले सांसद: महिमा कुमारी राजसमंद)
B. न्यूनतम मतों से जीतने वाले सांसद: राव राजेंद्र सिंह जयपुर ग्रामीण)
C. सबसे युवा सांसद: संजना जाटव भरतपुर)
D. सबसे बुजुर्ग सांसद: भगीरथ चौधरी अजमेर)

Ans. D. सबसे बुजुर्ग सांसद: भगीरथ चौधरी अजमेर)

13. राजस्थान सरकार ने किस जिले में मौसम परिवर्तन की तर्ज पर वायु गुणवत्ता के बारे में पूर्व चेतावनी जारी करने हेतु 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली' लॉन्च की है?

A) जयपुर B) अजमेर
C) जोधपुर D) अलवर

Ans. A जयपुर

14. लिग्नोसेट LignoSat) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जापानी अंतरिक्ष एजेंसी JAXA के सहयोग से विकसित किया गया है
2. यह लकड़ी से बना विश्व का पहला उपग्रह है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. केवल 2 B. केवल 1
C. 1 व 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

Ans. A. केवल 2

15. हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा प्रदुषण नियंत्रण हेतु किन जिलों में 'स्रोत आबंटन और उत्सर्जन सूची' रिपोर्ट 'Source Apportionment and Emission Inventory' Report) जारी की गई है?

A) जयपुर और जोधपुर B) कोटा और अजमेर
C) अलवर और कोटा D) भरतपुर और जयपुर

Ans. C अलवर और कोटा

16. 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसकी शुरुआत राजस्थान में 5 जून 2024 को की गई।
2. यह अभियान सतत विकास लक्ष्य SDG) 7 के अनुरूप शुरू किया गया है।
3. इसके तहत राज्य में 7 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 1 और 3

Ans. D. 1 और 3

17. राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना RUIDP) ने पहला वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट कहाँ स्थापित किया गया है?

A) कोटा B) अजमेर
C) जोधपुर D) जयपुर

Ans. D जयपुर

18. क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे लंदन के उच्च शिक्षा विश्लेषक क्वाक्वेरेली साइमंड्स QS) द्वारा जारी किया जाता है।
2. इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका का स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय पहले स्थान पर है।
3. इसके तहत IIT बॉम्बे और IIT दिल्ली विश्व के शीर्ष-150 विश्वविद्यालयों में शामिल हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 1 और 3

Ans. D. 1 और 3

19. इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्टस फेडरेशन ISSF) 2024 वर्ल्ड कप के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसका आयोजन म्यूनिख जर्मनी) में किया गया।
2. इसमें भारत के सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. केवल 2 B. केवल 1
C. 1 व 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

Ans. C. 1 व 2 दोनों

20. राजस्थान सरकार ने माइक्रो, स्मॉल व मीडियम एंटरप्राइजेज MSME) को पूंजी बाजार तक पहुंचाने व 'इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग' IPO) के माध्यम से धन जुटाने के लिए किसके साथ एमओयू किया है?

A. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज NSE)
B. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज BSE)
C. मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज MCX)
D. इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज ICEX)

Ans. A नेशनल स्टॉक एक्सचेंज NSE)

21. हाल ही में राजस्थान की माया बिश्नोई ने जूनियर एशिया कप में टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, यह किस खेल से संबंधित है?

A) निशानेबाज़ी B) तीरंदाजी
C) नौकायन D) बैडमिंटन

Ans. B. तीरंदाजी

22. 'स्मार्ट चार्जिंग अडेप्टर' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे बिट्स पिलानी द्वारा विकसित किया गया है।
2. इसके तहत सौर ऊर्जा की सहायता से ई व्हीकल्स की चार्जिंग की जा सकेगी।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. केवल 2 B. केवल 1
C. 1 व 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

Ans. A. केवल 2

23. 'भूगर्भ जल सर्वेक्षण 2023' द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में सर्वाधिक भूगर्भ जल संकट की स्थिति किस राज्य में है?

A. राजस्थान
B. महाराष्ट्र
C. गुजरात
D. तेलंगाना

Ans. A. राजस्थान

24. स्टारलाइनर 'केलिप्सो' स्पेसक्राफ्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे स्पेसएक्स द्वारा डिज़ाइन और विकसित किया गया है।
2. सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में परीक्षण मिशन पर नए अंतरिक्ष यान को उड़ाने वाली पहली महिला बनी हैं।
3. इसका उद्देश्य प्रक्षेपण से लेकर डॉकिंग तक अंतरिक्ष यान की क्षमताओं का मूल्यांकन करना है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. D. 2 और 3

25. हाल ही में "अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप UFC)" में जीतने वाली पहली भारतीय महिला फाइटर कौन बनी है?

A. निखत जरीन
B. रितु फोगाट
C. पूजा तोमर
D. लवलीना बोरगोहेन

Ans. C पूजा तोमर

26. केंद्रीय मंत्रिपरिषद के संदर्भ में के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. वर्तमान में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 72 मंत्री शामिल है।
2. केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की अधिकतम सदस्य संख्या क्रमशः लोकसभा और विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती।
3. केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की अधिकतम सदस्य संख्या का प्रावधान 91वें संविधान संशोधन द्वारा 2003 में किया गया।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. C. 1, 2 व 3

27. राजस्थान से केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल मंत्रियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. वर्तमान में राजस्थान से 4 सांसदों को मंत्री पद पर नियुक्त किया गया है।
2. इसमें 2 कैबिनेट मंत्री, 1 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार) और 1 राज्य मंत्री है।
3. इसमें 2 महिला मंत्री शामिल है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. A. 1 व 2

28. केंद्रीय मंत्रिपरिषद में कितनी महिला मंत्री नियुक्त की गई है?

A. 7 B. 8
C. 12 D. 13

Ans. A. 7

29. हाल ही में राजस्थान से केंद्रीय मंत्रिपरिषद में नियुक्त 4 मंत्रियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

A. गजेंद्रसिंह शेखावत - उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय
B. भूपेंद्र यादव - वन एवं पर्यावरण मंत्रालय
C. अर्जुन मेघवाल - विधि एवं न्याय मंत्रालय
D. भागीरथ चौधरी - कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

Ans. A. गजेंद्रसिंह शेखावत - उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय

30. प्रेम सिंह तमांग के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह सिक्किम के नए मुख्यमंत्री नियुक्त किए गए है।
2. इनका मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सर्वाधिक रहा है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. केवल 2 B. केवल 1
C. 1 व 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

Ans. B. केवल 1

31. भारत में घरेलू खपत सर्वेक्षण HCES) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह इंडेक्स आय वितरण और खर्च के बीच समानता दर्शाता है।
2. इसके तहत 2011-12 से 2022-23 के बीच गिनी इंडेक्स में सर्वाधिक वृद्धि नागालैंड राज्य में हुई।
3. राजस्थान का 2011-12 से 2022-23 के बीच गिनी इंडेक्स में वृद्धि दर के सन्दर्भ में आठवाँ स्थान है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A. 1 व 2 B. केवल 1
C. 1, 2 व 3 D. 2 और 3

Ans. A. 1 व 2

32. देश में पहली बार 'ट्रांस LGBT इंडिया गॉट टैलेंट शो एंड ब्यूटी कॉन्टेस्ट' का आयोजन राजस्थान में कहाँ किया जाएगा?

A. उदयपुर
B. जोधपुर
C. जयपुर
D. अजमेर

Ans. C. जयपुर

33. हाल ही में राजस्थान के शहरों में आधारभूत संरचनाओं के विकास न उन्नयन हेतु राजस्थान शहरी आधारभूत संरचना विकास परियोजना RUIDP) के तहत किसके द्वारा 3674 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा?

A) न्यू डेवलपमेंट बैंक
B) एशियाई डेवलपमेंट बैंक
C) विश्व बैंक
D) एशियाई इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक
Ans. C) विश्व बैंक

34. आंध्र प्रदेश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में चंद्रबाबू नायडू नए मुख्यमंत्री नियुक्त किए गए है।
2. इसकी नई राजधानी विशाखापत्तनम घोषित की गई है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 2 B) केवल 1
C) 1 व 2 दोनों D) न तो 1 न ही 2
Ans. B) केवल 1

35. राजस्थान को विद्युत् उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने हेतु किन स्थानों पर नए थर्मल प्लांट स्थापित किए जाएंगे?

A) कोटा, झालावाड़, बारां
B) कोटा, श्री गंगानगर, बूँदी
C) बाड़मेर, बीकानेर, रणथम्भोर
D) रणथम्भोर, झालावाड़, बूँदी
Ans. A) कोटा, झालावाड़, बारां

36. G7 समूह के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह वर्ष 1975 में स्थापित एक अंतर-सरकारी संगठन है।
2. इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत शामिल हैं।
3. इसके 50वें सम्मलेन का आयोजन 13-15 जून 2024 को इटली के अपुलीया के फसानो शहर में किया जाएगा।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 2 व 3 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 3
Ans. D) 1 और 3

37. केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन JJM) के तहत राजस्थान में 'हर घर नल' कनेक्शन के संदर्भ में कौनसा जिला पहले स्थान पर है?

A) जोधपुर B) अलवर
C) कोटा D) जयपुर
Ans. D) जयपुर

38. वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह सूचकांक विश्व आर्थिक मंच WEF) द्वारा जारी किया जाता है।
2. इस सूचकांक में भारत 129वें स्थान पर है।
3. इसमें पहले स्थान पर फ़िनलैंड है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 2 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 3
Ans. A) 1 व 2

39. राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति के सन्दर्भमें निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की दया याचिका खारिज कर दी।
2. राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का उल्लेख अनुच्छेद 71 में है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2
C) 1 व 2 दोनों D) न तो 1 न ही 2
Ans. A) केवल 1

40. हाल ही में ओडिशा के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

A) धर्मेंद्र प्रधान B) मोहन चरण माझी
C) प्रेम सिंह तमांग D) हेमानंद बिस्वाल
Ans. B) मोहन चरण माझी

41. हाल ही में भारत का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार NSA) किसे नियुक्त किया गया है?

A) उपेंद्र द्विवेदी B) जी. सतीश रेड्डी
C) अजीत डोवाल D) के.पी.एस. गिल
Ans. C) अजीत डोवाल

42. राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण विधेयक, 2023 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को विधानसभा में पुनर्विचार हेतु राज्यपाल को निर्देश दिया है।
2. यह विधेयक पुनः राज्य विधानसभा से पारित होने के बाद राज्यपाल की मंजूरी के बाद क़ानून बन सकेगा।
3. अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति हेतु आरक्षित कर सकता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 2 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 3
Ans. D) 1 और 3

43. हाल ही में अरुणाचल प्रदेश का मुख्यमंत्री किसे नियुक्त किया गया है?

A) प्रेम सिंह तमांग B) एन. बीरेन सिंह
C) माणिक साहा D) पेमा खांडू
Ans. D) पेमा खांडू

44. स्टॉप-क्लॉक नियम के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में अमेरिका स्टॉप-क्लॉक नियम से पेनल्टी पाने वाला पहला देश बना है।
2. यह नियम क्रिकेट से सम्बंधित है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2

C) 1 व 2 दोनों D) न तो 1 न ही 2
Ans. C) 1 व 2 दोनों

45. भारत में 3 नई अपराध संहिताएँ - भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 कब लागू किए जाएंगे?
A) 15 अगस्त 2024 B) 1 अगस्त 2024
C) 2 अक्टूबर 2024 D) 1 जुलाई 2024
Ans. D) 1 जुलाई 2024

46. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पैरवी के लिए 8 नए अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किए गए है।
2. राजस्थान में अतिरिक्त महाधिवक्ता को विधि व विधिक कार्य विभाग द्वारा नियुक्त किया जाता है।
3. राजस्थान के वर्तमान महाधिवक्ता श्री राजेंद्र प्रसाद है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. A) 1 व 3

47. भारत के पहले स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. इसका नाम 'नागास्त्र 1' है।
2. इसे नागपुर की सोलर इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड EEL) द्वारा विकसित किया गया है।
3. इसकी मैन-इन-लूप रेंज 15 किमी और ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किमी है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

48. 13वें इंडिया स्टोनमार्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में इस हेतु रीको, लघु उद्योग भारती राजस्थान और सीडोस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए। ।
2. इसका आयोजन 2026 में जोधपुर में होगा।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) केवल 2
C) 1 व 2 दोनों D) न तो 1 न ही 2
Ans. A) केवल 1

49. राजस्थान में किन क्षेत्रों में सोलर प्रोजेक्ट द्वारा 2950 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा?
1. पूगल बीकानेर)
2. छत्तरगढ़ बीकानेर)
3. भड़ला फलोदी)
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

50. हाल ही में चेक गणराज्य में आयोजित ग्रैंड प्रिक्स उस्ती नाद लाबेम में लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं की 75 किग्रा स्पर्धा में रजत पदक जीता, यह किस खेल से सम्बंधित है?
A) निशानेबाज़ी B) तीरंदाज़ी
C) कुश्ती D) मुक्केबाज़ी
Ans. D) मुक्केबाज़ी

51. हाल ही में विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल 'चिनाब रेल ब्रिज' पर पहली बार ट्रायल परीक्षण किया गया, यह कहाँ स्थित है?
A) लद्दाख B) जम्मू कश्मीर
C) हिमाचल प्रदेश D) उत्तराखंड
Ans. B) जम्मू कश्मीर

52. राजस्थान से संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में चयनित अधिकारियों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. इस मिशन के लिए विदेश में पुलिस सेवा के लिए राजस्थान पुलिस से 5 अधिकारियों का चयन हुआ है।
2. इसमें राज्य की 2 महिला अधिकारी सुशीला यादव और आरती सिंह तंवर भी शामिल है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans. B) केवल 2

53. नेता प्रतिपक्ष LOP) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. यह एक संवैधानिक पद है।
2. इसे कैबिनेट मंत्री के समकक्ष दर्जा हासिल होता है।
3. लोकसभा की पहली महिला नेता प्रतिपक्ष श्रीमती सोनिया गाँधी थी।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. B) केवल 2

54. हाल ही में किस साहित्यकार को काव्य कृति "सुध सोधूं जग आँगणै" हेतु राजस्थानी भाषा के साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2024देने की घोषणा की गई है?
A) के. वैशाली B) सोनाली सुथार
C) गौरव पांडे D) प्रहलाद सिंह 'झोरड़ा'
Ans. B) सोनाली सुथार

55. कॉस्ट ऑफ लिविंग सर्वे 2024 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. यह सर्वे मर्सर कंसल्टेंसी फर्म द्वारा किया गया।
2. विश्व का सबसे महंगा शहर हॉन्गकॉन्ग है।
3. भारत का सबसे महंगा शहर गुरुग्राम है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2

C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. D) 1 और 2

56. राजस्थान का पहला वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो कहाँ स्थापित किया जा रहा है ?
A) नावां डीडवाना-कुचामन)
B) खातीपुरा जयपुर)
C) सांभर जयपुर ग्रामीण)
D) भड़ला फलोदी)
Ans. B) खातीपुरा जयपुर)

57. जल जीवन मिशन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. इसके तहत 'हर घर जल' के तहत 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने ग्रामीण क्षेत्रों में 100% लक्ष्य हासिल कर लिया है।
2. राजस्थान 'हर घर जल' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100% कवरेज हासिल करने वाले राज्यों में शामिल है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans. A) केवल 1

58. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में पीलीबंगा हनुमानगढ़) नगरपालिकाध्यक्ष सुखचैन सिंह रमाणा को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटा दिया गया।
2. नगरपालिकाध्यक्ष या उपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए 3 /4 बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans. D) 1 व 2 दोनों

59. हाल ही में तुर्क फिनलैंड) में आयोजित पावो नुरमी गेम्स में भारत के भाला फ़ेंक खिलाडी नीरज चोपड़ा का कौनसा स्थान रहा ?
A) पहला B) दूसरा
C) तीसरा D) चौथा
Ans. A) पहला

60. विश्व का सबसे बड़ा 'नेट जीरोग्रीन परिसर' किस विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया है?
A) विक्रमशिला विश्वविद्यालय
B) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
C) नालंदा विश्वविद्यालय
D) वल्लभी विश्वविद्यालय
Ans. C) नालंदा विश्वविद्यालय

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. श्री नवीन महाजन को राजस्थान का मुख्य निर्वाचन अधिकारी CEO) नियुक्त किया गया है।
2. मुख्य निर्वाचन अधिकारी CEO) की नियुक्ति भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की जाती है।
3. राजस्थान के वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री मधुकर गुप्ता है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

62. न्यूनतम समर्थन मूल्य MSP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा खरीफ की 14 फसलों का MSP बढ़ाया गया है।
2. MSP का निर्धारण कृषि लागत एवं मूल्य आयोग CACP) द्वारा किया जाता है।
3. CACP की सिफारिशें केंद्र सरकार के लिए बाध्यकारी है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. D) 1 और 2

63. 'संविधान पार्क' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर में संविधान पार्क का लोकार्पण किया गया।
2. हाल ही में जोधपुर में देश का पहला संविधान स्तम्भ का लोकार्पण किया गया है।
3. देश का पहला संविधान पार्क राजभवन, जयपुर में स्थापित किया गया था।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. A) 1 व 3

64. हाल ही में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन NATO) के नए महासचिव कौन चुने गए है?
A) फिलेमोन युंजी B) मार्क रूटे
C) उर्सुला वॉन डेर लेयेन D) नवाफ़ सलाम
Ans. B) मार्क रूटे

65. प्रोटेम स्पीकर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में कटक ओडिशा) से सांसद भर्तृहरि महताब को 18वीं लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है।
2. राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 951) के तहत प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की गई है।
3. अनुच्छेद 99 के तहत राष्ट्रपति या उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति तीसरी अनुसूची के प्रारूप के अनुसार सांसदों को शपथ दिलाता है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

66. शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार के 65%

आरक्षण देने के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया।
2. इंदिरा साहनी वाद 1992 में सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण की सीमा 50% तक निर्धारित की थी।
3. 91वें संविधान संशोधन द्वारा 2003 में तमिलनाडु में दिए गए 69% आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल किया गया।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. D) 1 और 2

67. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. यह प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है।
2. पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2014 को मनाया गया था।
3. वर्ष 2024 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वयं और समाज के लिए योग" है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. A) 1 व 3

68. हाल ही में डी.पी. मनु ने ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2024 में स्वर्ण पदक जीता, यह किस खेल से सम्बंधित है?
A)भाला फेंक B)ऊंची कूद
C)गोला फ़ेंक D)बाधा दौड़
Ans.A) भाला फेंक

69. हाल ही में G7 शिखर सम्मेलन में सदस्यों ने IMEC प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति जताई है, इसके सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-
1. IMEC से तात्पर्य भारत-मध्य पूर्व-यूरोप-चीन गलियारे से है।
2. इसके तहत सऊदी अरब, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप को सड़कों, रेलवे और शिपिंग मार्गों के एक व्यापक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।
3. यह चीन के बेल्ट एंड रोड BRI) पहल के प्रत्युत्तर में शुरू किया गया है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) 2 और 3
C) केवल 2 D) 1, 2 और 3
Ans. B) 2 और 3

70. हाल ही में अंतरिक्ष में अलग-अलग मिशन में 1000 दिन बिताने वाले ओलेग कोनोनेंको विश्व के पहले अंतरिक्ष यात्री बने है, यह किस देश से है?
A) संयुक्त राज्य अमेरिका B) चीन
C) रूस D) यूनाइटेड किंगडम
Ans.C) रूस

71. हाल ही में इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन FIH) ने हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी किस देश को सौंपी है?
A) भूटान B) श्रीलंका
C) भारत D) चीन
Ans.C) भारत

72. भारत का पहला रीयूजेबल रॉकेट किस कंपनी द्वारा विकसित किया जा रहा है?
A) अग्निकुल कॉसमॉस
B) पिक्सेल
C) स्काईरूट एयरोस्पेस
D) एब्योम स्पेस
Ans.D) एब्योम स्पेस

73. संसद सत्र के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-
1. अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति संसद सत्र आहूत, सत्रावसान करते है।
2. अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति संसद को भंग कर सकते है।
3. अनुच्छेद 87 के तहत राष्ट्रपति लोकसभा चुनाव के बाद के पहले सत्र और वर्ष के पहले सत्र को सम्बोधित करते है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) 1 और 3
C) केवल 2 D) 1, 2 और 3
Ans. B) 1 और 3

74. वर्ल्ड टेबल टेनिस WTT) कंटेंडर के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-
1. इसका आयोजन लागोस नाइजीरिया) में किया गया।
2. श्रीजा अकुला इसका महिला एकल ख़िताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी है।
3. इसका महिला युगल खिताब भारत की श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने जीता है।
सही विकल्प का चयन कीजिए-
A) केवल 1 B) 1 और 3
C) केवल 2 D) 1, 2 और 3
Ans. D) 1, 2 और 3

75. प्रवासी राजस्थानियों का सबसे बड़ा पर्व 'जीमण' विदेश में कहाँ आयोजित किया जाएगा?
A) लन्दन यूनाइटेड किंगडम)
B) न्यूयार्क संयुक्त राज्य अमेरिका)
C) पेरिस फ्रांस)
D) जेनेवा स्विट्ज़रलैंड)
Ans.A) लन्दन यूनाइटेड किंगडम)

76. किसी राज्य के नाम परिवर्तन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. हाल ही में केरल विधानसभा द्वारा राज्य का नाम 'केरलम' करने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
2. किसी राज्य का नाम परिवर्तन संसद द्वारा अनुच्छेद 3 के तहत किया जा सकता है।
3. राज्य के नाम परिवर्तन हेतु संविधान संशोधन करना होता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. D) 1 और 2

77. हाल ही में आईटीबी बर्लिन जर्मनी) में "वुमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया" के सम्मान से किसे सम्मानित करने की घोषणा की गई है?

A) मंजू बाघमार B) दीया कुमारी
C) सिद्धि कुमारी D) दीप्ति माहेश्वरी
Ans. B) दीया कुमारी

78. विश्व की किस अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा पृथ्वी की कक्षा में कृत्रिम तारा Artificial Star) लॉन्च किया जाएगा?

A) नासा B) रोसकॉस्मोस
C) इसरो D) जाक्सा
Ans. A) नासा

79. वर्ल्ड टेबल टेनिस WTT) कंटेंडर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसमें भारत ने 3 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य पदक जीते है।
2.इसमें पुरुष युगल हरमीत देसाई और मानव ठक्कर ने स्वर्ण पदक जीता।
3. पुरुष युगल का ख़िताब जीतने वाली यह पहली भारतीय पुरुष जोड़ी है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

80. हाल ही में राजस्थान की कशिश गुर्जर और अश्विनी विश्नोई ने अम्मान जॉर्डन) में आयोजित अंडर-17 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, यह किस खेल से सम्बंधित है?

A) तीरंदाजी B) निशानेबाजी
C) कुश्ती D) भारोत्तोलन
Ans. C) कुश्ती

81. नेता प्रतिपक्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एक संवैधानिक पद है।
2.हाल ही में राहुल गाँधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चुने गए है।
3. लोकसभा में पहले नेता प्रतिपक्ष डॉ. राम सुभाग सिंह थे।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 2 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. A) 2 व 3

82. नए राज्य के गठन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में केरल के सुन्नी युवजन संगम SYS) दल ने केरल से अलग मालाबार राज्य के गठन की मांग की है।
2.देश में नए राज्यों के गठन से संबधित प्रावधान का उल्लेख अनुच्छेद 2 में है।
3. नए राज्य के गठन हेतु संबधित राज्य से सहमति अनिवार्य है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 2 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. D) 1 और 2

83. मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसका पूर्ववर्ती नाम मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना है।
2.इसके तहत 5 लाख रुपये का स्वस्थ्य बीमा का प्रावधान है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans. D) 1 व 2 दोनों

84. हाल ही में ग्रेटर फ्लेमिंगो राजहंस की प्रजाति) के कारण चर्चा में रहा झाखरड़ा अभयारण्य किस जिले में स्थित है?

A) बीकानेर B) झालावाड़
C) बाड़मेर D) उदयपुर
Ans. C) बाड़मेर

85. लोकसभा अध्यक्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में ओम बिरला 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए है।
2.ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले राजस्थान के पहले सांसद है।
3. लोकसभा अध्यक्ष का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 2 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 2 और 3
Ans. A) 1 व 2

86. रेमिटेंस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में भारत वित्त वर्ष 2023-24 में विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्तकर्ता देश बना है।
2.भारत को रेमिटेंस के रूप में सर्वाधिक राशि खाड़ी देशों से प्राप्त हुई है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans. A) केवल 1

87. 'माइक्रोवेव ऑब्स्क्योरेंट चैफ रॉकेट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे DRDO की रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर) द्वारा विकसित किया गया है।
2.यह तकनीक रडार संकेतों को अस्पष्ट करती है और प्लेटफार्मों और परिसंपत्तियों के चारों ओर माइक्रोवेव शील्ड बनाती है, जिससे रॉकेट रडार की पकड़ में नहीं आता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans.D) 1 व 2 दोनों

88. राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में श्री गंगाराम मूलचंदानी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
2. इस आयोग की पहली अध्यक्ष सुश्री कान्ता भटनागर थी।
3. इसके अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, होता है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 2 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 3
Ans. A) 1 व 2

89. हाल ही में अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन ISA) का 100वां सदस्य कौनसा देश बना है?

A) चाड B) थाईलैंड
C) पराग्वे D) मिस्र
Ans. C) पराग्वे

90. राजस्थान सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत पेंशन राशि 1,000 रुपये से बढ़ाकर कितनी कर दी गई है?

A) 1,150 रुपये B) 1,500 रुपये
C) 1,250 रुपये D) 1,600 रुपये
Ans. A) 1,150 रुपये

91. वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक Global Energy Transition Index) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह सूचकांक विश्व आर्थिक मंच WEF) द्वारा जारी किया जाता है।
2. इस सूचकांक में भारत 67वें स्थान पर है।
3. इसमें स्वीडन पहले स्थान पर है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 2 B) केवल 1
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 3
Ans. D) 1 और 3

92. राजस्थान सरकार द्वारा 17 नए जिलों की जाँच व पुनर्गठन के लिए किसकी अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है?

A) एस. के. सरीन B) रामलुभाया
C) ललित के. पंवार D) गंगाराम मूलचंदानी
Ans. C) ललित के. पंवार

93. साहित्य अकादमी के बाल साहित्य पुरस्कार 2024 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसमें हिंदी भाषा में देवेंद्र कुमार को '51 बाल कहानियां' कहानी संग्रह) के लिए सम्मानित किया जाएगा।
2. इसमें अंग्रेजी भाषा में नंदिनी सेनगुप्ता को 'द ब्लू हॉर्स एंड अदर अमेजिंग एनिमल्स स्टोरीज फ्रॉम इंडियन हिस्ट्री' उपन्यास) के लिए सम्मानित किया जाएगा।
3. इसमें राजस्थानी भाषा में प्रहलाद सिंह 'झोरड़ा' को 'म्हारी ढाणी' कविता संग्रह) के लिए सम्मानित किया जाएगा।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) 1 व 3 B) केवल 2
C) 1, 2 व 3 D) 1 और 2
Ans. C) 1, 2 व 3

94. हाल ही में भारत का नया विदेश सचिव किसे नियुक्त किया गया है?

A) विनय मोहन क्वात्रा B) विक्रम मिस्री
C) राजीव गौबा D) प्रदीप श्रीवास्तव
Ans. B) विक्रम मिस्री

95. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत को वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश FDI) सिंगापुर से प्राप्त हुआ है।
2. भारत को वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक रेमिटेंस संयुक्त राज्य अमेरिका से प्राप्त हुआ है।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

A) केवल 1 B) केवल 2
C) न तो 1 न ही 2 D) 1 व 2 दोनों
Ans.D) 1 व 2 दोनों